THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

# स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

**वर्ष-28 अंक** : 71 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) **ज्येष्ठ शु.10 2080 मंगलवार, 30 मई 2023**

प्रधान संपादक - **डॉ. गिरीश कुमार संघी** हैदराबाद नगर **पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये**


# पीएम ने नॉर्थ-ईस्ट की पहली वंदे-भारत को हरी झंडी दिखाई

## गुवाहाटी से न्यू जलपाईगुड़ी के बीच चलेगी, 411 किमी का सफर साढ़े 5 घंटे में पूरा करेगी

गुवाहाटी, 29 मई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को नॉर्थ-ईस्ट की पहली और देश की 18वीं वंदे भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाई। पीएम इस कार्यक्रम में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए जुड़े। यह ट्रेन असम के गुवाहाटी से पश्चिम बंगाल के न्यू जलपाईगुड़ी के बीच चलेगी, जो 411 किलोमीटर की दूरी साढ़े 5 घंटे में तय करेगी।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पीएम ने कहा कि आज नॉर्थ-ईस्ट की कनेक्टिविटी से जुड़े तीन काम हो रहे हैं। नॉर्थ-ईस्ट को पहली मेड इन इंडिया वंदे भारत मिल रही है। दूसरा- ये पश्चिम बंगाल को जोड़ने वाली तीसरी वंदे भारत है। तीसरा- मेघालय के लगभग 425 किमी ट्रैक पर इलेक्ट्रिफिकेशन का काम पूरा हो गया है।

**छह दिन चलेगी यह ट्रेन**

गुवाहाटी-न्यू जलपाईगुड़ी वंदे भारत ट्रेन न्यू अलीपुरद्वार, कोकराझार, न्यू बोंगाईगांव और कामाख्या स्टेशन पर रुकेगी। 8 कोच वाली यह ट्रेन हफ्ते में छह दिन चलेगी। ट्रेन सुबह 6:10 बजे न्यू-जलपाईगुड़ी जंक्शन से निकलेगी और दोपहर में गुवाहाटी पहुंचेगी। रिटर्न में ट्रेन शाम 4:30 बजे गुवाहाटी से रवाना होगी और रात करीब 10 बजकर 20 मिनट पर न्यू जलपाईगुड़ी पहुंचेगी।

**17वीं वंदे भारत 25 मई को उत्तराखंड को मिली** :

इससे पहले 25 मई को पीएम मोदी ने उत्तराखंड की पहली और देश की 17वीं वंदे भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाई थी। इस दौरान प्रधानमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड का विकास भारत के विकास में भी मदद करेगा। देश अब रुकने वाला नहीं है, वह वंदे भारत की रफ्तार से आगे बढ़ रहा है और बढ़ता जाएगा।

**वंदे भारत से बढ़ी रेल यात्रियों की सुविधा**

दुनिया में चौथा सबसे लंबा रेल नेटवर्क भारत का है। यहां 1.25 लाख किलोमीटर लंबे रेलवे ट्रैक पर हर रोज 11 हजार से ज्यादा ट्रेनें दौड़ती हैं। इन ट्रेनों के जरिए करीब 3 करोड़ लोग हर रोज सफर करते हैं। इतना बड़ा और लोगों से जुड़ा होने की वजह से भारत में रेलवे का अलग बजट ही पेश किया जाता था। 2016 में मोदी सरकार ने 92 साल पुरानी ये प्रथा बंद की।

## मुंबई में आतंकी हमले की आशंका?

मुंबई, 29 मई (एजेंसियां)। मुंबई से बड़ी खबर सामने आई है। मुंबई पुलिस ने 28 मई से 11 जून 2023 तक मुंबई शहर में पांच लोगों के एकसाथ इकट्ठा होने पर प्रतिबंध लगा दिया है। पुलिस द्वारा अचानक लिए इस फैसले को लेकर तरह-तरह के कयास लगाए जा रहे हैं। मुंबई पुलिस ने एक सर्कुलर निकालकर इस बात की जानकारी दी है। पुलिस के सर्कुलर में कहा गया है कि मुंबई में सार्वजनिक शांति भंग करने और सार्वजनिक जीवन को बाधित करने का प्रयास किया जा सकता है। साथ ही कुछ ऐसी घटनाएं होने की भी आशंका है जिससे लोगों का जीवन खतरे में पड़ सकता है। इस के चलते और नागरिकों की सुरक्षा के मद्देनजर पुलिस ने यह आदेश जारी किया है। बहरहाल इस आदेश के दायरे से शादी समारोह, शोक समारोह, सहकारी समितियों-संगठनों के कार्यक्रम, सिनेमा-थिएटर, दुकानें, व्यवसायिक स्थलों को बाहर रखा गया है।

# भारत-चीन के रिश्तों में बैलेंस की जरूरत

## जयशंकर बोले, तीन सालों से बॉर्डर पर बेहद जटिल चुनौती

नई दिल्ली, 29 मई (एजेंसियां)। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा, भारत पिछले तीन सालों से चीन के साथ बॉर्डर एरिया पर बेहद जटिल चुनौतियों का सामना कर रहा है। मौजूदा स्थिति को बदलने के लिए एकतरफा प्रयास काफी नहीं हैं। दोनों देशों के रिश्तों में बैलेंस की जरूरत है। तभी स्थितियां सामान्य हो पाएंगीं।

जयशंकर ने यह बात सोमवार को यूके के विदेश राज्य मंत्री तारिक अहमद के साथ बैठक के बाद कहीं। बैठक में मुक्त व्यापार समझौते, भारत-प्रशांत और जी-20 सहित कई मुद्दों पर चर्चा हुई।

**जयशंकर ने कहा था, हम चीन से नहीं डरते**

इसी साल फरवरी में न्यूज एजेंसी को दिए इंटरव्यू में जयशंकर ने चीन के मुद्दे पर राहुल गांधी और कांग्रेस के सवालों का जवाब देते हुए कहा था, हम पर आरोप

लगता है कि हम चीन से डरते हैं, उसका नाम भी नहीं लेते हैं। मैं बता दूं कि हम चीन से नहीं डरते। अगर हम डरते तो भारतीय सेना को चीन बॉर्डर पर किसने भेजा? ये सेना राहुल गांधी ने नहीं भेजी, नरेंद्र मोदी ने भेजी है।

कांग्रेस और विपक्षी पार्टियां आरोप लगाती हैं कि लद्दाख में पैंगोंग झील के पास चीन ब्रिज बना रहा है। मैं आपको बता दूं कि यह इलाका 1962 से चीन के अवैध कब्जे में है। इस वक्त भारत के इतिहास का सबसे बड़ा पीस टाइम डिप्लॉयमेंट चीन बॉर्डर पर तैनात है।

**लद्दाख में झड़प के बाद से डटी है चीनी सेना**

पिछले साल अगस्त में भी जयशंकर ने माना था कि भारत के चीन से संबंध ठीक नहीं हैं। उन्होंने कहा था, लद्दाख में झड़प के बाद भी चीनी सेना बॉर्डर के इलाकों में डटी है। अगर चीन ने शांति भंग की तो इसका असर दोनों देशों के संबंधों पर पड़ेगा।

भारत अपने रुख पर कायम है। कमांडर स्तर पर हमारी 15 दौर की बातचीत हुई है। दोनों पक्षों के उन स्थानों से पीछे हटने के बारे में कुछ महत्वपूर्ण प्रगति हुई है, जहां वे बहुत करीब हैं, लेकिन अभी भी कुछ जगहें हैं जहां वे पीछे नहीं हटे हैं।

जयशंकर ने कहा, मैंने 2020 और 2021 में कहा और 2022 में भी कह रहा हूं कि हमारे संबंध सामान्य नहीं हैं। यदि सीमा पर स्थिति सामान्य नहीं है तो संबंध सामान्य नहीं रह सकते और सीमा की स्थिति अभी सामान्य नहीं है।

## अरविंद केजरीवाल के समर्थन पर कांग्रेस बंटी

नई दिल्ली, 29 मई (एजेंसियां)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी ने आज दिल्ली और पंजाब के नेताओं के साथ बैठक की। इस बैठक में चर्चा की गई कि कांग्रेस को केंद्र के अध्यादेश के खिलाफ केजरीवाल की आम आदमी पार्टी का समर्थन करना चाहिए या नहीं।

बैठक में दिल्ली के नेताओं ने कहा कि दिल्ली में आप के साथ कोई गठबंधन नहीं होना चाहिए। साथ ही नेताओं ने दिल्ली के अधिकारियों के ट्रांसफर और पोस्टिंग को लेकर केंद्र के अध्यादेश के खिलाफ आप का साथ देने से भी मना किया है। हालांकि नेताओं ने तय किया है कि आखिरी फैसला हाईकमान ही लेगा। 20 मई को केंद्र सरकार ने दिल्ली में अफसरों के ट्रांसफर-पोस्टिंग को लेकर अध्यादेश जारी किया था।

## भारत नहीं नार्वे के लिए पाकिस्तान है सबसे बड़ा खतरा!

इस्लामाबाद, 29 मई (एजेंसियां)। पाकिस्तान दुनिया भर में आतंकवाद को पनाह देने के लिए चर्चा में रहता है। भारत समेत दुनिया भर के देश पाकिस्तान की हरकतों के कारण उससे दूरी बना चुके हैं। यही वजह है कि आर्थिक संकट में होने के बावजूद भी पाकिस्तान को मदद नहीं मिल रही है। एक रिपोर्ट के अनुसार नार्वे ने पाकिस्तान को खुद के लिए खतरा माना है।

दरअसल, नॉर्वेजियन पुलिस सुरक्षा सेवा (पीएसटी) की खतरे की आंकलन रिपोर्ट 2023 के अनुसार, पाकिस्तान ने नॉर्वे के लिए खतरा पैदा कर दिया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि पाकिस्तान अवैध तरीकों का इस्तेमाल कर नॉर्वे की संवेदनशील टेक्नोलॉजी को चुरा रहा है। इस रिपोर्ट में पाकिस्तान और पाकिस्तानी लोगों से सतर्क रहने, उनकी जांच करने और लगातार निगरानी बनाए रखने के सुझाव दिए गए हैं। बता दें कि नार्वे अपनी टेक्नोलॉजी के लिए दुनिया भर में जाना जाता है।

**टेक्नोलॉजी चोरी कर सकता है पाकिस्तान**

रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान अपने शोधकर्ताओं को नार्वे के शिक्षण एवं शोध संस्थानों में प्रवेश दिलाकर अवैध तरीके से संवेदनशील प्रौद्योगिकी हासिल कर सकता है। ऐसे में पाकिस्तान संवेदनशील प्रौद्योगिकी के प्रसार के मामले में खतरनाक साबित हो सकता है।

**नियमों को तोड़ सकता है पाकिस्तान**

शोधकर्ताओं को नार्वे के शिक्षण संस्थानों में प्रवेश दिलाने के अलावा दूसरा तरीका भी अपना सकता है। पाकिस्तान नार्वेजियन प्रौद्योगिकी प्राप्त करने के लिए नार्वेजियन निर्यात नियंत्रण नियमों को तोड़ कोशिश कर सकता है।

## कंबोडिया के राजा नोरोडोम सिहामोनी पहले आधिकारिक दौरे पर भारत पहुंचे

नई दिल्ली, 29 मई (एजेंसियां)। कंबोडियाई राजा नोरोडोम सिहामोनी सोमवार को भारत की अपनी पहली राजकीय यात्रा पर नई दिल्ली पहुंचे। हवाई अड्डे पर विदेश राज्य मंत्री राजकुमार रंजन सिंह ने उनका स्वागत किया।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने ट्वीट किया, भारत और कंबोडिया के बीच सभ्यतागत संबंधों को और गहरा करने का अवसर। राजा सिहामोनी तीन दिन तक भारत में रहेंगे। मंत्रालय द्वारा जारी एक बयान में कहा गया है, राजकीय यात्रा भारत और कंबोडिया के बीच 1952 में स्थापित राजनयिक संबंधों की 70वीं वर्षगांठ के जश्न का समापन के मौके पर है। कंबोडिया किसी राजा की भारत यात्रा लगभग छह दशकों के बाद हो रही है। इससे पहले वर्तमान सम्राट के पिता 1963 में यहां आए थे।

## बस और कार में भीषण टक्कर, हादसे में 2 बच्चे समेत 10 लोगों की मौत

बेंगलुरू, 29 मई (एजेंसियां)। कर्नाटक में भीषण सड़क हादसे की खबर है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक, मैसूरु के पास तनरसिंहपुरा में सोमवार को एक कार और बस की टक्कर में 10 लोगों की मौत हो गई। मरने वालों में 2 बच्चे भी शामिल हैं। इनोवा कार में सवार लोगों में एक शख्स गंभीर रूप से घायल है। उसे नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। लाशों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है।

बस की टक्कर में इनोवा कार के परखच्चे उड़ गए। 10 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई थी। लाशें अंदर फंसी रह गई थी, पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से लाशों को निकालकार पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा है। मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने हादसे पर शोक व्यक्त करते हुए प्रत्येक मृतक के परिजनों को दो-दो लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की।

## बैंक में दो हजार रुपये के नकली नोट बदलने की कोशिश में एक गिरफ्तार

मुंबई, 29 मई (एजेंसियां)। ताड़देव इलाके में स्थित एचडीएफसी बैंक की शाखा में 2 हजार रुपये के 10 नोट बदलने की कोशिश करने वाले 33 वर्षीय आरोपित नवीद अशफाक शेख को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस के जांच अधिकारी ने सोमवार को बताया कि गिरफ्तार व्यक्ति मुंब्रा का रहने वाला है। वह शुक्रवार को एचडीएफसी बैंक की ताड़देव शाखा में 2 हजार रुपये के 10 नकली नोट लेकर बदलने गया था। बैंक में उसने नोट बदलने के लिए फार्म भरा और नकली नोट जमा कर रहा था। नोट नकली होने की वजह से काउंटिंग मशीन ने उन नोटों को अस्वीकार कर दिया । इससे बैंक अधिकारियों को शक हुआ और नोटों की छानबीन की गई। छानबीन के बाद सभी नोट नकली पाए गए। बैंक अधिकारियों ने इसकी सूचना ताड़देव इलाके की पुलिस को दी। पुलिस की एक टीम तुरंत मौके पर पहुंची और उस व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया।

# कब होगा चंद्रयान-3 लॉन्च ? इसरो चीफ ने बताई तारीख

## कहा- अंतरिक्ष के क्षेत्र में हासिल करेंगे बड़ी कामयाबी

नई दिल्ली, 29 मई (एजेंसियां)। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन के प्रमुख एस सोमनाथ ने बताया कि इसी साल जुलाई में चंद्रयान-3 को लॉन्च किया जाएगा। उन्होंने कहा, ये अंतरिक्ष के क्षेत्र में भारत की एक और बड़ी कामयाबी होगी। दरअसल, इसरो के वैज्ञानिकों ने भूस्थिर उपग्रह प्रक्षेपण यान (जीएसएलवी) के जरिए एक नेविगेशन उपग्रह एनवीएस-01 को आज (29 मई को) लॉन्च किया है। एनवीएस-01 देश की क्षेत्रीय नौवहन प्रणाली को मजबूत करेगा और सटीक व तात्कालिक नौवहन सेवाएं मुहैया कराएगा। चेन्नई से करीब 130 किलोमीटर दूर यहां स्थित श्रीहरिकोटा अंतरिक्ष केंद्र के दूसरे लॉन्च पैड से 51.7 मीटर लंबे तीन चरणीय जीएसएलवी रॉकेट को 27.5 घंटे की उल्टी गिनती समाप्त होने पर प्रक्षेपित किया गया। यह पूर्व निर्धारित समय पूर्वाह्न 10 बजकर 42 मिनट पर

साफ आसमान में अपने लक्ष्य की ओर रवाना हुआ। दूसरी पीढ़ी की इस नौवहन उपग्रह श्रृंखला को अहम प्रक्षेपण माना जा रहा है क्योंकि इससे नाविक (जीपीएस की तरह भारत की स्वदेशी नौवहन प्रणाली) सेवाओं की निरंतरता सुनिश्चित होगी और यह उपग्रह भारत एवं मुख्य भूमि के आसपास लगभग 1,500 किलोमीटर के क्षेत्र में तात्कालिक स्थिति और समय संबंधी सेवाएं प्रदान करेगा।

**डिजाइन पर इसरो ने ये बताया**

इसरो ने बताया कि नाविक को इस तरह से डिजाइन किया गया है कि संकेतों की मदद से उपयोगकर्ता की 20 मीटर के दायरे में स्थिति और 50 नैनोसेकंड के अंतराल में समय की सटीक जानकारी मिल सकती है। इसरो के अध्यक्ष एस सोमनाथ ने इस मिशन के ''उत्कृष्ट परिणाम'' के लिए पूरी टीम को बधाई दी। उन्होंने प्रक्षेपण के बाद 'मिशन नियंत्रण केंद्र' से कहा, ''एनवीएस-01 को जीएसएलवी ने उसकी कक्षा में सटीकता से स्थापित किया। इस मिशन को संभव बनाने के लिए इसरो की पूरी टीम को बधाई।'' उन्होंने अगस्त 2021 में प्रक्षेपण यान के क्रायोजेनिक चरण में पैदा हुई विसंगति का जिक्र करते हुए कहा कि आज की सफलता जीएसएलवी एफ10 की ''विफलता'' के बाद मिली है। उन्होंने इस बात पर खुशी व्यक्त की कि ''क्रायोजेनिक चरण में सुधार और सीखे गए सबक से वास्तव में लाभ हुआ है''।

**उन्होंने समस्या के समाधान का श्रेय 'विफलता विश्लेषण समिति' को दिया।**

सोमनाथ ने कहा कि एनवीएस-01 दूसरी पीढ़ी का उपग्रह है, जिसमें कई अतिरिक्त क्षमताएं है। उन्होंने कहा कि इससे मिलने वाले संकेत अधिक सुरक्षित होंगे और इसमें असैन्य फ्रिक्वेंसी बैंड उपलब्ध कराये गए हैं। यह इस प्रकार के पांच उपग्रहों में से एक है। प्रक्षेपण के 20 मिनट बाद रॉकेट ने 2,232 किलोग्राम वजनी एनवीएस-01 नौवहन उपग्रह को लगभग 251 किमी की ऊंचाई पर भू-स्थिर स्थानांतरण कक्षा (जीटीओ) में स्थापित किया। एनवीएस-01 अपने साथ एल1, एल5 और एस बैंड उपकरण लेकर गया है। दूसरी पीढ़ी के उपग्रह में स्वदेशी रूप से विकसित रुबिडियम परमाणु घड़ी भी होगी। इसरो ने कहा कि यह पहली बार है जब स्वदेशी रूप से विकसित रुबिडियम परमाणु घड़ी का सोमवार के प्रक्षेपण में इस्तेमाल किया गया।

**एक महत्वपूर्ण तकनीक जो केवल कुछ देशों के पास- इसरो**

अंतरिक्ष एजेंसी के मुताबिक, वैज्ञानिक पहले तारीख और स्थान का निर्धारण करने के लिए आयातित रूबिडियम परमाणु घड़ियों का इस्तेमाल करते थे। अब, उपग्रह में अहमदाबाद स्थित अंतरिक्ष अनुप्रयोग केंद्र द्वारा विकसित रूबिडियम परमाणु घड़ी लगी होगी। यह एक महत्वपूर्ण तकनीक है जो कुछ ही देशों के पास है। इसरो ने विशेषकर नागरिक विमानन क्षेत्र और सैन्य आवश्यकताओं के संबंध में स्थिति, नौवहन और समय संबंधी जानकारी से जुड़ी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए नाविक प्रणाली विकसित की है। नाविक को पहले भारतीय क्षेत्रीय नौवहन उपग्रह प्रणाली (आईआरएनएसएस) के नाम से जाना जाता था।

## तेज रफ्तार बाइक ने बुजुर्ग महिला को उड़ा दिया, इलाज के दौरान मौत

पुणे, 29 मई (एजेंसियां)। देश में हर दिन लापरवाही से वाहन चलाने की वजह से हजारों लोगों की मौत हो जाती है। ताजा मामला महाराष्ट्र के पुणे से सामने आया है, जहां एक तेज रफ्तार बाइक ने बुजुर्ग महिला को इतनी जोर से टक्कर मारी कि इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। इस घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है, जिसमें देखा जा सकता है कि महिला रोड क्रॉस करने की कोशिश कर रही है लेकिन इसी दौरान एक तेज रफ्तार में आ रही बाइक उसे उड़ा देती है। ये घटना पुणे के कर्वेनगर इलाके की है। पुणे के इस इलाके में नाबालिगों द्वारा वाहनों को लापरवाही से चलाया जाता है। इसी लापरवाही का शिकार एक महिला बनी, जिसमें उसकी जान चली गई। इस मामले में हिंगाने होम कॉलोनी के निवासी लापरवाही से वाहन चलाने वालों और साइलेंसर व हॉर्न बजाकर शोर करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। लोगों का कहना है कि ऐसे लापरवाह वाहन चालकों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई करना बहुत जरूरी है।

# मेरा नया भारत भगवा, खंडित, असहिष्णु नहीं होगा

## सिब्बल ने प्रधानमंत्री के बयान पर साधा निशाना

नई दिल्ली, 29 मई (एजेंसियां)। राज्यसभा के सदस्य कपिल सिब्बल ने नए संसद भवन के उद्घाटन के मौके पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की टिप्पणी को लेकर सोमवार को उन पर कटाक्ष करते हुए कहा कि ईंट और गारा से नहीं बल्कि 1।4 अरब लोगों की सोच व आकांक्षाओं के साथ स्वतंत्रता का विचार "नए भारत" का निर्माण कर सकता है। मोदी ने रविवार को नए संसद भवन के उद्घाटन को देश की विकास यात्रा में एक "अमर" क्षण बताते हुए दावा किया था कि यह एक आत्मनिर्भर और विकसित भारत की सुबह को चिह्नित करेगा जिससे अन्य देशों में विकास को प्रेरणा मिलेगी।

प्रधानमंत्री मोदी ने लोकसभा में अपने संबोधन में कहा था कि नया संसद भवन " नए भारत" की ऊंचाइयां हासिल करने की दिशा में काम करने की आकांक्षाओं तथा संकल्प को दर्शाता है। सिब्बल ने उद्घाटन समारोह के दौरान प्रधानमंत्री द्वारा की गई टिप्पणी का हवाला देते हुए कहा, " ईंट और गारा से नहीं, बल्कि 1।4 अरब लोगों की सोच व आकांक्षाओं के साथ स्वतंत्रता का विचार मेरे नए भारत का निर्माण कर सकता है... जहां नए विचार पनपते हों और हर तरह के रंग बिखरते हों... न कि जो भगवा, खंडित और असहिष्णु हो।" संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन की पहली और दूसरी सरकार के दौरान केंद्रीय मंत्री रहे सिब्बल ने पिछले साल मई में कांग्रेस छोड़ दी थी। समाजवादी पार्टी के समर्थन से सिब्बल राज्यसभा के निर्दलीय सदस्य निर्वाचित हुए थे। उन्होंने हाल में 'इंसाफ' नामक एक मंच शुरू किया है। उनके मुताबिक, इस मंच का उद्देश्य अन्याय से लड़ना है।

## भिंड में एयरफोर्स के अपाचे हेलिकॉप्टर की इमरजेंसी लैंडिंग

**जखमौली सिंध नदी के बीहड़ में उतारा गया**

भिंड, 29 मई (एजेंसियां)। भारतीय वायु सेना का लैंड हुआ हेलीकॉप्टर अपाचे अटैक एएच 64 हेलीकॉप्टर है। यह एक लड़ाकू विमान है। इस हेलीकॉप्टर ने सुबह ग्वालियर एयर फ़ोर्स बेस से उड़ान भरी थी। करीब 10 बजे अचानक इसे भिंड जिले के नयागांव थाना इलाके के बीहड़ों में जखमोली गांव के पास इमरजेंसी लैंड कराया गया। जिस समय इसे लैंड कराया गया, उस समय हेलीकॉप्टर में वायुसेना के दो पायलट मौजूद थे। अचानक इस तरह गांवों के पास बीहड़ में हेलीकॉप्टर उतरने से ग्रामीण भी दहशत में आ गए। कुछ ही देर में हेलीकॉप्टर के आसपास लोगों की भीड़ जुट गई। घटना की सूचना पुलिस को दी गई है। इसके बाद उमरी थाना पुलिस और नयागांव थाना पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची। भारतीय वायुसेना ने ट्वीट कर बताया कि अपाचे एएच-64 हेलीकॉप्टर को भिंड के पास एहतियातन लैंड कराया गया है। रुटीन ऑपरेशल ट्रेनिंग के दौरान यह कराया गया। चालक दल के सभी सदस्य और हेलीकॉप्टर सुरक्षित है। रेक्टिफिकेशन टीम मौके पर पहुंच चुकी है।

# डी गैंग का 'अंकल' भारत में चला रहा था फेंक करेंसी का काला कारोबार

**2000 की नोट बंदी से टूटी कमर**

नई दिल्ली, 29 मई (एजेंसियां)। हाल ही में केंद्र सरकार द्वारा दो हजार रुपये के नोट को बंद करने के फैसले के चलते डी कंपनी यानी कि दाऊद इब्राहिम को बड़ा झटका लगा है। अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम का सबसे खास गुर्गा भारत में दो हजार के फर्जी नोटों का कारोबार चलाता था। जानकारी मिली है कि डी कंपनी का 'अंकल' फर्जी नोटों का कारोबार करता था। "अंकल" 1993 बॉम्ब ब्लास्ट का आरोपी और दाऊद इब्राहीम का सबसे खास गुर्गा है। गैंग में अंकल के नाम से मशहूर डी कंपनी का गुर्गा जावेद पटेल ऊर्फ जावेद चिकना है। जावेद चिकना भारत में अपने लोगों को पाकिस्तान से कमांड देता था। बता दें कि जावेद चिकना एनआईए की वांटेड लिस्ट में भी शामिल है। डी कंपनी ने अब तक का सबसे हाईटेक 2000 रुपये का नकली नोट बनाया था। बता दें कि हाल ही में एनआईए ने मुंबई के नौपाड़ा इलाके में नकली नोटों से जुड़े मामले में मुंबई में 6 जगहों पर छापेमारी कर आपत्तिजनक सामग्री जब्त की। आज की छापेमारी और बरामदगी से मामले में डी-कंपनी के कनेक्शन की फिर से पुष्टि हुई थी। एनआईए के मुताबिक बुधवार को एनआईए ने मामले में अपनी निरंतर जांच के तहत अभियुक्तों और संदिग्धों के घरों और कार्यालयों पर छापा मारा था। इस दौरान धारदार हथियार, डिजिटल उपकरण और दस्तावेज बरामद हुए। मामला 2 हजार रुपये के नकली भारतीय नोटों की जब्ती से संबंधित है। इस मामले में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया था।

## चीनी घुसपैठ का मुद्दा उठाकर

### सुब्रमण्यम स्वामी का पीएम मोदी पर तंज कहा- तांत्रिक पूजा हमेशा उल्टी पड़ती है

नई दिल्ली, 29 मई (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व राज्यसभा सांसद सुब्रमण्यम स्वामी मोदी सरकार के खिलाफ अपने तीखे तेवरों के लिए जाने जाते हैं। सुब्रमण्यम स्वामी ने अब एक बार फिर केंद्र सरकार पर निशाना साधा है। स्वामी ने मुद्दा भले ही चीनी घुसपैठ का उठाया हो लेकिन उन्होंने इशारों मे ही नए संसद भवन के उद्घाटन के दौरान किए गए धार्मिक कर्मकांडों पर भी तंज कसा। सुब्रमण्यम स्वामी ने ट्वीट कर के कहा, शी जिनपिंग के नेतृत्व वाले चीन ने एक बार फिर दिखा दिया है कि चीन भले ही भारत माता को जंजीरों में जकड़ना जारी रखे और उन्हें हमारी जमीन से अलग कर दे। मोदी केवल विलाप करते हुए यही कहते रहेंगे कि 'कोई आया नहीं'। तांत्रिक पूजा हमेशा उल्टी पड़ती है और पंगु बना देती है जैसा कि रावण के साथ हुआ था। ये पहली बार नहीं है जब सुब्रमण्यम स्वामी ने अपनी ही पार्टी के खिलाफ जाकर अपने दल के सबसे ताकतवर नेता पीएम मोदी पर सीधा हमला किया हो। सुब्रमण्यम स्वामी ने चीन से निपटने के तरीके को लेकर केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार पर पहले भी सवाल खड़े किए हैं। जब सीमा पर चीन से तनाव शुरु हुआ था तब भी स्वामी ने कहा था कि प्रधानमंत्री ने 2020 में कहा कि 'कोई आया नहीं कोई गया नहीं।'

# पहलवानों को अब जंतर-मंतर पर

## विरोध प्रदर्शन की अनुमति नहीं दी जाएगी : दिल्ली पुलिस

नई दिल्ली, 29 मई (एजेंसियां)। दिल्ली पुलिस ने पहलवानों के खिलाफ जो एफआईआर दर्ज की है, वो बाराखंबा थाने में तैनात कांस्टेबल माधव की शिकायत हुई है। एफआईआर के मुताबिक, पहलवानों ने पुलिसकर्मियों के साथ मारपीट की और धक्कामुक्की की। इसमें कांस्टेबल माधव घायल हो गए, जो लेडी हार्डिंग अस्पताल में भर्ती हैं। एफआईआर के मुताबिक, मना करने के बावजूद पहलवान दो बैरिकेड तोड़कर तीसरे बैरिकेड के पास पहुंचे, जहां उन्हें रोका गया। एफआईआर में विनेश फोगाट, बजरंग पुनिया, साक्षी मालिक समेत 12 आरोपी हैं। एफआईआर के मुताबिक, देश की सर्वोच्च संवैधानिक संस्था का उद्घाटन था, जो एक राष्ट्रीय सुरक्षा और सम्मान की बात है। इसकी सुरक्षा और सम्मान के साथ किसी प्रकार का कोई समझौता नहीं किया जाएगा और जिसमें किसी भी प्रकार की बाधा डालना राष्ट्रीय प्रतिष्ठा को हानि पहुंचाने जैसा होगा, जो उन्हे सूचित किया गया। लेकिन फिर भी वे नहीं माने। दिल्ली पुलिस प्रवक्ता सुमन नालवा ने बताया कि पिछले 38 दिनों से पहलवान धरना प्रदर्शन कर रहे हैं। हमने उन्हें हर तरह से कॉपरेट किया। उनका कैंडल मार्च निकाला गया, उसकी परमिशन दी। कल इनको मालूम था कि नए संसद भवन का उदघाटन होना है। पूरा फोर्स सुरक्षा में लगा था। हमने उन्हें वहां तक जाने की परमिशन नहीं दी थी।

फिर भी ये उसी समय वहां के लिए निकले और 2 बैरिकेड तोड़े। इतने बड़े खिलाड़ी होने के बाद भी पुलिस की बात न मानना और इनका बर्ताव बेहद खराब था। हमारी महिला पुलिसकर्मियों से खींचतान की, ड्रामा क्रिएट किया गया। ये कहना बिलकुल गलत है कि दिल्ली पुलिस ने इनसे बदसलूकी की है। उन्होंने कहा कि अब पहलवानों के बर्ताव को देखते हुए उन्हें जंतर-मंतर पर विरोध प्रदर्शन की अनुमति नहीं दी जाएगी। कहीं और प्रोटेस्ट करना हो तो हम सोच सकते हैं वहीं, डीसीपी दिल्ली ने ट्वीट किया,

कुश्ती पहलवानों का धरना और प्रदर्शन निर्बाध तरीक़े से जंतर-मंतर की सूचित जगह पर चल रहा था। कल, दर्शकारियों ने तमाम आग्रह और अनुरोध के बावजूद कानून का उन्मादी रूप से उल्लंघन किया। अतः चल रहे धरने को समाप्त कर दिया गया है। यदि कुश्ती पहलवान भविष्य में दोबारा धरने प्रदर्शन की अनुमति की अर्जी लगाते हैं, तो उन्हें जंतर-मंतर के अलावा अन्य उपयुक्त, सूचित स्थानों में से किसी जगह अनुमति दी जाएगी।

## तमिलनाडु के मंत्री के परिचितों के परिसरों पर आयकर की तलाशी जारी

चेन्नई, 29 मई (एजेंसियां)। तमिलनाडु के बिजली, उत्पाद एवं मद्यनिषेध मंत्री सेंथिल बालाजी के परिचितों के ठिकानों पर आयकर विभाग की छापेमारी सोमवार को चौथे दिन भी जारी है। मंत्री के करीबी कुछ समर्थकों द्वारा आयकर विभाग के अधिकारियों के साथ मारपीट किए जाने के बाद केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की सुरक्षा में छापेमारी की जा रही है। हमले के बाद एक महिला अधिकारी सहित विभाग के चार अधिकारियों को करूर सरकारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया। आयकर अधिकारियों पर हमले के मामले में नौ लोगों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। आयकर विभाग के क्षेत्रीय निदेशक (जांच) के। शिवशंकरन ने कहा है कि अधिकारियों पर हमले से विभाग नहीं झुकेगा और आगे बढ़ेगा। आयकर विभाग मंत्री के भाई अशोक कुमार समेत उनके सहयोगियों से जुड़े कई ठिकानों पर छापेमारी कर रहा है। राज्य शराब निगम, तमिलनाडु राज्य विपणन निगम के कर्मचारियों द्वारा आउटलेट्स में प्रति बोतल 10-20 रुपये अतिरिक्त चार्ज करने की खबरें थीं और पैसे का एक हिस्सा मंत्री के सहयोगियों को हस्तांतरित किया जा रहा था। विपक्षी एआईएडीएमके और बीजेपी ने आरोप लगाया था कि सेंथिल बालाजी कीमतों में बढ़ोतरी में शामिल थे और कार्यवाही का एक हिस्सा मंत्री के सहयोगियों द्वारा प्राप्त किया गया था। एआईएडीएमके ने आरोप लगाया था कि मंत्री और उनके सहयोगियों का करूर गैंग तस्माक के प्रत्येक लेन-देन में कथित रूप से शामिल है। बिजली विभाग के प्रभारी सेंथिल बालाजी के साथ भी कुछ बिजली खरीद समझौतों में कदाचार की खबरें थीं।

# तिहाड़ जेल में फिर भिड़े दो गैंग के बदमाश घायल कैदी ले जाए गए डीडीयू अस्पताल

नई दिल्ली, 29 मई (एजेंसियां)। दिल्ली के तिहाड़ जेल में दो गिरोहों के बदमाश एक बार फिर भिड़ गए. सोमवार (29 मई) को केंद्रीय कारागार तिहाड़ की जेल नंबर 1 में बदमाशों की यह झड़प हुई. घटना में जो कैदी घायल हुए हैं, उन्हें दिल्ली के दीन दयाल उपाध्याय अस्पताल (डीडीयू) ले जाया गया है. एएनआई के मुताबिक, जेल के अधिकारियों ने बताया कि आलोक नाम के एक कैदी ने राहुल नाम के बंदी पर चाकू और टाइल से हमला किया. हाथापाई में दोनों के ओर के लोगों को गंभीर चोटें आईं और उन्हें डीडीयू अस्पताल में भर्ती कराया गया. अधिकारियों ने कहा कि आगे की कार्रवाई की जा रही है.

**झड़प को लेकर प्रेस रिलीज में दी गई ये जानकारी**

वहीं, जेल के भीतर हुई झड़प के बारे में एक प्रेस विज्ञप्ति जारी की गई है. इसके मुताबिक, सोमवार (29 मई) को 12:38 बजे के आसापास तिहाड़ के सेंट्रल जेल-1 के वार्ड नंबर 2 में कुछ कैदियों ने राहुल नाम के बंदी पर कामचलाऊ चाकू, हाथ से बने एक हथियार और टाइल से हमला किया. इससे कैदी घायल हो गया. हमलावरों में शामिल आलोक नाम के कैदी ने खुद को चोटिल कर लिया. वहीं, जेल स्टाफ और त्वरित प्रतिक्रिया दल ने हस्तक्षेप किया और कैदियों को तुरंत अलग किया गया. जेल की डिस्पेंसरी में घायलों को प्राथमिक चिकित्सा दी गई और उसके बाद दोनों घायल कैदियों को आगे के इलाज के लिए डीडीयू अस्पताल ले जाया गया. वहीं, हरि नगर पुलिस थाने में प्राथमिकी दर्ज करने और मामले में आगे की कार्रवाई के लिए सूचित किया गया.

**तिहाड़ जेल में हमले के बाद हो गई थी टिल्लू ताजपुरिया की मौत**

बता दें कि हाल में गैंगस्टर टिल्लू ताजपुरिया की मौत तिहाड़ में जेल में ही हुए जानलेवा हमले के बाद हो गई थी. सीसीटीवी फुटेज में वारदात कैद गई थी. गोगी गैंग के गुर्गों पर टिल्लू ताजपुरिया की हत्या का आरोप लगा. एक और सीसीटीवी फुटेज में दिखाया गया था कि ताजपुरिया के शरीर पर अधिकारियों के सामने भी बदमाशों ने हमला किया था. पूरी घटना के बाद जेल के भीतर सुरक्षा पर सवाल खड़े हुए. इसके बाद जेल की सुरक्षा के मद्देनजर कई बड़े कदम उठाने का एलान जेल प्रशासन की ओर से किया गया था.

## शराब पीने के दौरान हुआ झगड़ा, मालिक ने नौकर को बोतल घोंपकर मार डाला; हुआ अरेस्ट

कोलकाता, 29 मई (एजेंसियां)। शराब पीने के दौरान एक कर्मचारी की दुकान मालिक से कहा-सुनी हो गई। गुस्से में मालिक ने शराब की बोतल तोड़कर कर्मचारी को मारा। इससे कर्मचारी की मौत हो गई। मृतक कर्मचारी का नाम बाबूलाल मंडी (45) है। घर पश्चिम बंगाल के हुगली जिले के पंडुआ थाने के बैंची गांव में है। रात में चुंचुड़ा इमामबाड़ा अस्पताल में इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। इस घटना में हत्या के आरोप में पंडुआ थाने की पुलिस ने दुकान मालिक सुभाष चट्टोपाध्याय को गिरफ्तार किया है। बाबूलाल सुबह काम पर जाने के लिए घर से निकला था। वह रोज दोपहर को खाना खाने घर आता था। रविवार को दोपहर बाद बाबूलाल नहीं लौटा तो परिजनों ने तलाश शुरू की। इस बीच, बैंची गांव में जीटी रोड के किनारे एक हार्डवेयर की दुकान के अंदर से आ रही आवाजों को सुनकर स्थानीय लोगों को संदेह हुआ।

# पांच गारंटी पूरा करने के लिए सरकार प्रतिबद्ध, बोले डीके शिवकुमार- चिंता की जरूरत नहीं

बेंगलूरू, 29 मई (एजेंसियां)। कर्नाटक चुनाव में शानदार जीत के बाद कांग्रेस सरकार अब अपने मेनिफेस्टो में किए गए वादों को पूरा करने की कवायद में लगी है। प्रदेश के डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार ने सोमवार को कहा कि राज्य में एक जिम्मेदार सरकार है, और विधानसभा चुनाव से पहले पार्टी ने लोगों से जो भी वादे किए हैं उन्हें पूरा किया जाएगा। शिवकुमार ने लोगों से कहा कि उन्हें चिंता करने की जरूरत नहीं है। हालांकि शिवकुमार ने इन गारंटी को लागू करने की कोई समय सीमा नहीं बताई, लेकिन कहा कि एक जून को होने वाली मंत्रिमंडल की बैठक में इन्हें पूरा करने पर चर्चा की जाएगी।

**कैबिनेट की बैठक में होगी घोषणाओं पर चर्चा**

कर्नाटक के डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार ने कहा कि एक जून को कैबिनेट की बैठक होनी है। मुख्यमंत्री के पास वित्त विभाग का भी प्रभार है। वह अधिकारियों के साथ चर्चा करेंगे और मंत्रिमंडल में इसकी जानकारी देंगे। उन्होंने कहा कि हम अपना वादा पूरा करेंगे। हमें व्यवस्थित तरीके से ऐसा करना होगा और इसकी तैयारी जारी है। शिवकुमार ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि राज्य में एक जिम्मेदार सरकार है। और वह लोगों से किए अपने वादों को पूरा करेगी उन्हें चिंता करने की जरूरत नहीं है।

**सभी मंत्री करेंगे विभागों की समीक्षा**

उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने कहा कि पद की शपथ लेने के बाद सभी मंत्रियों को अपने-अपने विभागों की समीक्षा करने को कहा गया है। सभी मंत्री आज से ही अपना काम शुरू कर दिया है। गौरतलब है कि कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने शनिवार को अपने मंत्रिमंडल का विस्तार किया था। सरकार में 24 नए नेताओं को मंत्री पद की शपथ दिलाई गई थी। इसके बाद रविवार देर रात मंत्रिमंडल में मंत्रियों के बीच विभागों का भी बंटवारा कर दिया गया।

**क्या है कांग्रेस की पांच गारंटी योजना**

गौरतलब है कि अपने चुनावी घोषणापत्र में कांग्रेस ने पांच गारंटी लागू करने का वादा किया था। इन वादों के तहत सरकार बनाने के बाद कांग्रेस इन योजनाओं के पूरा करेगी। कांग्रेस की 5 गारंटी योजना में

गृह ज्योति- इस योजना के तहत सभी घरों को 200 यूनिट मुफ्त बिजली सरकार देगी।

गृह लक्ष्मी- हर परिवार की महिला मुखिया को 2000 रुपये मासिक सहायता राशि सरकार देगी।

अन्न भाग्य- गरीबी रेखा से नीचे गुजर करने वाले परिवार के प्रत्येक सदस्य को 10 किलोग्राम मुफ्त चावल

युवा निधि- प्रदेश के 18 से 25 साल की उम्र वाले बेरोजगार स्नातक युवाओं को दो साल तक हर

महीने 3000 रुपये और बेरोजगार डिप्लोमा धारकों को 1500 रुपये की सहायता राशि सरकार देगी।

इसके अलावा सार्वजनिक बसों में महिलाओं के लिए मुफ्त यात्रा योजना में शामिल हैं।

सु वि चा र
जीवन में ज्यादा रिश्ते ज़रूरी नही हैं, पर जो रिश्ते हों उनमें जीवन होना ज़रूरी है।

# देश को भ्रष्टाचार मुक्त शासन दे रहे हैं मोदी : मेघवाल

## केंद्रीय मंत्री ने पीएम मोदी के नौ साल के शासन पर किताब का विमोचन किया

हैदराबाद, 29 मई (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने केंद्र में नरेंद्र मोदी सरकार के नौ साल पूरे होने के मौके पर आज यहां माधापुर में मीडिया से बातचीत की। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष व सांसद बंडी संजय कुमार, ओबीसी मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष व सांसद डॉ. के. लक्ष्मण, पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य इटेला राजेंदर, पार्टी के प्रदेश महासचिव दुग्याला प्रदीप कुमार, उपाध्यक्ष येंदला लक्ष्मीनारायण, प्रवक्ता एनवी सुभाष, कट्टा सुधाकर, राज्य के नेता पापा राव, भरत, वेंकटरमण, वीरेली चंद्रशेखर और अन्य उपस्थित थे। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री द्वारा मोदी के नौ साल लंबे शासन पर एक पुस्तक का विमोचन किया गया। एक स्पेशल गाना भी रिलीज किया गया।

इस अवसर पर बोलते हुए, अर्जुन राम मेघवाल ने आरोप लगाया कि पिछली यूपीए सरकार के दौरान भ्रष्टाचार हुआ था। उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी देश में पारदर्शी और भ्रष्टाचार मुक्त शासन दे रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि वे बिना बम विस्फोट और गड़बड़ी के कानून व्यवस्था बनाए रखने की दिशा में काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि उनके द्वारा कोरोना का टीका लगाया गया और देश के लोगों की जान बचाई गई।

उन्होंने कहा कि करीब 50 देशों को कोरोना वायरस का टीका लग चुका है, पीएम आवास योजना के तहत 3.5 करोड़ घरों का निर्माण किया गया। योजनान्तर्गत आवास निर्माण हेतु सहायता की तीन किश्तें दी गयीं। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार को देश भर में 11.72 करोड़ लोगों के लिए शौचालय बनाने का श्रेय दिया जाता है और कहा कि पीएम ने लाल किले से किए गए अपने वादे को पूरा किया है कि वह 10 करोड़ शौचालय बनाने का वादा करके महिलाओं के स्वाभिमान को बनाए रखेंगे। उन्होंने कहा कि जल जीवन मिशन के तहत 12 करोड़ घरों में नल से स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराया गया है। उन्होंने याद किया कि पहले एक स्थिति थी जब लोग पीने का पानी लाने के लिए 5 किमी पैदल चलते थे। उन्होंने कहा कि उज्ज्वला योजना के तहत 9.6 करोड़ लोगों को मुफ्त गैस कनेक्शन दिए गए।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत उन्होंने कोविड काल में हर महीने 80 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन मुहैया कराया था। आयुष्मान भारत को दुनिया की सबसे बड़ी योजना बताते हुए उन्होंने कहा कि इस योजना के तहत अस्पताल में भर्ती होने पर कार्डधारकों को 5 लाख रुपये तक का मुफ्त इलाज दिया जाता है और दुनिया भर के देश उदाहरण के तौर पर इस योजना का अध्ययन कर रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि जन औषधि केंद्रों के माध्यम से 9,300 से अधिक प्रकार की दवाएं सस्ती कीमतों पर उपलब्ध कराई जा रही हैं। बाजार में 100 रुपये में जो उपलब्ध है वह जन औषधि केंद्रों पर 15 रुपये में मिल रहा है। यह दवाई नहीं बल्कि 'मोडिसन' है।'

डॉ. पोंगुलेटी सुधाकर रेड्डी, पूर्व एमएलसी और भाजपा के राष्ट्रीय सह-प्रभारी तमिलनाडु राज्य ने नरेंद्र मोदी के खिलाफ अपनी टिप्पणी के लिए तमिलनाडु के मंत्री मनो थंगराज की आलोचना की। उन्होंने नए संसद समारोह के उद्घाटन पर पीएमओ इंदिरा नरेंद्र मोदी के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी के लिए मनो थंगराज की निंदा की।

# महिला पहलवानों पर बल का क्रूर प्रयोग मानवाधिकारों का उल्लंघन : टीपीसीसी

हैदराबाद, 29 मई (स्वतंत्र वार्ता)। टीपीसीसी की महासचिव कोटा नीलिमा ने आज कहा कि न्याय की मांग को लेकर दिल्ली में शांतिपूर्वक प्रदर्शन कर रही महिला पहलवानों को बल प्रयोग और हिरासत में लेना मानवाधिकारों का गंभीर उल्लंघन है। उन्होंने रविवार को दिल्ली के जंतर-मंतर पर महिला पहलवानों द्वारा 36 दिनों तक चले विरोध प्रदर्शन को क्रूर तरीके से रोकने और दबाने की कड़ी निंदा की।

आज यहां एक बयान में, नीलिमा ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के शासन में भारत आज महिलाओं के लिए सबसे खतरनाक जगह बन गया है और कहा कि पुलिस, जिसे सुरक्षा देना चाहिए, वह राक्षसों के रूप में काम कर रही है। उन्होंने कहा कि महिला पहलवानों के यौन उत्पीड़न के आरोपी भाजपा सांसद बृजभूषण सरन सिंह को पुलिस द्वारा तत्काल गिरफ्तार किया जाना चाहिए। दिल्ली पुलिस की, जिसने प्रदर्शनकारियों को दबाने के लिए क्रूर व्यवहार किया और उन्हें पकड़ लिया, उनके हाथ मरोड़ दिए, उनके सिर नीचे कर दिए, उनके साथ गाली-गलौज की और उन्हें हिरासत में ले लिया।

भाजपा केंद्र सरकार द्वारा भारत की अग्रणी महिला पहलवानों का अपमान, जिन्होंने दिल्ली के दिल में ओलंपिक और एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीते हैं, भारत की सभी महिलाओं का अपमान है। उन्होंने कहा कि यह शर्म की बात है कि पीएम मोदी ने इस तरह की पुलिस बर्बरता के बाद भी इस मुद्दे पर अपनी चुप्पी नहीं तोड़ी।

# भट्टी ने सीएम केसीआर को चुनावों में सही सबक की चेतावनी दी



हैदराबाद, 29 मई (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस विधायक दल के नेता मल्लू भट्टी विक्रमार्क ने आज मुख्यमंत्री केसीआर को चेतावनी दी कि अगर उन्होंने गरीब लोगों की जमीन छीन ली तो वे सबक सिखाएंगे।

उन्होंने कहा कि अगर उनकी सरकार द्वारा अधिग्रहित भूमि मालिकों को वापस नहीं की गई तो वे केसीआर की सरकार को गिरा देंगे। वह अपनी चल रही जन मार्च पदयात्रा के तहत नगरकुनूल विधानसभा क्षेत्र के गग्गलपल्ली गांव में एक रोड कॉर्नर मीटिंग को संबोधित कर रहे थे, टीपीसीसी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष मल्लू रवि ने भी बैठक में भाग लिया। इस अवसर पर विक्रमार्क ने गग्गलापल्ली गांव में कांग्रेस का झंडा फहराया।

इस अवसर पर बोलते हुए, भट्टी ने कहा कि धरनी में कांग्रेस सरकार के तहत गग्गलापल्ली गांव में सर्वेक्षण संख्या 183 में दलितों और आदिवासियों को दी गई 200 एकड़ जमीन को रोकना एक क्रूर कार्य था और कहा कि यह राज्य सरकार की ओर से अच्छा नहीं है। जिसने दलितों को जबरन उनकी जमीन हड़पने के लिए तीन एकड़ जमीन बांटने का वादा किया था। उन्होंने श्मशान घाट के निर्माण और हरितहरम कार्यक्रम के क्रियान्वयन के नाम पर दलितों को दी गई जमीनों पर जबरन कब्जा करने की भी निंदा की। उन्होंने कहा कि वह सोनिया गांधी द्वारा दिए गए राज्य में पूरे तेलंगाना समुदाय की भलाई सुनिश्चित करने के लिए आदिलाबाद जिले से पदयात्रा पर थे। उन्होंने कहा कि बीआरएस नियम के तहत बुजुर्ग और गरीब लोग पेंशन और घरों की कमी से जूझ रहे हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस शासन के दौरान, नौ आवश्यक वस्तुओं को राशन की दुकानों के माध्यम से वितरित किया गया था और आरोप लगाया कि बीआरएस सरकार ने उनके द्वारा आपूर्ति की जाने वाली आवश्यक वस्तुओं में कटौती की और खुद को केवल चावल की आपूर्ति तक सीमित कर लिया। उन्होंने आरोप लगाया कि बीआरएस सरकार द्वारा कृषि ऋण माफी को लागू नहीं करने के कारण, किसानों के खाते बैंकों में खराब खातों में बदल गए और कहा कि किसानों को उच्च ब्याज दरों पर उधार लेने और कृषि गतिविधियों में निवेश न करने के लिए मजबूर होना पड़ा। बैंकरों द्वारा ऋण का भुगतान। उन्होंने लोगों से अगले विधानसभा चुनावों में कांग्रेस की वापसी सुनिश्चित करने और खुशहाल जीवन जीने के लिए तेलंगाना में इंदिराम्मा शासन की वापसी की अनुमति देने का आग्रह किया।

# संगारेड्डी जिले के इंद्रेशम गांव में घर-घर गैस की आपूर्ति की जाएगी

संगारेड्डी, 29 मई (स्वतंत्र वार्ता)। पटनचेरु के विधायक जी. महिपाल रेड्डीने कहा है कि लोगों को पर्यावरण प्रदूषण को रोकने के लिए वैकल्पिक ऊर्जा का उपयोग करने के लिए अनुकूल होना चाहिए। सोमवार को पाटनचेरु मंडल के इनोले गांव में एक टोरेंट सीएनजी गैस स्टेशन के उद्घाटन के बाद बोलते हुए, विधायक ने कहा कि वाहन उपयोगकर्ता पेट्रोल या डीजल वाहन पर सीएनजी वाहन खरीदने पर अपना पैसा बचा सकते हैं। रेड्डी ने कहा कि सीएनजी वाहन भी पेट्रोल और डीजल वाहनों की तुलना में कम प्रदूषण पैदा करेंगे।

टोरेंट कंपनी ने पायलट आधार पर पाटनचेरु शहर के करीब स्थित इंद्रेशम गांव में घर-घर घरेलू गैस की आपूर्ति के लिए एक परियोजना शुरू की थी। रेड्डी ने कहा है कि बाद में चरणबद्ध तरीके से कई बस्तियों में इसका विस्तार किया जाएगा। टोरेंट गैस के कार्यकारी निदेशक श्रीधर, उपाध्यक्ष मधुकर राव, महाप्रबंधक रामबाबू, इंद्रेशम सरपंच नरसिम्हुलु सहित अन्य उपस्थित थे। बाद में विधायक ने छिटकुल गांव में भूमिगत जल निकासी व्यवस्था के निर्माण की नींव रखी थी।

सैनी इवेन्ट्स द्वारा मियांपुर स्थित नरेश कन्वेंशन में हैदराबाद में अपनी तरह के पहले विशाल आयोजन 'रंगीलो राजस्थान' में राजस्थानी कलाकारों ओगड अम्बानी, पीहु भाटी, सोनू कँवर, सोनल राइका, ट्विंकल वैष्णव, तनीषा गेहलोत, संगीता कच्छावा, दिव्या कच्छावा, पिहु देवरा माली, तमन्ना कुमावत, नितिन कुमावत ने अपनी प्रस्तुतियों से दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। कार्यक्रम का संचालन राजू माली द्वारा किया गया। अवसर पर उपस्थित सैनी इवेन्ट्स के जितेन्द्र टाक, सुन्दर सैनी, हिमांशु तंवर, दिनेश गहलोत एवं अन्य सहयोगी।




# गांजा बेचने वाला गिरफ्तार, 120 किलो नशीला पदार्थ जब्त



वरंगल, 29 मई (स्वतंत्र वार्ता)। टास्क फोर्स और आत्मकूर पुलिस ने एक संयुक्त अभियान में एक कुख्यात गांजा तस्कर को गिरफ्तार किया और सोमवार को जिले में 24 लाख रुपये के अनुमानित मूल्य के साथ 120 किलोग्राम सूखा गांजा जब्त किया है। गिरफ्तार व्यक्ति की पहचान मुलुगुजिले के पांडिकुंता गांव के निवासी चेका कुमारस्वामी (38) के रूप में हुई है। कुमारस्वामी, जो पहले एक टैक्सी ड्राइवर के रूप में जीवन यापन करता था, ने जल्दी पैसे के लालच में ओडिशा के कालीमेला क्षेत्र से कम कीमत पर गांजा खरीदने की योजना बनाई। फिर उसने तेलंगाना और महाराष्ट्र राज्यों में अवैध पदार्थ की तस्करी करने की योजना बनाई, जहां इसे अत्यधिक कीमतों पर बेचा जा सकता है।

पुलिस कमिश्नर एवी रंगनाथ ने कहा कि कुमारस्वामी पिछले आठ सालों से इस अवैध धंधे में लिप्त थे। समय के साथ, वह एक अनुभवी संचालक बन गया, जो बार-बार गांजा को ओडिशा से हैदराबाद ले जाता था। वह पहले भी कई बार गिरफ्तार हो चुका है। दरअसल, कुमारस्वामी इससे पहले महाराष्ट्र के पुणे में कुख्यात यरवदा जेल में 30 महीने की सजा काट चुके थे।

दुर्भाग्य से, उनकी रिहाई एक निवारक के रूप में काम नहीं कर पाई, और उन्होंने अपनी गैरकानूनी गतिविधियों को फिर से शुरू कर दिया। ओडिशा के रहने वाले एक अन्य कुख्यात व्यक्ति, गणेश उर्फ गन्नू के सहयोग से काम करते हुए, कुमारस्वामी ने 120 किलोग्राम गांजे की भारी ढुलाई करने में कामयाबी हासिल की, और पदार्थ को दो किलोग्राम के पैकेट में बनाया और सावधानी से उन्हें कार में छिपा दिया। हालांकि, टास्कफोर्स की टीम ने एक विशेष वाहन निरीक्षण के दौरान आत्माकुरमंडल सीमा में कटाक्षपुर तालाब क्षेत्र में उसे पकड़ लिया। उनकी पूरी कोशिश के बावजूद कार चालक दुपति मोहन उनसे बच निकलने में सफल रहा।

डॉ. एमसीआर एचआरडी संस्थान ने लोकसभा सचिवालय के अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन किया। इस अवसर संस्थान के महानिदेशक बेनहुर महेश दत्त एक्का ने सभी का स्वागत किया।

# 12 जून को पटना में एकजुट होगा विपक्ष

## बीजेपी के विजय सिन्हा ने कहा- भ्रष्ट्राचारियों की जमात मिल रही है

पटना, 29 मई (एजेंसियां)। नए संसद भवन के उद्घाटन और ताबूत विवाद के बीच विपक्षी एकता की महाबैठक के तारीख का भी एलान हो गया है। यह बैठक अगले माह यानी जून की 12 तारीख को होगी। इसमें देश भर के विपक्ष के कई कद्दावर नेता जुटेंगे। राहुल गांधी, अखिलेश यादव, ममता बनर्जी, अरविंद केजरीवाल, हेमंत सोरेन और वामदल के वरीय नेता समेत करीब 15 दिग्गज नेताओं के आने की संभावना है। इसके लिए इन दिग्गजों को आमंत्रण पत्र भेजा जा चुका है। सूत्रों की मानें तो यह महाबैठकएक अणे मार्ग में हो सकती है।

**सीएम फिर बोले- यह लोग काम नहीं प्रचार कर रहे हैं**

इधर, सीएम नीतीश कुमार ने जदयू नेताओं से अपील करते हुए कहा कि देश के हर चीज पर कुछ लोग कब्जा करना चाह रहे हैं। हमलोग विपक्षी एकता के कामें भजपा को आगे बढ़ा रहे हैं। जल्द ही इसका सार्थक परिणाम निकलेगा। कुछ लोग देश का इतिहास बदलना चाहते हैं। लेकिन, जनता ऐसा होने नहीं देगी। जनता जान चुकी है, यह लोग काम नहीं प्रचार कर रहे। वहीं जदयू के उमेश कुशवाहा ने कहा कि नीतीश कुमार ने नेतृत्व में भाजपा मुक्त भारत का शंखनाद हो चुका है। हमारा मिशन है बिहार में 40 के 40 सीटों को भाजपा मुक्त कर देना।

**भाजपा ने कहा- भ्रष्ट्राचारियों की जमात एक साथ मिल रही**

इधर, महाबैठक पर नेता प्रतिपक्ष विजय सिन्हा ने कहा कि यह विपक्षी एकता नहीं है। भ्रष्ट्राचारियों की एकता है। भ्रष्ट्राचारियों की जमात एक साथ मिल रही है। वह गलबहियां करेंगे और देश को तोड़ने के एजेंडे पर काम करेंगे। रविवार को राजद ने जिस तरह से ताबूत की तुलना नए संसद भवन से की और जदयू-कांग्रेस के नेता सड़क पर उतर कर प्रदर्शन करने लगे, उससे साफ हो गया कि यह लोग देश विरोध काम कर रहे हैं। लोकतंत्र के मंदिर को लेकर उनके क्या विचार हैं इसे जनता समझ गए। 2024 के लोकसभा में जनता इन्हें करारा जवाब देगी।

## फसल नुकसान के चलते किसान ने की आत्महत्या

लखनऊ, 29 मई (एजेंसियां)। 27 मई को आए तूफान से फसल के नुकसान के बाद लखनऊ के बाहरी इलाके रहीमाबाद में 42 वर्षीय आम उत्पादक ने आत्महत्या कर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। सुशील सिंह उर्फ अन्ना नाम का यह शख्स अपने कमरे में प्लास्टिक की रस्सी से फंदे से लटका मिला। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच की जा रही है। पुलिस को शक है कि सुशील ने मानसिक तनाव के चलते अपनी जीवन लीला समाप्त की। रहीमाबाद के एसएचओ अख्तियार अहमद ने कहा, प्रारंभिक जांच से पता चला है कि सुशील ने व्यवसाय के लिए एक पिकअप वैन खरीदी थी, लेकिन वह अपना कर्ज नहीं चुका सका। उसने आम बेचने से होने वाले मुनाफे से इसे चुकाने की योजना बनाई, लेकिन शनिवार को आंधी तूफान ने खड़ी फसल को नष्ट कर दिया।

# बीजेपी पर भड़कीं मायावती

## महिला पहलवानों का किया समर्थन, कहा- 'बेटियों को न्याय दिलाने के लिए केंद्र को आगे आना चाहिए

लखनऊ, 29 मई (एजेंसियां)। दिल्ली पुलिस ने जंतर-मंतर पर पहलवानों के विरोध-प्रदर्शन को लेकर पहलवान साक्षी मलिक, विनेश फोगाट और बजरंग पुनिया के साथ-साथ आयोजकों और उनके समर्थकों के खिलाफ दंगा करने के साथ सरकारी कर्मचारियों के काम में बाधा डालने के आरोप में रविवार को प्राथमिकी दर्ज की। इसपर बसपा प्रमुख मायावती की प्रतिक्रिया आई है। मायावती ने कहा, विश्व कुश्ती में भारत का नाम रौशन करके गौरवपूर्ण स्थान पाने वाली भारतीय बेटियाँ कुश्ती फेडरेशन आफ इण्डिया के प्रमुख पर शोषण के गंभीर आरोपों के विरुद्ध कार्रवाई की माँग को लेकर आन्दोलन करने को मजबूर हैं। इन बेटियों को न्याय दिलाने के लिए केन्द्र सरकार को जरूर आगे आना चाहिए।

**क्या बोली पुलिस?**

दिल्ली पुलिस ने उन्हें रविवार को सुरक्षा घेरा तोड़कर महिला 'महापंचायत' के लिए नये संसद भवन की ओर बढ़ने की कोशिश करने के बाद कानून-व्यवस्था के उल्लंघन को लेकर हिरासत में लिया था। पुलिस ने कहा कि जंतर-मंतर पर 109 प्रदर्शनकारियों सहित पूरी दिल्ली में 700 लोगों को हिरासत में लिया गया है। वहीं घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया देते हुए विनेश फोगाट ने कहा कि दिल्ली पुलिस को भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के प्रमुख बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने में सात दिन लग गए थे, लेकिन उन लोगों के खिलाफ मामला दर्ज करने में सात घंटे भी नहीं लगे, जो 'शांतिपूर्वक' विरोध-प्रदर्शन कर रहे थे। देश के शीर्ष पहलवानों ने 23 अप्रैल को बृजभूषण को गिरफ्तार करने की मांग को लेकर अपना आंदोलन फिर से शुरू किया था।

प्रदर्शनकारी पहलवानों ने बृजभूषण पर एक नाबालिग सहित कई महिला पहलवानों के यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया है। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, "नयी दिल्ली जिले के तहत आने वाले संसद मार्ग थाने में पहलवान साक्षी मलिक, विनेश फोगाट, बजरंग पुनिया और संगीता फोगाट तथा अन्य के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है, जो आज जंतर-मंतर पर पुलिस के साथ हुई झड़प का हिस्सा थे।"

## दामाद ने सास को मारी 2 गोली

**पत्नी की विदाई न होने से था नाराज, अपनी मां के मर्डर का भी है आरोपी**

मोतिहारी, 29 मई (एजेंसियां)। मोतिहारी में पत्नी की विदाई नहीं होने से नाराज दामाद ने अपनी सास की गोली मारकर हत्या कर दी। सनकी दामाद ने रविवार को घर के बाहर खड़ी सास को दो गोली मारी। गोली सीने और कंधे में लगी जिससे उनकी मौत हो गई। घटना कुंडवा चैनपुर थाना इलाके की है। बता दें कि आरोपी छोटन अपनी मां की हत्या के आरोप में भी बीते पांच साल से फरार है। बार-बार ससुरालवालों को पत्नी की विदाई की धमकी दे रहा था। मृतक महिला का नाम गायत्री है। छोटन की पत्नी राखी ने बताया कि घर के पास स्थित खेत में मां के साथ मूंग तोड़ने गई थी। मां बोली कि तुम काम करो, मैं आगे जा रही हूं। मां खेत पार करके घर के पास खड़ी थी। इसी दौरान पटाखे जैसी आवाज आई। मैं भागकर वहां पहुंची तो देखा कि मेरी मां को वो मारकर भाग गया है। उधर, मामले की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। बताया गया कि गायत्री का दामाद छोटन अपनी पत्नी की विदाई कराने आया था। इसी बात को लेकर उसकी सास से नोकझोंक हुई। छोटन को गुस्सा आया, उसने गायत्री को गोली मारी और फरार हो गया। घायल सास को ढाका रेफरल अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया।

# नालंदा में जुड़वा बेटी को जन्म देते ही मां की हो गई मौत

## 12 दिनों से अस्पताल में बच्ची कर रही है अपनों का इंतजार

नालंदा, 29 मई (एजेंसियां)। जिले के सदर अस्पताल में महिला ने एक साथ दो बच्चियों को जन्म दिया फिर महिला की अचानक तबीयत बिगड़ गई. इसके बाद महिला की मौत हो गई. नवजात बच्ची को अस्पताल के एसएनसीयू वार्ड में भर्ती कराया गया था लेकिन उसकी मां की मौत बाद बच्ची को छोड़कर परिवारवालों ने घर चले गए. मृतका के शव लेकर परिजन घर चले गए. इसके बाद अभी तक बच्ची को देखने के लिए उसके परिवार से कोई नहीं आया है. बता दें कि बीते गुरुवार को दीपनगर थाना इलाके के महंदपुर गांव निवासी हरेंद्र पासवान के पत्नी रीना

देवी ने सदर अस्पताल में दो बच्ची को एक साथ जन्म दी थीं. बीते बारह दिनों से बच्ची अस्पताल में भर्ती है.अस्पताल के कर्मी ने नवजात बच्ची के परिजनों से कई बार संपर्क किया लेकिन अभी तक परिवार वाले देखने के लिए एक बार भी अस्पताल नहीं पहुंचे. नवजात बच्ची के परिजनों का घर बिहार शरीफ मुख्यालय से महज चार किलोमीटर की दूरी पर है लेकिन फिर भी बच्ची को घर ले जाने के लिए कोई भी परिवार का सदस्य अस्पताल नहीं पहुंच रहा है. वहीं, डॉक्टरों ने बताया कि दोनों बच्ची पूरी तरह से स्वस्थ है. एसएनसीयू वार्ड में तैनात डॉक्टर मनोज कुमार ने बताया 18 मई को एक साथ दो बच्ची को एक महिला ने जन्म दिया था. बच्ची को जन्म देने के बाद उसकी मां की मौत हो गई, फिलहाल दोनों बच्ची स्वस्थ है. डॉक्टर ने यह भी कहा कि भर्ती के दिन से अभी तक बच्ची के परिजन उसे देखने लिए अस्पताल नहीं आए हैं. डॉक्टर ने अपील करते हुए कहा कि बच्ची के परिजन आए और सदर अस्पताल के एसएनसीयू वार्ड में भर्ती स्वस्थ जुड़वा बच्ची को अपने साथ ले जाए, जिससे बच्ची अपने परिवार के साथ रह सके.

## शादी में आईं दो मासूम बहनों के साथ 'चाचा' ने किया रेप

बिजनौर, 29 मई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के बिजनौर में बारात में शामिल होने आई दो छोटी बच्चियों के साथ जंगल में ले जाकर रात भर दरिंदगी करने का मामला सामने आया है। बारात में चढ़त के दौरान गायब हुई बच्चियां सवेरे जंगल में मिली थी। दोनों बच्चियां बदहवास हालत में थी और उनके कपड़े भी खून से सने थे। दोनों घबराई हुई थीं। दोनों बच्चियों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। बच्चियों के अनुसार, बारात में एक रिश्ते के चाचा ने ही इस घटना को अंजाम दिया है। पुलिस शादी की वीडियो फोटो देखकर आरोपी की तलाश में जुट गई है, लेकिन देर शाम को बच्चियों की हालत बिगड़ने पर उन्हें उपचार के लिए हायर सेंटर मेरठ रेफर कर दिया गया है। 30 घंटे बीतने तक भी पुलिस आरोपी के बारे में कोई पता नहीं लगा सकी है। पुलिस ने गांव में डेरा डाल रखा है और मामले की जांच में जुटी है। फिलहाल पुलिस को अभी तक कोई सुराग नहीं मिला है। पुलिस शादी में बनने वाली वीडियो और फोटो देखकर ही पहचान करने की तैयारी कर रही है लेकिन दोनों बच्चों की हालत खराब होने पर अभी उनसे फोटो की शिनाख्त कराया जाना मुश्किल हो रहा है।

# केशव प्रसाद मौर्य ने अखिलेश यादव पर किया पलटवार

## सपा के फैसले पर खड़े किए सवाल

लखनऊ, 29 मई (एजेंसियां)। विधान परिषद की दो सीटों के लिए हो रहे उपचुनाव को लेकर डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि अखिलेश यादव कि राजनीतिक अपरिपक्वता का इससे बड़ा दूसरा कोई उदाहरण नहीं हो सकता। जैसे राजनीति में कोई कुछ भी ए,बी,सी,डी ना जानता हो, क, ख, ग, घ ना जानता हो, वह सारा काम अखिलेश यादव और सपा ने किया है। डिप्टी सीएम ने कहा, वह जानते हैं कि किसी भी कीमत पर, सर के बल भी खड़े हो जाए तब भी सपा के किसी प्रत्याशी को इस चुनाव में दूर-दूर तक नहीं दिखेंगे। इसके बावजूद प्रत्याशी उतारा है। कह रहे हैं हमने अति पिछड़ा और दलित उतारा है। जब यह जिता सकते थे विधान परिषद या राज्यसभा के लिए तब इनको न दलित याद आता ना अति पिछड़ा। जब बली चढ़ाना हो तब इन्हें दलित और अति पिछड़ा याद आता है। यह सब जातिवादी, परिवार वादी और तुष्टिकरण वादी है। यह गुंडे, माफियाओं, अपराधियों के संरक्षक लोग हैं। जो राजनीति की सुचिता, परंपरा, आदर्श है वह सब सपा के लिए नहीं है। जो राजनीतिक दृष्टि से समझदार दल होते हैं उनके लिए है। मुझे लगता है सपा ने समझदारी का भी त्याग कर दिया है।

**अखिलेश यादव को जवाब**

बीजेपी के 9 साल के रिपोर्ट कार्ड को झूठ का पुलिंदा बताने को लेकर डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव पर निशाना साधा। केशव प्रसाद मौर्य ने कहा, अखिलेश यादव ऐसे बचकाना बयान देंगे तो गांव में जो 2022 में वोट मिला था। उसका भी 50 फीसदी लोग भाजपा को देंगे, क्योंकि वह जानते हैं कि पीएम मोदी के नेतृत्व में गरीबों, किसानों, मजदूरों, पिछड़ों, दलितों, महिलाओं के लिए जितना काम हुआ है।

उनके व्यक्तिगत जीवन में परिवर्तन लाने के लिए। उन्होंने कहा, अगर हम विकास की बात करें तो चाहे राष्ट्रीय स्तर पर या प्रदेश की सड़कें हो, अन्य विभागों की सड़कें हो उनका जाल बिछा। रेल का इतना बड़ा नेटवर्क खड़ा हुआ, हवाई अड्डों की संख्या प्रदेश में भी बढ़ी और पूरे देश में भी बढ़ी है। शिक्षा के क्षेत्र में आमूलचूल परिवर्तन आया, पूरे विश्व में पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत की प्रतिष्ठा बढ़ी है। नौजवानों का भविष्य उज्जवल हुआ है। जो देश बहुत तेजी से विकास के पथ पर आगे जा रहे थे उनके विकास की गति रुक गई है।

## प्रेम जाल, निकाह और हत्या यूपी में 'द केरल स्टोरी' जैसा मामला, गर्भवती महिला के मर्डर में दो युवक गिरफ्तार

शाहजहांपुर, 29 मई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर से बॉलीवुड की फिल्म 'द केरल स्टोरी' जैसा मामला सामने आया है। दरअसल, यहां पुलिस ने दो युवकों को हिंदू महिला की हत्या के आरोप में गिरफ्तार है। आरोप है कि पहले महिला को युवक ने गुमराह करके उससे निकाह किया। उसके बाद उसका धर्म परिवर्तन करवाया गया। फिर बाद में जब वह गर्भवती हुई तो उसकी हत्या कर दी गई। पुलिस ने नावेद नाम के युवक समेत दो लोगों को गिरफ्तार कर कार्रवाई शुरू कर दी है। वहीं, आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग को लेकर सामाजिक संगठनों व स्थानीय लोगों ने भी चेतावनी दी है।

# बुरे फंसे एएमयू के प्रोफेसर, पीएचडी की छात्रा ने दर्ज कराया मुकदमा

अलीगढ़, 29 मई (एजेंसियां)। मुस्लिम विश्वविद्यालय के प्रोफेसर बुरे फंस गए हैं। पीएचडी की छात्रा ने 55 वर्षीय प्रोफेसर के खिलाफ गंभीर आरोप लगाए हैं। पुलिस ने छेड़छाड़ और उत्पीड़न का मामला दर्ज किया है। एएमयू के प्रॉक्टर मोहम्मद वसील अली ने मामले पर टिप्पणी की है। उन्होंने कहा कि घटना की जांच की जा रही है और रिपोर्ट मिल जाने के बाद कड़ी कार्रवाई की जाएगी। सिविल लाइन्स सीओ अशोक कुमार के मुताबिक छात्रा ने प्रोफेसर के खिलाफ छेड़छाड़ और उत्पीड़न का आवेदन दिया है।

**एएमयू के प्रोफेसर पर गंभीर धाराओं में मामला दर्ज**

आरोप पर पुलिस ने संबंधित धाराओं में मामला दर्ज किया है। उन्होंने कहा, महिला थाने में मुकदमा दर्ज किया है। कानूनी कार्रवाई जारी है और पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस को दी गई शिकायत के मुताबिक प्रोफेसर पर छात्रा को अनुचित तरीके से छूने का आरोप है। प्रोफेसर अक्सर कपड़े, लिपस्टिक और शरीर की तारीफ करता था। छात्रा का ये भी कहना है कि प्रोफेसर बेवक्त विभाग में आने के लिए कहते थे। थीसिस की वजह से प्रोफेसर के अनुचित व्यवहार को छात्रा नजरअंदाज करती रही।

**छात्रा ने लगाया छेड़छाड़ और उत्पीड़न का आरोप**

पुलिस को दिए आवेदन में बताया गया है कि छात्रा प्रोफेसर के मातहत शोध कर रही थी। छह महीने पहले पीएचडी प्री सबमिशन संतोषजनक था। प्रोफेसर और अन्य फैकल्टी सदस्यों ने किसी तरह की टिप्पणी नहीं की। थीसिस का ड्राफ्ट तैयार हो जाने के बाद उन्होंने बताया कि थीसिस स्वीकार करने योग्य नहीं है। छात्रा ने प्रोफेसर को हर संभव भरोसा दिलाने की कोशिश की। लेकिन बजाय विश्वास करने के उन्होंने धमकी दी। महिला थानाध्यक्ष सरिता द्विवेदी ने कहा कि मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

## बालक की दुष्कर्म के बाद हत्या में युवक को फांसी की सजा, 8 अप्रैल को कत्ल, 28 को चार्जशीट, अब फैसला

मथुरा, 29 मई (एजेंसियां)। मथुरा में नौ साल के बच्चे के साथ दुराचार कर उसकी हत्या करने के मामले में विशेष न्यायाधीश पॉक्सो एक्ट रामकिशोर यादव की अदालत ने आरोप पत्र दाखिल होने के एक महीने के अंदर युवक को फांसी की सजा सुनाई व एक लाख का अर्थदंड दिया है। इस केस की सरकार की ओर से पैरवी कर रहीं स्पेशल डीजीसी पॉक्सो कोर्ट अलका उपमन्यु ने बताया कि शहर में एक नौ वर्ष का बालक आठ अप्रैल की शाम गायब हो गया था। पिता ने थाना सदर बाजार में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पुलिस ने जांच की तो पता चला कि बालक उसके ताऊ की दुकान में काम करने वाले सैफ के साथ दिखाई दिया था। पुलिस ने सैफ को गिरफ्तार कर लिया। सैफ ने अपना अपराध स्वीकार कर लिया और उसकी निशानदेही पर घर से 500 मीटर दूर स्थित नाले से बालक के शव को बरामद कर लिया गया था। सैफ मूल रूप से कानपुर की केडीए कालोनी का रहने वाला है। वर्तमान में शहर के औरंगाबाद में रह रहा था।

# बाबा बागेश्वर का प्रवचन सुन रुखसाना बनी 'रुक्मिणी', हिंदू प्रेमी के साथ विधि-विधान से लिए सात फेरे

पटना, 29 मई (एजेंसियां)। बिहार में एक मुस्लिम लड़की ने हिन्दू लड़के से शादी की। लड़की ने शादी के लिए पहले इस्लाम धर्म छोड़कर सनातन धर्म स्वीकार किया फिर अपने प्रेमी के साथ शादी की। लड़की का नाम रुखसाना था जो अपने प्यार को पाने के लिए रुक्मिणी बन गई। मामला बिहार के वैशाली जिले का है। दरअसल चार साल पहले मुजफ्फरपुर के गिजांस निवासी नौशिन परवीन उर्फ रुखसाना की मुलाकात जयपुर में वैशाली के रहने वाले रोशन कुंवर से हुई। दोनों जयपुर पढ़ाई करने के लिए गए थे और एक कॉलेज में थे। वहां पहले रुखसाना और रोशन में दोस्ती हुई फिर दोस्ती जल्दी ही प्यार में बदल गई। दोनों ने साथ जीने मरने की कसमें खाई और शादी करने का फैसला किया। इसके लिए दोनों ने अपने परिवार वालों से बात की। रोशन ने किसी तरह अपने परिवार वालों को राजी कर लिया लेकिन रुखसाना के घर

वाले नहीं माने। तब रुखसाना ने सनातन धर्म स्वीकार करने के बाद रोशन से शादी की बात कही।

**शादी से पहले हुआ रुखसाना का शुद्धिकरण**

इसके बाद दोनों मंदिर के पुजारी से मिले और शादी कराने के लिए अनुरोध किया। तब मंदिर के पुजारी ने पूरे विधि विधान के साथ रुखसाना का शुद्धिकरण कराया । रुखसाना को 'रुक्मिणी बनने से पहले दूध, दही, घी, गोबर के साथ पंडित ने पूजा कराया। इसके बाद भष्म स्नान भी कराया गया। रुखसाना ने नारायणी नदी को साक्षी मानकर सनातन धर्म को स्वीकार किया और पूरी जिंदगी हिन्दू धर्म के आचरण को पालन करने का संकल्प लिया।

इसके बाद रुक्मिणी बनी रुखसाना का हल्दी का रस्म हुआ, मंगल गीत गाए। शादी के सभी विधि विधान कराए गए। फिर रुखसाना ने रोशन के साथ महादेव की परिक्रमा कर सात फेरे लिए और सात जन्मों तक साथ रहने का वचन लिया।

**'बाबा बागेश्वर से हुई थी प्रभावित'**

सनातन स्वीकार करने को लेकर ररुक्मिणी बनी रुखसाना ने कहा कि बाबा बागेश्वर से उसे हिन्दू धर्म स्वीकार करने की प्रेरणा मिली। उनके प्रवचन सुनने के बाद मुझे सनातन धर्म में शामिल होने की इच्छा हुई। रुखसाना ने कहा कि जयपुर में पढ़ाई के दौरान मुझे रोशन से प्यार हुआ। जिसके बाद हमने शादी करने का फैसला किया। मैं इस्लाम धर्म से थी। लेकिन मुझे सनातन धर्म पसंद था। वही रोशन ने कहा कि रुखसाना ने अपनी मर्जी से हिन्दू धर्म को स्वीकार किया है। हमदोनों इस शादी से खुश हैं।

# पूर्व मंत्री का बिहार सरकार पर बड़ा हमला

## बोले- 'जेडीयू -आरजेडी नेताओं का कराएं डीएनए टेस्ट, पता चल जाएगा

गोपालगंज, 29 मई (एजेंसियां)। जेडीयू के प्रदेश महासचिव संजय चौहान को शराब के नशे में गिरफ्तार किए जाने के बाद बिहार के खनन और भूतत्व विभाग के पूर्व मंत्री जनक राम ने बिहार सरकार पर तंज कसते हुए जेडीयू पर निशाना साधा है। इतना ही नहीं उन्होंने राज्य में शराब बंदी को पूरी तरह नाकाम बताते हुए राज्य के सीएम नीतीश कुमार से इस्तीफे की मांग की है। पूर्व मंत्री जनक राम ने कहा कि जेडीयू और आरजेडी के नेताओं का डीएनए टेस्ट करा लिया जाए तो साफ हो जाएगा कि कौन लोग शराब पी रहे हैं।

**'बिहार सरकार शराब बंदी का ढोंग कर रही'**

पूर्व मंत्री जनक राम ने बिहार सरकार पर तंज कसते हुए कहा कि कौन लोग शराब बेच रहे हैं और बेचवा रहे हैं यह सरकार को मालूम है। उन्होंने कहा कि चाचा-भतीजा वाली बिहार की सरकार में शराबबंदी पूर्णतः विफल है। बिहार सरकार शराब बंदी का ढोंग कर रही है। जनक राम ने कहा कि 24 मई को पुलिस ने शराबबंदी कानून के तहत जेडीयू के प्रदेश महासचिव संजय चौहान को गिरफ्तार किया।

**पार्टी से निष्कासित किए जाने पर उठाया सवाल**

जनक राम ने कहा 'जेडीयू के प्रदेश अध्यक्ष समेत पूरी टीम उन्हें 20 मई को निष्कासित कर देती है।' इस पर पूर्व मंत्री ने सवाल उठाते हुए कहा कि इस तरह के आनन-फानन में जेडीयू के लोगों ने क्यों कदम उठाए। पूर्व मंत्री जनक राम ने कहा कि शराब के नशे में जेडीयू के प्रदेश सचिव के गिरफ्तार होने के बाद मुख्यमंत्री को पद से इस्तीफा देने देना चाहिए। मुख्यमंत्री की पार्टी के ही बड़े नेता शराब के नशे में रहते हैं। ऐसे में उन्होंने सीएम नीतीश कुमार को घेरते हुए उनसे इस्तीफे की मांग की है।

# यूपी में बड़ा हादसा: दो बसें दुर्घटनाग्रस्त, 49 लोग घायल

बाराबंकी, 29 मई (एजेंसियां)। अयोध्या और बहराइच हाईवे पर दो निजी बसें दुर्घटनाग्रस्त हो गईं। एक बस नैमिष से अयोध्या जा रही थी, जिसमें मध्य प्रदेश के 44 श्रद्धालु घायल हो गए, जबकि बहराइच हाईवे पर डबल डेकर बस पलटने से पांच लोग घायल हो गए। दोनों बसों में क्षमता से अधिक यात्री सवार थे। सफदरगंज थाना के हाईवे स्थित उधौली ओवरब्रिज पर सोमवार भोर करीब तीन बजे नैमिषारण्य से श्रद्धालुओं को लेकर अयोध्या जा रही एक डबलडेकर बस ने तेज रफ्तार में कई वाहनों को टक्कर मारी। इसी दौरान पीछे आ रहा ट्रक भी बस में टकरा गया। हादसे के समय सभी यात्री सो रहे थे, दुर्घटना के बाद अफरातफरी का माहौल हो गया। बस परिचालक लाल जी गुप्ता की सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को एनएचएआइ की एंबुलेंस से सीएचसी रामसनेहीघाट भेजा।

दरअसल इस हादसे के कुछ देर पहले उसी जगह पर एक और हादसा हुआ था, जिसके कारण वहां जाम की स्थिति थी और कई वाहन खड़े थे। अनियंत्रित तेज रफ्तार बस ने जाम में जाकर वाहनों में टक्कर मार दी। इन हादसों के कारण हाईवे पर करीब दो घंटे जाम की स्थिति रही। बस पर क्षमता से अधिक सवारी होने की बात कही जा रही है। नायब तहसीलदार सुधाकर पांडेय ने घायलों का हालचाल जाना व चाय-नाश्ता करवाकर दूसरी बस से सभी यात्रियों को उनके गंतव्य पर भेजा गया है। इस हादसे में चालक व खलासी सहित 44 यात्री घायल हो गए।

खलासी लाल जी गुप्ता ने बताया कि सभी घायल मध्यप्रदेश के सहडोल जिले के अलग-अलग गावों के हैं। बिंदु पटेल, धनमतिया, सौकी लाल, राम सुफल, ओमकार पांडेय, राम सूरत, गनेरिया पटेल, भीमसेन, राम राघव, शांति बाई, राकेश मिश्रा व अन्य घायलों में शामिल हैं। दिल्ली से 70 सवारियों को गोंडा लेकर जा रही एक डबल डेकर बस सोमवार सुबह चार बजे मसौली चौराहा पर डिवाइडर से टकराकर पलट गई।

# हरियाणा में जून में 92% कम बारिश के आसार

## 1 से बढ़ेगी गर्मी; धान की रोपाई पर दिखेगा असर, मई में 71% ज्यादा बरसे बादल

चंडीगढ़, 29 मई (एजेंसियां)। हरियाणा में जून में मौसम को लेकर अच्छी खबर नहीं है। इस बार 92% बारिश कम होने के आसार हैं। इसका सीधा असर राज्य में होने वाली धान की रोपाई पर पड़ेगा। हालांकि मई माह में सामान्य से 71 प्रतिशत ज्यादा बारिश दर्ज की गई है। बारिश कम होने के कारण राज्य में 1 जून के बाद गर्मी बढ़ेगी। जून की शुरुआत होते ही नौतपा में अधिकतम तापमान बढ़ना शुरू हो जाएगा। मौसम विभाग ने संभावना जताई है कि जून में दिन और रात के तापमान में सामान्य से 1 और 2 डिग्री की बढ़ोत्तरी दर्ज की जाएगी।

**26 दिनों में 26 एमएम बारिश**

हरियाणा के लोगों पर इस महीने मौसम मेहरबान रहा है। 1 मई से 26 मई तक 26 मिलीमीटर बारिश हुई है, जो सामान्य से 71% ज्यादा बारिश है। वैसे अमूमन मई में 15.2% सामान्य बारिश होती है। हालांकि जून में बारिश कम होने के आसार मौसम विभाग ने जताए हैं। मौसम विभाग के अनुसार जून में इस बार सामान्य से 92% बारिश कम होगी।

**15 जून से शुरू होगी रोपाई**

हरियाणा में सामान्य से बारिश कम होने का सबसे ज्यादा असर 15 जून से होने वाली धान की रोपाई पर पड़ेगा। राज्य में इस बार 12 से 15 लाख हेक्टेयर में धान की रोपाई होनी है। बारिश कम होने के कारण तय लक्ष्य में कमी आएगी या देरी होगी। हालांकि अच्छी बात यह है कि जून में कम होने वाली बारिश की भरपाई आने वाले महीनों में हो जाएगी।

**अभी तक नहीं दिखा नौपता का असर**

हरियाणा में 25 मई से शुरू हुए 'नौतपा' का असर नहीं दिख रहा है। बारिश और तेज हवाओं के कारण दिन और रात के तापमान में गिरावट का दौर जारी रहेगा। 24 घंटे की यदि हम बात करें तो सूबे में दिन के तापमान में 4.4 डिग्री की गिरावट दर्ज की गई है। मौसम विभाग के अनुसार हरियाणा में 1 जून तक ऐसे ही मौसम रहेगा। हरियाणा के 16 जिलों में मौसम को लेकर आज चंडीगढ़ आईएमडी ने ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। विभाग की ओर से कहा गया है कि इन जिलों में 60 कीमी की रफ्तार से तेज हवाएं चलेंगी, जो तूफान की श्रेणी में आती हैं। साथ ही गरज-चमक के साथ बारिश होगी।

**30 मई को 6 जिलों में खूब बारिश**

मौसम विभाग की ओर से 30 मई को उत्तर हरियाणा के पंचकूला, अंबाला, यमुनानगर, कुरुक्षेत्र, कैथल और करनाल में खूब बारिश की संभावना जताई है। अन्य जिलों में तेज हवाएं चलने के साथ कुछ स्थानों पर बारिश के आसार बने हुए हैं।

# 18 महीने की बच्ची को सांप ने काटा

## सड़क न होने पर 6 किमी दौड़ी मां; मासूम ने गोदी में तोड़ा दम

वेल्लोर, 29 मई (एजेंसियां)। तमिलनाडु के वेल्लोर जिले में हृदय विदारक घटना सामने आई है। एक 18 महीने की बच्ची की सांप के काटने से मौत हो गई क्योंकि इलाके में सड़क न होने की वजह से मां को एंबुलेंस को बीच में ही छोड़कर बच्ची को अपनी गोद में लेकर 6 किलोमीटर तक दौड़ना पड़ा। इस घटना से इलाके में मातम पसरा हुआ है। तमिलनाडु के वेल्लोर में बच्चे के परिजनों का आरोप है कि सड़क ठीक न होने के कारण अस्पताल पहुंचने में देरी हुई और इस वजह से बच्चे को समय पर इलाज नहीं मिल पाया और उसकी मौत हो गी। वेल्लोर के कलेक्टर ने बताया कि तलहटी में एक मिनी एम्बुलेंस उपलब्ध थी और अगर परिवार ने आशा कार्यकर्ताओं से संपर्क किया होता, तो बच्चे का प्राथमिक उपचार किया जा सकता था। उन्होंने कहा कि माता-पिता ने आशा कार्यकर्ताओं से संपर्क नहीं किया, बल्कि मोटरसाइकिल से यात्रा करने का फैसला किया। कलेक्टर ने कहा, उस क्षेत्र में सड़क बनाने के प्रयास पहले से ही चल रहे थे जहां लगभग 1,500 लोग सड़क के अभाव में जी रहे हैं। वन विभाग से मंजूरी के लिए प्रासंगिक ऑनलाइन आवेदन किया गया है। अन्नाईकट्टू पुलिस ने संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है।

# नागपुर सेंट्रल जेल में मिले मोबाइल फोन

## बैटरी और गांजे से भरी थैली, अंडर ट्रायल कैदियों पर केस दर्ज

नागपुर, 29 मई (एजेंसियां)। नागपुर के सेंट्रल जेल में सघन चेकिंग के दौरान कैदियों के पास से 4 मोबाइल फोन, 8 मोबाइल की बैटरी और गांजा मिलने से सेंट्रल जेल में खलबली मच गई। नागपुर के सेंट्रल जेल में एक बार फिर गांजा, मोबाइल फोन, सिम कार्ड ,बैटरी, मिलने से जेल प्रशासन ने मामले की शिकायत नागपुर के धन्तोली थाने में की है। इसके बाद धन्तोली पुलिस ने 2 कैदियों के खिलाफ मादक पदार्थ विरोधी कानून सहित अलग-अलग धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। हालांकि जिन कैदियों के खिलाफ मामला दर्ज हुआ है, उन्हें जांच के लिए कब्जे में लेने के लिए गृह मंत्रालय की मंजूरी लगेगी। नागपुर के धन्तोली स्कूल ने इस बारे में प्रस्ताव तैयार कर लिया है। जेल के कैदी मोहम्मद सानू उर्फ मुस्ताक, जमील खान पठान और अमित प्रमोद सोमकुवर के खिलाफ मोबाइल और गांजा मिलने के प्रकरण में मामला दर्ज किया गया है। जेल के रक्षक अमोल येवतकर की शिकायत पर ये मामला दर्ज किया गया है।

**अंडर ट्रायल कैदियों के पास जेल रक्षक ने देखी लाल थैली**

बताया गया है कि जेल रक्षक को कैदी के हाथ में लाल रंग की थैली दिखाई दी। जेल रक्षक के आवाज लगाते ही कैदी ने थैली फेंक दी। इस बारे में जब उससे पूछताछ की गई तो उसने थैली एक अन्य कैदी द्वारा देने की बात कही। इसके बाद दोनों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया। इस मामले में टावर पर तैनात एक कर्मचारी को जेल प्रशासन ने नोटिस जारी किया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार यह दोनों कैदी बैरक में अंडर ट्रायल कैदी हैं।

**लाल थैली में से क्या-क्या निकला**

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार एक व्यक्ति ने जेल के टावर के करीब बने जेल अस्पताल के पास बाहर से थैली फेंकी थी। जेल रक्षक ने जब थैली की जांच की तो उस थैली में करीब 400 ग्राम गांजे की 5 पुड़िया, 4 मोबाइल फोन, दो सिम कार्ड और 8 बैटरी मिलने की बात सामने आई है।

# दिल्ली में दिल दहला देने वाला मर्डर

## नाबालिग लड़की पर चाकू से किए 30 वार, फिर पत्थर से कुचलकर मार डाला

नई दिल्ली, 29 मई (एजेंसियां)। देश की राजधानी दिल्ली में सनसनीखेज वारदात सामने आई है। दिल्ली के शाहबाद डेरी इलाके में एक युवक ने नाबालिग लड़की की चाकू से गोदने के बाद पत्थर से कुचलकर हत्या कर दी। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस मामले की जांच में जुटी है। जानकारी के अनुसार, बाहरी उत्तरी जिले के शाहबाद डेयरी पुलिस थाना इलाके में यह वारदात हुई। आरोपी युवक की पहचान साहिल पुत्र सरफराज के रूप में हुई है। शुरुआती जानकारी मिली है कि आरोपी साहिल और लड़की के बीच कहासुनी होती है। इसके बाद आरोपी साहिल लड़की को गली में रोक लेता है। कुछ ही सेकंड बाद आरोपी साहिल लड़की पर ताबड़तोड़ चाकू से हमला करना शुरू कर देता है। सीसीटीवी फुटेज में साफ दिखाई दे रहा है कि आरोपी साहिल लड़की को चाकू से लगातार गोद रहा है, गली में लोग उसके पास से आते-जाते दिखाई दे रहे हैं, लेकिन किसी ने भी बीच बचाव करने की जहमत नहीं उठाई। आरोपी साहिल ने लगातार 30 से अधिक बार चाकू से वार किए। इसके बाद उसने कई बार पत्थर से मारा। इसके बाद मौके से भाग गया। घायल लड़की को अस्पताल ले जाया गया, लेकिन इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

# गुरुग्राम में गौ तस्कर और गौ रक्षकों के बीच मुठभेड़

## अंधेरे में काली स्कार्पियो छोड़कर भागे बदमाश

गुरुग्राम, 29 मई (एजेंसियां)। देश की राजधानी दिल्ली से सटे गुरुग्राम में रविवार देर रात गौ तस्कर और गौ रक्षकों के बीच मुठभेड़ हो गई। पांच बदमाश काले रंग की स्कार्पियों में 4 गायों को ले जा रहे थे। जब गौ रक्षकों ने उन्हें रोकना चाहा तो उन्होंने फायरिंग शुरू कर दी। इसके बाद तस्कर फर्रुखनगर के पास एक्सप्रेसवे पर गाड़ी छोड़कर भाग निकले। इस पूरे मामले की जांच अब गुरुग्राम पुलिस कर रही है। अधिकारियों ने बताया कि स्कार्पियो पर पुलिस का स्टिकर लगा हुआ है। पकड़ी गई गाड़ी में गायें भरी हुई हैं। जब जांच की गई तो स्कार्पियों से दो गोली के खोल भी बरामद हुए हैं। अंधेरे का फायदा उठाकर उस वक्त सभी 5 तस्कर फरार हो गए। जल्द ही जांच पूरी कर आरोपियों के खिलाफ एक्शन लिया जाएगा और कानून के अनुसार कार्रवाई की जाएगी।

**इससे पहले तीन लोगों को किया गया था गिरफ्तार**

वहीं इससे पहले दिल्ली पुलिस के एक हेड कॉन्स्टेबल सहित तीन लोगों को गो तस्करी में शामिल होने के आरोप में हरियाणा के नूहं जिले से गिरफ्तार किया गया था। पुलिस ने बताया ता कि उनके पास से दो गाय और एक चार पहिया वाहन बरामद किया गया। तीनों को शहर की अदालत में पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। आरोपियों की पहचान दिल्ली निवासी अमित कुमार, राजस्थान के सवाई माधोपुर के योगेश कुमार मीणा और नूहं जिले के आमिर के तौर पर की गई थी। पुलिस ने बताया था कि मीणा दिल्ली पुलिस में हेड कॉन्स्टेबल है और द्वारका के मोहन गार्डन थाने में पदस्थ हैं। सूचना के आधार पर पुलिस ने ताउरू में भाजलाका गांव के पास एक वाहन को रोका तो उन्होंने पुलिसकर्मियों को देख कर वाहन को छोड़कर भागने की कोशिश की। वाहन में दो गायें थीं। पुलिस ने कुछ ही देर में तीनों को पकड़ लिया था।

**धनबाद रेल मंडल के निचितपुर में बड़ा हादसा**

**हाईटेंशन तार की चपेट में आने से 8 लोगों की मौत, एक दर्जन से अधिक झुलसे**

धनबाद, 29 मई (एजेंसियां)। हावड़ा-नई दिल्ली रेल मार्ग पर सोमवार को धनबाद और गोमो स्टेशन के बीच निचितपुर रेल फाटक के पास बड़ा हादसा हुआ है जिसमें आठ लोग जिंदा जल गए। इस हादसे में करीब एक दर्जन से अधिक झुलस गए हैं। बताया जाता है कि निचितपुर रेल फाटक के पास मजदूर पोल गाड़ रहे थे और उन्होंने शटडाउन नहीं लिया था। काम के दौरान पोल डगमगा कर 25000 वोल्ट के ओवरहेड तार से छू गया, जिसके बाद करंट की चपेट में आने से मौके पर आठ लोगों की मौत की हो गई। एक दर्जन से अधिक लोग गंभीर रूप से झुलस गए हैं।

**संदिग्ध व्यक्तियों की गतिविधि देखे जाने पर चलाया गया तलाशी अभियान, सुरक्षाबलों के हाथ खाली**

जम्मू, 29 मई (एजेंसियां)। पुंछ जिले के पुराना गांव में कुछ संदिग्ध व्यक्तियों की गतिविधि की सूचना मिलने के बाद सुरक्षा बलों ने सोमवार को एक तलाशी अभियान चलाया, लेकिन पूरा इलाका खंगालने के बाद भी सुरक्षाबलों के हाथ खाली ही रहे। अधिकारियों ने बताया कि पुराना गांव के एक निवासी ने सोमवार सुबह कम से कम तीन संदिग्ध लोगों की गतिविधि देखकर पुलिस को सूचना दी। उन्होंने कहा कि जानकारी मिलने के तुरंत बाद सेना और सीआरपीएफ की मदद से पुलिस ने पूरे इलाके की घेराबंदी करके घर-घर तलाशी ली, लेकिन कोई संदिग्ध व्यक्ति नहीं मिला। स्थानीय निवासियों ने दावा किया कि यह दूसरी बार है,

# ओडिशा पुलिस की बड़ी कार्रवाई

## गांजा तस्करों की 3 करोड़ की संपत्ति को किया जब्त

पुरी, 29 मई (एजेंसियां)। ओडिशा की पुरी जिला पुलिस ने विभिन्न स्थानों पर छापेमारी कर एक गांजा तस्कर और उसके बेटे की करीब 3 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति जब्त की है। पुरी पुलिस के एसपी कंवर विशाल सिंह ने बताया कि ओडिशा पुलिस के विशेष कार्य बल (एसटीएफ) ने 3 मई को आरोपी पिता और बेटे को गिरफ्तार किया था। इस दौरान उनके कब्जे से 60 लाख रुपये नकद के साथ छह क्विंटल गांजा बरामद किया गया। पुरी पुलिस के एसपी ने बताया कि उन्होनें एक संवाददाता सम्मेलन में संवाददाताओं से कहा था पिता-पुत्र की जोड़ी को कड़े नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस एक्ट (एनडीपीएस) अधिनियम, भारतीय दंड संहिता और विस्फोटक पदार्थ अधिनियम के तहत अन्य प्रासंगिक धाराओं के तहत 3 मई को गिरफ्तार किया गया। इस मामले में तस्कर पिता की पहचान बिजय कुमार पाणि (50) और उसके बेटे शत्रुजीत पाणि (23) के रूप में हुई। उनके कब्जे से लगभग 60,00,000 रुपये मूल्य का 6 क्विंटल गांजा जब्त किया गया था। बता दें मामले में वित्तीय फंडिंग को तोड़ने और अभियुक्त बिजय कुमार पाणि और उनके बेटे सतरुजीत पाणि द्वारा अवैध रूप से अर्जित संपत्ति का पता लगाने और उसकी पहचान करने के लिए वित्तीय जांच शुरू की गई थी। पुरी के एसपी ने कहा कि पुलिस की एक टीम ने रविवार को विभिन्न स्थानों पर छापेमारी की और आरोपियों के पास से तीन करोड़ रुपये से अधिक की अचल और चल संपत्ति जब्त की। एसपी ने आगे कहा कि गांजा के लेन-देन से प्राप्त अवैध धन से दोनों ने संपत्ति अर्जित की।

आरोपी व्यक्ति कंधमाल से गांजा खरीद रहे थे और इस जून में पुरी में शुरू होने वाली आगामी रथ यात्रा के दौरान इसे बेचने के इरादे से इसे विभिन्न स्थानों पर संग्रहीत किया था। उन्होनें कहा कि पुरी पुलिस द्वारा समय पर कार्रवाई की गई और भारी मात्रा में गांजा जब्त किया गया।

# गेमिंग अकाउंट में मोटी रकम की लालच में क्लिक किया मैसेज, बिना ओटीपी के अकाउंट से लाखों गायब

कोलकाता, 29 मई (एजेंसियां)। आम लोगों की गाढ़ी कमाई गायब करने के लिए कोलकातावासियों के मोबाइल पर एक खास तरह का टेक्स्ट मैसेज आ रहा है। इसमें कहा गया है कि संबंधित व्यक्ति ने अपने गेमिंग खाते में मोटी रकम जीत ली हैं। पैसे के लालच में मैसेज में भेजे गए लिंक पर क्लिक करेंगे तो अनर्थ हो जाएगा। खाते से मोटी रकम गायब हो जाएगी। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी कहना कै साइबर फ्रॉड करने वाले हर समय नये-नये ट्रिक का इस्तेमाल कर रहे हैं पुलिस सूत्रों के मुताबिक इस मामले में भी जालसाजों को ग्राहक के खाते से पैसे चोरी करने के लिए किसी ओटीपी की जरूरत नहीं है और बिना ओटीपी के ही बैंक अकाउंट खाली होने की शिकायतें मिली हैं। साइबर विशेषज्ञ इस तरह की धोखाधड़ी को 'एपीके फ्रॉड' कहते हैं। जालसाजों द्वारा भेजे गए लिंक पर क्लिक करने मात्र से फोन ग्राहकों की जानकारी के बिना एपीके फाइल डाउनलोड कर लेता है और फ्राड उस फाइल का इस्तेमाल पैसे चुराने के लिए कर रहे हैं।

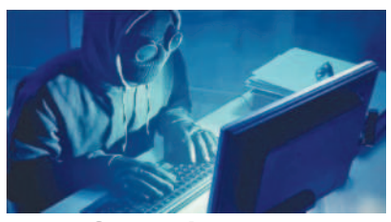

**लिंक पर क्लिक करते हुए गायब हुई रकम**

लालबाजार के साइबर सेल के एक अधिकारी ने बताया कि साइबर फ्रॉड करने वाले ग्राहक की जानकारी के बिना फोन में एपीके फाइल डाउनलोड होने के बाद एसएमएस फॉरवर्डिंग सॉफ्टवेयर का इस्तेमाल कर रहे हैं। नतीजतन, ग्राहक के मोबाइल पर कोई एसएमएस नहीं आ रहा है। इसलिए खाते से पैसा गायब होने पर भी ग्राहक के पास कोई टेक्स्ट मैसेज नहीं जा रहा है। लालबाजार के सूत्रों के मुताबिक, जालसाज एपीके के जरिए दूर से ग्राहक के मोबाइल का सारा एक्सेस अपने हाथ में ले रहे हैं। पुलिस के अनुसार प्रसिद्ध गेमिंग वेबसाइट के नाम से यह फ्रॉड चल रहा है। पुलिस के मुताबिक खाते से पैसे गायब होने के बाद आम लोगों को समझ नहीं आ रहा है कि उनके साथ कैसे ठगी हुई है। क्योंकि उन्होंने ओटीपी किसी से शेयर नहीं किया है।

**गेमिंग वेबसाइट के नाम पर हो रहा है फ्रॉड**

कोलकाता पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार हाल में उत्तर कोलकाता के रहने वाले ओम नारायण सिंह ने साइबर थाने में एक शिकायत दर्ज कराई थी। उसने शिकायत दर्ज की थी कि उसके बैंक अकाउंट से करीब 5 लाख रुपए गायब हो गये। पुलिस ने जब पूछताछ शुरू की, तो पता चला कि उसे प्रसिद्ध गेमिंग वेबसाइट से उसके मोबाइल फोन पर एक टेस्ट मैसेज आया था, जिसमें कहा गया था कि उसने मोटी रकम जीता है। यदि रकम हासिल करना चाहते हैं, तो इस लिंक पर क्लिक करें। उन्होंने कहा कि जैसे ही उसने मैसेज क्लिक किया। उसके बैंक अकाउंट की सारी रकम लापता हो गई और बैंक से पैसे निकाले जाने का कोई मैसेज भी नहीं आया, लेकिन जब बाद में उसने अकाउंट चेक किया तो देखा कि उसके अकाउंट में पैसे नहीं है, तो फिर उसने थाने में शिकायत दर्ज कराई।

**धीरेंद्र शास्त्री-प्रदीप मिश्रा ने खोली धर्म की बड़ी दुकान' विरोध के बाद सज्जन सिंह ने मांगी माफी**

भोपाल, 29 मई (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश में बागेश्वर धाम के धीरेंद्र शास्त्री और कुबेश्वर धाम के पंडित प्रदीप मिश्रा को लेकर दिए विवादित बयान पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सज्जन सिंह ने माफी मांगी है। सज्जन के धर्म की बड़ी दुकान खोलने के बाद कथा वाचक पंडित श्रीराम कृष्ण ने कथा करने से मना कर दिया था। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और विधायक सज्जन सिंह वर्मा ने एक बयान जारी कर कहा कि मैं संत कथावाचक श्रीराम कृष्ण उपाध्याय जी के आदेश से उनकी प्रेरणा से और उनके धर्म मंच से कहे शब्दों के लिए खेद व्यक्त करता हूं और माफी चाहता हूं।

मैं अपने शब्दों को सही तरीके से संयोजन नहीं कर पाया और उनके प्रति माफी चाहता हूं। मैं अपनी अगाध श्रद्धा कुबेश्वर धाम के पीठाधीश्वर प्रदीप मिश्रा जी और बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर धीरेंद्र शास्त्री जी के प्रति रखता हूं। इसके साथ ही मैं राम कृष्ण उपाध्याय जी से अनुरोध करता हूं कि आप अपनी वाणी से श्री रामकथा, श्रीभगवत कथा, श्री विष्णुपुराण के माध्यम से धर्म की गंगा अविरल बहाते रहे, जिससे हम सभी लोग उसका लाभ ले सकें। बता दें सज्जन सिंह वर्मा ने सोनकच्छ में श्रीराम कृष्ण उपाध्याय जी की कथा मंच पर पहुंचकर विवादित बयान दिया था। सज्जन सिंह ने बागेश्वर धाम के धीरेंद्र शास्त्री और कुबेश्वर धाम के प्रदीप मिश्रा का नाम लेकर कहा था कि उन्होंने धर्म की बड़ी बड़ी दुकान खोल ली है।

# पुणे लोकसभा सीट पर एमवीए में फंसा पेंच

## कांग्रेस ने जताई दावेदारी, अजीत पवार ने कही यह बात

मुंबई, 29 मई (एजेंसियां)। पुणे लोकसभा सीट को लेकर महाविकास अघाडी में अनबन देखने को मिल रही है। आने वाले दिनों में पुणे लोकसभा सीट पर उप चुनाव होने वाला है। 2019 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस ने पुणे से चुनाव लड़ा था लेकिन कांग्रेस उम्मीदवार की ढाई लाख से भी ज़्यादा वोटों से हार हुई थी। पुणे के भाजपा सांसद गिरीश बापट का निधन 29 मार्च को हुआ था अब इस सीट पर उप चुनाव होने जा रहे है।

**अजीत पवार ने क्या कहा?**

एनसीपी नेता अजित पवार के बयान के बाद महाविकास अघाडी में खींचतान दिखाई पड़ रही है अजीत पवार ने कहा कि पुणे में एनसीपी की ताक़त कांग्रेस से ज़्यादा है। पुणे लोकसभा सीट पर उनकी पार्टी अन्य पार्टियों की तुलना में काफी मजबूत स्थिति में है। उन्होंने कहा कि महाविकास अघाड़ी की जो भी पार्टी वहां से मजबूत स्थिति में होगी, उसे लड़ने के लिए पुणे सीट मिलेगी।

**नाना पटोले ने क्या कहा?**

प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष नाना पटोले ने कहा कि आने वाले चुनाव को लेकर महाविकास अघाडी में सीट शेयरिंग का कोई फार्मूला तय नहीं हुआ है। जहां जिस पार्टी की ताक़त ज़्यादा है वहां वो पार्टी लड़ेगी यह कांग्रेस की भूमिका है और यहीं भूमिका अजीत पवार ने रखी है। हमारा काम आसान कर दिया है ताकत की बात करें तो पुणे लोकसभा पर कांग्रेस का हक़ है।

**शिवसेना ने साधी चुप्पी**

कांग्रेस और एनसीपी दोनों कह रहे हैं की उनकी ताकत पुणे में ज़्यादा है। 3 महीने पहले पुणे की भाजपा की परंपरागत सीट कही जानेवाली क़सबा पेठ विधानसभा उप चुनाव में कांग्रेस ने जीत हासिल की थी। इसके बाद कांग्रेस को लग रहा है की पुणे लोकसभा में वो कमाल दिखा सकती है। फ़िलहाल शिवसेना यूबिटी इस मामले में चुप्प रहना पसंद कर रही है। एनसीपी सुप्रीमो शरद पवार ने पुणे लोकसभा उप चुनाव पर कहां कि महाविकास अघाडी के तीन दल इसपर फ़ैसला लेंगे हम जीत सकते हैं।

# निवाड़ी में मां-बेटी को कुल्हाड़ी मारी

**घर पर पत्थर फेंकने से मना करने पर किया हमला दोनों झांसी रेफर**

निवाड़ी, 29 मई (एजेंसियां)। निवाड़ी जिले में दो बदमाशों ने मां बेटी पर कुल्हाड़ी से जानलेवा हमला कर दिया। जिले की पृथ्वीपुर तहसील की मां-बेटी को सोमवार को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया। घायल मां-बेटी ने दो बदमाशों को अपने घर पर पत्थर फेंकने से मना किया। इससे गुस्साए दोनों बदमाशों ने मां-बेटी पर कुल्हाड़ी से हमला कर दिया। पृथ्वीपुर तहसील के मड़वा जुगलपुरा गांव से मां-बेटी को इलाज के लिए पृथ्वीपुर के स्वास्थ्य केंद्र लाया गया, जहां स्थिति गंभीर होने पर डॉक्टरों ने उन्हें झांसी रेफर कर दिया। घायल युवती रजनी प्रजापति के पिता कमलेश ने बताया कि आरोपी रोहित यादव और उसके पिता रामकुमार यादव ने घर पर पत्थर फेंके। जब बेटी ने ऐसे करने से रोका तो, आरोपी रोहित उसे पकड़कर खींचकर ले जाने लगा। यह देखकर उसकी मां गीता भी घर से बाहर आई, उसने आरोपी को रोका। इस पर रोहित और उसके पिता रामकुमार ने कुल्हाड़ी से हमला कर दिया। इसमें गीता के सिर में और रजनी के गले और चेहरे पर चोट आई है। वारदात के बाद बदमाश मौके से भाग निकले। पृथ्वीपुर पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी है।

# लव मैरिज करने पर तलवारों से काटा:युवती के भाइयों-साथियों ने फाटक पर घेरा

फतेहाबाद, 29 मई (एजेंसियां)। हरियाणा के फतेहाबाद के भट्टूकलां में एक व्यक्ति पर कुछ लोगों ने तेजधार हथियारों से जानलेवा हमला किया। उसने हमलावरों में शामिल दो युवकों की बहन से करीब एक साल पहले प्रेम विवाह किया था। घायल को भट्टू के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया, जहां से उसे डॉक्टरों ने गंभीर हालत में अग्रोहा मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। पुलिस ने 8 लोगों के खिलाफ आईपीसी की धारा 148, 149, 307, 323, 324, 506 के तहत मामला दर्ज कर लिया है।

# 'सब हदें पार: मैंने इससे ज्यादा भयानक कुछ नहीं देखा' 16 साल की लड़की के मर्डर पर बोलीं स्वाति मालीवाल

नई दिल्ली, 29 मई (एजेंसियां)। दिल्ली के शाहबाद डेरी में दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई है। यहां एक नाबालिग की चाकू से गोदकर हत्या कर दी गई। घटना को लेकर दिल्ली महिला आयोग ने दिल्ली पुलिस को नोटिस भेजा है। दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्ष स्वाति मालीवाल ने इसे अपने करियर की सबसे भयावह वारदात बताते हुए कहा कि सब हदें पार हो गई हैं। घटना के बारे में ट्वीट करते हुए मालीवाल ने लिखा, दिल्ली के शाहबाद डेरी में एक नाबालिग मासूम गुड़िया को चाकू गोद-गोदकर मारा गया और उसके बाद पत्थर से उसे कुचल दिया गया। दिल्ली में दरिंदों के हौसले बुलंद हैं। पुलिस को नोटिस जारी कर रहे हैं। सब हदें पार हो गई हैं। मैंने अपने इतने सालों के करियर में इससे ज़्यादा भयानक कुछ नहीं देखा। स्वाति मालीवाल ने एबीपी न्यूज से कहा, मैं यह मानती हूं कि दिल्ली में लॉ एंड ऑर्डर तहस नहस हो गया है। ऐसी स्थिति हो गई है जिसमें महिलाएं और बच्चियां बहुत असुरक्षित महसूस करती हैं। दिल्ली असंवेदनशील भी हो गई है। वहां कई लोग थे, लड़कियां भी थीं, लेकिन किसी ने हिम्मत नहीं की कि उसकी चीखें सुनकर उसे बचाने की कोशिश करें। दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्ष ने आगे कहा, दिल्ली पुलिस का क्राइम को लेकर जो रवैया है उस पर सवाल खड़े होते हैं। लोगों में जब तक पुलिस का डर नहीं होगा तब तक कुछ नहीं बदलेगा। हमने इन घटनाओं से कोई सबक नहीं सीखा है। राजधानी दिल्ली से डीसीडब्ल्यू में रोज रेप के छह केस दर्ज होते हैं।

स्वतंत्र वार्ता
मंगलवार, 30 मई- 2023

# 43फीसद कमाई सिर्फ इलाज पर खर्च

चिकित्सा खर्च इस कदर जेब पर भारी पड़ रहा है कि हर साल कर्ज लेकर, संपत्तियां बेचकर इलाज कराने वाली सात-आठ प्रतिशत आबादी गरीबी रेखा से नीचे पहुंच जाती है। तैंतालीस फीसद कमाई इलाज पर खर्च हो जा रही है। ऐसे ज्यादातर मरीज कैंसर, हृदय और मानसिक रोगों से पीड़ित होते हैं।

देश में स्वास्थ्य सेवाएं महंगी ही नहीं होती जा रहीं, मरीजों को गरीब भी बना रही हैं। लगातार बढ़ता चिकित्सा खर्च हर साल सात प्रतिशत आबादी को गरीबी रेखा के नीचे धकेल रहा है। आक्सफैम इंटरनेशनल की एक ताजा रिपोर्ट बताती है कि अगर भारत के अरबपतियों की पूरी संपत्ति पर दो फीसद की दर से एकमुश्त कर लगा दिया जाए, तो उसी राशि से देश में तीन साल तक कुपोषितों के पोषण के लिए 40,423 करोड़ रुपए की जरूरत पूरी की जा सकती है। इसी तरह देश के दस सबसे अमीर अरबपतियों पर पांच प्रतिशत का एकमुश्त कर लगा कर साल भर के लिए स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय और आयुष मंत्रालय के बजट की अच्छी-खासी भरपाई हो सकती है।

हमारे देश में आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना, राष्ट्रीय स्वास्थ्य बीमा योजना, प्रधानमंत्री स्वास्थ्य सुरक्षा योजना, राज्य स्वास्थ्य प्रणाली संसाधन केंद्र योजना, जननी सुरक्षा योजना, सामाजिक स्वास्थ्य कार्यकर्ता (आशा) योजना, एनआरएचएम फ्लेक्सी पूल, राज्यों में 108 एंबुलेंस सेवा, इंद्रधनुष टीकाकरण, ग्रामीण स्वास्थ्य स्वच्छता जैसी अनेक आधारभूत व्यवस्थाओं, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन, राष्ट्रीय शहरी स्वास्थ्य मिशन, तृतीयक देखभाल कार्यक्रम, स्वास्थ्य चिकित्सा शिक्षा, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (प्रजनन) आदि सरकारी इंतजामात के बावजूद दुनिया में सबसे ज्यादा (सालाना औसतन 11 लाख) नवजात बच्चों की मौतें भारत में हो रही हैं। हर साल दस लाख नवजात शिशुओं को गंभीर एचबीवी संक्रमण का खतरा रहता है। पैदा होने वाले प्रति एक हजार में से औसतन उनतीस नवजात की मौत हो जाती है। 'सेव द चिल्ड्रेन' संस्था के मुताबिक, विश्व में नवजात शिशुओं की कुल मौतों में से उनतीस फीसद अकेले भारत में होती हैं। गरीब परिवारों के लिए यह सच कितना दुर्भाग्यपूर्ण है कि वे अपने बच्चों के इलाज का खर्च उठाने लायक नहीं रह गए हैं। अस्पतालों में भर्ती बच्चों पर केंद्रित एक अध्ययन से पता चलता है कि प्रति सौ परिवारों में से तेरह को इलाज में आर्थिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे ज्यादातर परिवार अगली धार के कार्यकर्ताओं, जैसे आशा, आंगनबाड़ी, सहायक नर्स मिडवाइव्स की पहुंच से भी वंचित हैं।

आयुष्मान भारत योजना के साथ भी पहुंच का सवाल जुड़ा है। बेतहाशा महंगे दवा-इलाज ने तेईस फीसद मरीजों को चिकित्सा से वंचित कर दिया है। सत्तर फीसद लोग अपनी जेब से इलाज करा रहे हैं। मेडिकल कालेजों, अस्पतालों, प्रशिक्षित डाक्टरों और नर्सों की कमी के चलते स्वास्थ्य सेवाएं तो पहले से ही चरमराई हुई हैं।

स्वास्थ्य के क्षेत्र में सरकारी खर्च एक दशक से ऊंट के मुंह में जीरा की तरह सकल घरेलू उत्पाद के लगभग 1.3 प्रतिशत पर ही टिका हुआ है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति का हाल यह है कि सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं के मामले में भूटान, श्रीलंका और नेपाल जैसे गरीब देशों का भी सालाना खर्च भारत से ज्यादा है। देश में आबादी सात गुना बढ़ गई, पर स्वास्थ्य सुविधाएं दोगुनी भी नहीं हो सकी हैं। देश के कुल लगभग सत्तर हजार अस्पतालों में से साठ फीसद में तो पर्याप्त बिस्तर तक नहीं हैं। आनुपातिक तौर पर प्रति पैंसठ मरीज पर मात्र एक बिस्तर की उपलब्धता है। चिकित्सा खर्च इस कदर जेब पर भारी पड़ रहा है कि हर साल कर्ज लेकर, संपत्तियां बेचकर इलाज कराने वाली सात-आठ प्रतिशत आबादी गरीबी रेखा से नीचे पहुंच जाती है। आयुष्मान भारत स्वास्थ्य योजना की न तो फिलहाल दस करोड़ परिवारों तक पहुंच बन पाई है, न प्राथमिक उपचार के लिए पूर्व घोषित डेढ़ लाख 'हेल्थ ऐंड वेलनेस' केंद्र बन सके हैं। एक तो निजी अस्पताल आयुष्मान योजना की तय सरकारी दरों पर इलाज के लिए सहमत नहीं हैं। दूसरे, पर्वतीय प्रदेशों को छोड़ कर अन्य राज्य इस योजना के तहत चालीस प्रतिशत इलाज का खर्च उठाने से कतराते हैं। बंगाल सरकार ने तो आयुष्मान भारत योजना को राज्य की स्वास्थ्य योजना में मिश्रित कर दिया है। नतीजे स्पष्ट हैं कि योजनाएं कागजी होकर रह गई हैं। देश की सवा अरब से अधिक आबादी के लिए स्वास्थ्य का मौजूदा ढांचा नितांत अपर्याप्त हो चला है।

शिक्षा और स्वास्थ्य के नाम पर 1990 के बाद से, देश में पता नहीं कितने अभियान, कार्यक्रम, नीतियां और निवेश सामने आ चुके हैं, तब भी स्वास्थ्य क्षेत्र में हालात जस के तस बने हुए हैं। देश में मानव संसाधनों का पारदर्शी इस्तेमाल न हो पाना भी इस विफलता की एक खास वजह है। अन्य क्षेत्रों की तरह स्वास्थ्य क्षेत्र के संसाधन भी मुट्ठी भर शक्तियों के हाथों में सिमट कर रह गए हैं। किसी जमाने में चिकित्सक को धरती का भगवान कहा जाता था, पर अब इस पेशे ने नई तकनीकों से लैस होकर बाजार का बाना ओढ़ लिया है। सरकारें और स्थानीय प्रशासनिक अधिकारी ध्यान दें तो गरीबों का निजी अस्पतालों में मुफ्त इलाज हो सकता है। ऐसे मरीजों के लिए निजी अस्पतालों में दस फीसद आरक्षित बिस्तर मुहैया कराने का स्पष्ट प्रावधान है। 2007 में दिल्ली उच्च न्यायालय ने गरीब मरीजों को आरक्षित बिस्तर उपलब्ध न कराने पर अस्पतालों पर भारी जुर्माने का निर्णय दिया था। लगभग एक दशक पहले दिल्ली सरकार भी इस दिशा में पहल कर चुकी है।

स्वास्थ्य सेवाओं की स्थितियों के आकलन और उसके आधार पर भारत में चिकित्सा व्यवस्थाएं बनाने के लिए सन 1946 में जोसेफ विलियम भोरे के नेतृत्व में बनाई गई समिति ने प्रति चालीस हजार की आबादी पर एक प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बनाने का सुझाव दिया था। प्रत्येक पीएचसी में दो डाक्टर, एक नर्स, चार सार्वजनिक स्वास्थ्य नर्स, चार दाइयां, दो स्वच्छता निरीक्षक, दो स्वास्थ्य सहायक, एक फार्मासिस्ट और पंद्रह अन्य चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों को शामिल करने का सुझाव था। इस प्रस्ताव को 1952 में भारत सरकार ने स्वीकार भी कर लिया, लेकिन सभी सिफारिशें लागू नहीं हो सकीं। 1970 के दशक में डब्लूएचओ ने 'सभी के लिए सेहत' लक्ष्य निर्धारित किया। देश में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, जिला अस्पताल, मेडिकल कालेज विकसित हुए, बड़े-बड़े स्वास्थ्य संस्थान बने, लेकिन दुर्भाग्य है कि प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं को जरूरतों के अनुकूल विकसित नहीं किया जा सका है। आज एम्स, पीजीआई जैसे बड़े संस्थान उसी का खमियाजा भुगत रहे हैं।

भारतीय चिकित्सा परिषद के अनुसार, नौ वर्ष पहले देश भर में करीब 9.40 लाख डाक्टर थे, जबकि प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों को 1.5 लाख, उप-संभागीय अस्पतालों को 1.1 लाख, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों को अस्सी हजार डाक्टरों की आवश्यकता थी। उसके बाद के पांच वर्षों में चार लाख और डाक्टर चाहिए थे। फिर इस दिशा में आगे हुआ क्या? प्रति सत्रह सौ मरीजों पर एक डाक्टर उपलब्ध है। सार्वजनिक स्वास्थ्य क्षेत्र में डाक्टरों और नर्सों के बहुत सारे पद रिक्त पड़े हैं। देश में स्वास्थ्य कर्मियों की संख्या में हो रही वृद्धि की गति बहुत ही धीमी है। भर्ती प्रक्रियाएं बुरी तरह अवरुद्ध हैं।

अन्य देशों की तरह हमारे यहां आज भी सभी नागरिकों के लिए कोई राष्ट्रीय स्वास्थ्य बीमा प्रणाली नहीं है, जिसका लाभ निजी कंपनियां उठा रही हैं। सार्वजनिक और निजी स्वास्थ्य देखभाल में भारी अंतर है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य गारंटी मिशन का मुख्य लक्ष्य तो प्रत्येक नागरिक को मुफ्त दवाएं, नैदानिक उपचार और गंभीर बीमारियों के लिए बीमा उपलब्ध कराना है, लेकिन इसकी भी अंतर्गत कथा हाथी के दांत जैसी है। शहरी और ग्रामीण भारत के बीच स्वास्थ्य सेवाओं के बुनियादी ढांचे में ही भारी अंतर है।

## हर मुद्दे पर दूरी ठीक नहीं

बीते कुछ सालों से देखा जा रहा है कि सत्तापक्ष कोई भी जनहितैषी कदम उठाता है तो भी विपक्ष तंबू तान कर विरोध करने में जुट जाता है। इस तरह बात-बेबात विरोध करना लोकतंत्र के लिए ठीक बात नहीं मानी जाती। सवाल यह भी है कि इस तरह का विरोध कर वे अपने मतदाताओं का कितना भला कर पाते हैं? देखा जाए तो जनतंत्र में विपक्षी दलों की भूमिका बेहद अहम मानी जाती है क्योंकि इसलिए सरकार जब कोई नीति बनाती है या फैसला लेती है, तो वे उसमें जनहित का ध्यान रखते हुए समाज के हर हिस्से का हित सुनिश्चित करा सकते हैं। इसी तरह प्रतिनिधियों के जरिए लोगों को शासन के ढांचे में हिस्सेदारी मिलती है। कानूनन तो यह होना चाहिए कि सरकार अगर किसी मसले पर कोई नीति बनाना चाहती है, तो उसमें विपक्षी दल भी भागीदारी करें और किसी फैसले, योजना या कार्यक्रम को ज्यादा से ज्यादा जनहितैषी और लोकतांत्रिक स्वरूप देने में चार कदम आगे बढ़ाएं। लेकिन देखने में आ रहा है कि विपक्षी दलों को अगर किसी मुद्दे या सरकार की पहल से सहमति नहीं होती है तो उनके विरोध का तरीका सिर्फ बहिष्कार होने लगा है। जबकि अगर सरकार या किसी महकमे की ओर से बुलाई गई बैठक में सभी दलों के प्रतिनिधि हिस्सा लें तो किसी नीतिगत फैसले या नई योजना में अलग-अलग पक्षों के विचार शामिल किए जा सकते हैं और इस तरह उसके लाभ का दायरा और बड़ा हो सकता है। ऐसे में हर मसले पर किसी बैठक से दूर रहने का रवैया अपना कर विपक्षी दल जनता का हित तो नहीं कर रहे हैं, उल्टे अपने पैरों पर भी कुल्हाड़ी मार रहे हैं! शनिवार को दिल्ली में प्रधानमंत्री मोदी की अध्यक्षता में नीति आयोग की आठवीं बैठक बुलाई गई थी। इसमें शामिल होकर निर्धारित मुद्दों पर अपना पक्ष रखने के लिए सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों और केंद्रशासित प्रदेशों के उपराज्यपालों को बुलाया गया था। लेकिन इस बैठक में ग्यारह राज्यों के मुख्यमंत्री विरोधस्वरूप नहीं आए। ये सब सीएम उन राज्यों के रहे जो विपक्षी दल के सरकार की नुमाइंदगी करते हैं। हो सकता है कि राजनीतिक मोर्चे पर सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी व उसकी कार्यशैली से इन पार्टियों का विरोध हो, लेकिन सवाल है कि नीति आयोग में जिन मुद्दों पर चर्चा हुई, क्या उसका सरोकार उन राज्यों की आम जनता से नहीं था, जिनके सीएम बैठक में नहीं आए थे। बता दें कि नीति आयोग की बैठक में कई अहम विषयों पर चर्चा हुई, जिनमें देश को 2047 तक विकसित बनाने, बुनियादी ढांचा और निवेश, अनुपालन का बोझ कम करने, महिला सशक्तिकरण, स्वास्थ्य और पोषण, कौशल विकास, क्षेत्र के विकास और सामाजिक बुनियादी ढांचे के लिए गति कैसे मिले इस पर चर्चा होना था। जाहिर है, इन मसलों पर उन राज्यों की जनता की कोई नुमाइंदगी नहीं मिली, जिनके सीएम बैठक के बहिष्कार में शामिल रहे। यह सिर्फ एक मामला है, जिसमें विपक्षी दलों ने शामिल होने की बजाय दूर रहने का रास्ता चुना। देखने में यह भी आ रहा है कि सत्तापक्ष की बैठकों से दूरी बनाना एक परंपरा बन गई है। संसद में किसी मुद्दे या विधेयक पर चर्चा में शामिल होकर उसमें जनता का पक्ष रखने के बजाय विपक्षी दल बाहर निकलने की जल्दी में दिखाई देता है। विपक्ष के इस गैरजिम्मेदाराना कदम से सरकार का रास्ता आसान हो जाता है कि अगर किसी नीतिगत फैसले या विधेयक में आम जनता का खयाल कम रखा गया है, तो भी वह बिना किसी हस्तक्षेप के पारित हो जाता है। ऐसा रुख अख्तियार करके विपक्षी दल आखिर किसका भला कर रहे हैं? सत्ताधारी पार्टी या सरकार के किसी फैसले में विपक्षी दलों के सांसदों-विधायकों के जरिए अपने पक्ष की नुमाइंदगी की उम्मीद में बैठी जनता क्या करे? यह ध्यान रखने की जरूरत है कि देश के लोकतांत्रिक ढांचे में जनता को प्रतिनिधित्व सरकार के साथ-साथ विपक्षी दलों के जरिए भी मिलता है। अगर जनहित से संबंधित किसी मुद्दे पर सभी पार्टियां भागीदारी करेंगी तो उसे ज्यादा समावेशी स्वरूप दिया जा सकता है। हर मुद्दे पर दूरी बरतने का रास्ता लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए भी शुभसंकेत नहीं है।

## पाकिस्तान में राजनीतिक अस्थिरता बढ़ती जा रही है



अशोक भाटिया

एक तरफ हिंदुस्तान में नये लोकतंत्र के मंदिर का उद्घाटन हो रहा है तो दूसरी ओर पाकिस्तान इस वक्त बड़े उथल-पुथल के दौर से गुजर रहा है। पहले से इमरान खान पर बहुत आरोपों के तहत तो केस चल ही रहे थे। 84 से ज्यादा केस थे। फिर उन्हें गिरफ्तार किया गया। उसके बाद उनकी पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के नेता और समर्थक सड़क पर उतर आए। उन्होंने काफी हंगामा किया, तोड़फोड़ की। इसमें पाकिस्तान की सरकार और आर्मी के द्वारा एक्शन लिया गया। इसी बीच एक पलटते हुए खबर आई कि इतनी जल्दी इमरान खान रिहा नहीं हो पाएंगे लेकिन कोर्ट से झटका पाकिस्तान सरकार को तब लगा जब कहा गया कि इमरान खान को तुरंत छोड़ा जाए। फिर उन्हें जमानत मिल गई। उनकी पार्टी के जिन बड़े नेताओं को हिरासत में लिया गया था, उन्हें भी जमानत मिली। लेकिन उन्हें किसी न किसी धारा के तहत फिर से गिरफ्तार कर लिया गया है। और आज हम अब पीटीआई पर बैन लगने की बात सुन रहे हैं। तो इस तरह पाकिस्तान में हम एक राजनीतिक उथल-पुथल देख पा रहे हैं। पीटीआई की ओर देखें तो इमरान खान को उनके समर्थकों द्वारा उन्हें बहुत सपोर्ट मिल रहा है। लेकिन उनकी पार्टी के जो नेता हैं और बड़े दिग्गज नाम रहे हैं, जैसे कि शिरीन मजारी रहे हैं, हसन चौहान रहे हैं, अब्दुल रजा खान नियाजी रहे हैं, उमर उमरी हैं और कई नाम हैं। इन सभी ने पीटीआई छोड़ दी। और पार्टी छोड़ते समय उन्होंने इमरान खान पर बहुत गंभीर आरोप लगाए। उनका ये कहना था कि इमरान खान अपनी पार्टी के माध्यम से देश की जनता को मौजूदा सरकार के खिलाफ खड़ा करने की कोशिश कर रहे हैं। और इन्हीं इल्जामों के बाद हम देख रहे हैं कि वर्तमान सरकार की तरह से पीटीई को ही बैन करने की बात की जा रही है। वहां के रक्षा मंत्री का स्टेटमेंट सामने आया है। हालांकि यह भी एक प्रश्नवाचक चिन्ह ही है कि किस तरह से इस पार्टी को बैन किया जाएगा और इमरान खान के सामने विकल्प रखा गया है कि वो सुरक्षित विदेश चले जाएं, वर्ना बाकी की जिंदगी उन्हें जेल में गुजारनी पड़ सकती है। हालांकि पाकिस्तान के लिए राजनीतिक रूप से अस्थिर होना कोई नई बात नहीं है। समय-समय पर यह देश अस्थिर होता रहा है। इस देश की राजनीतिक अस्थिरता का अंदाज़ा आप इस बात से लगा सकते हैं कि पाकिस्तान की स्थापना के 75 वर्षों में लोकतांत्रिक ढंग से चुने हुए किसी भी प्रधानमंत्री ने आज तक अपना कार्यकाल पूरा नहीं किया है। गौर करने वाली बात यह है कि पाकिस्तान में राजनीतिक संकट के पीछे हर बार जो वजह सबसे ज़्यादा उभर कर नज़र आती है वह देश पर शासन करने की ज़िद है। पाकिस्तान पर शासन करने की ज़िद ने इस देश को हर बार संकट की ओर धकेला है। हालिया समय में पाकिस्तान में जो राजनीतिक संकट उत्पन्न हुआ है उसके पीछे भी देश पर शासन की ज़िद ही है।चाहे वह देश की सेना हो या राजनीतिक पार्टियां या विपक्ष सबको एक ही समय पर सत्ता में बैठना है। इन सबमें सबसे ज्यादा ज़िद जिसे सत्ता में बैठने की हमेशा से रही है वह देश की सेना है।पाकिस्तानी सेना किसी भी कीमत पर देश पर शासन करना चाहती है। सेना ने देश की सत्ता से खुद को बाहर रखने से इनकार कर दिया है, भले ही इस कारण क्यों न देश के टुकड़े-टुकड़े हो जाएं"। इमरान खान की गिरफ़्तारी व उनके ऊपर हुए सैकड़ों मुकदमे देश पर शासन करने की ही ज़िद को दर्शाता है। सेना, इमरान खान व शहबाज़ शरीफ की सरकार की सत्ता में एक ही समय में बने रहने की भूख ने पाकिस्तान को फिर एक ऐसे मुहाने पर लाकर खड़ा कर दिया है जिसका कोई सुखद भविष्य नहीं है। यह संकट केवल पाकिस्तान पर शासन करने की सेना की ज़िद से जुड़ा हुआ नहीं है, बल्कि यह इमरान खान को सत्ता में आने से रोकने के बारे में अधिक है। दरअसल इमरान खान पर सरकार द्वारा शिकंजा कसने की कई वजहें हैं। सरकार और सेना को लगता है कि अगर उन्हें समय रहते नियंत्रित नहीं किया गया तो यह उनके लिए बेहतर नहीं होगा और अगर इमरान खान कि लोकप्रियता इसी तरह बनी रही तो इसका गहरा असर आने वाले चुनाव पर पड़ेगा।इसके अलावा इमरान खान अपनी सरकार के जाने के बाद से जिस तरह से सेना पर हमले कर रहे हैं, उससे सेना को लगता है कि अगर उन पर शिकंजा नहीं कसा गया तो पाकिस्तानी सेना के लिए यह किसी भी तरह से ठीक नहीं होगा। सेना का यह भी मानना है कि अगर खान की आगामी आम चुनाव में सत्ता में वापसी हो जाती है तो सेना का वर्चस्व खतरे में पड़ जाएगा। पाकिस्तानी सेना किसी भी स्थिति में अपनी वर्चस्व खोना नहीं चाहती है, जिस कारण भी हालिया समय में इमरान खान के ऊपर शिकंजा कसा जाने लगा है। राजनीतिक समीक्षकों का मानना है कि सेना और पाकिस्तान डेमोक्रेटिक मूवमेंट (पीडीएम) सरकार इमरान खान को सत्ता से बेदखल करने के लिए जेल में डालने की पूरी कोशिश कर रही है। समीक्षकों के अनुसार, सेना और पीडीएम का ऐसा मानना है कि जेल में डालने के बाद खान की लोकप्रियता कमजोर पड़ने लगेगी। उनकी लोकप्रियता के कमजोर पड़ने के बाद देश में चुनाव कराया जाएगा जिससे इमरान खान की सरकार भी नहीं आ पाएगी और साथ ही सेना का प्रभुत्व भी बना रहेगा। इमरान खान समर्थित लोगों का ऐसा मानना है कि अगर इमरान खान दोबारा से सत्ता में लौट आते हैं तो उन्हें पाकिस्तान की राजनीति में आमूल-चूल परिवर्तन देखने को मिलने लगेगा। सबसे महत्वपूर्ण परिवर्तन सेना के वर्चस्व से संबंधित है, माना जा रहा है कि जब वह दोबारा सत्ता में आएंगे तो पाकिस्तान में सेना का दबदबा कम कर देंगे। लेकिन ऋषभ यादव इस मसले को दूसरे दृष्टिकोण से देखते हैं। उनका मानना है कि "अगर इमरान खान दोबारा सत्ता में लौटते हैं तो हमें सैन्य-हस्तक्षेप के अंत के बजाए पाकिस्तानी राजनीति में सेना की अधिक प्रत्यक्ष भूमिका देखने को मिलने लगेगी"। इमरान खान की गिरफ़्तारी के बाद से पाकिस्तान में जो राजनीतिक संकट उत्पन्न हुआ है उसका राजनीतिक फायदा फिलहाल इमरान खान को होता हुआ दिख रहा है। अगर यह सरकार इमरान खान को चुनाव लड़ने से रोक पाने में सफल नहीं हो पाती है तो इसका फायदा चुनाव में इमरान खान को जरूर देखने में मिलेगा।

## आम जनजीवन का अभिन्न अंग है हिन्दी पत्रकारिता



योगेश कुमार गोयल

भारत-चीन लड़ाई का उल्लेख करें अथवा भारत-पाक युद्ध का या फिर कोरोना से जंग के कठिन दौर का, प्रेस ने प्रत्येक ऐसे विकट अवसर पर अपनी महत्ता सिद्ध की है और कहना गलत नहीं होगा कि इसमें हिन्दी पत्रकारिता का स्थान सर्वोपरि रहा है। चाहे हिन्दी भाषी टीवी चैनलों की बात हो या हिन्दी के समाचारपत्र अथवा पत्रिकाओं की, देश की बहुसंख्यक आबादी के साथ उनका विशेष जुड़ाव रहा है और इस दृष्टि से राष्ट्र की एकता, अखण्डता एवं विकास की दिशा में हिन्दी पत्रकारिता की भूमिका को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। हालांकि हिन्दी पत्रकारिता के 197 वर्षों के इतिहास में समय के साथ पत्रकारिता के मायने और उद्देश्य बदलते रहे हैं किन्तु उसके बावजूद सुखद स्थिति यह है कि हिन्दी पत्रकारिता के पाठकों या दर्शकों की रूचि में कोई कमी नहीं आई। यह अलग बात है कि अंग्रेजी मीडिया और उससे जुड़े कुछ पत्रकारों ने भले ही हिन्दी पत्रकारिता की उपेक्षा करते हुए सदैव उसकी प्रामाणिकता एवं विश्वसनीयता पर सवाल उठाने की कोशिशें की हैं किन्तु वास्तविकता यही है कि पिछले कुछ दशकों में हिन्दी पत्रकारिता ने अपनी ताकत का बखूबी अहसास कराया है और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी उसकी विश्वसनीयता बढ़ी है। यह हिन्दी पत्रकारिता की बढ़ती ताकत का ही नतीजा है कि कुछ हिन्दी अखबारों ने अनेक संस्करणों के साथ प्रसार संख्या के मामले में कुछ अंग्रेजी अखबारों को भी पीछे छोड़ दिया है। हिन्दी पत्रकारिता की शुरूआत 30 मई 1826 को कानपुर निवासी पं. युगुल किशोर शुक्ल द्वारा प्रथम हिन्दी समाचार पत्र 'उदन्त मार्तण्ड' के प्रकाशन के साथ हुई थी, जिसका अर्थ था 'समाचार सूर्य'। उस समय अंग्रेजी, फारसी और बांग्ला में कई समाचारपत्र निकल रहे थे किन्तु हिन्दी का पहला समाचारपत्र 'उदन्त मार्तण्ड' 30 मई 1826 को कलकत्ता से पहली बार प्रकाशित हुआ था, जो साप्ताहिक के रूप में आरंभ किया गया था। पहली बार उसकी केवल 500 प्रतियां ही छापी गई थी लेकिन चूंकि कलकत्ता में हिन्दी भाषियों की संख्या काफी कम थी और इसके पाठक कलकत्ता से बहुत दूर के भी होते थे, इसीलिए संसाधनों की कमी के कारण यह लंबे समय तक प्रकाशित नहीं हो पाया। 4 दिसम्बर 1826 से 'उदन्त मार्तण्ड' का प्रकाशन बंद कर दिया गया लेकिन इस समाचारपत्र के प्रकाशन के साथ ही हिन्दी पत्रकारिता की ऐसी नींव रखी जा चुकी थी कि उसके बाद से हिन्दी पत्रकारिता ने अनेक आयाम स्थापित किए हैं। 'उदन्त मार्तण्ड' के बाद अंग्रेजी शासनकाल में अनेक हिन्दी समाचारपत्र व पत्रिकाएं एक मिशन के रूप में निकलते गए किन्तु ब्रिटिश शासनकाल की ज्यादतियों के चलते उन्हें लंबे समय तक चलाते रहना बड़ा मुश्किल था, फिर भी कुछ पत्र-पत्रिकाओं ने सराहनीय सफर तय किया। अब परिस्थितियां बिल्कुल बदल चुकी हैं और हिन्दी पत्रकारिता भी मिशन न रहकर एक बड़ा व्यवसाय बन गई है किन्तु अच्छी बात यह है कि आज भी हिन्दी पाठक व दर्शक अपनी-अपनी पसंद के अखबारों व चैनलों के साथ पूरी शिद्दत से जुड़े हैं। देश-विदेश की हर छोटी-बड़ी हलचल से लेकर तमाम ज्वलंत मुद्दों और हर प्रकार की नवीनतम जानकारियों को जुटाकर अपने पाठकों या दर्शकों के सामने प्रस्तुत करने की बात हो या, व्यवसायीकरण के आरोपों या घर बैठे दुनिया की सैर कराने की, तमाम विरोधाभासों के बावजूद हिन्दी पत्रकारिता यह काम बखूबी कर रही है और आमजन के भरोसे पर खरा उतरते हुए हिन्दी पत्रकारिता आज आम जनजीवन का अभिन्न अंग बन चुकी है। अधिकांश हिन्दी समाचारपत्रों के अब ऑनलाइन संस्करण उपलब्ध हैं। विगत कुछ वर्षों में देश में बड़े-बड़े घोटालों का पर्दाफाश करके अनेक सफेदपोशों के चेहरों पर पड़े नकाब उतार फैंकने का श्रेय भी पत्रकारिता जगत को ही जाता है, जिसमें हिन्दी पत्रकारिता की भूमिका को भी किसी भी लिहाज से कमतर नहीं आंका जा सकता। वर्तमान में जहां देशभर में नैतिक मूल्यों में बड़ी गिरावट आई है और राजनीतिज्ञों, विधायिका, कार्यपालिका तथा न्यायिक व्यवस्था पर से लोगों का विश्वास कम होता जा रहा है, वहीं पत्रकारिता भी इस नैतिक पतन का शिकार होने से नहीं बची है।

## समय के मूल्य को जिसने जाना समय ने उसे पहचाना



संजीव ठाकुर

बीता समय के मूल्य को बें जा मि न फ्रैंकलीन ने पहचानते हुए कहा था बीता हुआ समय कभी वापस नहीं आता है। यह वाक्य अत्यंत यथार्थ भी है, खोया हुआ धन अर्जित कर सकते हैं पर खोए हुए वैभव को प्राप्त नहीं किया जा सकता।समय को एक बार खो देने के बाद वापस प्राप्त करना बहुत मुश्किल ही नहीं असंभव है।इसीलिए यह कहावत कही गई है काल करे सो आज कर, आज करे सो अब, पल में परलय होएगी बहुरि करेगा कब प्रसिद्ध लेखक मेसन ने समय को महिमामंडित करते हुए कहा है सोने के कण की तरह समय का हर क्षण मूल्यवान है। प्लेटफार्म पर खड़ी रेलगाड़ी भी अपने यात्रियों का इंतजार नहीं करती और देर से पहुंचने वाले यात्री हाथ मलते रह जाते हैं,उनके पास अफसोस करने के अलावा कुछ नहीं रह जाता।समय और समुद्र की लहरें किसी की प्रतीक्षा नहीं करती, समय के महत्व को दर्शाते प्रकृति के कई उदाहरण भी हैं, बरसात के समय वर्षा देर से आने से कृषि सूख जाती है. इसलिए कहा गया है का वर्षा जब कृषि सुखावे, इसीलिए इतिहास में महान लोगों ने समय के साथ निज के अनुशासन और श्रम के महत्व को अपने जीवन में अपनाकर अपने आप को बड़ा बनाकर इतिहास में अपना नाम स्थापित किया है। समाज में जितने भी प्रसिद्ध, नामचीन और महान बने हैं, या उदाहरण देने लायक बने हैं, उन सब ने समय को समय देकर अपने आप को समाज में अग्रणी स्थान पर स्थापित किया है,और हजारों,लाखों लोग उनका सम्मान कर उनका अनुसरण भी करने लगते हैं। समय का महत्व और निज पर शासन फिर अनुशासन एक दूसरे से जुड़े तथा पर्यायवाची ही है। जिसमें भी समय के महत्व को समझते हुए उसका अनुशासन के साथ उपयोग किया है,वे अपनी जिंदगी में आर्थिक सामाजिक एवं वैश्विक रूप से अपने आप को सफल बना चुके हैं। विद्वानों में यह भी कहा है कि जो कार्य जिंदगी में आप को सबसे कठिन एवं क्लिष्ट लगने लगता है, उसे समय और अनुशासन के साथ सबसे पहले किया जाना चाहिए, और तब तक करना चाहिए जब तक वह कार्य अपनी परिणति तक ना पहुंचे, और ऐसी प्रक्रिया से आप सफलता की सीढ़ी चढ़कर एक सफलतम व्यक्तित्व बन सकते हैं।

और सफल व्यक्ति ही समाज को दृढ़ समृद्ध और महान बना सकता है। पश्चिमी देशों में इंग्लैंड का नाम इसीलिए भी ग्रेट ब्रिटेन और यूनाइटेड किंगडम कहा जाता है उन्होंने अनुशासन और समय का सर्वाधिक सदउपयोग कर पूरे विश्व में किसी समय राज किया था। हालांकि समय और अनुशासन का उन्होंने दमन नीति अपनाकर अनुचित उपयोग भी किया था। सकारात्मक रूप से भारत के वैज्ञानिको ने समय तथा अनुशासन का पालन करते हुए अपने अन्वेषण और शोध में कठोर श्रम करके जो भी नवीन उपलब्धियां हासिल की, वह वैश्विक रूप से स्वीकार हुई, और उन्हें अनेक राष्ट्रीय,अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार भी प्राप्त हुए।

जो व्यक्ति अपना निश्चित कार्यक्रम बना कर मानसिक वृत्तियों को संयमित, मर्यादित कर कार्य करता है, उसे जीवन संग्राम में अवश्य बड़ी सफलता अर्जित होती है।

## कुत्ता बनने की चुगली



डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

मैं अपने गांव का कुत्ता हूं। बस्ती वालों पर आपदा बाद में आती है उससे पहले मैं भौंक देता हूँ। मेरे इस भौंकने और कुत्तागिरी के बारे में आए दिन समाचार पत्र वाले छापते भी हैं। ऐसा नहीं है कि वे हमें शौक से छापते हैं बल्कि उन समाचार पत्रों के संवाददाताओं-संपादकों से हमारा उठना-बैठना नियमित रूप से चलता है। वे जो चाहते हैं हम वह देते हैं। इस हाथ दे उस हाथ ले पॉलिसी का ईमानदारी से पालन करना मेरे खून में रचा-बसा है। इधर कुछ दिन पहले प्रधानी के चुनाव के बारे में समाचार पत्रों में खबर छपी। मैं इस खबर से बड़ा खुश था। सोचा हमारी कुत्तागिरी और चाटुकारिता को कोई न कोई पार्टी अवश्य रेखांकित करेगी और हमें टिकट देगा। इसी प्रतीक्षा में कुछ दिन बीत गए। फिर मैं सोचने लगा यह तो पार्टी का टिकट है न कि कोई बीमारी का, जो खुद ब खुद चल कर मेरे पास आएगी। सो मैंने निर्णय किया कि मैं ही चलकर फलाना-फलाना पार्टी कार्यालय से टिकट ले लेता हूं। टिकट बांटने वाले माहौल में एक बार के लिए भगवान के दर्शन हो सकते हैं लेकिन पार्टी अध्यक्ष के नहीं। कई नई चप्पलों को घिसवाकर या यूं कहें कि शहीद करवाकर पार्टी अध्यक्ष से भेंट की। पार्टी अध्यक्ष ने मुझे फट से पहचान लिया और कई सारे उम्मीदवारी के इच्छार्थियों के साथ-साथ मुझे भी एक आवेदन पत्र दे दिया। आवेदन पत्र में नाम, पता, पढ़ाई, अनुभव तथा संपर्क के बारे में पूछा गया था। मैंने बिना देरी किए आवेदन पत्र भरकर पार्टी अध्यक्ष को दे दिया। उनसे पूछा कि मुझे कैसे पता चलेगा कि मेरी उम्मीदवारी पक्की हुई या नहीं। अध्यक्ष ने धूर्त मुस्कान पेंकते हुए कहा - तुम्हें छोड़कर कोई दूसरे उम्मीदवार का नाम सुनाई देने लगे तो समझ जाना कि तुम्हारा आवेदन पत्र कूड़ेदान में फेंक दिया गया है। मेरा आवेदन पत्र कूड़ेदान की बाहों में सजा दिया गया। मुझसे रहा नहीं गया। मैं दौड़े-दौड़े पार्टी कार्यालय पहुंचा। वहां अध्यक्ष से मिलने की लाख कोशिश की, लेकिन परिणाम जीरो बटा लूल था। मेरी छटपटाहट को देख वहां का चपरासी मुझसे कहने लगा आपका आवेदन तो पहले ही दिन कूड़े की भेंट चढ़ चुका था। भला कोई आवेदन में बेफिजूल की योग्यताएं लिखता है? आपका आवेदन आपकी विशेष योग्यताओं की वजह से तिरस्कृत हुआ है। उम्मीदवारी के लिए कई सारे पुलिस केस जैसे बलात्कार, हत्या, चोरी-फिरौती आदि दर्ज होने चाहिए थे, जो कि आपके पास बिल्कुल नहीं है। जेल जाने का अनुभव तो छोड़ो जेल के बारे में आपने सुना तक नहीं है।

# घर में गंगाजल को प्लास्टिक की बोतल में रखने से बचें

## इसके लिए तांबे, चांदी या सोने के बर्तन होते हैं शुभ

मंगलवार, 30 मई को ज्येष्ठ मास के शुक्ल पक्ष की दशमी है। इस तिथि पर गंगा नदी की पूजा का महापर्व गंगा दशहरा है। पुराने समय में इस राजा भगीरथ ने गंगा नदी को स्वर्ग से धरती पर लाने के लिए कठोर तपस्या की थी। तपस्या प्रसन्न होकर देवी गंगा धरती पर आईं। गंगा दशहरा पर नदी में स्नान करना चाहिए। गंगा का पवित्र जल घर में रखने की परंपरा है। मान्यता है कि गंगाजल घर में रखा हो तो घर का वातावरण पवित्र बना रहता है।

गंगाजल प्लास्टिक की बोतल में नहीं रखना चाहिए। प्लास्टिक में रखा पानी एक समय के बाद खराब हो जाता है। गंगाजल के लिए तांबे, चांदी या सोने के बर्तन शुभ रहते हैं। घर के मंदिर में इन धातुओं से बनी गंगाजली रखनी चाहिए। घर में गंगाजली रखी है तो रोज उसकी पूजा करनी चाहिए।

**जानिए गंगाजल का किन शुभ कामों में उपयोग किया जा सकता है**

घर में सकारात्मकता और पवित्रता बनाए रखने के लिए हमें रोज गंगाजल का छिड़काव करना चाहिए। अगर रोज गंगाजल का छिड़काव नहीं कर पा रहे हैं तो हर महीने की अमावस्या और पूर्णिमा पर छिड़काव कर सकते हैं। अगर तिथियों पर भी नही कर पा रहे हैं तो तीज-त्योहारों पर गंगाजल का छिड़काव करें।

**शिव जी की पूजा में गंगाजल का उपयोग जरूर करना चाहिए।**

शिवलिंग पर जल चढ़ाते समय पानी में थोड़ा सा गंगाजल मिला लेना चाहिए। शिव पूजा में ऊँ नमः शिवाय मंत्र का जप करते हुए गंगाजल चढ़ाना चाहिए। अन्य देवी-देवताओं की पूजा में भी गंगाजल का उपयोग कर सकते हैं।

जब भी घर में कोई शुभ काम शुरू करना हो तो गंगाजल से घर को पवित्र करना चाहिए। घर के मंदिर में भी गंगा का छिड़काव करें।

तीज-त्योहारों पर पानी में थोड़ा सा गंगाजल मिलाकर स्नान करना चाहिए। ऐसा करने से घर पर ही गंगा नदी में स्नान का पुण्य मिल सकता है।

**गंगा दशहरा पर गंगा में स्नान न कर पाएं तो क्या करें**

गंगा दशहरा पर गंगा नदी में स्नान नहीं कर पा रहे हैं तो अपने शहर की या आसपास की किसी अन्य नदी में स्नान कर सकते हैं। ये संभव न हो तो घर पर ही पानी में गंगाजल मिलाकर स्नान करें। नहाते समय सभी पवित्र नदियों का ध्यान करना चाहिए।

# गिर सोमनाथ मंदिर

गिर सोमनाथ : सोमनाथ मंदिर की दर्शन टाइमिंग सुबह 6 से रात 10 बजे तक है। सुबह 7 बजे, दोपहर 12 बजे और शाम को 7 बजे आरती होती है। रात को 7:45 से 8:45 बजे तक लाइट एंड साउंड शो होता है। सामान्य दर्शन के लिए मंदिर प्रशासन कोई फीस नहीं लेता। आरती में शामिल होने के लिए 200 रुपए की टिकट लेनी होती है। इसके अलावा गर्भगृह में जाकर विशेष पूजा के लिए अलग-अलग चार्जेस लिए जाते हैं। इनकी बुकिंग आप घर बैठे मंदिर की ऑफिशियल वेबसाइट के जरिए 3 दिन पहले करा सकते हैं।

**पूजा प्रकार (सोमनाथ)**
**चार्ज, अवर्तन,150 रुपए**
**पंचोपचार पूजा,150 रुपए**
**गंगा जल अभिषेक 200 रुपए**
**रुद्राभिषेक, 200 रुपए**
**षोडशोपचार पूजा, 300 रुपए**
**राजोपचार पूजा, 3100 रुपए**
**महापूजा, 3100 रुपए**
**महादुग्ध अभिषेक, 3100 रुपए**
**महारुद्र अभिषेक, 15000 रुपए**
**इनके अलावा और भी कई अभिषेक पूजा होती हैं।**

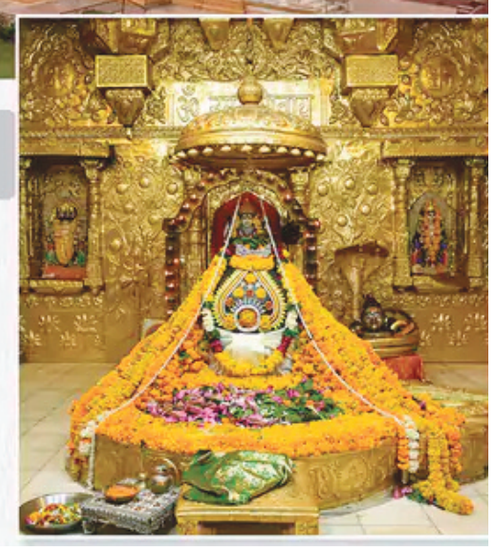


# कैसा है आपका वॉर्डरोब?

**किस दिशा में रखें वार्डरोब?**

अलमारी को दक्षिण की दीवार सटाकर रखें जिससे उसका दवारा उत्तर की ओर खुले। उत्तर दिशा कुबेर की दिशा होती है।

उत्तर दिशा में अलमारी का मुंह खुलने से धन और ज्वेलरी में बढ़ोतरी होती है।

यदि इसे बेडरूम में रख रहे हैं तो उत्तर-पश्चिम या दक्षिण-पश्चिम कोने में रखें।

इसे इस तरह रखा जाना चाहिए कि यह बेडरूम की दीवार से संपर्क न कर पाए। कम से कम 2 इंच दूर रखें।

अलमारी को हमेशा दक्षिण की दीवार से सटाकर रखते हैं। दक्षिण के अलावा पश्चिम से भी सटाकर रख सकते हैं।

**कैसी होना चाहिए अलमारी?**

अलमारी का आकार आयताकार या चौकोर होना चाहिए।

अलमारी का रंग हल्का नीला, गुलामी या लकड़ी के कलर का होना चाहिए।

यदि अलमारी को बेडरूम में रख रहे हैं तो इसमें दर्पण न रखें तो अच्छा है।

अलमारी का रंग आपके घर की दीवारों से मैच करता हो तो अच्छा है।

अलमारी पर व्हाइट, सॉफ्ट ब्लू, ग्रीन, पेस्टल और क्रीम जैसे लाइट कलर में पेंट होनी चाहिए।

**कबर्ड के लिए अन्य वास्तु टिप्स:**

इसमें इत्र की शिशी, चंदन की बट्टी या अगरबत्ती का पैकेट भी रख सकते हैं जिससे उसमें सुगंध बनी रहेगी।

इसमें फटे पुराने कपड़े या फालतू कपड़ों की पोटली बनाकर न रखें।

इसमें यदि जुते चप्पल रख रहे हों तो वह साफ सुधरे होना चाहिए।

कड़ों को ठूंसकर न रखें व्यवस्थित जमाकर रखें।

अलमारी को खुला नहीं रखना चाहिए।

**टूटी फूटी अलमारी न रखें।**

अलमारी को सीधे भूमि पर नहीं रखना चाहिए।

उसके नीचे कपड़ा, पुष्ठा या लकड़ी का तख्ता रखेंगे तो इससे वास्तुदोष निर्मित नहीं होगा।

# जेब में नहीं टिकता है पैसा? कहीं आप भी तो नहीं कर रहें ऐसी गलती

आपके पर्स में पैसों के अलावा भी बहुत-सी चीज़ें रखी होती हैं, जिनमें से कई तो बहुत समय से इस्तेमाल में नहीं आ रही होती। वास्तु शास्त्र के अनुसार इनमें से कुछ चीज़ों को तो पर्स से बाहर ही कर देना चाहिए क्योंकि इन चीज़ों से आस-पास निगेटिव ऊर्जा बढ़ती है।

साथ ही आपको पैसों के मामले में नुकसान भी उठाना पड़ सकता है। लेकिन कुछ ऐसी चीज़ें भी होती हैं जिन्हें पर्स में रखने से शुभ फल प्राप्त होते हैं और बरकत आती है।

पर्स के अंदर कटे-फटे नोट, कोई फोटो या खराब कागज़ नहीं रखने चाहिए। इससे पैसों की आवक में कमी आती है। पर्स जितना साफ-सुथरा होगा और उसके अंदर रखी चीज़ें जितने सलीके से होंगी उतना ही अच्छा रहता है।

पर्स में एक लक्ष्मी माता की कागज की फोटो जरूर रखें और समय-समय पर इसे चेंज करते रहें। इससे आपका पर्स कभी खाली नहीं रहेगा। इसके अलावा आप एक श्रीयंत्र भी रख सकते हैं क्योंकि यह लक्ष्मी का ही एक रूप है।

# निर्जला एकादशी पर घर ले आएं ये चीजें, चमक उठेगी किस्मत

इस बार 31 मई, बुधवार को निर्जला एकादशी का व्रत रखा जाएगा। प्रत्येक महीने में दो बार एकादशी मनाई जाती है। निर्जला एकादशी सबसे बड़ी एकादशी मानी जाती है। इस दिन प्रभु श्री विष्णु की पूजा करना सबसे शुभ माना जाता है। ज्येष्ठ माह की शुक्ल पक्ष की एकादशी को निर्जला एकादशी का व्रत रखा जाता है। इस दिन व्रत एवं पूजा करने से व्यक्ति के सभी कष्ट और दुख दूर हो जाते हैं। आइए बताते हैं कि प्रभु श्री विष्णु की आशीर्वाद पाने के लिए निर्जला एकादशी पर कौन सी शुभ चीजें घर लानी चाहिए।

निर्जला एकादशी के दिन घर में कामधेनु गाय की प्रतिमा लाना सबसे शुभ माना जाता है। इससे घर में सुख समृद्धि एवं खुशहाली बनी रहती है। निर्जला एकादशी के दिन घर में तुलसी का पौधा अवश्य लेकर आएं। तुलसी का पौधा घर में लाने से सभी नकारात्मकता दूर हो जाएगी। मोर पंख कृष्ण जी का सबसे प्रिय माना जाता है तथा कृष्ण जी प्रभु श्री विष्णु के अवतार हैं। इसलिए निर्जला एकादशी पर 3 मोर पंख घर में ले आएं। इससे घर में सकारात्मकता आएगी।

निर्जला एकादशी के दिन मोती पंख घर लाना बहुत शुभ माना जाता है। इससे घर की आर्थिक स्थिति अच्छी होती है। एकादशी के दिन नारियल घर ले आएं तथा उसे घर की तिजोरी में रख दें। घर में धन की परेशानी समाप्त हो जाएगी। निर्जला एकादशी के दिन पीली कौड़ियां घर ले आएं। इन्हें लाल कपड़े में बांधकर तिजोरी में रखें दें। इससे घर में बरकत ही बरकत होगी।

# विष्णु अवतारी श्री बाबा गंगतराम जी

## बाबा गंगाराम मंदिर का स्थापना दिवस

विष्णु अवतारी श्री बाबा गंगतराम जी का पवन धाम, श्री पंचदेव मंदिर राजस्थान के झुंझुनू नगर में स्तिथ है, जिस स्थापना 1975 में गंगा दशहरा के दिन में हुई थी

इस देवस्थान का निर्माण बाबा के परम आराधक भक्त शिरोमणि श्री देवकीनन्दन जी ने बाबा गंगतराम जी के स्वप्नादेश के पश्चात कराया थ। तत्कालीन जगदगुरु शंकराचार्य स्वामी निरंजनदेव तीर्थ पुरी के सान्निध्य में गंगादशहरा (ज्येष्ठ शुक्ल दशमी) वि.स. 2032 (सन 1975) के पावन दिन मंदिर का प्रतिष्ठा समारोह पूर्ण वैदिक विधि से सम्पन्न हुआ था।

अभीष्ट फलदाता सत्यनारायण स्वरुप बाबा की प्रतिमा के दर्शन होते ही कदम स्वयं ही गर्भगृह की ओर बढ़ने लगते है एवं मंदिर में दर्शन की लालसा लेकर जाने वाला श्रद्धालू भाव-विभोर होकर नतमस्तक हो जाता है। मुख्य गर्भगृह के बाई ओर निर्मित दो अलग- अलग गर्भगृहों में मां दुर्गा व आंजनेय हनुमान की विशाल प्रतिमाएं स्थापित है। इसी प्रकार दाहिनी ओर पद्मासन पर धन की दात्री देवी लक्ष्मी की प्रतिमा है एवं अन्य गर्भगृह में त्रिदेवों के देव भगवान शंकर का लिंग स्थापित है, जिसके साथ ही मां पार्वती, गणेश एवं कार्तिकेय आदि शिव परिवार की मूर्तियाँ है। सभी देव प्रतिमाएं सफेद संगमरमर से निर्मित है एवं कला की उत्कृष्ट कृत्तियां है। इस प्रकार इन पाँच देव मंदिरों के कारण ही इस मंदिर का नाम 'पंचदेव मंदिर' पड़ा। आज यही नाम सर्वाधिक लोकप्रिय एवं प्रचलित है। मंदिर में नियमित रूप से सात आरतियाँ होती है। मंदिर सभागार के ऊपर दक्षिण भारतीय शैली में गोपुरम बना हुआ है, जिसमें भगवान विष्णु की विशाल प्रतिमा गरूड़ पर विराजमान है। दोनों ओर भगवान के पार्षद जय-विजय की मूर्तियाँ है। भगवान के आयुध शंख और चक्र मूर्तिरुप में दायें-बायें उपस्थित है। मंदिर की बाहरी दीवारों पर बनाये गये भित्तिचित्र बाबा की लीलाओं को प्रदर्शित करते हैं। इस विशाल मंदिर का कलात्मक शिल्प, मनोहारी दृश्य एवं आध्यात्मिक वातावरण ब्रह्मानंद की अनुभूति कराता है।

इस देवस्थान के प्रति लोगों की श्रद्धा दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही है। देश के कोने- कोने से भक्तगण बाबा के दरबार में आते है और अपनी श्रद्धा व भक्ति से बाबा की आराधना करते हैं। यह भक्तों की श्रद्धा व विश्वास का ही फल है कि उनकी सभी मनोकामनायें बाबा के दरबार में अवश्य पूरी होती है। प्रथम तो बाबा की चित्ताकर्षक प्रतिमा के दर्शन से ही श्रद्धालुओं के सारे आन्तरिक क्लेष स्वतः ही नष्ट हो जाते है एवं जो दिव्यानुभूति होती है, उससे जीवन में नई शक्ति का संचार होता है। यह सब स्वयं अनुभव करके ही जाना जा सकता है। हर साल आज के दिन झुंझुनू में बाबा गंगाराम धाम - श्री पंचदेव मंदिर में मेला भरता है और गंगा दशहरा का पवन पर्व बड़ी ही धूम धाम से मनाया जाता है। जिस में देश विदेश से आये बाबा के सैकड़ो भक्त सम्मलित हो कर बाबा के दर्शन कर अपना जीवन धन्य बनाते है। इस अवसर पर सुबह बाबा गंगाराम जी का संगीतमय अमृतवाणी पाठ किया जाता है तथा शाम को विशाल भजन संध्या का आयोजन तथा सभी भक्तो के लिए महा प्रसाद की वयवस्था की जाती है।

# पैरों की बनावट से जानें व्यक्ति का स्वभाव

सामुद्रिक शास्त्र में मनुष्य के शरीर के अंगों का उल्लेख किया गया है जिनके जरिए आपको इस व्यक्ति के व्यवहार और भविष्य के बारे में जानने में मदद मिलती है। किसी व्यक्ति के हाथ-पैर की बनावट व संरचना के माध्यम से उसके स्वभाव को जान सकते हैं।

**छोटे पैर वाले लोग**

छोटे पैर वाले लोगों को अच्छी-अच्छी वस्तुओं को खरीदने का बहुत शौक होता है। ये लोग ऐसी ढेर सारी चीज़ों को खरीद कर, इनका अपने पास संग्रह करके रखते हैं। इस बनावट के पैर वाले लोग दूसरों से अधिकतर दूरी बनाकर रखते हैं, लेकिन इनकी इच्छा होती है कि दूसरे लोग इनके आगे-पीछे घूमें। इन्हें अपना अटेंशन दें, तब कहीं जाकर ये उन लोगों से संपर्क बनाते हैं और अपने आपको ओर ज्यादा प्रभावी तरीके से पेश करते हैं।

**जिनके पैर नीचे से थोड़े उठाव वाले होते हैं**

जिन लोगों के पैर नीचे से समतल न होकर थोड़े से उठे हुए होते हैं या धनुष के आकार के होते हैं, सामुद्रिक शास्त्र के अनुसार ऐसी बनावट के पैर वाले लोगों की बौद्धिक क्षमता काफी अच्छी होती है। ये स्वप्नशील होते हैं। इन लोगों को दिन में सपने देखने का शौक होता है, जिसे ये अपनी मेहनत के बल पर असलियत में भी बदलते हैं। इन्हें अपनी जिंदगी से ज्यादा कुछ की अपेक्षा नहीं

होती। जितना इनके पास होता है, उसी में संतुष्ट रहना इन्हें अच्छे से आता है।

**सपाट पैर वाले लोग**

जिन लोगों के पैरों के तलवे बिल्कुल सपाट होते हैं, वे लोग बहुत ही खुले दिल के होते हैं और स्वभाव से दयालु होते हैं। समाज की सेवा के लिये ये लोग हमेशा तत्पर रहते हैं, जिसके चलते सामाजिक कार्यों में इनकी सक्रियता या भागीदारी औरों की तुलना में अधिक होती है। समाज में इनकी गिनती सम्मानीय लोगों में होती है। इन लोगों को दूसरों की कम्पनी बेहद पसंद आती है। ये अपने आपको सपने देखने की पूरी छूट देते हैं क्योंकि ये लोग उन्हें पूरा करने की भी ताकत रखते हैं।

**गद्देदार पैर वाले लोग**

जिन लोगों के पैर गद्देदार और मोटे होते हैं या जिन्हें देखकर ऐसा लगता है जैसे कि पैरों में सूजन आ रही हो, ऐसे लोग दूसरों से अपनी बात कहने में हिचकिचाते हैं और मन-ही-मन उस पर विचार करते रहते हैं। अपनी भावनाओं को जल्दी से उजागर नहीं होने देते, जिसकी वजह से ये अधिकतर परेशान ही रहते हैं और हर वक्त इनके चेहरे पर उदासी छायी रहती है।

**फटे पैर वाले लोगों के बारे में**

लोग जिनके पैरों के तलवे व एडियां बिना किसी कारण के भी फटे रहते हैं, वे अपने जीवन में कभी भी कोई निर्णय नहीं ले पाते। किसी भी काम के लिए खुद से कोई Stand लेने में ये लोग हिचकिचाते रहते हैं। जीवन भर दूसरों के सहारे और सलाह पर ही काम करते हैं। ऐसे लोगों को शुरू से आखिरी तक यही नहीं पता होता कि इन्हें किस रास्ते पर जाना है, इन्हें क्या काम करना है या क्या नहीं। ये लोग अपने आप को लेकर हमेशा शक की स्थिति में रहते हैं, इन्हें अपने ऊपर तनिक भर भी विश्वास नहीं होता।

# 'आदिपुरुष' के तेलुगु थियेट्रिकल राइट्स 170 करोड़ रुपये में बिके

**ओम राउत के डायरेक्शन** में बनी फिल्म 'आदिपुरुष' का फैंस लंबे समय से इंतजार कर रहे हैं, वो इंतजार खत्म होने वाला है और जल्द ही फिल्म को रिलीज कर दिया जाएगा. फिल्म के टीजर से फैंस नाराज आ हो गए थे लेकिन ट्रेलर ने नाराजगी को तारीफ में बदल दिया. जिसके बाद से फैंस के मन में फिल्म देखने की हलचली बढ़ गई. जहां एक तरफ इस फिल्म को फ्लॉप बताया जा रहा था वहीं रिलीज की खबर से सबको हैरान कर दिया है. फिल्म 'आदिपुरुष' को वर्ल्डवाइड में रिलीज किया जाएगा. इसे अलग अलग भाषाओं में रिलीज किया जाएगा और साथ ही तेलुगु राज्यों में थियेट्रिकल रिलीज से इसे मोटा पैसा मिला है.

सामने आ रहीं ताजा रिपोर्ट्स की मानें तो सुपरस्टार प्रभास और कृति सेनॉन स्टारर फिल्म आदिपुरुष हिंदी ही नहीं, तेलुगु सिनेमा में अपना जादू बिखेरने को तैयार है. ओम राउत की पहली और प्रभास की एक और पैन इंडिया रिलीज फिल्म है. जिसे मेकर्स हिंदी, तमिल, तेलुगु, कन्नड़ और मलयालम भाषाओं में रिलीज कर रहे हैं.मिली जानकारी के मुताबिक फिल्म ने तेलुगु राज्यों में थियेट्रिकल रिलीज के लिए मोटी रकम हासिल की है. रिपोर्ट्स के मुताबिक फिल्म के तेलुगु थियेट्रिकल रिलीज के अधिकार करीब 170 करोड़ रुपये में बिके हैं.

**रामायण के कहानी पर आधारित है 'आदिपुरुष'**

फिल्म 'आदिपुरुष' कि कहानी रामायण पर आधारित है. इस फिल्म में राम के रोल को एक्टर प्रभाष प्ले कर रहे हैं. वहीं इसके बाकी के लीड एक्टर एक्ट्रेस कि बात करें तो प्रभाष के साथ कृति सेनन सीता के रोल में तो सैफ अली खान ने लंकेश 'रावण' का किरदार निभाया है. वहीं सनी सिंह ने भगवन राम के छोटे भाई लक्ष्मण कीभूमिका में नजर आये हैं.

700 करोड़ के बजट में बनी फिल्म 11 महीने में हुई शूट

डायरेक्टर ओम राउत की के डायरेक्शन में बनी फिल्म को 700 करोड़ के बजट में तैयार किया गया है. फिल्म के रइटर ओम राउत ही हैं. और इसे टीसीरीज और रेट्रोफिलिसज ने प्रोड्यूस किया है प्रभाष और कृति सेनन की फिल्म के शूटिंग के बार में बात करें तो पूरे 11 महीने में इसकी शूटिंग पूरी हुई है. जनवरी 2021 में इसकी शूटिंग शुरू हुई थी और नवम्बर 2021 में इसकी शूटिंग पूरी हो गई थी.

## हिजाब में खाना खाने वाली महिला को जायरा का समर्थन

सोशल मीडिया पर एक फोटो वायरल हो रहा है जिसमें एक महिला हिजाब के साथ खाना खा रही है। जायरा वसीम ने इस तस्वीर पर रिएक्शन दिया है।

सोशल मीडिया पर एक फोटो वायरल हो रहा है जिसमें एक महिला हिजाब के साथ खाना खा रही है। इस फोटो पर यूजर्स के तरह-तरह के रिएक्शन आ रहे हैं। इंडस्ट्री छोड़ चुकी एक्ट्रेस जायरा वसीम ने भी इस तस्वीर पर अपनी प्रतिक्रिया दी है।

दंगल गर्ल नाम से फेमस रहीं एक्ट्रेस जायरा ने कहा है कि अगर कोई हिजाब पहनता है तो वो उसकी चॉइस है। जायरा ने कहा कि वो भी एक शादी में गई थीं, उन्होंने भी हिजाब के साथ ही खाना खाया। जायरा ने कहा कि हिजाब के साथ खाना खाने में उन्हें कोई दिक्कत नहीं है।

**जायरा ने कहा- ये मेरी चॉइस है, इससे आपको कोई मतलब नहीं है**

जायरा ने ट्वीट कर लिखा- मैंने भी एक शादी अटेंड की। वहां मैंने भी ऐसे ही खाना खाया। ये मेरी चॉइस है। वहां सभी मुझे हिजाब निकालने को कह रहे थे, लेकिन मैंने ऐसा नहीं किया। हम ऐसा आपके लिए नहीं करते हैं।

**यूजर्स ने कहा- चॉइस तो सारा अली खान के मंदिर जाने का भी है, उन्हें क्यों ट्रोल किया जाता**

जायरा के इस ट्वीट पर लोगों के तरह-तरह के रिएक्शन आए। एक यूजर ने लिखा- आपकी चॉइस का बिल्कुल सम्मान होना चाहिए। लेकिन आपको पता होना चाहिए कि जब सारा अली खान मंदिर जाती हैं तो उन्हें बुरा भला कहा जाता है।

वहीं आमिर खान की बेटी आइरा को बिकिनी पहनने के लिए ट्रोल किया जाता है। उनकी भी तो चॉइस है। उनकी चॉइस का भी सम्मान होना चाहिए।

एक अन्य यूजर ने लिखा- औरत को औरत से पर्दा नहीं करना चाहिए। अगर आप लेडीज सेक्शन में हैं तो बिना हिजाब पहने भी रह सकती हैं। मेरी वाइफ और मां भी हिजाब पहनती हैं लेकिन जब वे लेडीज सेक्शन में खाना खाती रहती हैं तो हिजाब हटा लेती हैं।

**2019 में अचानक छोड़ी इंडस्ट्री, इस्लाम की राह पर चलने की कही थी बात**

जायरा वसीम बॉलीवुड की उभरती चाइल्ड आर्टिस्ट थीं। दंगल और सीक्रेट सुपरस्टार ने उन्हें पहचान दी, लेकिन 2019 में उन्होंने अचानक इंडस्ट्री छोड़ दी। जायरा ने इंडस्ट्री छोड़ते वक्त कहा कि वे इस्लाम के राह पर चलना चाहती हैं कि इसलिए फिल्मों से हमेशा के लिए दूरी बना रही हैं।

जायरा ने कहा था कि उन्हें फिल्म इंडस्ट्री ने शोहरत तो दी लेकिन अंदरुनी शांति नहीं दी।

**'हिजाब पहनना खुदा की दी हुई जिम्मेदारी है'**

पिछले साल कर्नाटक में हुए हिजाब विवाद में भी जायरा कूदी थीं। जायरा ने कहा कि हिजाब कोई चॉइस नहीं बल्कि इस्लाम में ये खुदा की दी गई एक जिम्मेदारी है। इसी तरह हिजाब पहनकर एक मुस्लिम महिला खुदा से मिली जिम्मेदारियों को पूरा करती है। वो अपने खुदा से प्यार करती है और ऐसा करके वो अपने आप को खुदा को सौंप देती है।

## मां बनने के 18 दिन में ही गौहर खान ने दिखाया कर्वी फिगर, घटाया 10 किलो वजन

**बॉलीवुड एक्ट्रेस** गौहर खान 10 मई 2023 को मां बनी हैं और फिलहाल वो ब्रेक पर हैं, हालांकि इस दौरान उन्होंने सोशल मीडिया पर फैंस को ये बताया है कि उन्होंने महज 18 दिनों में 10 किलों तक वजन कम कर लिया है. गौहर ने अपनी पोस्टपार्टम वेट लॉस जर्नी को साझा किया और खुलासा किया कि वह अपने बच्चे को जन्म देने के अठारह दिनों के भीतर लगभग अपने फिट शेप में वापस आ गई हैं. वहीं अब 18 दिन में उन्होंने अपना और भी वजन कम कर लिया है। गौहर ने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम स्टोरी में एक वीडियो पोस्ट किया, जिसे देखकर हर कोई हैरान है.

गौहर खान ने 28 मई 2023 को अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक मिरर वीडियो पोस्ट किया और एक व्हाइट कलर की राउंड नेक वाली टी-शर्ट व ब्लैक फिटेड पैंट में अपने फ्लैट टमी को फ्लॉन्ट किया. इस दौरान उन्होंने मिनिमल मेकअप और एक हाई बन में बंधे बालों का विकल्प चुना था. तस्वीर के ऊपर गौहर ने अल्लाह का शुक्रिया अदा किया ।

गौहर ने अपनी पोस्टपार्टम वेट लॉस जर्नी को साझा किया और खुलासा किया कि वह अपने बच्चे को जन्म देने के अठारह दिनों के भीतर लगभग अपने फिट शेप में वापस आ गई हैं. गौहर ने डिलीवरी के बाद की अपनी पहली तस्वीर शेयर की थी. इससे पहले उन्होंने 10 दिन में 10 किलो वजन कम किया था. हालांकि सब बात से हैरान थे कि गौहर कुछ ही समय में वापस शेप में आ रही हैं. तस्वीर को शेयर करते हुए उन्होंने लिखा था, "डिलीवरी के बाद 10 दिनों में 10 किलो वजन कम किया ! अल्हम्दुलिल्लाह 6 और कम करना है! #newmomlife।"

11 मई 2023 को गौहर खान ने अपने प्यारे बेटे का दुनिया में स्वागत किया था. सोशल मीडिया पर पोस्ट साझा करते हुए गौहर ने लिखा था 'सलाम यू अलैकुम सुंदर दुनिया, कहते हैं कि हमारी खुशी का बंडल 10 मई 2023 को हमें यह एहसास कराने के लिए आया कि वास्तव में खुशी का क्या मतलब है. सभी को उनके प्यार और प्रार्थनाओं के लिए धन्यवाद देते हैं। नए माता-पिता- ज़ैद और गौहर.

# राखी ने पहनी ऐसी ड्रेस, सरेआम खिसकी तो होना पड़ा शर्मिंदा

ड्रामा क्वीन राखी सावंत ने हाल ही में आईफा अवॉर्ड्स में हिस्सा लिया और राखी सावंत का आईफा लुक सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है. इस दौरान उन्होंने अपने आउटफिट से सभी का ध्यान खींचा. हालांकि इस दौरान उनके कुछ साथ कुछ ऐसा हुआ जिसने हर किसी को हैरान कर दिया है. दरअसल राखी का आईफा लुक सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है जिसने भी उनके लुक को देखा वो दंग रह गया.

स्ट्रैपलेस गाउन में दिखी राखी

राखी सावंत का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें एक्ट्रेस रेड कलर की स्ट्रैपलेस गाउन में नजर आई. दरअसल सामने आए वीडियो में देखा जा सकता है कि एक्ट्रेस रेड कलर का स्ट्रैपलेस गाउन पहने नजर आ रही हैं, वहीं बार-बार खिसका रहा है. इस आउटफिट में राखी बेहद खूबसूरत लग रही थीं. इस लुक को कंप्लीट करने के लिए उन्होंने न्यूड मेकअप और फ्री हेयरस्टाइल कैरी किया हुआ था.

गिरी राखी सावंत की स्ट्रैप

राखी का सोशल मीडिया पर जो वीडियो सामने आया है उसमें राखी अपने ही अंदाज में पोज देती हुई नजर आ रही हैं. वीडियो में देखा जा सकता है कि राखी सावंत जैसे ही पैपराजी के सामने पोज देती है तो उनकी स्ट्रैप सरेआम नीचे खिसका जाती है. हालांकि राखी इससे घबराती नहीं है बल्कि वो कूल अंदाज में उसे उठाकर पोज देने लगती हैं.

राखी अपनी ड्रेस से परेशान थी, लेकिन बावजूद राखी का कॉन्फीडेंस बरकरार रहा और उन्होंने पैपराजी के आगे जमकर पोज दिए. फिलहाल सोशल मीडिया पर एक्ट्रेस की ये वीडियो जमकर वायरल हो रही है. राखी सावंत की इस वीडियो पर फैंस के अलग-अलग रिएक्शन सामने आ रहे हैं. वहीं कुछ फैंस उनको सोशल मीडिया पर जमकर ट्रोल कर रहे हैं. एक यूजर ने कमेंट कर लिखा, 'इसे किसने इनवाइट किया'. वहीं अन्य यूजर ने लिखा, 'ये रेड चीली सॉस कहां से आ गई'. एक ने लिखा, 'आज पहली बार राखी सावंत इंसान लग रही है.' वहीं कुछ फैंस उनके इस लुक की जमकर तारीफ कर रहे हैं.

## 'द केरला स्टोरी' कॉन्ट्रोवर्सी पर अनुराग कश्यप का बयान

**बोले- फिल्म पर बैन नहीं लगना चाहिए पर यह प्रोपेगैंडा तो है**

सुपरस्टार कमल हासन के बाद अब फिल्ममेकर अनुराग कश्यप ने भी अदा शर्मा की फिल्म 'द केरला स्टोरी' को प्रोपेगैंडा फिल्म करार दिया है। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो अनुराग ने एक न्यूज पोर्टल से बात करते हुए कहा कि एक फिल्म का नॉन-पॉलिटिकल होना मुश्किल है और आप किसी फिल्म को पॉलिटिक्स से बचा भी नहीं सकते।

**बैन के खिलाफ हूं पर फिल्म प्रोपेगैंडा है**

अनुराग ने 'द केरला स्टोरी' के बारे में बात करते हुए कहा कि वे इस फिल्म पर बैन लगने के खिलाफ हैं पर उनका यह मानना है कि यह फिल्म प्रोपेगैंडा है। वे इस तरह की कोई भी फिल्म नहीं बनाना चाहते जो प्रोपेगैंडा की तरह नजर आए। वे सिर्फ ऐसी फिल्में बनाने में यकीन रखते हैं जिसमें असलियत और सच्चाई हो।

बीते दिनों अपनी फिल्म 'कैनेडी' के साथ 76वें कांस फिल्म फेस्टिवल को अटैंड करने वाले अनुराग ने कहा कि आज के दौर में कोई भी पॉलिटिक्स से बचा नहीं है। मौजूदा दौर में सिनेमा का गैर-राजनीतिक होना बहुत मुश्किल है। उन्होंने आगे कहा कि काउंटर-प्रोपेगैंडा में बेईमानी भी हो सकती है, लेकिन ईमानदारी से कहूं तो वो इससे लड़ नहीं सकते।इससे पहले कमल हासन भी 'द केरला स्टोरी' को प्रोपेगैंडा फिल्म करार दे चुके हैं। उन्होंने फिल्म पर आपत्ति जताते हुए कहा था कि वे ऐसी फिल्मों के खिलाफ हैं। बाद में उन्हें जवाब देते हुए फिल्म के डायरेक्टर सुदिप्तो सेन ने कहा था कि जिन लोगों ने फिल्म देखी ही नहीं है, वही इस फिल्म को प्रोपेगैंडा का नाम दे रहे हैं।

**फिल्म ने वर्ल्डवाइड किया 264.4 करोड़ रुपए का कलेक्शन**

इन सभी बयानों के बीच सुदिप्तो सेन निर्देशित फिल्म 'द केरला स्टोरी' को सिनेमाघरों में अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है। 5 मई को रिलीज हुई यह फिल्म अब तक वर्ल्डवाइड 264.4 करोड़ रुपए का कलेक्शन कर चुकी है। फिल्म में अदा शर्मा, योगिता बिहानी, सिद्दी इदवानी और सोनिया बलानी जैसे कलाकार मुख्य किरदार निभा रहे हैं।

## अर्जुन कपूर की सेमी न्यूड तस्वीर शेयर करने पर ट्रोल हुईं मलाइका अरोड़ा, एक्टर ने दिया करारा जवाब

**मलाइका अरोड़ो** और अर्जुन कपूर बॉलीवुड के सबसे चर्चित जोड़ियों में से एक हैं। मलाइका और अर्जुन लंबे समय से एक दूसरे को डेट कर रहे हैं। दोनों को अक्सर साथ में ही स्पॉट किया जाता है। सोशल मीडिया पर भी यह कपल काफी ज्यादा एक्टिव नजर आता है, और फैंस के साथ अपनी फोटो और वीडियो शेयर करते रहते हैं। मलाइका और अर्जुन दोनों ही अक्सर सोशल मीडिया पर एक-दूसरे के लिए प्यार का इजहार किया करते हैं। अब हाल ही में मलाइका अरोड़ा ने अर्जुन कपूर की एक ऐसी तस्वीर शेयर की है जिसे लेकर काफी चर्चा हो रही है और एक्ट्रेस को काफी ट्रोल किया जा रहा है।

**मलाइका ने शेयर की सेमी न्यूड तस्वीर**

मलाइका अरोड़ा ने रविवार को अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट से अर्जुन की मोनोक्रोमैटिक इमेज साझा की है। इस फोटो में अर्जुन सेमी न्यूड नजर आ रहे हैं। फोटो में अर्जुन बिना कपड़ों के दिख रहे हैं और बॉडी को कुशन पिलो से कवर कर रखा है। और वह सोफे पर बैठकर अंगड़ाई लेते नजर आ रहे हैं। इस फोटो को शेयर करते हुए मलाइका ने एक छोटा सा नोट भी लिखा है। उन्होंने कैप्शन में लिखा, 'मेरा लेजी ब्वॉय।' इस फोटो को शेयर करने के बाद मलाइका अरोड़ा सोशल मीडिया पर काफी ट्रोल हो रही हैं।

**अर्जुन ने दिया ट्रोल्स को जवाब**

वहीं अर्जुन कपूर ने मलाइका की स्टोरी को दिल इमोजी के साथ अपनी इंस्टा-स्टोरी पर शेयर करते हुए ट्रोल की बातों ही बातों में बोलती कर दी है। उन्होंने लिखा कि 'अटेंशन की जगह शांति चुनें, चुपचाप आगे बढ़ें।' अर्जुन कपूर और मलाइका अरोड़ा की लव स्टोरी भले ही सालों पुरानी हो गई हो, लेकिन भी दोनों का रिश्ता लोगों के बीच हॉट टॉपिक रहता है।

**दोबारा शादी करेगी मलाइका?**

मलाइका अरोड़ा ने हाल ही में एक इंटरव्यू खुलासा किया था कि वो दोबारा शादी करने के बारे में सोच रही हैं। उन्होंने कहा था कि 'बेशक, मैंने इसके बारे में सोचा है। मैं प्यार में विश्वास करती हूं। लेकिन मैं इस बात का जवाब नहीं दे सकती कि मैं दोबारा शादी कब करूंगी, क्योंकि मैं कुछ चीजों को सरप्राइज रखना चाहती हूं। सब पहले बताने से उसका मजा खत्म हो जाता है।'

## सौरव गांगुली पर बनेगी बायोपिक : फाइनल हो चुकी है फिल्म की स्क्रिप्ट, रणबीर कपूर कर सकते हैं दादा का रोल

**जल्द ही भारतीय** क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली की जिंदगी पर बेस्ड फिल्म देखने को मिलेगी। इस साल के अंत तक बायोपिक की शूटिंग शुरू हो जाएगी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक 26 मई को प्रोड्यूसर लव रंजन और अंकुर गर्ग सौरव गांगुली से मिलने कोलकाता गए थे।

**पूरी हो चुकी है फिल्म की स्क्रिप्टिंग**

एक रिपोर्ट के मुताबिक फिल्म को लेकर सौरव गांगुली और प्रोड्यूसर्स के बीच डिटेल डिस्कशन हो चुका है। डायरेक्टर ने सौरव गांगुली से उनकी जिंदगी के सबसे दिलचस्प किस्सों पर डिटेल में बात की है। बायोपिक के लिए जरूरी स्क्रिप्ट राइटिंग भी कर ली गई है। फिल्म के स्क्रीनप्ले में सौरव गांगुली की जिंदगी से जुड़ी कई अनसुनी और दिलचस्प कहानियों को शामिल किया गया है।

**सौरव गांगुली की जर्नी पर किया गया है फोकस**

रिपोर्ट के मुताबिक डायरेक्टर ने फिल्म में सौरव की जिंदगी को सिर्फ बीसीसीआई प्रेसिडेंट के तौर पर पेश करने की बजाय उनकी पर्सनल लाइफ पर फोकस किया है। उनकी जर्नी को फिल्माने पर जोर दिया गया है। फिल्म के लिए उनकी वाइफ दोना गांगुली का भी वर्जन लिया गया है।

**अभी तय नहीं हुआ है लीड एक्टर**

रिपोर्ट्स के मुताबिक फिल्म में रणबीर कपूर सौरव के किरदार में नजर आ सकते हैं। वहीं, कुछ रिपोर्ट्स के मुताबिक आयुष्मान खुराना का नाम लीड एक्टर के तौर पर सामने आया है। फिलहाल ये तय नहीं है की फिल्म में दादा का रोल कौन निभाएगा। सौरव गांगुली ने कहा कि फिल की स्क्रिप्ट लगभग फाइनल हो गई है। फिल्म का प्रोडक्शन किसी बड़े बैनर के साथ करीब 200 से 250 करोड़ के बजट में हो सकता है।

## शाहरुख खान की 'जवान' पर बिफरे बॉलीवुड एक्टर किया चैलेंज- फिल्म को फ्लॉप करवा कर ही दम लूंगा

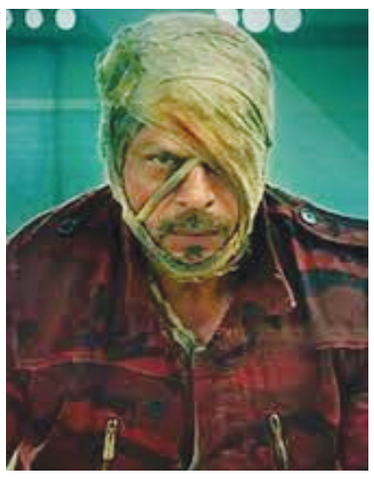

**बॉलीवुड एक्टर और** फिल्म क्रिटिक कमाल राशिद खान सुर्खियों में रहने का कोई मौका नहीं छोड़ते। वह सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहते हैं और अपने ट्वीट के माध्यम से लगभग हर मुद्दे पर अपनी राय रखते नजर आते हैं। केआरके फिल्मी जगत के सितारों पर भी निशाना साधते रहते हैं। अक्सर वह सेलेब्स पर विवादित बयान देते नजर आते हैं।

केआरके को अपने बयानों के कारण कई वार विवादों का सामना भी करना पड़ता है। वह अपने ट्वीट्स के कारण जेल भी जा चुके हैं। अब एक बार फिर उन्होंने ट्वीट कर एक अभिनेता को निशाना बनाया है। इस बार उनका निशाना शाहरुख खान बने हैं। केआरके ने शाहरुख खान की अपकमिंग फिल्म जवान को लेकर ट्वीट किए हैं और चैलेंज किया है कि वह उनकी फिल्म को फ्लॉप करवा देंगे।

**केआरके ने ट्वीट कर क्या लिखा**

कमाल राशिद खान ने एक के बाद एक कई ट्वीट किए हैं। जिसमें उन्होंने अपने पहले ट्वीट में लिखा कि 'मैं डॉ केआरके आज शपथ लेता हूँ, कि मैं फिल्म "जवान" को सुपर फ्लॉप कराकर ही दम लूंगा! और अगर मैं इस फिल्म को फ्लॉप कराने में नाकामयाब रहा, तो मैं हमेशा के लिए लंदन में बस जाऊंगा! ऑल द बेस्ट टू एसआरके।'

इसी के साथ केआरके ने अपने अगले ट्वीट में लिखा कि 'मैं 100% विश्वास के साथ कह सकता हूं कि शाहरुख खान ने लाखों लोगों को निराश किया है, जो शाहरुख खान का समर्थन करने और बॉयकॉट गैंग को हराने के लिए सिनेमाघरों में पठान देखने गए थे। अब हम सब जवान का इंतजार करेंगे और उसे जवाब देंगे। पीपीएल उसे दिखाएगा कि वह जनता से है। जनता उससे नहीं है।'

**रिवील की फिल्म की कहानी**

वहीं केआरके ने अपने अगले ट्वीट में लिखा कि 'कल मैं दुनिया को फिल्म जवान की पूरी कहानी सुनाने के लिए एक वीडियो जारी करूंगा। शाहरुख खान और दीपिका शाहरुख खान (दूसरी भूमिका) के माता-पिता हैं! बेटा शाहरुख खान जेल में है और (फिल्म हैप्पी न्यू ईयर) जैसा ग्रुप बनाता है! केआरके यही नहीं रुके उन्होंने अपने अगल ट्वीट में लिखा कि 'आज मैं यह कहता हूं शाहरुख खान की आने वाली फिल्म जवान ब्लॉकडस्टर साबित होगी। जनता किसी भी कीमत पर उस फिल्म को देखने नहीं जाएगी। क्योंकि #TheBrandKRK ऐसा कहता है।'

**केआरके को मिला लीगल नोटिस**

हाल ही में केआरके ने एक और ट्वीट करते हुए लिखा कि 'सुबह-सुबह शाहरुख के साथ रेड चिल्ली इंटरटेनमेंट ने जवान की कहानी के बारे में मैंने जो ट्वीट किए थे उन्होंने हटाने के लिए मुझे कानूनी नोटिस भेजा है। जिसे मैं स्वीकार नहीं करता। इसके बजाय मैं आज पूरी कहानी के साथ एक वीडियो जारी करूंगा। मैं किसी भी कीमत पर इस फिल्म को फ्लॉप करने के लिए 100% प्रतिबद्ध हूं। मैं जेल जाने को भी तैयार हूं।'

## 6 पैक्स एब्स फिट होने की निशानी नहीं, इस अंग के लिए है खतरे की घंटी

**एक्सपर्ट कहते** हैं सिक्स-पैक एब्स हासिल करने के चक्कर में अक्सर लोग बेहद अजीब, असंतुलित और सख्त डाइट का पालन करते हैं। आज के युवा 6 पैक्स एब्स के दीवाने हैं। इसके लिए वे जिम में घंटों पसीना बहाते हैं, इतना ही नहीं कुछ युवा इतने जुनूनी होते हैं कि एब्स बनाने के लिए वे कई तरह के प्रोटीन पाउडर और दवाइयां गटकते रहते हैं। डाइट पर बेहद कठिन अंकुश लगाते हैं। कुछ लोग तो बहुत ही कम खाना खाते हैं, यानी एब्स बनाने के लिए वे कुछ भी करने को तैयार रहते हैं। इसके लिए वे काफी दर्द भी सहते हैं। हालांकि बाहर का दर्द सबको नजर आता है लेकिन शरीर के अंदर जो दर्द है, उसे कोई नहीं पहचान पाता है, क्योंकि आपको जानकार आश्चर्य होगा कि जिस एब्स की कशिश में कई लोग दीवाने हो जाते हैं, दरअसल, अंदर से वो उतना ही खोखला होता जाता है। यानी उपर से देखने में आप कितना भी आकर्षक, सुंदर, फिट और हेल्दी दिखें लेकिन अंदर से आपका हार्ट कमजोर होता जाता है।

**शरीर के कई फंक्शन गड़बड़ा जाते हैं**

फंक्शनल मेडिसीन एक्सपर्ट कहते हैं, समाज में यह प्रचलित धारणा है कि सुंदर बॉडी और सपाट पेट फिट बॉडी का प्रतीक है, लेकिन यह जानना जरूरी है कि सपाट पेट संपूर्ण हेल्दी होने का प्रमाण नहीं है। एक स्वस्थ्य बॉडी के लिए कार्डियोवैस्कुलर हेल्थ, मांसपेशियों में ताकत और उसमें दम, लचीलापन, मानसिक स्वास्थ्य और अन्य चीजें जैसे कि होमोसिस्टीन, सी-रिएक्टिव प्रोटीन, ब्लड शुगर, ब्लड प्रेशर, लाइपोप्रोटीन और कोलेस्ट्रॉल का स्तर अत्यंत महत्वपूर्ण है और समग्र फिटनेस के लिए इन सभी चीजों का हेल्दी होना बहुत जरूरी है।

हर इंसान का शरीर अलग-अलग तरह का होता है और हर इंसान के लिए अलग-अलग तरह से चीजें सूट करता है लेकिन सिक्स पैक एब्स बनाने का लगभग एक ही तरीका है। यही कारण है कि इससे शरीर में कई परेशानियां होती हैं।

**इम्यूनिटी भी हो जाता है कमजोर**

सिक्स-पैक एब्स हासिल करने में चक्कर में अक्सर लोग बेहद अजीब, असंतुलित और सख्त डाइट का पालन करते हैं। इससे तात्कालिक सफलता तो मिल जाती है लेकिन लंबे समय तक ऐसा करने से शरीर में पोषक तत्वों की भारी कमी होने लगती है और मेटाबोलिज्म गड़बड़ाने लगता है।

डॉक्टर ने बताया कि एक बात जो ज्यादातर लोगों को पता नहीं है वो यह कि सिक्स पैक्स एब्स प्रायः जीन से तय होता है। हालांकि इसके लिए कठिन मेहनत और डाइट की महत्वपूर्ण भूमिका होती है लेकिन ऐसा बिल्कुल नहीं है कि सबका पेट जीन से तय होता है। कुछ लोगों में कठिन मेहनत के दम पर सिक्स एब्स बन जाते हैं। डॉक्टर कहते है कि सिक्स पैक एब्स के कारण कई हेल्थ की परेशानियां होती हैं। इससे हार्मोन का बैलेंस गड़बड़ा जाता है और इम्यूनिटी कमजोर हो जाता है।

# ये शक्तिशाली सुपरफूड लीवर के कोने-कोने की कर देंगे सफाई

**लीवर बॉडी** का सबसे जरूरी आर्गन है जो बॉडी को डिटॉक्स करता है। हमारी डाइट इतनी ज्यादा खराब हो गई है कि डाइट में फैट का सेवन ज्यादा बढ़ गया है। ज्यादा तला भुना खाना फैटी लीवर की परेशानी कर सकता है। डाइट के साथ ही हम अल्कोहल का सेवन भी करते हैं,एल्कोहल सिरोसिस होता है। हम जो भी दवाईयां खाते हैं वो सब लीवर में जाकर डिटॉक्स होती है। लीवर हमारी बॉडी की ज्यादातर परेशानियां झेलता है।

डॉक्टर के मुताबिक बॉडी के इस जरूरी अंग की देखभाल करने के लिए डाइट का विशेष ध्यान रखना चाहिए। लीवर को हेल्दी बनाने के लिए 5 फूड्स का सेवन बेहद असरदार साबित होता है। इन फूड्स का सेवन करने से पेट भारी महसूस नहीं होता और पाचन भी दुरुस्त रहता है। कुछ खास फूड्स ना सिर्फ लीवर को हेल्दी रखते हैं



बल्कि कई क्रॉनिक बीमारियों से भी बचाव करते हैं। आइए हेल्दी लीवर के लिए जानते हैं कौन से पांच फूड्स का सेवन करें।

**सेब का सिरका करेगा लीवर की सफाई**

सेब का सिरका खाएं, ये लीवर को डिटॉक्सीफाई करता है। कई रिसर्च में ये साबित हो चुका है कि सेब का सिरका वेट को कम करता है और कोलेस्ट्रॉल को भी कंट्रोल करता है। इसका सेवन करने से सूजन कम होती है। खाली पेट एक चम्मच सेब का सिरका पानी में मिलाकर पिएं लीवर हेल्दी रहेगा।

**नींबू का सेवन करें**

विटामिन सी से भरपूर नींबू का

सेवन एंटीऑक्सीडेंट और फ्रीरेडिकल्स को रोकने का काम करता है। इसका सेवन करने से लीवर हेल्दी रहता है। नींबू का रस एल्कोहल का सेवन करने से लीवर को होने वाली परेशानी को भी ठीक करता है। एक चम्मच नींबू का रस रोजाना पानी के साथ पिएं लीवर की हेल्थ दुरुस्त रहेगी।

**बादाम खाएं**

विटामिन ई से भरपूर बादाम का सेवन करें। बादाम एंटीऑक्सीडेंट की तरह काम करता है। कई रिसर्च में ये बात सामने आ चुकी हैं कि विटामिन ई ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस से लड़ता है और लिवर को हेल्दी रखता है।

**हल्दी का सेवन करें**

हल्दी का सेवन लीवर को डिटॉक्स करता है। हल्दी में मौजूद करक्यूमीन बायोएक्टिव कैमिकल होता है जो लीवर में जमा फैट को हटाने का काम करता है। एंटी इंफ्लामेटरी और एंटी-ऑक्सीडेंट गुणों से भरपूर हल्दी का सेवन आप एक कप पानी में डालें और उसे



अच्छे से मिक्स करके उसका सेवन करें। इसमें आप कुछ बूंदे नींबू का जूस भी मिलाएं और उसका खाली पेट सेवन करें।

**आंवला खाएं लीवर डिटॉक्स रहेगा**

आंवला लीवर को डिटॉक्स करने में बेहद असरदार साबित होता है। विटामिन सी से भरपूर आंवला एंटीऑक्सीडेंट गुणों से भरपूर होता है जो लीवर से टॉक्सिन को बाहर निकालता है। आंवला का सेवन आप सुबह खाली पेट उसका जूस बनाकर कर सकते हैं।

# किडनी को डिटॉक्स करते हैं ये फल व तेजी से करेंगे खून की सफाई



**फल हमारी डाइट** का अहम हिस्सा है। ताजे और मौसमी फल सेहत को बेहद फायदा पहुंचाते हैं। फाइबर से भरपूर फलों का सेवन करने से दिल की सेहत दुरुस्त रहती है। कुछ खास फल जैसे अंगूर, खुबानी, सेब जिनमें कैरोटेनॉयड्स, मैग्नीशियम, फ्लेवोनोइड्स और फाइबर मौजूद होता हैं। ये सभी पोषक तत्व बॉडी को हेल्दी रखने के साथ ही दिल की सेहत भी दुरुस्त रखते हैं। विटामिन और खनिजों से भरपूर फ्रूट्स का सेवन करने से ब्लड प्रेशर कंट्रोल रहता है। स्किन से लेकर बालों की अच्छी सेहत के लिए भी फल फायदेमंद हैं।

किडनी की अच्छी सेहत के लिए फलों का सेवन बेहद फायदेमंद होता है। विटामिन सी से भरपूर कुछ फल जैसे संतरा, मौसमी, नींबू का सेवन किडनी को डिटॉक्स करता है और किडनी की सेहत में सुधार करता है। डायटीशियन के मुताबिक किडनी के मरीज कुछ फलों का सेवन करें तो किडनी को आसानी से हेल्दी रख सकते हैं।

किडनी का काम बॉडी से वेस्ट प्रोडक्ट को बाहर निकालना है और बॉडी को डिटॉक्स करना है। किडनी बॉडी में पानी और मिनरल्स को कंट्रोल करती है। किडनी की हेल्थ के लिए अगर फ्रूट के रोल की बात करें तो फलों का सेवन किडनी की सेहत के लिए अहम किरदार निभाता है। किडनी को हेल्दी रखने के लिए और किडनी से टॉक्सिन बाहर निकालने में फलों का अहम किरदार है।

**सेब का करें सेवन**

किडनी को हेल्दी रखने के लिए ऐसे फ्रूट्स को डाइट में शामिल करें जिनमें सोडियम और पोटैशियम की मात्रा कम हो और न्यूट्रीएंट और एंटीऑक्सीडेंट की मात्रा ज्यादा हो। सेब एक ऐसा फल है जो हाई फाइबर और एंटीऑक्सीडेंट गुणों से भरपूर होता है। 100 ग्राम सेब में एक मिलीग्राम सोडियम,107 मिलीग्राम पोटैशियम और 10 मिलीग्राम फॉस्फोरस होता है जो किडनी की सेहत के लिए फायदेमंद है। सेब का सेवन कोलेस्ट्रॉल को कंट्रोल करता है और दिल की सेहत को दुरुस्त करता है।

**अंगूर खाएं किडनी हेल्दी रहेगी**

लाल अंगूर का सेवन किडनी की सेहत को दुरुस्त रखता है। विटामिन सी से भरपूर अंगूर में फलेवोनाइट मौजूद होता है जो एक तरह का एंटीऑक्सीडेंट है। ये एंटीऑक्सीडेंट खून को जमने से रोकते हैं। इसका सेवन करने से किडनी हेल्दी रहती है। 75 ग्राम लाल अंगूर में 1.5 मिलीग्राम सोडियम,144 मिलीग्राम पोटैशियम और 15 मिलीग्राम फॉस्फोरस होता है जो किडनी की अच्छी सेहत के लिए जरूरी है।

**ब्लू बेरी खाएं**

एंटीऑक्सीडेंट गुणों से भरपूर ब्लू बेरी का सेवन किडनी को हेल्दी रखने में बेहद असरदार साबित होता है। इसमें एंथोसायनिन होता है,जो शक्तिशाली एंटीऑक्सिडेंट होते हैं। ये किडनी में सूजन और ऑक्सीडेटिव तनाव को कम करने में मदद कर सकते हैं। इसका सेवन करने से खून साफ होता है और किडनी भी हेल्दी रहती है।

**अनानास का सेवन करें**

अनानास किडनी के मरीजों के लिए कम मीठा और खट्टा फल है। इसका सेवन करने से किडनी हेल्दी रहती है। इसमें सोडियम,पोटैशियम और फॉस्फोरस बेहद कम होता है। ये फल किडनी को सेहतमंद रखता है।

## एक दिन में खानी चाहिए कितनी रोटी?

**फैट से होना चाहते हैं फिट तो जरूर फॉलो करें ये प्लान**

हेल्थ एक्सपर्ट्स की मुताबिक, महिलाओं को वेट लॉस करने के दौरान 1400 कैलोरी का सेवन करना चाहिए। ऐसे में अगर वे दो रोटी सुबह और दो रोटी शाम के वक्त खाती हैं, तो ये उनके लिए काफी फायदेमंद साबित हो सकता है।

रोटी इंडियन खाने की थाली का सबसे अहम हिस्सा है। हम भारतीयों का खाना रोटी के बिना पूरा ही नहीं होता है। हमारे देश के लोग सुबह, दोपहर, शाम हर वक्त के खाने में रोटी जरूर खाते हैं। हालांकि, बेहद कम लोग जानते होंगे कि जिस तरह किसी अन्य चीज को खाने-पीने की एक उचित मात्रा और सही समय होता है, ठीक उसी तरह अगर रोटी को भी सही मात्रा और सही समय पर खाया जाए, तो ये आपकी सेहत के लिए बेहद फायदेमंद साबित हो सकता है। इतना ही नहीं, केवल रोटी खाने की मात्रा में कमी और बढ़ोतरी करने से ही आप अपनी सेहत को स्वस्थ बना सकते हैं। ऐसे में आइए जानते हैं कि एक दिन में हमें कब और कितनी रोटी खानी चाहिए-

**दिनभर में खाएं कितनी रोटी ?**

हेल्थ एक्सपर्ट्स की मुताबिक, अगर आप अपना वजन कम करना चाहते हैं, तो इसके लिए आपको रोटी खाने की मात्रा पर अधिक ध्यान देने की जरूरत है। एक्सपर्ट्स की मानें तो महिलाओं को वेट लॉस करने के दौरान 1400 कैलोरी का सेवन करना चाहिए। ऐसे में अगर वे दो रोटी सुबह और दो रोटी शाम के वक्त खाती हैं, तो ये उनके लिए काफी फायदेमंद साबित हो सकता है। वहीं, बात अगर पुरुषों की करें तो वेट लॉस के लिए उन्हें 1700 कैलोरी का सेवन उचित बताया गया है। ऐसे में पुरुष सुबह-शाम तीन-तीन रोटी खा सकते हैं।

**ज्यादा भूख लगने पर अपनाएं ये तरीका**

अगर आपको ज्यादा भूख लगती है, तो आप गेहूं के आटे की रोटी की जगह ज्वार, बाजरा, रागी या कुट्टू के आटे की रोटी भी खा सकते हैं। ज्वार की रोटी में सबसे कम कैलोरी पाई जाती है, साथ ही ये ग्लूटेन फ्री होती हैं। इसमें फाइबर की मात्रा भी ज्यादा पाई जाती है।

इन सब से अलग अगर आप रात के खाने में रोटी का सेवन कर रहे हैं, तो इसके बाद वॉक करना बिल्कुल ना भूलें। एक्सपर्ट्स के मुताबिक, दिन के मुकाबले रात के समय रोटी को पचने में अधिक समय लगता है। ऐसे में अगर आप रोटी खाने के तुरंत बाद लेट जाते हैं, तो ये पाचन में तो परेशानी करेगा ही, साथ ही ऐसा करने पर आपके वेट लॉस के प्लान पर भी पानी फिर जाएगा। इसलिए जरूरी है कि रात के समय रोटी खाने के बाद आप वॉक पर जरूर जाएं, साथ ही रोटी खाने के कम से कम आधे घंटे तक आराम करने का बिल्कुल ना सोचें।

# खूनी बवासीर से परेशान हैं

**प्रश्न : मेरी उम्र 38 वर्ष है। डायबिटीज का रोगी हूं। अंग्रेजी दवाई चल रही है फिर भी रक्त शर्करा नियंत्रण में नहीं आती। क्या करू, उपाय बताएं ।**

**–अनिल कुमार,वरंगल।**

उत्तर. जीवन शैली में परिवर्तन और अनुवांशिकता के कारण दिनोदिन मधुमेहियों की संख्या बढ़ती जा रही है। तेलंगाना में हर पांच सौ आदमी मधुमेह से पीड़ित है। आराम पसंद जीवन या फिर हमेशा तनावग्रस्त रहना दोनों स्थितियों में प्रमेह रोग उत्पन्न हो जाता है। आप अभी जो अंग्रेजी दवाइयां ले रहे हैं उन्हें तुरंत ना रोके। उनके साथ ही आयुर्वेदिक दवाइयां प्रारंभ कर दें। धीरे-धीरे अंग्रेजी दवाइयों को हटाया जा सकता है।

आप उंझा जंब्रोस टिकिया दो दो गोली सुबह दोपहर शाम भोजन पूर्व लेवे। भोजन के बाद ऊंझा चंद्रप्रभा वटी एवं उंझा आरोग्यवर्धिनी वटी की एक-एक गोली ले ले। भोजन में मीठा व मिठाई बंद कर दे। हर रोज पैदल चले कसरत करें। दिवाशयन से बचे। आराम पसंद जीवन का त्याग करें स्वेद बहाएं। थोड़े ही दिनों में आपकी रक्त शर्करा सामान्य होकर मधुमेह नियंत्रण में आ जाएगा।

**प्रश्न : मेरी उम्र 70 वर्ष है। कमर दर्द से परेशान हूं। क्या करूं ?**

**- रघुनाथ राव, हैदराबाद**

उत्तर : वृद्धावस्था में वात का प्रकोप अवसर बढ़ जाता है। बुढ़ापा आयुर्वेद में बृहद वात अवस्था का ही भाग है। वात प्रकोप के कारण कमर दर्द, पीठ दर्द, घुटनों में दर्द व शरीर के अन्य भागों में दर्द की शिकायत होने लगती है।

रूमेटाइज टिकिया व ऊंझा योगराज गुग्गुलु को ऊंझा महारास्नादि क्वाथ के साथ लेने से तुरंत लाभ होता है। औरा रूमाटाइज आईल से हल्की मालिश वह साथ में ऊंझा रूमूव या रूमाटाईज टिकिया के संग ऊंझा वागजाकुंश रस का सेवन दर्द में जल्दी राहत दिलाता है। ऊंझा महानारायण तेल या फ्लेक्सी लिनिमेंट से हल्की मालिश वात का शमन कर दर्द में तुरंत राहत देता है।

वृद्धावस्था में बासी भोजन , वात वर्धक आहार- विहार से बचना भी एक इलाज है। भोजन हमेशा समय से, ताजा , गर्म , स्वच्छ व संतुलित ही लिया करें।

**प्रश्न : मेरी उम्र 30 वर्ष है खूनी बवासीर से परेशान हूं। ज्यादा खून जाने से बहुत कमजोरी भी आ गई है। कृपा कर उपचार बताएं।**

**- गोविंद पटेल, सिकंदराबाद**

उत्तर : खूनी बवासीर को आयुर्वेद में ₹ रक्तार्श₹ कहते हैं इसे ही ब्लीडिंग पाइल्स भी कहते हैं। इस रोग का प्रमुख कारण है मलबद्धता यानी कब्जियत। खूनी बवासीर से कमजोरी जल्दी आती है। इसलिए इस रोक को ज्यादा बढ़ने देना उचित नहीं होता।

इस रोग में परहेज जरूरी है। हरी मिर्च, लाल मिर्च, काली मिर्च, गरम तासीर की चीजें, बासी भोजन पूरी तरह से बंद कर देना चाहिए मांसाहारी भोजन का त्याग कर देना चाहिए।

बादी की चीजें - खासकर कोहड़ा, अरबी, आलू , भिंडी, गोभी, बैगन, गवारफली ,उड़द की दाल व सभी गरिष्ठ पदार्थ बंद कर देना चाहिए।

* औरा पाइलेज टिकिया ऊंझा, अर्शोघ्नी वटी , शोणितागर्ल रस टेबलेट भोजन के बाद दिन में तीन बार लेवे । खूनी बवासीर में बहुत जल्दी आराम मिलेगा।

* भोजन के बाद उंझा अभयारिष्ट और ऊंझा वासकासव 15-15मिली लीटर दवा को दोगुने जल के साथ मिलाकर सेवन करने से बवासीर में लाभ मिलता है।

* रक्तार्श के मस्से पर अर्शाकियर क्रीम लगाएं। या मक्खन में कपूर फेंट कर रख लें। इसे दिन में दो-तीन बार लगाने से काफी आराम मिलता है।

* रात सोने से पहले सत ईसबगोल 3 भाग त्रिफला चूर्ण एक भाग मिलाकर लेवे या औरा लेक्झोल पाउडर या ऊंझा निरोग चूर्ण सोने से पहले, पानी से लेवे। पंचसकार चूर्ण भी लिया जा सकता है। इन्हीं लेने से कब्जियत मिटेगी और मल शुद्धि में आसानी होगी। कॉनस्टिपेशन मिटने से खूनी बवासीर भी समाप्त होगा।

**डॉ.च.पुरुषोत्तम बिदादा**

**email :**
purushottambidada@gmail.com

**आप अपनी स्वास्थ्य समस्याओं का यदि आयुर्वेदिक इलाज चाहते हैं तो अपनी समस्या संक्षेप में हमें लिखकर भेजें। अपने पत्र पर नीचे दिया गया कूपन अवश्य कचपकाएं।**

आयुर्वेदिक स्वास्थ्य प्रश्नोत्तरी
स्वतंत्र वार्ता
396, लोअर टैंक बंड,
हैदराबाद-80

# प्रकृति की गोद में छिपा मधुमेह का उपचार

## प्रकृति में 400 औषधीय पादप मौजूद, 21 पर हुए हैं शोध

### विशेषज्ञों ने कहा, इन शोध के जरिए खुल सकते हैं मधुमेह प्रबंधन के नये रास्ते

बाजार में मधुमेह की नित नई-नई दवाएं आ रही हैं लेकिन बीमारी का दायरा सालाना बढ़ता जा रहा है। ऐसे में वर्ल्ड जर्नल ऑफ डायबिटीज में प्रकाशित एक ताजा अध्ययन बताता है कि मधुमेह का उपचार प्रकृति की गोद में छिपा है और जरूरत सिर्फ गहराई से शोध करने की है। इससे मधुमेह की रोकथाम के मौजूदा प्रयासों को एक नई दिशा मिल सकती है।

पांडिचेरी स्थित जवाहरलाल स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (जेआईपीएमईआर) और पश्चिम बंगाल के कल्याणी स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के शोधकर्ताओं के इस संयुक्त अध्ययन में बताया कि प्रकृति में करीब 400 ऐसे औषधीय पादप मौजूद हैं जो रक्त में शर्करा की मात्रा को कम करने में कारगर हो सकते हैं जो टाइप 2 मधुमेह रोग के नियंत्रण के लिए जरूरी है। हालांकि इनमें से अभी तक 21 औषधीय पादप के बारे में ही प्रभावी अध्ययन हुए हैं। जबकि आठ औषधीय पादपों को लेकर आंशिक आंकड़े मौजूद हैं।

अध्ययन में यह भी बताया कि विजयसार, जामुन, जीरा, दारुहरिद्रा, एलोवेरा, बेल, मेथी, अदरक, नीम, आमला सहित 21 पादप में मौजूद सक्रिय तत्व शर्करा को कम करते हैं। इनमें कई पादपों से मधुमेह रोधी दवाएं बनी हैं जिनका मरीजों के इलाज में काफी असर मिला है। इन्हीं में से एक दवा बीजीआर-34 को वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) ने गहन अध्ययन के बाद तैयार किया गया है।

जानकारी के अनुसार, इस दवा में एक नहीं बल्कि चार औषधि दारुहरिद्रा, गुड़मार, मेथी और विजयसार से प्राप्त विभिन्न प्रभावी फाइटो कंपाउंड हैं। इनके अलावा प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के लिए इसमें गिलोय और मजीठ जैसे पादप भी मिलाए गए हैं। हाल ही में, नई दिल्ली स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) ने एक अध्ययन में आयुर्वेदिक दवा बीजीआर-34 को मधुमेह रोगियों के लिए न सिर्फ असरदार पाया बल्कि इसके सेवन से रोगियों के उपापचय (मेटाबॉलिज्म) तंत्र में भी सुधार देखा गया।

दवा कंपनी के कार्यकारी निदेशक डॉ. संचित शर्मा बताते हैं कि प्रकृति में अनेकों तरह की गुणकारी औषधियां मौजूद हैं। इसकी जानकारी चिकित्सा और आयुर्वेद के प्राचीन ग्रंथों में भी उपलब्ध है। चूंकि भारत में मधुमेह रोगियों की संख्या काफी अधिक है। ऐसे में मॉडर्न रिसर्च के तहत अन्य औषधियों पर शोध, चिकित्सा क्षेत्र को एक नई उपलब्धि दे सकते हैं।

शोधकर्ताओं ने अध्ययन में यह भी बताया कि मधुमेह की दवा मेटफोर्मिन का स्रोत भी औषधीय पौधा है जिसे गलेगा आफिसिनैलिस पौधे से प्राप्त किया जाता है। 19वीं सदी में यूरोप में इस पादप का उपचार मधुमेह रोग के नियंत्रण में होता था। इसी प्रकार सेब के पेड़ की छाल से फ्लोरिजिन की प्राप्ति के बाद इससे मधुमेह में कारगर एसजीएलटी 2 का निर्माण किया गया।

रिपोर्ट के अनुसार एलोपैथिक दवाओं की भांति हर्बल औषधि के मामले में भी सक्रिय तत्व की जानकारी होना जरूरी होता है। साथ ही यह भी पता हो कि यह एक्टिव कंपाउंड पादप के किस हिस्से जैसे जड़, छाल, फल, पत्ते, फूल या बीज से प्राप्त होता है।

# चुनिंदा बैंकों में अस्थिरता को लेकर आरबीआई गवर्नर ने जताई चिंता, बैंकिंग सेक्टर को रहना होगा सतर्क

नई दिल्ली, 29 मई (एजेंसियां)। भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने आज मुंबई में देश के बैंकों को लेकर बड़ी बात कही है. उन्होंने बैंकों के लिए संदेश दिया है कि वो ग्राहकों के पैसे की सुरक्षा को सबसे ऊपर रखें. इसके अलावा आरबीआई गवर्नर ने इस बात की भी आशंका जताई है कि चुनिंदा बैंकों में कॉरपोरेट गवर्नेंस के मुद्दे पर कुछ चिंताएं उभर रही हैं जिसके बाद का परिणाम बैंकों में अस्थिरता का हो सकता है।

**बैंकिंग सेक्टर के लिए अस्थिरता का खतरा-आरबीआई गवर्नर**

आरबीआई गवर्नर के मुताबिक

देश के बैंकों के बोर्ड और मैनेजमेंट को ये ध्यान रखना होगा कि वो ऐसे कारणों पर ध्यान दें जो आगे चलकर पूरे देश के बैंकिंग सेक्टर के लिए अस्थिरता की वजह बन सकते हैं। उन्होंने कहा कि देश का केंद्रीय बैंक इस बात की इजाजत नहीं दे सकता है कि जनता के पैसे पर किसी भी तरह की असुरक्षा की स्थिति देखी जाए।

**अमेरिका के बैंकिंग संकट का किया जिक्र**

सोमवार यानी आज रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने देश के केंद्रीय बैंकों के डायरेक्टर्स के लिए आयोजित एक कॉन्फ्रेंस में ये बात कही. उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि बैंकिंग सेक्टर की मजबूती बनाए रखने के लिए जरूरी है कि ऐसे किसी भी संकेतों को तुरंत पहचाना जाए जो आगे चलकर खतरे की घंटी बन सकते हैं. उन्होंने इसके लिए अमेरिका के बैंकिंग संकट का उदाहरण दिया और कहा कि भारत को ऐसी स्थिति को देखकर पहले ही सतर्कता का रुख अपनाना होगा.

**आरबीआई के दिशानिर्देशों का पालन करना जरूरी**

आरबीआई गवर्नर ने देश के बैंकों को गाइडलाइंस का पालन करने का कड़ा संदेश देते हुए कहा कि मजबूत सरकारी ढांचे की जरूरत किसी भी देश के बैंकिंग सेक्टर के लिए सबसे पहला और सबसे महत्वपूर्ण पड़ाव होता है. लिहाजा देश के बैंकों को केंद्रीय बैंक से मिले दिशानिर्देशों का पालन करना चाहिए जिससे टिकाऊ वित्तीय प्रदर्शन के लिए बैंकिंग सेक्टर तैयार रहे।

## बैंक में एक साथ कितने जमा करा सकते हैं सिक्के

नई दिल्ली, 29 मई (एजेंसियां)। दो हजार रुपये के नोट चलन से बाहर होने के बाद से बैंकों में इसे जमा कराया जा रहा है।ये नोट जमा कराने के लिए बैंकों के अलग—अलग नियम हैं।वहीं आरबीआई ने भी इसे लेकर गाइडलाइन जारी की है, लेकिन अगर आप बैंक में सिक्का जमा कराने जाते हैं तो इसे लेकर भी कुछ नियम बनाए गए हैं।आइए जानते हैं आप एकसाथ कितने सिक्के जमा करा सकते हैं? भारतीय मार्केट में अभी एक, दो, पांच, दस और 20 के सिक्के चलन में हैं।हालांकि डिजिटल पेमेंट की सुविधा आने के बाद से इन सिक्कों का इस्तेमाल कम हुआ है।ज्यादातर लोग यूपीआई से 10 और 20 रुपये तक का पेमेंट कर रहे हैं।ऐसे में बाजार में कम सिक्के देखने को मिल रहे हैं।आरबीआई की ओर से ये सभी सिक्के जारी किए जाते हैं।सिक्का निर्माण अधिनियम 2011 के तहत 1000 रुपये मूल्यवर्ग तक के सिक्के जारी किए जा सकते हैं।आरबीआई की ओर कितने सिक्के पूरे साल में ढाले जाते हैं, यह सरकार की ओर से तय किया जाता है।मूल्य निर्धारित करना और डिजाइन तैयार करने की भी जिम्मेदारी सरकार की होती है।अभी जो सिक्के चलन में हैं, उसकी भी डिजाइन सरकार की ओर से तय की गई है।भारतीय रिजर्व बैंक की ओर से इसपर कोई लिमिट तय नहीं की गई है।इसका मतलब है कि आप कितने भी सिक्के बैंक में जमा करा सकते हैं।बैंक ग्राहकों से किसी भी राशि के कितने भी सिक्के स्वीकार कर सकता है।आरबीआई की गाइडलाइन के अनुसार आप बैंक जाकर अपने अकाउंट में कितने भी राशि के सिक्के जमा कर सकते हैं। हालांकि ये सिक्का वैध मुद्रा होनी चाहिए है।

## भारतीय सर्राफा बाजार में हलचल नहीं

### क्या सस्ता मिलेगा गोल्ड और सिल्वर ?

नई दिल्ली, 29 मई (एजेंसियां)। भारतीय सर्राफा बाजार में ज्यादा हलचल नहीं देखी जा रही है क्योंकि ग्लोबल बाजार में सोना और चांदी आज ज्यादा उतार-चढ़ाव नहीं दिखा रहे हैं।गोल्ड और सिल्वर की वैश्विक मांग के बावजूद इस समय दामों में ज्यादा उठापठक नहीं देखी जा रही है क्योंकि डॉलर के दाम में इस समय तेजी आ रही है जिसका असर कीमती मेटल्स के दाम पर आ रहा है।

**मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर सोने के दाम**

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर आज सोने के दाम देखें तो ये मामूली तेजी के साथ कारोबार कर रहे हैं।सोना अपने पिछले क्लोजिंग लेवल के पास ही कारोबार कर रहा है।आज सोने के दाम 37 रुपये या 0.06 फीसदी की बढ़त के साथ 59390 रुपये प्रति 10 ग्राम पर ट्रेड कर रहे हैं।अभी तक की ट्रेडिंग में सोना 59271 रुपये तक के निचले स्तर दिखा चुका है और ऊपर तरफ देखें तो ये 59407 रुपये प्रति 10 ग्राम तक के लेवल को छू चुका है।सोने के ये दाम इसके जून वायदा के लिए हैं।

**एमसीएक्स पर चांदी के दाम**

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर आज चांदी के दाम देखें तो ये बिलकुल सपाट होकर कारोबार कर रही है और 6 रुपये की बमुश्किल तेजी दिखा पा रही है।चांदी आज 71235 रुपये प्रति किलो के रेट पर कारोबार कर रही है और इसमें हल्की तेजी के आसार नजर आ रहे हैं।चांदी में नीचे की तरफ 71111 रुपये और ऊपर की तरफ 71550 रुपये प्रति किलो तक के रेट देखे जा रहे हैं।चांदी के ये दाम इसके जुलाई वायदा के लिए दिख रहे हैं।

**ग्लोबल बाजार में चांदी के दाम**

अंतर्राष्ट्रीय बाजार में आज सोना और चांदी भी बेहद मुश्किल से तेजी के हरे दायरे में बने हुए हैं और मामूली बढ़त के साथ कारोबार कर रहे हैं।

कॉमैक्स पर गोल्ड 0.40 डॉलर प्रति औंस की तेजी के साथ 1,963.50 डॉलर पर बना हुआ है।इसके अलावा कॉमैक्स पर सिल्वर भी मामूली ऊपर दिख रही है।0.027 डॉलर की तेजी के साथ कॉमैक्स पर चांदी आज 23.387 डॉलर प्रति औंस के रेट पर ट्रेड कर रही है।

## बाजार में बहार, सेंसेक्स 62,850 के पास बंद, 18600 के करीब क्लोज हुआ निफ्टी

नई दिल्ली, 29 मई (एजेंसियां)। भारतीय शेयर बाजार के लिए आज सोमवार को हफ्ते का पहला कारोबारी दिन बेहद शानदार साबित हुआ।दिन भर की ट्रेडिंग में सेंसेक्स-निफ्टी और बैंक निफ्टी ऊपरी स्तरों के पास ही बने रहे।बैंक निफ्टी ने तो आज ऐतिहासिक ऊंचाई का रिकॉर्ड भी बना दिया।जानें आज शेयर बाजार की क्लोजिंग किन स्तरों पर हुई है.एनएसई का 50 शेयरों वाला इंडेक्स निफ्टी 0.54 यानी आधा फीसदी की ऊंचाई के साथ 99.30 अंक चढ़कर 18,598 पर कारोबार बंद करने में कामयाब रहा।इसके अलावा बीएसई का 30 शेयरों वाला इंडेक्स सेंसेक्स आज 344.69 अंक यानी 0.55 फीसदी की उछाल के साथ 62,846.38 पर बंद हुआ है। सेंसेक्स और निफ्टी का हाल देखें तो निवेशकों को आज अच्छी कमाई हुई है।सेंसेक्स के 30 में से 20 शेयरों में उछाल के साथ और 10 शेयरों में गिरावट के साथ कारोबार बंद हुआ है। वहीं निफ्टी के 50 में से 34 शेयरों में मजबूती रही और ये हरे निशान में बंद हुए हैं।इसके 16 शेयरों में आज गिरावट के लाल निशान के साथ क्लोजिंग देखने को मिली.आज निफ्टी के आईटी और ऑयल एंड गैस इंडेक्स को छोड़कर बाकी सभी सेक्टोरियल इंडेक्स में तेजी के हरे निशान पर क्लोजिंग देखने को मिली है। सबसे ज्यादा 1.3 फीसदी का उछाल कंज्यूमर ड्यूरेबल्स शेयरों में देखने को मिला है।

इसके अलावा फाइनेंशियल सर्विसेज 1.11 फीसदी ऊपर रहे और मेटल शेयरों में 0.94 फीसदी की मजबूती के साथ कारोबार बंद हुआ है।

## 2000 के नोट से जुड़ी याचिका हाईकोर्ट में खारिज

### बिना पहचान प्रमाण के जमा होते रहेंगे नोट, बीजेपी नेता अश्विनी ने एचसी में इसे चुनौती दी थी

नई दिल्ली, 29 मई (एजेंसियां)। दिल्ली हाईकोर्ट ने सोमवार को भारतीय रिजर्व बैंक यानी आरबीआई के 2000 के नोटों को चलन से वापस लेने से जुड़ी जनहित याचिका को खारिज कर दिया।

याचिका में बिना किसी पहचान प्रमाण के 2000 के नोट बदलने की अनुमति को चुनौती दी गई थी।याचिका बीजेपी नेता और एडवोकेट अश्विनी उपाध्याय ने दायर की थी। मंगलवार यानी 23 मई को कोर्ट ने इस पर सुनवाई कर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। चीफ जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा और जे सुब्रमण्यम प्रसाद की बेंच ने ये फैसला सुनाया है। 2000 के नोट को लेकर एक और जनहित याचिका दायर की गई है जिसमें कहा गया है कि आरबीआई के पास 2000 के नोट को सर्कुलेशन से वापस लेने का

सर्कुलर जारी करने का अधिकार नहीं है। आरबीआई ने 19 मई को 2000 का नोट सर्कुलेशन से वापस लेने का ऐलान किया था।

इसके तीन बाद यानी 23 मई से देशभर के बैंकों में इस नोट को बदलने की प्रोसेस शुरू हो गई।लोग बैंकों में अपने नोट बदलने के लिए पहुंच रहे हैं। आरबीआई ने 30 सितंबर तक 2000 के नोट बदलने या अकाउंट में जमा कराने को कहा है। रिजर्व बैंक ने अपने सर्कुलर में कहा है कि वो 2000 का नोट सर्कुलेशन से वापस लेगा, लेकिन मौजूदा नोट अमान्य नहीं होंगे। आरबीआई ने बताया था कि 'क्लीन नोट पॉलिसी' के तहत रिजर्व बैंक ने यह फैसला किया है।

लोग किसी भी बैंक में एक बार में 10 नोट बदलवा सकते हैं, जबकि डिपॉजिट की कोई लिमिट नहीं है।

**2016 में मार्केट में आया था 2000 का नोट**

2 हजार का नोट नवंबर 2016 में मार्केट में आया था। तब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 500 और 1000 के नोट बंद कर दिए थे।

इसकी जगह नए पैटर्न में 500 का नया नोट और 2000 का नोट जारी किया गया था। जब पर्याप्त मात्रा में दूसरे डिनॉमिनेशन के नोट उपलब्ध हो गए तो 2018-19 में 2000 के नोटों की छपाई बंद कर दी गई थी।

## एचडीएफसी बैंक ने एफडी पर बढ़ाई ब्याज दर, एक साल की एफडी पर मिल रहा बढ़िया रिटर्न

नई दिल्ली, 29 मई (एजेंसियां)। निजी क्षेत्र के एचडीएफसी बैंक की ओर से बल्क एफडी (2 करोड़ से 5 करोड़ से कम की) पर ब्याज दरों में इजाफा कर दिया गया है। इस बढ़ोतरी के बाद बैंक में निवेशको को अधिकतम 7.75 प्रतिशत का ब्याज मिल रहा है। बैंक की आधिकारिक वेबसाइट के मुताबिक, नई ब्याज दरें 27 मई, 2023 से लागू हो गई हैं। कोई भी ऑनलाइन या ऑफलाइन इन बैंक एफडी को करा सकता है।

**वरिष्ठ नागरिकों को अतिरिक्त ब्याज**

बैंक की ओर से सभी अवधि की एफडी पर वरिष्ठ या 60 वर्ष से अधिक के नागरिकों को 50 आधार अंक या 0.50 प्रतिशत की अतिरिक्त ब्याज दर दी जा रही है। वहीं, अति वरिष्ठ नागरिकों को बैंक 0.50 प्रतिशत के अतिरिक्त 0.25 प्रतिशत की ब्याज ऑफर कर रही है।

**बैंक ऑफ इंडिया ने भी बढ़ाई एफडी पर ब्याज दरें**

हाल ही में बैंक ऑफ इंडिया की ओर से एफडी पर ब्याज दर में बढ़ोतरी की गई थी। बैंक निवेशकों को एक साल की एफडी पर 7.00 प्रतिशत की ब्याज ऑफर कर रहा है।

## अमेरिका डेट सीलिंग में राहत की खबर से क्रिप्टोकरेंसी मार्केट में तेजी, दो सप्ताह के हाई पर बिटकॉइन

वाशिंगटन, 29 मई (एजेंसियां)। अमेरिकी डेट लिमिट बढ़ने की उम्मीदों की वजह से क्रिप्टोकरेंसी मार्केट में तेजी देखने को मिल रही है।दुनिया की सबसे बड़ी क्रिप्टोकरेंसी बिटकॉइन की कीमत में 3 फीसदी से ज्यादा का इजाफा देखने को मिला।इस तेजी के बाद बिटकॉइन दो सप्ताह के हाई पर पहुंच गया।बिटकॉइन सोमवार को 3.2 प्रतिशत तक उछल गया और सिंगापुर में सुबह 9 बजकर 32 मिनट पर 28,182 डॉलर पर कारोबार कर रहा था, जो इसके 50-दिन मूविंग एवरेज के करीब था।इथेरियम और बिनेंस कॉइन में भी तेजी देखने को मिली है।आपको बता दें कि अमेरिका पर 31.4 ट्रिलियन डॉलर का कर्ज है।इसकी लिमिट को बढ़ाने के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति और हाउस स्पीकर केविन मैकार्थी के बीच आम सहमति बन गई है.सहमति की खबरों के बाद क्रिप्टोकरेंसी मार्केट में तेजी आई है।कारोबारी सत्र के दौरान के बिटकॉइन के दाम करीब साढ़े तीन फीसदी की तेजी के साथ 28,441.32 डॉलर पर पहुंच गए थे।मौजूदा समय में बिटकॉइन की कीमत 2.55 फीसदी की तेजी के साथ 27,933.29 डॉलर पर कारोबार कर रहा है।वैसे इस साल बिटकॉइन की कीमत में इजाफा देखने को मिला है।साल 2023 में बिटकॉइन की कीमत में 71 फीसदी की तेजी देखने को मिली है।बीते 6 महीने में बिटकॉइन के दाम में 73 फीसदी का इजाफा देखने को मिला है।वहीं एक साल में बिटकॉइन ने निवेशकों को 3 फीसदी से ज्यादा नेगेटिव रिटर्न दिया है.वहीं दूसरी ओर दुनिया की बाकी क्रिप्टोकरेंस में भी तेजी का माहौल बना हुआ है।आंकड़ों के अनुसार इथेरियम की कीमत में 2.44 फीसदी का इजाफा देखने को मिला है और दाम 1,898.43 डॉलर पर पहुंच गए हैं।बायनेंस के दाम में भी डेढ़ फीसदी से ज्यादा का इजाफा देखने को मिल रहा है। कार्डानो में भी डेढ़ फीसदी की तेजी है और दाम 0.37953000 डॉलर पर पहुंच गए हैं।एक्सआरपी में भी तेजी देखने को मिल रही है।

## अमेरिका-भारत समेत 14 देशों के समझौते से चीन को होगा बड़ा नुकसान

### जानें एकाधिकार खत्म करने का मास्टरप्लान

वाशिंगटन, 29 मई (एजेंसियां)। हिंद प्रशांत आर्थिक ढांचा (आईपीईएफ) के सदस्यों ने चीन पर अपनी निर्भरता खत्म करने के लिए लॉजिस्टिक और संपर्क में सुधार सहित आपूर्ति श्रृंखला पर एक समझौता किया है। आईपीएफ के अमेरिका और भारत सहित 14 देशों ने पर्याप्त बातचीत करके शनिवार को समझौते की घोषणा की।आईपीईएफ में ऑस्ट्रेलिया, ब्रुनेई, फिजी, भारत, इंडोनेशिया, जापान, कोरिया, मलेशिया, न्यूजीलैंड, फिलिपीन, सिंगापुर, थाइलैंड, वियतनाम और अमेरिका सहित 14 भागीदार देश शामिल हैं। दरअसल, आपूर्ति श्रृंखला समझौते का लक्ष्य आईपीईएफ के देशों को बुरी परिस्थिति से बचाना है। कोरोना महामारी के जब मामले लगातार बढ़ते जा रहे थे तो उस समय दवा और वैक्सीन बनाने वाले सामानों की कमी हो गई थी। ये स्थिती व्यापार में बाधाओं और

बेमतलब रोकटोक की वजह से उत्पन्न हुई थी। समझौते के बाद, आईपीईएफ में शामिल देश आपातकाल की स्थिती में एकजुट होकर काम कर सकते हैं। इसके अलावा, देशों को निवेश जुटाने में मदद मिलेगी। बता दें, इस सप्ताह के अंत में डेट्रायट में आईपीईएफ देशों की दूसरी व्यक्तिगत मंत्रिस्तरीय बैठक में, समूह ने एक आईपीईएफ आपूर्ति श्रृंखला परिषद, आपूर्ति श्रृंखला संकट प्रतिक्रिया नेटवर्क और श्रम अधिकार सलाहकार नेटवर्क स्थापित करने पर सहमति व्यक्त की है। सौदे में अर्थव्यवस्था के स्तंभों की प्रगति को भी रेखांकित किया। साथ ही स्वच्छ अर्थव्यवस्था के तहत इच्छुक सदस्यों ने एक क्षेत्रीय हाइड्रोजन पहल स्थापित करने पर सहमति व्यक्त की है। हालांकि, सौदे को अभी सार्वजनिक नहीं किया गया है, लेकिन बैठक के बाद डेट्रॉयट ने इशारा किया है कि सौदा बहुत अच्छा हुआ है। अमेरिकी वाणिज्य सचिव जीना रायमोंडो ने ट्वीट किया कि उन्हें यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि आईपीईएफ ने अपनी तरह के पहले सप्लाई चेन समझौते पर बातचीत पूरी कर ली है। यह एक बड़ी बात है और पहली बार आपूर्ति श्रृंखलाओं पर एक अंतरराष्ट्रीय समझौता होगा जो पूरे भारत-प्रशांत में 14 भागीदारों को एक साथ लाएगा। गौरतलब है, भारत आईपीईएफ के चार स्तंभों में से तीन में शामिल हो गया है, जबकि व्यापार स्तंभ में एक पर्यवेक्षक बना हुआ है। वाणिज्य मंत्रालय ने रविवार को यह जानकारी देते हुए कहा था कि महत्वपूर्ण क्षेत्रों में निवेश बढ़ाने और कारोबार निरंतरता सुनिश्चित करने के लिए सदस्य देशों को सहयोग करना चाहिए। एक आधिकारिक बयान के मुताबिक, 14 देशों के समूह आईपीईएफ की शुरुआत अमेरिका और भारत-प्रशांत क्षेत्र के अन्य भागीदार देशों ने मिलकर 23 मई को टोक्यो में की थी। व्यापार, आपूर्ति श्रृंखला, स्वच्छ अर्थव्यवस्था और निष्पक्ष अर्थव्यवस्था (कर और भ्रष्टाचार रोधी जैसे मुद्दे) से संबंधित चार स्तंभों के आधार पर यह ढांचा तैयार किया गया है। आईपीईएफ सदस्य बाजार के सिद्धांतों का सम्मान करते हुए, बाजार की रुकावटों को कम करके, व्यापार में अनावश्यक प्रतिबंधों और बाधाओं को कम करके और व्यवसायों की गोपनीयता बरकरार रखने के लिए सहमत हुए हैं।

**शेरकोट्टी स्प्रे पेंट की जबरदस्त लॉचिंग के साथ चारमीनार ग्रुप ने चेन्नई एक्जीबिशन में अपनी सफलता के झंडे गाड़े और देश में रोलर और ब्रश की मार्केट पे अपना कब्ज़ा जमाते हुए शेरकोटी स्प्रे पेंट मात्र 30 दिन के अंदर हिंदुस्तान में छाया चेन्नई एक्जीबिशन में आए देश विदेश के लोगो ने की प्रोडक्ट्स की सराहना। लोगो ने कहा जहां हमें विदेश से ब्रश रोलर का और कच्चे माल का इंपोर्ट करना पड़ता था आज के समय में चारमीनार ग्रुप में सभी प्रोडक्ट्स की मैन्युफैक्चरिंग करके मेक इन इंडिया को बढ़ावा देते हुए जल्दी ही मार्केट में आपको शेरकोटी पेन्ट के नाम से सभी प्रकार के पेंट भारत में नजर आएंगे**

## दैनिक पंचांग

### ग्रह गोचर

| ग्रह स्थिति | | लग्नारंभ समय | |
|---|---|---|---|
| सूर्य- | वृष में | मेष-- | 03-05 बजे |
| चंद्र- | कन्या में | वृष-- | 04-50 बजे |
| मंगल | कर्क में | मिथुन.. | 06-50 बजे |
| बुध- | मेष में | कर्क... | 09-03 बजे |
| गुरु- | मेष में | सिंह... | 11-15 बजे |
| शुक्र- | मिथुन में | कन्या.. | 13-21 बजे |
| शनि- | कुंभ में | तुला... | 15-27 बजे |
| राहु- | मेष में | वृश्चिक. | 17-37 बजे |
| केतु- | तुला में | धनु..... | 19-50 बजे |
| | | मकर.. | 21-56 बजे |
| | | कुंभ.. | 23-47 बजे |
| | | मीन .. | 01-25 बजे |

श्री पिंगल नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2080
शक संवत् -1945, सूर्य उत्तरायणे,ऋतु-ग्रीष्म
महावीर निर्वाण संवत् -2549,हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000 सूर्योदय- 05-44 सूर्य अस्त- 18-42
भोग्य कलि वर्ष-426876
कलियुग संवत् -5124 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949124
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885124
दिशाशूल -- उत्तर - गुड खाकर घर से निकले
तिथि- दशमी - 13 -08 तक उपरान्त एकादशी
मास - ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष , मंगलवार May 30
नक्षत्र - हस्त - 05- 59 - तक उपरान्त चित्रा
योग - सिद्ध - 20 - 53 - तक उप - व्यतिपात
करण- गर - 13 -08 - तक उप- वणिज
विशेष:- श्रीगंगादशहरा
व्रत -त्योहार - श्री बटुक भैरव जं.

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

**राहुकाल 15:29 से 17:07 तक**

### श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

| दिन का चौघड़िया | | रात का चौघड़िया | |
|---|---|---|---|
| रोग | 05:44 - 07:20 अशुभ | काल. | 18:42 - 20:07 अशुभ |
| उत्पात | 07:20 - 08:58 अशुभ | लाभ. | 20:07 - 21:29 शुभ |
| चंचल | 08:58 - 10:36 शुभ | उत्पात | 21:29 - 22:51 अशुभ |
| लाभ | 10:36 - 12:14 शुभ | शुभ. | 22:51 - 00:14 शुभ |
| अमृत | 12:14 - 13:52 शुभ | अमृत | 00:14 - 01:36 शुभ |
| काल. | 13:52 - 15:29 अशुभ | चंचल | 01:36 - 02:58 शुभ |
| शुभ. | 15:29 - 17:07 शुभ | रोग | 02:58 - 04:20 अशुभ |
| रोग | 17:07 - 18:42 अशुभ | काल | 04:20 - 05:44 अशुभ |

### आपका राशिफल

**मेष** चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, आ,

आज का दिन भावनात्मक रहेगा । आपको अपने अंतरतम की भावनाओं और विचारों को व्यक्त करने की स्थति भी आ सकती है आप को इससे थोडा सा डर रहेगा क्योंकि आपने इससे पहले ऐसा कभी नहीं किया है । लेकिन अगर आप ऐसा करेंगे तो आपको भावनात्मक संतुष्टि मिलेगी । आपका कोई करीबी भी आज भावनाओ में बहकर बात करेगा लेकिन आपको जमीन से जुड़े रहकर उपयुक्त प्रतिक्रिया देनी है ।

**वृष** ई, उ, ए, ओ,वा, वी, वू, वे, वो,

एकरसता आपको अच्छी न लगती । इससे आप बोर अनुभव करते हैं ।आज आप काफी खुश और फ्लर्ट वाले मूड में होंगे ।अपनी दिनचर्या बदलें । इसमें फिटनेस को जगह दें । किसी मनोरंजक गतिविधि में शामिल हो सकते हैं ।आपके नए विचार से वरिष्ठ अधिकारी प्रभावित होंगें । ऑफिस में नयी पहचान बनेगी । कुल मिलकर दिन हल्का-फुल्का गुजरेगा ।

**मिथुन** का, की, कू, घ,ड छ, के,को,ह

यह समय मजे और स्वतन्त्रता दोनों में से किसी एक को चुनने का है ।अगर आप जिम्मेदार हैं तो आपको स्वतंत्रता भी मिल ही जायेगी । हालाँकि अत्यधिक परिश्रम के बाद भी आप अपनी मंजिल पर तो नही पहुंच पायेंगे लेकिन बाद में आपको इसका फल जरुर मिलेगा इसलिए परिश्रम करते रहें । वित्तीय स्थिति के लिए भी परेशान न हों,समय के साथ ठीक होती जायेगी ।

**कर्क** ही, हू , हे, हो, डा , डी, डू, डे, डो,

अपने घर से जुडी किसी अच्छी खबर के लिए तैयार रहें । निवास स्थान में बदलाव संभव है या नया घर खरीदने की योजना को अंतिम रूप दे सकते हैं। अपनी सकारात्मक ऊर्जा का लाभ उठायें।अगर आप कुछ समय से अपने घर या इसके किसी हिस्से को को नया रूप देने के बारे में सोच रहे हैं तो यह समय इसके लिए बहुत अच्छा है ।

**सिंह** मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,

आज आप किसी भी ,अच्छे-बुरे तरीके से अपना लक्ष्य पा लेने के मूड में हैं । काफी समय तक हाशिये पर रहने के बाद आपको आज अपने ग्रहों की बदौलत काफी आत्मविश्वास का अनुभव होगा । आप अपनी मानसिक प्रवृत्ति के आधार पर फैसले ले सकते हैं,यकीन मानिए वे सही ही साबित होंगें ।

**कन्या** टो, पा, पी, पू ,ष, ण, ठ, पे ,पो,

ऐसे अवसरों को पकड़ने की कोशिश करें जो आपको सोचने और उसे अपने तरीके से दुबारा पेश करने का मौका दें । आप इसे उत्साह के साथ कर भी पायेंगे और आपको आनंद भी आएगा । घर में कुछ बदलाव होने ही हैं ,शायद आप अधिक एकाग्रता और अधिक बेहतर अवसरों के लिए किसी नई जगह जाना चाहते हैं ।

**तुला** रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,

आपका सकारात्मक दृष्टिकोण आपको सकारात्मक कदम उठाने के लिए ही प्रेरित करेगा । इससे आपको भविष्य में बहुत लाभ मिलेगा । अगर कोई आपसे उलझने की कोशिश करता भी है तो आप शांति बनाये रखें और दृढ़ता से अपनी बात सामने रखें । आज आपकी धार्मिक तथा रहस्य विज्ञान के कार्यों में रूचि बनेगी ।

**वृश्चिक** तो,ना,नी, नू,ने,नो या, यी ,यू,

आज आप बिना किसी कारण के जिद्दी बने हुए हैं और सबके कहने तथा अपने खुद के मन की भी नही सुनना चाहते । आपको यह समझना है की इस रवैये से आपको कुछ हासिल नही होगा । आपको अपनी वर्तमान समस्याओं से पार पाने के लिए अपने दिल और दिमाग को खुला रखना होगा । आजका दिन आपके लिए काफी उलझन भरा रहेगा ।

**धनु** ये, यो,य, भा, भी,भू धा ,फा, ढा, भे

आज आपको अपनी आय और व्यय का संतुलन करना मुश्किल होगा । आज अपनी आय की वृद्धि के लिए एक दूसरी नौकरी की तलाश शुरू करने के लिए भी ये सबसे अच्छा दिन है। आपको अपनी पसंद के हिसाब से कुछ कार्य मिल सकता है और यह अगले कुछ वर्षों में आपके प्राथमिक कार्य बनने की क्षमता रखता है । इस बीच आपको अपनी जीवन शैली को बनाए रखने के क्रम में कुछ खर्चों के साथ संतुलित रहना होगा ।

**मकर** भो, जा, जी, खी, खू, खे, खो, गा, गी

आपके किसी करीबी के जीवन में कुछ समस्याएँ चल रही हैं और आज आपको उनकी बात सहानुभूति से सुननी पड़ेंगी । ऐसा हो सकता है की आप इस आदमी की बातों से निराश और बेचैन सा अनुभव करें ,लेकिन आपको बिना किसी आलोचना के इस आदमी की सहायता करनी चाहिए । इससे आपके जीवन की बहुत महत्वपूर्ण दोस्ती या साझेदारी भी प्रभावित होगी ।

**कुंभ** गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा

आज आपकी किस्मत चमकने का दिन है| सितारे कहते हैं कि आज आपको कोई विशेष काम करना पड़ सकता है । आज अपने किसी नजदीकी व्यक्ति को खुश कर दें,आपकी किस्मत का ताला खुल जाएगा । फिर भी आज किसी को उधार ना दें ,वापस नही मिल पायेगा । स्वास्थ्य सम्बन्धी दिक्कतें आज नही होंगी ।

**मीन** दी, दू,थ, झ, ज्ञ, दे, दो, चा,ची

पुरानी और बेकार चीजों को जीवन से हटा देने का समय है । आप किसी पिछली स्थिति से महज किसी अहसान की भावना या मजबूरी के चलते चिपके हुए हैं जो अब आपको कतई पसंद नही है । आपको इसमें से बाहर आ पाना मुश्किल लग रहा था ,लेकिन आज आप इस स्थिति से बाहर आने के लायक मानसिक शक्ति जुटा पायेंगे ।

पं. महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

# गीता प्रेस के 100 साल : सनातन धर्म की 92 करोड़ किताबें प्रकाशित

## चौपाई विवाद के बाद रामचरितमानस की बिक्री बढ़ी

### फाइनल बाइंडिंग के वक्त जूता-चप्पल तक नहीं पहनते कर्मचारी

गोरखपुर, 29 मई (एक्सक्लूसिव डेस्क)। गीता प्रेस...धर्म, आस्था और विश्वास का प्रेस। पिछले दिनों काफी वक्त प्रेस सुर्खियों में रहा है। कभी बंद होने की अफवाहों की वजह से तो कभी रामचरितमानस की चौपाई विवाद की वजह से। लेकिन गीता प्रेस इन सबसे परे है। सनातन धर्म की सबसे ज्यादा किताबें प्रकाशित करने वाला गीता प्रेस...इस वक्त शताब्दी वर्ष (100वीं वर्षगांठ) मना रहा है। समापन समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी शामिल होंगे। उनके कार्यक्रम की स्वीकृति मिल चुकी है, लेकिन तारीख अभी फाइनल नहीं हुई है।

गीता प्रेस सनातन-धर्म की अब तक 92 करोड़ किताबें छाप चुका है, जो एक रिकॉर्ड है। अकेले इस साल 2 करोड़ 42 लाख किताबें छापी हैं। रामचरितमानस पर राजनीतिक विवाद के बाद से इसकी 50 हजार किताबें ज्यादा बिकी हैं। प्रेस की आय में भी इजाफा हुआ है।

**कर्मचारी जूता-चप्पल उतारकर छपाई का काम करते हैं**

गोरखपुर का नाम आते ही, जेहन में सबसे पहले दो नाम आते हैं, पहला-गोरखनाथ मंदिर, दूसरा नाम- गीता प्रेस। जो रेलवे स्टेशन से करीब 5 किमी दूरी पर है। पूरा गीता प्रेस एक मंदिर नुमा दफ्तर है, जहां रूटीन का कामकाज भी पूजा-पाठ से कम नहीं है।

यहां की दीवारों पर चौपाइयों के साथ गुटका, पान-मसाला और धूम्रपान का इस्तेमाल नहीं करने की सख्त हिदायत दी गई है। छपाई में लगे कर्मचारी किताब की फाइनल बाइंडिंग के वक्त जूता-चप्पल उतारकर काम करते हैं। ताकि पाठकों की श्रद्धा और विश्वास से धोखा न हो। अंदर कैंपस में प्रेस मशीनों के साथ भव्य आर्ट गैलरी भी है। जिसका अनावरण देश के पहले राष्ट्रपति राजेंद्र प्रसाद ने किया था।

गीता प्रेस में फिलहाल 15 भाषाओं में 1848 प्रकार की किताबें प्रकाशित हो रही हैं। देशभर में प्रेस की 20 ब्रांच हैं। रोजाना गीता प्रेस में 70 हजार किताबें प्रकाशित हो रही हैं, जबकि डिमांड करीब 1 लाख किताब की है। किताबों का कवर हाथ से लगाते हैं, क्योंकि मशीन में जानवरों की चर्बी से बना ग्लू लगता है।

गीता प्रेस के प्रोडक्शन मैनेजर आशुतोष उपाध्याय बताते हैं कि हम लोग महीने में करीब 500 टन पेपर छापते हैं। रोजाना छोटी-बड़ी पुस्तकें मिलाकर कुल 70 हजार किताबें पब्लिश होती हैं। छपाई के लिए ऑफसेट तकनीक का इस्तेमाल करते हैं। इसके लिए वेब ऑफसेट मशीनें भी लगा रखी हैं।

रंगीन छपाई के लिए जापान से मशीनें खरीदी हैं। कुल 8 ऑफसेट और 2 रंगीन मशीनें हैं। बाइडिंग के लिए जर्मनी और इटली की मशीनें लगा रखी हैं। छपाई का सारा काम मशीनों से ही होता है, लेकिन किताबों के कवर को हम मैन्युअल यानी हाथ से ही लगाते हैं। क्योंकि कवर लगाने वाली मशीनों के ग्लू में जानवरों की चर्बी का इस्तेमाल होता है, इसलिए हम ऐसी मशीनों का इस्तेमाल नहीं करते हैं। चूंकि इन किताबों की लोग पूजा करते हैं, उनमें आस्था और विश्वास रखते हैं, इसलिए हम अपनी छपाई में ऐसा कोई सामान इस्तेमाल नहीं करते, जो लोगों की फीलिंग को हर्ट करें। किताबों में कवर लगाने के लिए 20 से 25 आदमी अलग से रखे गए हैं, जो अलग-अलग शिफ्ट में काम करते हैं।

**किताबों की डिमांड 20 से 25 फीसदी ज्यादा**

गीता प्रेस के ट्रस्टी देवी दयाल अग्रवाल बताते हैं कि प्रेस का मुख्य काम धार्मिक ग्रंथों का प्रचार-प्रसार करना है। अब नया युग आ गया है, डिजिटल मोड में लोग ज्यादा पढ़ना-लिखना चाहते हैं। इसलिए हम भी अपनी पुस्तकों को वेबसाइट पर डाल रहे हैं, ताकि लोग ऑनलाइन पढ़ सकें। एक ऐप भी बना रहे हैं, जिसकी लॉन्चिंग जल्द करेंगे।

वेबसाइट पर हमारी 100 से ज्यादा ऐसी पुस्तकें हैं, जिन्हें आप फ्री डाउनलोड करके पढ़ सकते हैं। जल्द ही 100 और किताबें ऑनलाइन उपलब्ध होंगी। हम रोज अभी जितनी किताबें पाठकों को उपलब्ध करवा रहे हैं, डिमांड उससे 20 से 25 फीसदी ज्यादा है। जहां तक हमारे रेवेन्यू की बात है, पिछले साल करीब 87 करोड़ रुपए की किताबें बिकीं थीं, इस साल अब तक 111 करोड़ रुपए की किताबें बिक चुकी हैं।

**रामचरितमानस में ताड़ना का अर्थ शिक्षा से है**

रामचरितमानस विवाद और उसकी एक चौपाई में ताड़ना के अर्थ को लेकर मचे बवाल पर गीता प्रेस के मैनेजर लाल मणि तिवारी बताते हैं कि देखिए उसका अर्थ हमारे यहां शिक्षा है, हमने रामचरितमानस में उसे शिक्षा लिखा है। ताड़ना और दंड का मतलब प्रताड़ना होता भी नहीं है, तो उसे प्रताड़ना लेना भी नहीं चाहिए।

रामचरितमानस विवाद को लोगों ने खारिज कर दिया है, इस तरह के विवाद समय-समय पर चलते रहते हैं। लोग ऐसा क्यों करते हैं, पता नहीं, लेकिन किसी राजनीतिक बयान पर गीता प्रेस टिप्पणी नहीं करता है। विवाद के बाद श्रीरामचरितमानस की बिक्री बढ़ी है, लेकिन यही एकमात्र कारण नहीं है। इसकी प्रमाणिकता पर लोगों का जो विश्वास है, उसकी वजह से इसकी मांग प्रतिदिन बढ़ रही है।

**इस साल रामचरितमानस की 50 हजार ज्यादा किताबें बिकीं हैं**

गीता प्रेस से सबसे ज्यादा बिकने और प्रकाशित होने वाले किताबों के बारे में पूछने पर लाल मणि तिवारी कहते हैं कि मूल्य में अगर देखें तो रामचरितमानस है और संख्या में श्रीमद्भगवद् गीता है। रामचरितमानस की डिमांड तो काफी बढ़ गई है। पिछले साल इसकी 9 लाख 32 हजार प्रतियां बिकीं थीं। इस साल 9 लाख 82 हजार किताबें बिकीं हैं। यह कोई संयोग नहीं, गीता प्रेस के प्रति लोगों को विश्वास है। शिव पुराण की बिक्री दो साल में तीन गुना बढ़ी है। आगे हम गीता प्रबोधिनी, श्रीकृष्ण लीला दर्शन निकालने की तैयारी कर रहे हैं। लाल मणि तिवारी बताते हैं कि हिंदी के अलावा गीता प्रेस गुजराती और तेलुगु भाषा की किताबें सबसे ज्यादा प्रकाशित कर रहा है। इन दोनों भाषाओं में हमारी 100-100 से ज्यादा किताबें हैं।

**100वें साल 111 करोड़ की किताबें बिक चुकी हैं**

100वें साल को गीता प्रेस ने कितना यादगार बनाया है..? इस सवाल पर लाल मणि तिवारी कहते हैं कि हमने 100वें साल में 100 करोड़ की पुस्तक बेचने का लक्ष्य रखा था, लेकिन 111 करोड़ रुपए से ज्यादा की पुस्तकें लोग खरीद चुके हैं। ये तब है जब हम मांग के अनुरूप पुस्तकें लोगों को मुहैया नहीं करवा पा रहे हैं।

गीता जयंती के मौके पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ यहां आए। 3 मई को सांकेतिक शताब्दी वर्ष के मौके पर देशभर की 20 ब्रांच और काठमांडू में समारोह मनाए गए। वैसे तो शताब्दी समारोह का हमने प्रतीकात्मक समापन कर लिया है, लेकिन जब प्रधानमंत्री मोदी आएंगे तो हम भव्य और दिव्य समापन करेंगे।

**गीता प्रेस के बंदी की बातें अफवाह थीं**

गीता प्रेस के कभी बंद होने की कगार पर पहुंचने के सवाल पर लाल मणि बताते हैं कि गीता प्रेस पर कभी कोई संकट नहीं था, ये 2015 की बात है, जब कुछ लोगों ने ये अफवाह फैला दी थी। गीता प्रेस अपने संसाधनों से चलता है। इसकी वजह है, क्योंकि हमारे टॉप मैनेजमेंट और ट्रस्टी पर कोई खर्च नहीं होता है। वे अपने खर्च पर ही दफ्तर और मीटिंग में आते-जाते हैं। दूसरी बात- अच्छी मशीनों की वजह से कम खर्च आता है। तीसरी बात- हम प्रॉफिट मेकिंग संस्था नहीं हैं। हमारा उद्देश्य प्रॉफिट कमाना नहीं होता है। हम नो लॉस, नो प्रॉफिट पर काम करते हैं। इसलिए हम अपनी पुस्तकों की कीमत को इतना कम रख पाते हैं। आर्थिक संकट की अफवाहों के बाद हमने 20 करोड़ रुपए की मशीनें लगाई हैं। गीता प्रेस के कैंपस में करीब 450 लोग काम करते हैं।

**पहली बार कोई प्रधानमंत्री गीता प्रेस में आएंगे**

गीता प्रेस के मैनेजर लाल मणि तिवारी बताते हैं कि शताब्दी वर्ष का हमारा समापन 3 मई को था। इसका आगाज तात्कालिक राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने किया था। समापन के लिए हमने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को निमंत्रण दिया है। लेकिन 3 मई को आचार संहिता होने की वजह से उनका आना नहीं हुआ। फिर पीएमओ की ओर से हमसे दूसरी तिथि मांगी गई, इस पर हमने उन्हें गंगावतरण के दिन यानी 30 मई की तारीख बताई। लेकिन इसकी भी संभावना नहीं लग रही है। लेकिन प्रधानमंत्री का कार्यक्रम होगा। स्वीकृति मिल चुकी है। मिनट-टू-मिनट कार्यक्रम भी यहां से जा चुका है। आजादी के बाद पहली बार यहां प्रधानमंत्री आ रहे हैं, यह बड़े गौरव की बात है।

**शिव पुराण का प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी विमोचन करेंगे**

लाल मणि बताते हैं कि गीता प्रेस 15 भाषाओं में 1800 से ज्यादा प्रकार की किताबें प्रकाशित कर रहा है। इस शताब्दी वर्ष में हमने 2 करोड़ 40 लाख किताबें लोगों को उपलब्ध कराई हैं, जो रिकॉर्ड है। जब से हमने आर्ट पेपर चित्रों के साथ श्रीरामचरितमानस, श्रीमद्भगवद्गीता के संस्करण निकाले हैं, तब से इन किताबों की डिमांड और बढ़ गई है। इसी वजह से हमने दुर्गा सप्तशती और सुंदर कांड निकाला। अब शिव पुराण भी तैयार हो गया है, जिसका विमोचन प्रधानमंत्री मोदी करेंगे।

**गीता से प्रेरित होकर सेठ गोयंदका ने 1923 में खोला था प्रेस**

श्रीमद्भगवद्गीता और रामचरितमानस को घर-घर में पहुंचाने का श्रेय भी गीता प्रेस को जाता है। गीता प्रेस के शुरू होने की कहानी बड़ी ही दिलचस्प है। बात 1920 के दशक की है। कलकत्ता के एक मारवाड़ी सेठ जयदयाल गोयंदका रोज गीता पढ़ते थे। 18वें अध्याय में गीता सार के रूप में लिखी एक बात उनके दिल को छू गई। ये बात यह थी-जो इस परम रहस्य युक्त गीताशास्त्र को मेरे भक्तों में कहेगा, वह मुझको प्राप्त होगा।"

इसी के बाद लोगों के कहने पर गोयंदका ने अपनी व्याख्या को एक प्रेस से छपवाया, लेकिन उसमें भयंकर गलतियां देखकर वे दुखी हो गए। उसी दिन उन्हें प्रेस का ख्याल आया। फिर गोरखपुर के अपने एक श्रद्धालु घनश्यामदास जालान के सुझाव पर इसी शहर में दस रुपए के किराए के मकान में 1923 में गीता प्रेस शुरू किया।

# शंकराचार्य ने लगाई नेताओं की क्लास

### विधायक जुनेजा के सामने निश्चलानंद बोले-पहले हाथ जोड़कर वोट मांगते हैं फिर अंगूठा दिखाते हैं

रायपुर, 29 मई (एजेंसियां)। शंकराचार्य निश्चलानंद सरस्वती इन दिनों रायपुर में है। आम लोगों से चर्चा के दौरान उन्होंने नेताओं की क्लास लगा दी। निश्चलानंद सरस्वती जब नेताओं के खिलाफ बोल रहे थे तब वहां कांग्रेस विधायक कुलदीप जुनेजा भी मौजूद थे। शंकराचार्य की बातों को सुनकर जुनेजा भी मुस्कुराते नजर आए।

लोगों ने निश्चलानंद सरस्वती से धर्म और राजनीति से जुड़े सवाल पूछे। इसका जवाब देते हुए शंकराचार्य ने कहा कि आप लोग नेताओं के भरोसे ना रहें, यह विधायक, सांसद, पार्षद जो होते हैं इन पर अपना नियंत्रण रखिए एक समिति बनाइए और इनके कामकाज का समय-समय पर आंकलन करिए। यह अपने क्षेत्र में तो झूठ बोल नहीं पाएंगे। झूठ बोल दिया तो पचा नहीं पाएंगे। इन नेताओं के भरोसे मत रहिए। ये हाथ जोड़कर पहले वोट मांगते हैं फिर अंगूठा दिखा देते हैं। जब शंकराचार्य यह कह रहे थे तो

उनके करीब बैठे विधायक कुलदीप जुनेजा सिवाय मुस्कुराने के कुछ ना कर पाए।

निश्चलानंद सरस्वती ने धर्मांतरण जैसे मुद्दे पर चिंता जताते हुए कहा कि सेवा की आड़ में हिंदुओं को धर्म विमुख किए जाने का काम किया जा रहा है । इसके जिम्मेदार वह लोग हैं जिनके हाथों में प्रशासन है चाहे फिर वह कलेक्टर हो मंत्री हो या राज्यपाल, इनका जिम्मा है कि ऐसे कामों पर नियंत्रण रखें। पुरी शंकराचार्य स्वामी निश्चलानंद सरस्वती ने राम मंदिर निर्माण को लेकर कहा कि अभी पीएम मोदी और सीएम योगी श्रेय ले रहे हैं। यदि नरसिंह राव के कार्यकाल में 'मैं हस्ताक्षर कर देता तो उसी समय मंदिर और मस्जिद बन जाता'। शंकराचार्य ने रायपुर में 16 जून को होने वाले धर्मसभा में तीन मठों के मठाधीशों के आने पर कहा कि उन्हें मान्यता आप देंगे? कोई भी शंकराचार्य बनकर आ जाएगा तो उसे शंकराचार्य थोड़ी ही मान लेंगे। पूर्व में शंकराचार्य ने अपने जीवन काल में किसी को जीवित समय में शंकराचार्य घोषित नहीं किया, पुराने तो मेरे परिचित थे। नए मेरे परिचित नहीं हैं।

राजधानी रायपुर में स्वामी निश्चलानंद सरस्वती महाराज के राष्ट्रोत्कर्ष दिवस 81वां प्राकट्य महोत्सव मनाने की तैयारी जोरों पर चल रही है। समाजसेवी बसंत अग्रवाल ने बताया कि रावाभाठा में शंकाराचार्य के राष्ट्रोत्कर्ष दिवस पर 81वां प्राकट्य महोत्सव मनाया जाएगा। 16 जून को उनके दीर्घायु और स्वस्थ जीवन की कामना के लिए रुद्राभिषेक एवं कलश यात्रा निकाली जाएगी।

# एनआईए ने जमीन के अंदर से बरामद की गोलियां

### पीएलएफआई सुप्रीमो ने सख्त पूछताछ में उगले राज, दो साल से छिपा रखी थी गोलियां, पेड़ पर बना रखे थे निशान

गुमला, 29 मई (एजेंसियां)। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने गुमला के कामडारा प्रखंड स्थित सरिता जंगल से लगभग 15 सौ राउंड गोलियां बरामद की हैं। जिसमें 7.62 एमएम की 1245 और 5.56 एमएम की 271 राउंड गोलियां हैं। ये वहीं गोलियां हैं, जिसे पीएलएफआई सुप्रीमो दिनेश गोप ने डब्बे में बंद कर खुद जमीन में दफन कर रखी थीं। इतना ही नहीं उसने गोलियों को दफनाने वाली जगह के पास के एक पेड़ में निशान भी बना रखे थे ताकि बाद में आसानी से जगह ही तलाश कर गोलियां निकाली जा सके।

बताया जा रहा है कि एनआईए ने पीएलएफआई सुप्रीमो दिनेश गोप को अपने साथ सरिता जंगल लेकर गई। जहां उसने खुद अपनी उंगलियों को फेर कर छुपाए गए गोलियों की जानकारी दी। जिसके बाद एनआईए और जिले की पुलिस ने उस जगह की जमीन खोद कर गोलियां बरामद कर ली। फिलहाल गोलियां कामडारा थाने

में रखी हुई हैं। दिनेश गोप की निशानदेही पर गोलियों की बरामदगी के तुरंत बाद ही उसे रांची वापस ले आया गया। इस दौरान उसने एनआईए को कई अहम जानकारियां दी हैं। कई सफेदपोश लोगों के नाम भी बताए हैं।

जिन गोलियों को एनआईए ने बरामद किया है, उसे दिनेश गोप ने दो साल पहले जमीन में दफना रखा था। पुलिस की बढ़ती दबिश की वजह से उसने इधर-उधर छुपने के दौरान गोलियों को जमीन के नीचे गाड़ दिया था। सूत्रों की माने तो दिनेश गोप ने एनआईए और पुलिस को कई महत्वपूर्ण जानकारियां दी हैं। उसने कामडारा, बसिया व पालकोट के इलाके में उसके साथ-साथ संगठन को मदद पहुंचाने वाले कई सफेदपोश लोगों के नाम भी एनआईए को बताए हैं।

**राजनेता से लेकर ठेकेदार तक शामिल**

पीएलएफआई सुप्रीमों दिनेश गोप ने एनआईए को जो नाम बताए हैं उसमें कई ऐसे शामिल हैं जो विभिन्न राजनीतिक पार्टी से जुड़े हैं। वहीं कई लोग ठेकेदार, भट्ठा और क्रशर संचालक हैं। दिनेश गोप की ओर से दी गयी जानकारी के बाद एनआईए ऐसे लोगों को रडार में लेने की तैयारी शुरू कर दी है। है। जल्द ही ऐसे लोगों की गिरफ्तारी की जाएगी और उनसे पूछताछ की जा सकती है।

एनआईए ने यह कार्रवाई शुक्रवार को ही है। गोली बरामदगी में एनआईए के अधिकारियों के साथ एसपी के निर्देश पर बसिया सर्किल के एसडीपीओ विकास आनंद लागुरी व थाना प्रभारी भी मौजूद थे।

# आंधी-तूफान के चलते नाव पलटी, डैम में डूबा युवक

रायगढ़, 29 मई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में तेज आंधी तूफान के चलते एक नाव पलट गई, जिससे 2 युवक नदी में डूब गए। इनमें से एक ने तैरकर जान बचा ली । वहीं दूसरे का घटना के 45 घंटे बाद भी पता नहीं चल सका है। उसकी तलाश जारी है। मामला लैलूंगा थाना क्षेत्र का है। उधर, जांजगीर-चांपा जिले में कुछ लोग महानदी में फंस गए थे। राहत की बात ये रही कि गोताखोरों ने उनका रेस्क्यू कर लिया। जानकारी के मुताबिक, ग्राम जमाबहार निवासी दो दोस्त संदीप लकड़ा और रोशन मिंज शनिवार की दोपहर मछली मारने खम्हार पाकुट डैम गए हुए थे। इसी दौरान अचानक मौसम बदल गया। जिसके चलते उनकी नाव पलट गई।

बताया जा रहा है कि आंधी-तूफान काफी तेज था। इस वजह से संदीप लकड़ा डैम में ही डूब गया। वहीं रोशन मिंज किसी तरह से बांध को पार करके बाहर चला गया। उसने गांव के लोगों को इसकी जानकारी दी। मगर तब तक देर हो गई थी। संदीप पानी में डूब चुका था। लोगों ने अपने स्तर पर उसे तलाशने का प्रयास किया, लेकिन उसका कुछ पता नहीं चल सका। जानकारी के बाद प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची। गोताखोरों को भी बुलाया गया था। उन्होंने शनिवार शाम से रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया, लेकिन युवक का कुछ पता नहीं चला। फिर रविवार को भी रेस्क्यू शुरू किया गया।

इसके बावजूद उसका कुछ पता नहीं चला। अब सोमवार को फिर से रेस्क्यू शुरू किया गया है। वहीं, जांजगीर-चांपा जिले में भी शनिवार की शाम करीब 6 बजे जब मौसम साफ था, तभी दो नावों में सवार होकर 6 बच्चे, 4 महिला और 4 पुरुष महानदी में बोटिंग कर रहे थे। मगर अचानक मौसम बदल गया और तेज आंधी तूफान शुरू हो गई। नाव महानदी के बीचों-बीच थी।

# गौवंश से किया गलत काम, बीजेवाईएम ने घेरा थाना

### आरोपी के घर के बाहर कार्यकर्ताओं ने की नारेबाजी, फरार युवक की गिरफ्तारी की मांग

भिलाई, 29 मई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले में गौवंश से गलत काम करने का मामला सामने आया है। घटना का अंजाम दूसरे राज्य से फेरी के लिए आए युवक ने दिया है। जैसे ही उसका वीडियो वायरल हुआ भाजयुमो कार्यकर्ताओं ने इसके विरोध में प्रदर्शन शुरू कर दिया। उन्होंने आरोपी की गिरफ्तारी की मांग को लेकर जामुल थाने का घेराव किया गया। जामुल पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक मामला थाना क्षेत्र अंतर्गत हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी का है। यहां फिरोज खान और उसके परिवार के लोग दो-

तीन मकान लेकर पिछले तीन चार सालों से रह रहे हैं। इन्हीं के यहां हसन खान नाम का एक युवक दिल्ली से कपड़े बेचने के लिए आया था। उसके द्वारा बीते 24 जून की रात को आवारा घूम रही गाय के साथ गलत हरकत की गई। उसकी ये पूरी हरकत सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई।

जब लोगों ने सीसीटीवी फुटेज में ये देखा तो सोमवार को उन्होंने इसे भाजपा नेताओं को दिखाया। इसके बाद मामला गरमा गया। भाजपा, भाजयुमो और बजरंग दल के लोगों ने एक होकर इसके खिलाफ प्रदर्शन शुरू कर दिया। उन्होंने जामुल थाने का घेराव कर आरोपी की गिरफ्तारी की मांग की।

जैसे ही इस बात की जानकारी लोगों को हुई बड़ी संख्या में हिंदू संगठन के लोग विरोध में उतर गए। उनके द्वारा आरोपी के घर का भी घेराव किया गया।

# सरकारी स्कूल में लगाई पाकिस्तानी समाजसेवी मलाला यूसुफजई की फोटो

रांची, 29 मई (एजेंसियां)। पाकिस्तान की समाजसेवी मलाला यूसुफजई की तस्वीर झारखंड के एक सरकारी स्कूल में लगाई गई थी, जिसे स्थानीय लोगों के विरोध के बाद हटा दिया गया। स्कूल प्रशासन का कहना है कि छात्राओं को प्रेरित करने के लिए पाकिस्तानी नोबेल पुरस्कार विजेता की तस्वीर लगाई थी। मामला झारखंड के रामगढ़ जिले की है। पुलिस के अनुसार, जिले के मांडू ब्लॉक के कोल बेल्ट कुजू स्थिच सरकारी स्कूल में मलाला की तस्वीर लगाई गई थी। इसके बाद गांव के मुखिया जय कुमार ओझा ने पंचायत प्रतिनिधियों और स्थानीय लोगों के साथ विरोध प्रदर्शन किया था। स्कूल के हेडमास्टर रवींद्र प्रसाद ने बताया कि हमारे विद्यालय की एक टीचर ने छात्राओं को प्रेरित करने के लिए उन्हें तस्वीर लगाने की अनुमति मांगी थी। इसके बाद उन्होंने पाकिस्तानी महिला समाज सेवक की तस्वीर लगाने के लिए अनुमति दी थी। लेकिन जब पंचायत और स्थानीय लोगों ने इसका विरोध किया तो हमने मलाला की तस्वीर हटा दी थी।

# जहां लाखों लीटर पानी बर्बाद, वहीं सूख रहे गले

कांकेर, 29 मई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के कांकेर में जहां एक फूड इंस्पेक्टर अपने मोबाइल के लिए 21 लाख लीटर पानी बर्बाद करा देता है। वहीं से महज एक किमी दूर पूरे गांव के गले प्यास से सूखे हुए हैं। यहां के लोग रोज सुबह बर्तन लेकर घरों से निकलते हैं और फिर गड्ढे में भरा पानी लाकर अपनी प्यास बुझाते हैं। खास बात यह है कि इसी गड्ढे के पानी में मेंढक कूदते रहते हैं और मछलियां तैरती हैं। बदबू इतनी कि आप हाथ भी लगाना पसंद नहीं करेंगे। जलाशय से महज कुछ दूरी पर पानी के लिए जद्दोजहद की यह तस्वीर हैरान कर देती है। दरअसल, पिछले दिनों मोबाइल के लिए पंखाजूर के परलकोट जलाशय से करीब छह फीट पानी मोटर पंप लगाकर बहा दिया गया था। इसी जगह से एक किमी की दूरी पर बसा है, बोगानभोड़िया गांव। कोयलीबेड़ा ब्लॉक के इस गांव में 20 से 25 परिवार निवास करते हैं और उनकी आबादी 80 से 90 लोगों की होगी। गांव में लगा एकमात्र नल करीब चार माह से खराब है। ग्रामीणों ने इसे लेकर कई बार सरपंच और प्रशासन में शिकायत की, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ।

# रूस का साथ देने पर मिलेंगे परमाणु हथियार

## बेलारूस के राष्ट्रपति ने किया ऐलान, 1991 के बाद पहली बार विदेशी धरती पर रूसी न्युक्लियर वेपन

मास्को, 29 मई (एजेंसियां)। रूस गुरुवार से पड़ोसी देश बेलारूस में अपने परमाणु हथियार तैनात करना शुरू कर चुका है। इसके 3 दिन बाद अब बेलारूस के राष्ट्रपति एलेक्जेंडर लुकाशेंको ने कहा है कि जो देश पुतिन और उनका साथ देंगे। उन्हें परमाणु हथियार दिए जाएंगे।

लुकाशेंको ने ये बात रविवार को एक ऑन कैमरा इंटरव्यू में कही। वो इस दौरान कजाकिस्तान से रूस के रिश्तों को लेकर बात कर रहे थे। उन्होंने कहा कि साथी देश यूनाइटेड स्टेट ऑफ बेलारूस और रूस में शामिल हो जाएं तो उन्हें परमाणु हथियार मिल जाएंगे।

**1991 के बाद पहली बार विदेशी धरती पर होंगे रूसी परमाणु हथियार**

1991 में सोवियत संघ के टूटने के बाद पहली बार ऐसा होगा जब रूस किसी विदेशी धरती पर परमाणु हथियारों को तैनाती करेगा। हालांकि इन पर रूस का ही कब्जा रहेगा।

इस समझौते पर लुकाशेंको ने कहा था कि 'हमें परमाणु हथियारों के लिए स्टोरेज फैसिलिटी बनानी थी। ये काम पूरा हो चुका है। रूस से परमाणु हथियारों का स्थानांतरण भी शुरू हो चुका है'।

वहीं, जब उनसे परमाणु हथियारों के बेलारूस पहुंचने पर सवाल किया गया तो उन्होंने कहा, 'हो सकता है पहुंच गए हों, मुझे जाकर देखना होगा।'

**रूस आखिर क्यों बेलारूस में तैनात कर रहा परमाणु हथियार?**

25 मार्च को रूस के राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन ने बेलारूस में रूस के परमाणु हथियार तैनात करने की घोषणा की थी। पुतिन ने कहा था कि बेलारूस के राष्ट्रपति लुकाशेंको काफी समय से परमाणु हथियारों को उनके देश में तैनात करने की मांग कर रहे हैं। बेलारूस के साथ रूस के करीबी सैन्य संबंध हैं।

पुतिन ने कहा था कि रूसी परमाणु हथियारों की बेलारूस में तैनाती का कारण ब्रिटेन का यूक्रेन को आर्मर पियर्सिंग शेल मुहैया कराना बताया था, जिसमें यूरेनियम होता है। पुतिन का कहना था कि परमाणु हथियारों को बेलारूस में रख कर रूस वही कर रहा है जो अमेरिका ने कई दशकों से बेल्जियम, जर्मनी, इटली, नीदरलैंड्स और तुर्की में परमाणु हथियारों को रख कर किया।

पुतिन ने यह भी कहा था कि रूस का कदम परमाणु हथियारों से जुड़ी किसी अंतरराष्ट्रीय संधि की अवहेलना नहीं करता है। अमेरिका ने नाटो सहयोगियों के इलाके में हथियार तैनात कर संधि का उल्लंघन किया है। पुतिन ने यह साफ किया था कि बेलारूस में परमाणु हथियारों की देखरेख रूसी सैनिकों के हाथ में होगी। इससे परमाणु अप्रसार समझौते का कोई उल्लंघन नहीं होता है।

# एर्दोगन दूसरी बार बनेंगे तुर्किये के राष्ट्रपति

## 20 साल से सत्ता में, महंगाई, भूकंप में 50 हजार मौतों जैसे मुद्दों के बाद भी चुनाव जीता

अंकारा, 29 मई (एजेंसियां)। रेसेप तैयप एर्दोगन एक बार फिर तुर्किये के राष्ट्रपति होंगे। एर्दोगन ने 28 मई को रन-ऑफ राउंड में बाजी मारी। एर्दोगन को कुल 52.1% वोट मिले, वहीं विपक्षी नेता कमाल केलिकदारोग्लू को 47.9% वोट हासिल हुए। ये चुनाव जीतने के बाद एर्दोगन 2028 तक राष्ट्रपति रहेंगे।

ये चुनाव तुर्किये में आए जानलेवा भूकंप के 3 महीने बाद हुआ, जिसमें 50 हजार से ज्यादा लोगों की मौत हुई थी। भूकंप के बाद 20 साल से तुर्किये की सत्ता में बैठे एर्दोगन पर सवाल खड़े किए गए थे। तुर्किये की करेंसी भी डॉलर के मुकाबले अब तक के सबसे निचले स्तर पर है। महंगाई 40% से ज्यादा है। इसके बावजूद एर्दोगन चुनाव जीतने में कामयाब रहे हैं। हालांकि, इस चुनाव में एर्दोगन को विपक्षी नेता कमाल केलिकदारोग्लू से कड़ी टक्कर मिली।

**2003 से सत्ता में है एर्दोगन**

एर्दोगन 2003 से तुर्किये की सत्ता में हैं। 2014 तक वो देश के प्रधानमंत्री रहे थे। 2016 में तुर्किये में तख्तापलट की कोशिश हुई। इसके बाद एर्दोगन ने देश में रेफरेंडम कराकर प्रेसिडेंशियल सिस्टम लागू कराया। वो तब से देश के राष्ट्रपति हैं। इस तरह देश के मुखिया के तौर पर पिछले 20 सालों में उन्हें 11वीं बार सत्ता मिली है।

चुनाव के नतीजे आने के बाद एर्दोगन ने इस्तानबुल में अपने घर की बालकनी से 3 लाख से ज्यादा लोगों संबोधित किया। इस दौरान एर्दोगन ने कहा कि ये पूरे तुर्किये की जीत है। भाषण के दौरान उन्होंने विपक्षी पार्टी का मजाक उड़ाते हुए कहा- बाय-बाय केलिकदारोग्लू।

**14 मई को हुए चुनाव में नहीं मिला था बहुमत**

तुर्किये में रविवार को राष्ट्रपति चुनाव के लिए दूसरी बार (रन-ऑफ राउंड) वोटिंग हुई थी। इससे पहले 14 मई को चुनाव में किसी भी पार्टी को बहुमत नहीं मिल पाया था। एर्दोगन की पार्टी एकेपी को तब 49.4% वोट मिले थे।

वहीं, तुर्किये के गांधी कहे जाने वाले कमाल केलिकदारोग्लू की पार्टी को 45.0% वोट मिले थे। जबकि सत्ता में आने के लिए किसी भी पार्टी को 50% से ज्यादा वोट मिलने चाहिए।

**शरणार्थियों को देश से बाहर करने पर लड़ा चुनाव**

प्रचार के आखिरी चरण में दोनों ही मुख्य पार्टियों ने सीरिया के प्रवासियों को देश से बाहर करने के मुद्दे पर वोटरों को लुभाने की कोशिश की थी। अलजजीरा के मुताबिक, देश में 30 लाख से ज्यादा सीरियाई शरणार्थी हैं।

एर्दोगन तुर्किये की एकेपी (अदालत वे कलकिनमा परतीसी) पार्टी के अध्यक्ष हैं। तुर्किश भाषा में एकेपी का मतलब जस्टिस एंड डेवेलपमेंट पार्टी है। उधर, कमाल कुमहीरीयत हल्क परतीसी (सीएचपी) से मैदान में थे। इसका मतलब रिपब्लिकन पीपल्स पार्टी है।

**नाटो देश होने के बावजूद रूस से अच्छे संबंध**

तुर्किये यूरोप में रूस को चुनौती देने के लिए बनाए नाटो का सदस्य देश है। इसके बावजूद रूस से उसके संबंध अच्छे हैं। 2022 में जब रूस ने यूक्रेन पर हमला किया को एर्दोगन ने उसकी आलोचना की, पर दूसरे पश्चिमी देशों की तरह कोई पाबंदियां नहीं लगाईं। एर्दोगन जब भी रूस के राष्ट्रपति पुतिन का जिक्र करते हैं तो उन्हें दोस्त कहकर संबोधित करते हैं। वहीं, कश्मीर पर तुर्किये के स्टैंड के चलते एर्दोगन को भारत विरोधी माना जाता है। हाल ही में श्रीनगर में हुई जी20 की टूरिज्म की बैठक में भी वो शामिल नहीं हुए थे। संयुक्त राष्ट्र संघ में कई बार कश्मीर का मसला उठा चुके हैं। फर्स्ट वर्ल्ड वॉर में ऑटोमन एम्पायर की हार हो गई थी। इसके बाद एम्पायर की आर्मी में कमांडर रहे मुस्तफा केमाल अतातुर्क ने तुर्किये की स्थापना 1923 में की थी। उस समय वहां की सोसाइटी कट्टरपंथी थी। इसके बावजूद केमाल ने तुर्किये को एक सेक्युलर देश बनाया।

# कल भारत आएंगे नेपाल के पीएम

## बेटी समेत 50 लोगों को डेलिगेशन भी आएगा, बॉर्डर से जुड़े मसलों पर बातचीत मुमकिन

काठमांडू, 29 मई (एजेंसियां)। नेपाल के प्रधानमंत्री पुष्प कुमार दहल उर्फ प्रचंड 31 मई से 3 जून तक भारत दौरे पर रहेंगे। पिछले साल दिसंबर में प्रधानमंत्री बनने के बाद प्रचंड पहली बार आधिकारिक दौरे पर भारत आ रहे हैं। प्रचंड के साथ बेटी गंगा भी भारत आ रही हैं। इसके अलावा करीब 50 लोग भी इस दौरे पर उनके साथ रहेंगे। इनमें मंत्रियों के अलावा अफसर और जर्नलिस्ट्स शामिल हैं। दोनों देशों के बीच बॉर्डर से जुड़े मसलों पर भी बातचीत होगी। प्रधानमंत्री मोदी ने प्रचंड को भारत आने का न्योता दिया था। नेपाल के अखबार 'काठमांडू पोस्ट' की रिपोर्ट के मुताबिक- प्रचंड की इस विजिट के दौरान दोनों देशों के बीच कुछ अहम समझौते भी हो सकते हैं। भारत और नेपाल के बीच बॉर्डर से जुड़े कुछ पुराने विवाद हैं। माना जा रहा है कि इनसे जुड़ा कोई समझौता भी सामने आ सकता है।

नेपाल की कुछ पार्टियों ने कहा है कि प्रचंड को भारत के साथ बॉर्डर इश्यूज पर जरूर बात करनी चाहिए, क्योंकि इनकी वजह से कई बार रिश्तों में तनाव आ जाता है। कालापानी, लिपुलेख और लिम्पियाधुरा वो बॉर्डर पॉइंट्स हैं, जिन पर दोनों देशों के दावे हैं। हालांकि, नेपाल सरकार भी मानती है कि बॉर्डर इश्यूज पर जल्द कोई समझौता होना आसान नहीं है, क्योंकि इन पर बातचीत चल रही है और इसमें वक्त लग सकता है।

दोनों देशों ने बॉर्डर से जुड़े मामलों को हल करने की जिम्मेदारी बाउंड्री वर्किंग ग्रुप (बीडब्ल्यूजी) बनाया है। 2014 में यह ग्रुप बनाया था। 2019 से इसकी कोई मीटिंग अब तक नहीं हुई है। दोनों देश इंटीग्रेटेड चेक पोस्ट बनाने पर भी समझौता कर सकते हैं। इसके दो हिस्से होंगे। दोनों देशों की बॉर्डर फोर्स साथ पेट्रोलिंग और चेकिंग करेंगी। इसके अलावा टूरिज्म और सिविल एविएशन सेक्टर में भी कुछ समझौते हो सकते हैं।

नेपाल सरकार चाहती है कि भारत उसकी डिजिटल पेमेंट सिस्टम को तैयार करने में मदद करे। भारत ने इसके लिए कुछ शर्तें रखी हैं। नेपालगंज एयर रूट को खोलने पर भी विचार हो सकता है। भारत चाहता है कि नेपाल और बांग्लादेश के बीच ट्रेड रूट बनाया जाए जो भारत से होकर गुजरे।

# क्या दिवालिया हो जाएगा यूएसए?

## अमेरिका पर कितना कर्ज, कैसे दुनिया के सबसे ताकतवर देश की ये हालत हुई

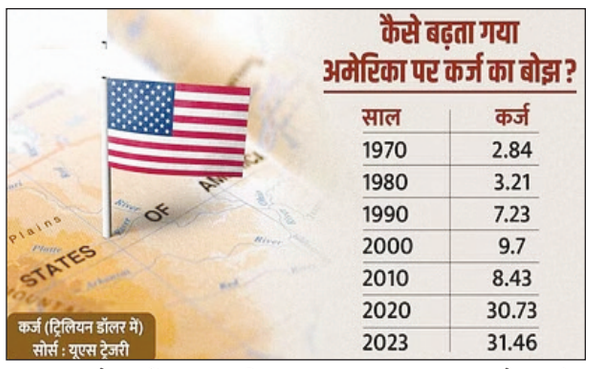


वाशिंगटन, 29 मई (एजेंसियां)। श्रीलंका, पाकिस्तान जैसे देशों के साथ-साथ दुनिया के सबसे ताकतवर देश अमेरिका में भी आर्थिक हालात बेहद खराब हो चुके हैं। रूस-यूक्रेन युद्ध के बीच आलम ये है कि अमेरिका दिवालिया होने की कगार पर आ चुका है। कई कंपनियों ने अपने यहां छंटनी तेज कर दी है। हर स्तर पर खर्च की कटौती चल रही है। आइए जानते हैं कि अमेरिका की ये हालत कैसे हुई? दुनिया के इस सबसे ताकतवर देश पर कर्ज का कितना बोझ है? कैसे बाइडेन सरकार इससे निपटने की कोशिश में जुटी है?

**पहले जानिए अमेरिका पर कितना और कैसे बढ़ा कर्ज?**

अमेरिका पर अभी कुल कर्ज 31.46 ट्रिलियन डॉलर यानी करीब 26 हजार लाख करोड़ से ज्यादा का कर्ज है। ये कर्ज अचानक से नहीं बढ़ा, बल्कि साल दर साल इसमें इजाफा हुआ है। 2001 के आंकड़ों पर नजर डालें तक देश पर 479 लाख करोड़ रुपये का कर्ज था। 2008 में ये बढ़कर 826 लाख करोड़ रुपये हो गया।

2017 तक कर्ज में जबरदस्त इजाफा हुआ। इसकी रकम बढ़कर 1670 लाख करोड़ पहुंच गई। उस वक्त बराक ओबामा अमेरिका के राष्ट्रपति हुआ करते थे। इसके बाद जब डोनाल्ड ट्रम्प कर शासन आया तो 2020 तब ये कर्ज बढ़कर 2224 लाख करोड़ रुपये पहुंच गया। अब ये 31.46 ट्रिलियन डॉलर हो गया है। आंकड़ों को देखें तो अभी अमेरिका के हर नागरिक पर करीब 94 हजार डॉलर का कर्ज है। इस कर्ज का ब्याज चुकाने के लिए अमेरिका हर रोज 1.3 अरब डॉलर खर्च करता है। आर्थिक मामलों के जानकार और दिल्ली इंस्टीट्यूट ऑफ इकनॉमिक्स ग्रोथ के रिसर्च एनालिस्ट सुमित कहते हैं कि अमेरिका पर 2019 से 2021 तक कर्ज बढ़ने की कई वजह हैं।

विकसित देश रेवेन्यू कमाने के लिए कर्ज बाजार में पैसा लगाते हैं। साथ ही सरकार पर बेरोजगारी बढ़ने, ब्याज दर में कटौती जैसे कारणों से भी कर्ज बढ़ते हैं। ब्याज दर में कटौती से अमेरिका में महंगाई बढ़ी। सरकार ने खर्च पर रोक न लगाकर कर्ज लेकर उसकी भरपाई की। कॉरपोरेट टैक्स 2019 में 35% से घटाकर 21% कर दिया गया।

साथ ही दुनिया में ताकतवर कहलाने के लिए भी अमेरिका ने पिछले कुछ दशक में काफी पैसा खर्चा किया है। फिलहाल, अमेरिका रूस के खिलाफ यूक्रेन को करोड़ों की मदद दे चुका है। चीन से निपटने के लिए ताइवान के लिए भी खूब खर्च किया है। इसके चलते अमेरिका का खर्च के साथ-साथ कर्ज का बोझ भी लगातार बढ़ता गया।

अमेरिका के भारी भरकम कर्ज का आंकड़ा आसान शब्दों में समझें तो अभी भारत की कुल जीडीपी जितनी है, उसका 10 गुना ज्यादा अमेरिका पर कर्ज है। भारत ही नहीं, चीन, जापान, जर्मनी, ब्रिटेन जैसे बड़े देशों की कुल जीडीपी से भी ज्यादा कर्ज अमेरिका पर है।

# चीन पहली बार स्पेस में भेजेगा आम नागरिक

## अब तक सिर्फ सेना के एस्ट्रोनॉट ही अंतरिक्ष गए, लॉन्च होगा मिशन

बीजिंग, 29 मई (एजेंसियां)। चीन की कम्यूनिस्ट सरकार पहली बार किसी आम एस्ट्रोनॉट को स्पेस में भेजने की तैयारी कर रही है। इससे पहले चीन की तरफ से सिर्फ सेना के एस्ट्रोनॉट्स अंतरिक्ष में गए हैं। चीन अपना मिशन कल यानी मंगलवार को सुबह 9:31 पर जिउगुआन सैटेलाइट सेंटर से लॉन्च करेगा।

चीन की स्पेस एजेंसी ने सोमवार को इसकी जानकारी दी। बताया कि इस मिशन पर जाने के लिए बीजिंग की यूनिवर्सिटी ऑफ एयरोनॉटिक्स और एस्ट्रोनॉटिक्स के प्रोफेसर गुई को चुना गया है। वहीं, मिशन के कमांडर जिंग हाइपेंग होंगे। जो पीपल्स लिबरेशन आर्मी से हैं। इस मिशन में दोनों के अलावा एक इंजीनियर झू यांगझू भी होंगे।

**चीन का 2030 तक चांद पर पहुंचने का प्लान**

चीन ने 2030 तक चांद पर पहुंचने की तैयारी कर रहा है। इसके लिए चीन की मिलिट्री के स्पेस प्रोग्राम पर कई बिलियन खर्च किए जा चुके हैं। न्यूज वेबसाइट अलजजीरा के मुताबिक चीन स्पेस रेस में अमेरिका और रूस की बराबरी करना चाहता है।

पिछले साल चीन ने अपना तीसरा परमानेंट स्पेस स्टेशन बनाने का काम पूरा कर लिया था। जिसे तियानगोंग नाम दिया गया है। इसे लॉन्च करने के बाद 10 साल तक धरती के ऑर्बिट में रखा जाएगा। जिससे सबसे लंबे वक्त तक इंसान के स्पेस में रहने का रिकॉर्ड बनेगा। 2011 में अमेरिका ने अपनी स्पेस एजेंसी नासा को चीन की स्पेस एजेंसी के साथ काम करने से इनकार कर दिया था। तब से चीन इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन से बाहर है।

**चांद के हिस्सों पर कब्जा कर सकता है चीन**

नासा के अधिकारी बिल नेल्सन ने पॉलिटिको नाम की वेबसाइट को दिए इंटरव्यू में कहा था कि चीन चांद के एक हिस्से पर साइंटिफिक रिसर्च फैसिलिटी बना रहा है। आशंका इस बात की है कि चीन बाद में इस इलाके पर कब्जा कर सकता है। ऐसी आशंका इसलिए भी है, क्योंकि अंतरिक्ष के नियम पहले आओ, पहले पाओ की तरह काम करते हैं।

**चीन के स्पेस मिशन से अमेरिका को चिढ़**

यूएस स्पेस फोर्स की चीफ ऑफ स्टाफ निना आर्मागनो ने 2022 के नवंबर में दावा किया था कि चीन आर्थिक फायदे और स्ट्रैटेजिक वजहों से स्पेस रेस को जीतने की कोशिश कर रहा है। अमेरिका को डर है कि अगर चीन अपने सभी मिशन में कामयाब होता है तो वो स्पेस रेस में उनको पीछे छोड़ देगा । इसके अलावा अमेरिका को ये भी डर है कि कहीं चीन अंतरिक्ष में अपने सैन्य ठिकाने बनाना शुरू न कर दे।

# पीटीआई की महिला समर्थकों के साथ जेल में यौन शोषण!

## आरोपों को लेकर घबराए गृहमंत्री ने की कॉन्फ्रेंस, इमरान ने घेरा

इस्लामाबाद, 29 मई (एजेंसियां)। पाकिस्तान में लगातार बवाल मचा हुआ है। इस बीच, जेल में बंद पीटीआई की महिला समर्थकों के साथ यौन शोषण किए जाने की बात सामने आ रही है। कहा जा रहा है कि पुलिस महिलाओं के साथ बदसलूकी कर रही है।

बता दें, 9 मई को जब पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को गिरफ्तार किया गया था। तो उनकी पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के समर्थक सड़कों पर उतर आए थे, जिसके बाद सेना ने सख्त कदम उठाए थे। सेना ने पीटीआई के कई समर्थकों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था, इसमें महिला भी शामिल थीं। इस बीच एक रिपोर्ट सामने आई है, जिसमें कहा गया है कि पीटीआई के कार्यकर्ताओं को भयावह तरीके से प्रताड़ित किया जा रहा है। वहीं, सोशल मीडिया पर बताया जा रहा है कि महिला समर्थकों का जेल में यौन शोषण हो रहा है। ऐसे में पाकिस्तान के पीएम शहबाज शरीफ की सरकार विपक्ष और मानवाधिकार समूहों के निशाने पर आ गई है।

**सरकार और विपक्ष में हंगामा**

रिपोर्ट के बाद, पीटीआई प्रमुख और शरीफ सरकार के बीच जंग छिड़ गई है। पीटीआई का कहना है कि उसके करीब दस हजार समर्थक जेल में बंद हैं। इसमें बड़ी संख्या में महिलाएं शामिल हैं। इन लोगों को भीड़भाड़ वाली जेलों में सी-श्रेणी के कैदियों के रूप में रखा गया है। पीटीआई ने कहा कि इन समर्थकों ने ऐसी कोई गलती नहीं की है, जिसकी वजह से उन्हें सी-श्रेणी के कैदियों के रूप में रखा जाए। ये लोग चिलचिलाती गर्मी में बंद हैं।

**राणा सनाउल्लाह ने किया सरकार का बचाव**

पीटीआई के बयान के बाद पाकिस्तान के लोगों में गुस्सा बढ़ता जा रहा है। सोशल मीडिया पर लगातार लोग शरीफ की सरकार को घेर रहे हैं। ऐसे में, गृह मंत्री राणा सनाउल्लाह ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर पीटीआई पर निशाना साधा। उन्होंने इमरान पर गलत जानकारी फैलाने और एक बड़ी योजना बनाने आरोप लगाया। सनाउल्लाह ने कहा कि खुफिया एजेंसियों ने हाल ही में एक बातचीत का पता लगाया था, जिससे संकेत मिला कि पीटीआई दो दुष्कर्म की योजना बना रही थी। बाद में इसका आरोप सुरक्षा बलों के सिर मढ़ने वाली थी। हालांकि, गृह मंत्री ने अपने बयान में कोई सबूत नहीं दिया। वहीं, गृह मंत्री की प्रेस कॉन्फ्रेंस में अपने ऊपर लगाए गए आरोपों को पीटीआई प्रमुख इमरान ने झूठा बताया। उन्होंने आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि राणा की कॉन्फ्रेंस ने सबकुछ साफ कर दिया है। बाद में, इमरान ने जेल से आने वाली डरावनी कहानियों के बारे में भी बताया। उन्होंने सरकार पर आरोप लगाए कि जेल में उनके समर्थकों के साथ भयावह व्यवहार किया जा रहा है।

# पाकिस्तान के मंत्री ने दिया संकेत

## अगर इमरान 9 मई को हुई हिंसा के लिए मांगें माफी, तो सरकार बात करने को तैयार

इस्लामाबाद, 29 मई (एजेंसियां)। पाकिस्तान में लगातार सियासी बवाल मचा हुआ है। इस बीच, पाकिस्तान के वित्तमंत्री इशाक डार ने संकेत दिया है कि देश में जारी सियासी गतिरोध को दूर करने के लिए पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान से बातचीत कर सकते हैं। हालांकि, उन्होंने इसके लिए शर्त रखी है की इमरान अपनी गलतियों को ठीक करने के लिए कदम उठाएं और नौ मई को हुई हिंसा के लिए देश से माफी मांगें। उल्लेखनीय है कि इमरान खान की इस्लामाबाद उच्च न्यायालय परिसर से हुई गिरफ्तारी के बाद उनके समर्थकों ने देशभर में हिंसक प्रदर्शन किया था और सैन्य प्रतिष्ठानों को निशाना बनाया था।

डार ने रविवार को ऐसे समय में ये संकेत दिया है जब सत्तारूढ़ गठबंधन पहले ही खान की वार्ता की पेशकश को यह कहकर ठुकरा चुका है कि बातचीत नेताओं से होती है न कि आतंकवादियों से। गौरतलब है, पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी ने नौ मई की हिंसा के मामले में प्रशासन द्वारा बडे पैमाने पर की जा रही कार्रवाई के बीच सरकार से चुनाव की तारीखों पर वार्ता के लिए सात सदस्यीय समिति गठित की है।

## मौत के बाद डिजिटली जिंदा रहेंगे लोग

वाशिंगटन, 29 मई (एजेंसियां)। अमेरिका में रहने वाले एक भारतीय कम्प्यूटर साइंटिस्ट का कहना है कि इस साल (2023) के आखिर तक मानव चेतना (ह्यूमन कॉन्शियशनेस) कंप्यूटर पर अपलोड हो सकेगी। इसके लिए उन्होंने लोगों से परिवार के बुजुर्ग और प्रिय सदस्यों की आवाज और वीडियो रिकॉर्ड करने के लिए कहा है। डेली मेल की एक रिपोर्ट के मुताबिक, डॉक्टर प्रतीक देसाई ने कहा- 2डी, 3डी, होलोग्राम और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की मदद लोगों को दोबारा जिंदा किया जा सकता है।

# हिटलर का घर पुलिस स्टेशन बनेगा

विन्ना, 29 मई (एजेंसियां)। ऑस्ट्रिया में हिटलर के घर को अब पुलिस स्टेशन बनाने की तैयारी की जा रही है। जहां पुलिस वालों को मानवाधिकारों की ट्रेनिंग दी जाएगी। बीबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक ये जगह ऑस्ट्रिया के ब्रोनाऊ में है। जो जर्मनी के बॉर्डर से काफी करीब है।

हिटलर यहां 20 अप्रैल 1889 में पैदा हुआ था। हालांकि, वो 3 साल की उम्र तक ही यहां रहा। किराये का घर होने की वजह से हिटलर का परिवार यहां से चला गया था। 2016 में काफी लंबे विवाद के बाद ऑस्ट्रिया की सरकार ने इस बिल्डिंग को खरीद लिया था।

**सेकेंड वर्ल्ड वॉर में नाजियों ने इसे धार्मिक स्थल बनाया**

2016 में सरकार ने हिटलर के घर को लेकर एक कमेटी बनाई थी। इसने सुझाव दिया था कि हिटलर के इतिहास को देखते हुए घर को तोड़ दिया जाना चाहिए। हालांकि, उस समय घर के तोड़े जाने का जमकर विरोध हुआ था। देश के कई बड़े नेताओं और लोगों ने कहा था कि इससे देश में हुई बड़ी घटना का इतिहास मिट जाएगा। जो हुआ उसके बारे में आगे की पीढ़ियां भी जान पाएं इसलिए बिल्डिंग नहीं गिराई जानी चाहिए। सेकेंड वर्ल्ड वॉर के दौरान नाजियों ने इस बिल्डिंग को एक धार्मिक में बदल दिया था। नाजी समर्थक लोग यहां टूरिस्ट बनकर आते थे। हालांकि, 1944 में जंग के आखिरी समय में हालात बदलने लगे।

हिटलर जिस बिल्डिंग में पैदा हुआ उस पर जेर्लिंडे पोमर नाम की महिला का मालिकाना कब्जा था। जिसे ये घर अपने पूर्वजों से मिला था। 1972 से सरकार ने इसे किराया पर लिया हुआ था। इसमें विकलांग लोगों के लिए केंद्र चलाया जाता था।

# पायलट मामले में सुलह की कोशिश में हाईकमान

## आज गहलोत-पायलट से खरगे की बैठक; कल खत्म होगा अल्टीमेटम, अगले सियासी कदम की घोषणा संभव

जयपुर, 29 मई (एजेंसियां)। बीजेपी राज के करप्शन पर कार्रवाई और पेपर लीक के मुद्दे पर सचिन पायलट के अल्टीमेटम के बीच कांग्रेस हाईकमान मामले में सुलह की कोशिश में जुट गया है। सचिन पायलट का अल्टीमेटम कल खत्म हो रहा है। मामले में सुलह नहीं होने पर 31 मई के बाद सचिन पायलट नए सिरे से आंदोलन की घोषणा कर सकते हैं। कांग्रेस हाईकमान से जुड़े नेता पूरे मामले में बीच का रास्ता निकालकर सुलह के प्रयास में हैं। राजस्थान के मामले को लेकर दिल्ली में अंदरखाने नेताओं के बीच मुलाकातों और बातचीत का सिलसिला जारी है।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे आज अशोक गहलोत और सचिन पायलट से अलग-अलग मिलने वाले हैं। दोनों नेता खरगे से मिलकर अपनी बात रख सकते हैं। राजस्थान के विधानसभा चुनावों को लेकर भी दिल्ली में बैठक है। इसमें वरिष्ठ नेता शामिल होंगे। उस बैठक में पायलट को भी बुलाया है। चुनावी रणनीति वाली बैठक पांचों चुनावी राज्यों की अलग-अलग हो रही हैं, लेकिन सबकी निगाह गहलोत-पायलट मामले को लेकर मल्लिकार्जुन खरगे से होने वाली बैठक पर टिकी है।

**खरगे बोले- पार्टी हित में जो होगा उस पर चर्चा करेंगे**

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने राजस्थान के मुद्दे पर कहा है कि नेता आने वाले हैं। उनसे डिस्कशन होगा। जो पार्टी हित में होगा, उस पर चर्चा करेंगे।

15 मई को दिया था अल्टीमेटम, मांगें अब तक अधूरी

सचिन पायलट ने पेपर लीक और बीजेपी राज के करप्शन के खिलाफ 11 मई से अजमेर से जयपुर के बीच पैदल यात्रा की थी। 15 मई को यात्रा के समापन पर जयपुर के मानसरोवर में की गई सभा में पायलट ने तीन मांगें रखकर 15 दिन में उन पर कार्रवाई करने का अल्टीमेटम दिया। पायलट ने पूर्ववर्ती वसुंधरा राजे की सरकार के करप्शन पर हाईलेवल कमेटी बनाने, आरपीएससी को भंग कर पुनर्गठन करने और पेपर लीक से प्रभावित बेरोजगारों को मुआवजा देने की मांग रखी थी। तीनों मांगें पूरी नहीं होने पर आंदोलन की चेतावनी दी

थी। पायलट के अल्टीमेटम को 30 मई को 15 दिन पूरे हो जाएंगे। तीनों में से किसी मांग को सरकार ने नहीं माना है।

**गहलोत ने कहा था- 'बुद्धि का दिवालियापन'**

पायलट की मांगों पर सीएम अशोक गहलोत ने विपक्ष की आड़ लेकर कहा था कि पेपर लीक पर मुआवजा मांगने को बुद्धि का दिवालियापन नहीं कहेंगे क्या, अब तक कभी पेपर लीक पर किसी सरकार ने मुआवजा दिया है क्या, ऐसा कभी हुआ है? गहलोत ने यह बयान गुरुवार शाम को जयपुर में सिंधीकैंप बस स्टैंड के नए टर्मिनल के लोकार्पण समारोह में दिया था। गहलोत ने मुआवजे की मांग को ₹बुद्धि का दिवालियापन' बताकर यह संकेत दे दिए कि तीनों में से किसी मांग को नहीं माना जाएगा।

**फिलहाल टकराव साफ दिख रहा**

पायलट और गहलोत के खेमों के बीच अभी तक टकराव के आसार साफ दिख रहे हैं, हालांकि हाईकमान के नेता अंदरखाने सुलह की कोशिश में लगे हैं। सुलह का रास्ता पायलट और गहलोत पर निर्भर करेगा। दोनों नेता कितना झुकते हैं। इस पर सब कुछ निर्भर करेगा। कांग्रेस हाईकमान आज दोनों नेताओं को अलग-अलग बुलाकर सुलह का फॉर्मूला तय कर सकता है।

सचिन पायलट मामले को सुलझाने में आज और कल का दिन अहम माना जा रहा है। राजनीतिक जानकारों के मुताबिक इस मामले में पायलट को भी अपने समर्थक वर्ग को जवाब देना है, क्योंकि उन्होंने अल्टीमेटम देकर आंदोलन की चेतावनी दी थी। अल्टीमेटम कल खत्म हो रहा है। अल्टीमेटम खत्म होने के बाद अब आगे क्या करेंगे, इसके बारे में भी पायलट को घोषणा करनी होगी, क्योंकि राजनीतिक विश्वसनीयता का मामला है। अगर सुलह होती है तो एक रास्ता यह भी है कि पायलट अल्टीमेटम को आगे बढ़ा सकते हैं। सबसे बड़ा मुद्दा तीनों मांगों का है, सवाल यह भी है कि उनके पूरे हुए बिना पायलट जनता के बीच जाकर कहेंगे क्या? फिलहाल गहलोत ने तीनों मांगों पर इशारों में रेड सिग्नल दे दिया है। इस हालत में सब कुछ हाईकमान पर निर्भर करेगा। पायलट की मांगों पर सहमति बनती है तो ही सुलह का रास्ता बनता है।

**टिकट वितरण में पायलट की भूमिका पर भी चर्चा**

सचिन पायलट मामले में सुलह का कोई भी फॉर्मूला तय होता है तो अल्टीमेटम की तीन मांगों के साथ उनके सियासी मुद्दों पर भी चर्चा होने के आसार हैं। पायलट टिकट वितरण में अपनी भूमिका भी चाहेंगे। कांग्रेस सूत्रों के मुताबिक सुलह फॉर्मूले में पायलट की पार्टी में भूमिका पर भी चर्चा होगी। विधानसभा चुनाव की आचार संहिता लगने में चार महीने का समय बचा है। अगले दो महीनों में चुनावी कमेटियां बन जाएंगी और टिकट वितरण पर एक्सरसाइज शुरू हो जाएगी। टिकट पर फैसला करने वाली कमेटियों में पायलट शामिल होते हैं तो ही वे समर्थकों को टिकट दिलवा पाएंगे, इसलिए यह मुद्दा भी अहम रहेगा।

**सुलह नहीं हुई तो टकराव बढ़ेगा**

पायलट से अगर सुलह नहीं होती है तो फिर राजस्थान कांग्रेस में टकराव बढ़ेगा। पायलट फिर सियासी अलगाव के रास्ते पर आगे बढ़ सकते हैं।

कांग्रेस के जानकारों का मानना है कि हाईकमान के पास पूरा फीडबैक है, इसीलिए सुलह की कोशिश शुरू की है। पायलट अलग सियासी लाइन लेते हैं तो चुनावी साल में कांग्रेस को ही नुकसान है, इसी नुकसान से बचने के लिए सियासी सुलह करवाने के प्रयास किए जा रहे हैं।

# पेपर लीक के मास्टरमाइंड को प्रमोशन देने पर आईएएस एपीओ

## माध्यमिक शिक्षा निदेशक गौरव अग्रवाल को पद से हटाया; पदोन्नति में बरती लापरवाही

बीकानेर, 29 मई (एजेंसियां)। सीनियर टीचर भर्ती पेपर लीक के मास्टरमाइंड अनिल उर्फ शेर सिंह मीणा को प्रमोट करने के मामले में माध्यमिक शिक्षा निदेशक गौरव अग्रवाल को राज्य सरकार ने एपीओ कर दिया है। गौरव को फिलहाल जयपुर में ही हाजिरी देनी होगी। पेपर लीक के मास्टरमाइंड अनिल को वाइस प्रिंसिपल से प्रिंसिपल पद पर प्रमोट किया गया है। खबर के बाद राज्य सरकार ने ये आदेश दिए हैं। शिक्षा विभाग ने पिछले दिनों विभागीय पदोन्नति समिति की बैठक की। इस बैठक में अनिल उर्फ शेर सिंह मीणा को भी प्रमोट कर दिया गया था। शिक्षा विभाग की लापरवाही देखिए कि बर्खास्त हो चुके शेर सिंह मीणा को प्रमोट कर दिया गया। इतना ही नहीं, उसका पदस्थापन भी कर दिया गया। खुद निदेशक गौरव अग्रवाल ने ही शाम होते-होते इस आदेश को वापस ले लिया था। इसके बाद राज्य सरकार ने सोमवार सुबह गौरव अग्रवाल को ही पद से हटा दिया। शिक्षा विभाग में पदोन्नति करने से पहले सभी कार्मिकों का रिकॉर्ड देखा जाता है। प्रत्येक कार्मिक के रिकॉर्ड की जांच की जाती है। आपत्ति भी मांगी जाती है। डीपीसी होने के बाद भी करीब एक महीने का वक्त रहता है। इसके बाद भी किसी के ध्यान में नहीं आया कि सेवा से बर्खास्त हो चुके कार्मिक को कैसे पदोन्नति दी जा सकती है। एक करोड़ रुपए में सीनियर टीचर भर्ती का पेपर बेचने वाले मास्टरमाइंड अनिल उर्फ शेर सिंह मीणा को शिक्षा निदेशालय ने वाइस प्रिंसिपल से प्रिंसिपल के पद पर प्रमोशन कर दिया था। शिक्षा निदेशालय बीकानेर ने रात में नया आदेश जारी किया। इसमें प्रमोशन आदेश को रद्द करते हुए बर्खास्त वाइस प्रिंसिपल शेर सिंह का नाम लिस्ट से हटा दिया गया है।

# तूफान-बारिश ने मचाई तबाही

## सिर पर ओले गिरे, दादा-पोते की मौत; मालगाड़ी के कंटेनर पलटे

## मौसम विभाग की चेतावनी- सुरक्षित स्थानों पर रहें

जयपुर, 29 मई (एजेंसियां)। राजस्थान में एक्टिव वेस्टर्न डिस्टर्बेंस का असर आज भी कहर बरपा सकता है। इसका सबसे ज्यादा असर जोधपुर, जयपुर, बीकानेर के अलावा अजमेर संभाग के कुछ जिलों में देखने को मिलेगा। यहां आज भी 70-80KM प्रति घंटे की रफ्तार से तेज अंधड़ आ सकते हैं। इसके साथ ही तेज बारिश के दौरान बिजली भी गिर सकती है।

इस स्थिति को देखते हुए जयपुर मौसम केंद्र ने 7 जिलों के लिए ऑरेंज और तीन जिलों के लिए येलो अलर्ट जारी करते हुए बारिश-आंधी के समय सुरक्षित स्थानों पर रहने की सलाह दी है। इससे पहले पिछले 24 घंटे में उत्तर-पश्चिमी राजस्थान के जिलों में अंधड़ ने जबरदस्त तबाही मचाई। कई जगह पेड़, मोबाइल टावर, कच्ची दीवारें गिर गईं।

80 कि.मी की स्पीड से भी ज्यादा तेज आए इस अंधड़ के कारण बीकानेर, जोधपुर और नागौर एरिया के आसमान में धूल का गुबार छा गया और विजिबिलिटी भी बहुत कम हो गई थी। वहीं, जैसलमेर में ओले गिरने से दादा-पोते की मौत हो गई तो अजमेर के सोजत में इतनी तेज हवा चली कि मालगाड़ी पर रखे लोहे के कंटेनर प्लेटफॉर्म पर पलट गए।

**बीकानेर में 11 साल में सर्वाधिक बारिश का रिकॉर्ड**

बीकानेर में रविवार दोपहर बाद बदले मौसम से हुई तेज बारिश ने 11 साल का रिकॉर्ड तोड़ दिया। साल 2014 में 17 मई को 50.4MM बारिश एक दिन में हुई थी, लेकिन कल 72.8MM बरसात हुई, जो पिछले 11 साल में मई महीने में एक दिन में सबसे ज्यादा दर्ज की गई। इधर, जोधपुर में भी कल देर रात जमकर बारिश हुई। यहां 48MM बारिश दर्ज हुई। जोधपुर-बीकानेर के अलावा कल डूंगरपुर, हनुमानगढ़, चूरू, सवाई माधोपुर, झुंझुनूं, बारां, झालावाड़, जैसलमेर, नागौर, बांसवाड़ा समेत कई जिलों में बारिश हुई।

**1 जून तक होगी बारिश**

मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक बैक टू बैक दो वेस्टर्न डिस्टर्बेंस आने से आंधी-बारिश का दौर 1 जून तक चलेगा। आज और कल तो कई जगह आंधी के साथ मध्यम से भारी बारिश भी हो सकती है। विशेषज्ञों के मुताबिक एक साइक्लोनिक सर्कुलेशन मध्य पाकिस्तान और एक हरियाणा के ऊपर बना हुआ है। इन सभी सिस्टम के कारण वेदर एक्टिविटी 1 जून तक होती रहेगी।

**जैसलमेर के रामदेवरा में बारिश और ओलावृष्टि में दादा-पोते की मौत**

जैसलमेर के रामदेवरा में रविवार को अचानक से हुई तेज बारिश और ओलावृष्टि के कारण बकरी चरा रहे दादा-पोते की दर्दनाक मौत हो गई। जानकारी के अनुसार रामदेवरा के भील बस्ती निवासी कानाराम (55) पुत्र भाखरराम और उसका पोता विक्रम (12) पुत्र देवाराम रविवार को दिन में बकरी चराने मावा गांव की तरफ गए थे। तभी दोपहर एक बजे के करीब बारिश और ओलावृष्टि शुरू हुई।

दादा-पोते देर शाम तक घर नहीं लौटे तो घरवालों ने तलाश शुरू की। देर रात करीब 11 बजे दोनों के शव सुनसान जगह पर पड़े मिले। परिजनों ने बताया कि ओलावृष्टि के दौरान सुरक्षित जगह नहीं मिलने से दोनों की मौत हो गई। वहीं, ओलावृष्टि से पांच बकरियों की भी मौत हो गई।

**डूंगरपुर 18 घंटे अंधेरे में डूबा**

डूंगरपुर में रात 10 बजे बारिश के साथ आए तूफान से शहर से लेकर गांवों में भारी नुकसान हुआ है। कई जगह पेड़ गिर गए। कई मकानों की दीवारें गिरने, टीन शेड उड़ने से नुकसान हुआ है। वहीं, बिजली के पोल, ट्रांसफार्मर और तार गिरने से सबसे बड़ा नुकसान बिजली निगम को हुआ है। इस वजह से डूंगरपुर शहर समेत कई गांव 18 घंटों से भी ज्यादा समय से अंधेरे में डूबे रहे। बारिश में एक मजदूर की जान चली गई।

**बाड़मेर में उड़ गया टिनशेड**

बाड़मेर जिले के पादरू मिठौड़ा रोड़ पर अनार की मंडी में तेज रफ्तार से चल रही आंधी से टिनशेड उड़ गए। गनीमत रही कि मंडी बंद थी। इससे जनहानि नहीं हुई। करीब 50 फीट लंबा टिनशेड उड़कर रोड तक पहुंच गया। वहां से गुजर रहे राहगीर बाल-बाल बचे।

# सीकर में आमने - सामने हुए डोटासरा और विधायक पारीक

## पारीक ने कहा - अपनी विधानसभा का ध्यान रखो

## डोटासरा बोले - अपनी सीमा में रहिए

सीकर, 29 मई (एजेंसियां)। सीकर में जिला कलेक्ट्रेट सभागार में चल रही बैठक के बीच आज पीसीसी चीफ गोविंद सिंह डोटासरा और सीकर विधायक राजेंद्र पारीक आमने - सामने हो गए। दरअसल आज सीकर में प्रभारी मंत्री शकुंतला रावत बजट घोषणाओं की बैठक ले रही थी। इसी दौरान जब नवलगढ़ रोड जलनिकासी और नवलगढ़ रोड पुलिया फोरलेन का मुद्दा उठा तो दोनो में काफी देर तक काफी नोकझोंक हुई।

दरअसल बैठक सीकर के लक्ष्मणगढ़ विधायक गोविंद सिंह डोटासरा ने नवलगढ़ रोड पर जलनिकासी प्रोजेक्ट के काम पर पर अधिकारियों से जवाब मांगा। इस पर सीकर विधायक राजेंद्र पारीक अधिकारियों और ठेकेदारों का पक्ष लेते हुए नजर आए। जिस पर डोटासरा ने विधायक पारीक को अधिकारियों का पक्ष न लेने की बात कही। ऐसे में दोनों तीखी नोकझोंक होना शुरू हो गई। सीकर विधायक राजेंद्र पारीक ने गोविंद सिंह डोटासरा को तो यहां तक कह दिया कि आप अपने लक्ष्मणगढ़ विधानसभा का ध्यान रखो। डोटासरा ने कहा कि मेरा आवास सीकर में नवलगढ़ रोड पर है। ऐसे में मुझे परेशानी होती है। पारीक ने कहा कि मैं और सभापति रात को 12 - 12 बजे तक शहर में चल रहे विकास कार्यों की खुद मॉनिटरिंग करते हैं। करीब 10 मिनट तक चली इस नोकझोंक में डोटासरा ने पारीक को कहा कि आप अपनी सीमा में रहिए।

नवलगढ़ पुलिया फोरलेन पर डोटासरा ने पीडब्ल्यूडी के अधिकारियों को कहा कि आपने पीपीटी में कोई और बात बताई है। जबकि बैठक में दूसरी बात कह रहे हो। ऐसे में किस बात को आधार मानें। फरवरी में बजट आ चुका है लेकिन अभी तक आप लोग यह डिसाइड नहीं कर सके हो। कि काम किस तरीके से करना है।

चुनावों में अब 4 महीने का समय बचा है। हम लोग जनता को क्या जवाब देंगे। डोटासरा ने बैठक में यह कह दिया कि मुझे 101 प्रतिशत विश्वास है। कि पीडब्ल्यूडी यह काम नहीं कर पाएगी। सीकर विधायक राजेंद्र पारीक ने इस मुद्दे पर कहा कि स्टेट लेवल पर विभाग और रेलवे के अधिकारियों की बैठक होनी चाहिए। तब जाकर इसमें काम हो सकता है।

# मुंबई की क्रूज पार्टी ड्रग्स का नशा गांव-ढाणी तक

## एमडी ड्रग्स तस्करों का नया नेटवर्क, 2 दिन में 7 लाख की नशे की पुड़िया पकड़ी

जोधपुर, 29 मई (एजेंसियां)। मुंबई में क्रूज और हाई प्रोफाइल पार्टियों में सबसे ज्यादा उपयोग की जाने वाली। एमडी ड्रग्स यानि meow का अपना नेटवर्क मारवाड़ में खड़ा हो गया है। कई स्टूडेंट और गांव के लोग इस नशे की चपेट में आ गए हैं।

खास बात यह है कि अब यह नशा बेचने वाले कोई बड़े तस्कर नहीं बल्कि छोटे छोटे लोग हैं जो कि नजरों में नही आते। जिस प्रकार से स्मैक की डिलीवरी करने वाले नशेडियो का कोई रिकॉर्ड नहीं है उसी प्रकार एमडी ड्रग भी अब इन्हीं नेटवर्क के जरिए पैर पसार रहा है।

**बड़े सप्लायर से आने के बाद छोटे पॉकेट में बंटते है**

पुलिस ने अब तक एमडी ड्रग्स के जितने भी मामले पकड़े हैं उसमें यही बात सामने आई है कि मुंबई और मेट्रो सिटी से इस ड्रग्स की बड़ी खेप आती है और उसके बाद छोटे-छोटे सप्लायर्स में बंट जाती है।

**7 लाख की नशे की पुड़िया पकड़ी**

-मंडोर थाना पुलिस ने 1 दिन पहले आंगनवा तिराहे पर एक पिता पुत्र को गिरफ्तार किया। पाली जिले के रोहट के रहने वाले भंवरलाल आचार्य और उसके पुत्र विनोद के कब्जे से पुलिस ने 67 ग्राम से ज्यादा एमडी ड्रग्स पकड़ी है। शास्त्री नगर थाना पुलिस ने रावण का चबूतरा मैदान के पास पीपाड़ सिटी के रहने वाले अनिल ढाका से एक पुड़िया में 3 ग्राम एमडी ड्रग्स पकड़ी। डांगियावास निवासी मनफूल विश्नोई से सिसोदिया गार्डन के पास करीब 6 ग्राम एमडी ड्रग्स पाई गई, जिसे भी गिरफ्तार किया है। पिछले 2 दिन में पकड़ी गई इन ड्रग्स की बाजार में कीमत 7 लाख से अधिक है।

**शराब और अफीम तस्करों की तरह ही नेटवर्क**

मारवाड़ क्षेत्र में अभी से पहले तक शराब और अफीम - डोडा तस्करों का ही नेटवर्क हुआ करता था। इसी तस्करी के जरिए कई बड़े माफिया भी निकले हैं। पिछले कुछ समय में एमडी ड्रग्स बेचने वालों का भी अपना अलग नेटवर्क खड़ा हो रहा है।

# पति के दोस्त ने किया महिला से रेप

*बाथरुम में नहाते समय बनाया न्यूड वीडियो वायरल करने की धमकी देकर किया ब्लैकमेल*

जयपुर, 29 मई (एजेंसियां)। जयपुर में पति के दोस्त के एक महिला से रेप करने का मामला सामने आया है। बाथरुम में नहाते समय आरोपी ने उसका न्यूड वीडियो बना लिया। वायरल करने की धमकी देकर ब्लैकमेल कर देहशोषण किया। मुहाना थाने में पीड़िता ने आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करवाई है। मामले की जांच एसएचओ दिलीप सिंह कर रहे है। पुलिस ने बताया कि मुहाना निवासी 25 साल की महिला ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है। वह अपने पति के साथ यहां रहती है। शिकायत में बताया कि पति के दोस्त मुकेश सैनी ने उसके साथ रेप किया है।

# शादी के 10 दिन बाद पत्नी का गला काटकर हत्या

## पड़ोसियों के घर पहुंचकर बोला पति- उसे मार डाला; फिर खुद पानी की टंकी में कूदा

बाड़मेर, 29 मई (एजेंसियां)। शादी के 10 दिन बाद ही पति ने पत्नी की कुल्हाड़ी से गला काटकर हत्या कर दी। हत्या के कुछ घंटों बाद पति पड़ोसी के घर पहुंचा। पड़ोसियों को बताया कि उसने पत्नी की हत्या कर दी है। फिर खुद पानी की टैंक (टांके) में कूद गया। लोगों ने तुरंत युवक को टंकी से बाहर निकालकर अस्पताल में भर्ती करवाया। घटना बाड़मेर धनाऊ थाने के पूंजासर गांव की है।

घटना की जानकारी मिलने पर डीएसपी धर्मेंद्र डूकिया और धनाऊ पुलिस मौके पर पहुंची। परिजनों की रिपोर्ट पर मर्डर की धाराओं में मामला दर्ज कर लिया गया है। फिलहाल पुलिस मर्डर के कारणों का पता लगाने में जुटी है।

पुलिस के अनुसार, पूंजासर के रहने वाले सलीम (58) ने 10 दिन पहले बिहार के मधुबनी जिले की सबाना खातून (26) के साथ शादी की थी। घर में दोनों ही रहते थे। सलीम का खेती का काम है। बीती रात को पत्नी घर में सो रही थी। पति ने गला काट दिया। रविवार सुबह 7 बजे पति सलीम ने पड़ोसी ढाणी मे जाकर घटना की पूरी जानकारी दी। बोला- पत्नी का गला काटकर हत्या कर दी है। इस पर पड़ोसी ने गांव के लोगों को बताया। 5-6 लोग इकट्ठे होकर उसकी ढाणी गए थे। चारपाई पर विवाहिता सबाना का शव पड़ा हुआ था। ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दी। करीब 8.30 बजे पति सलीम डर के मारे लोगों के सामने ही टैंक में कूद गया। ग्रामीणों ने आनन-फानन में टैंक से बाहर निकाला। धनाऊ हॉस्पिटल में प्राथमिक उपचार के बाद सांचौर रेफर कर दिया गया है। फिलहाल सांचौर से बाड़मेर रेफर किया गया है। डीएसपी धर्मेंद्र डूकिया ने बताया- सलीम को सांचोर से बाड़मेर डिस्ट्रिक्ट हॉस्पिटल रेफर किया गया है। वहीं, मौके पर एफएसएल टीम को बुलाकर सबूत जुटाए हैं।

*बहन बोली- जाने की जिद कर रहा है, ले जा*

# हाईवे पर पिस गए मामा-भांजा; डंपर ने बाइक को 400 मीटर घसीटा

बहरोड़, 29 मई (एजेंसियां)। मामा घर पहुंचा तो बहन के बेटे ने साथ जाने की जिद की। उसकी जिद के आगे बहन ने भी भाई से कहा कि इतनी जिद कर रहा है तो साथ ले जा। घर से 6 किलोमीटर पहले बाइक सवार मामा-भांजे को एक डंपर दोनों को पीस गया। अब दोनों के घरों में मातम है। मामला अलवर जिले के बहरोड़ कस्बे का है। कस्बे में दिल्ली-जयपुर हाईवे-48 पर दहमी गांव के पास यह हादसा सोमवार सुबह 9.30 बजे के करीब हुआ। बहन रविना का घर अलवर जिले के नीमराना कस्बे के गांव नाघोडी में है, जबकि भाई बहरोड़ के तलवाड़ गांव का रहने वाला है। बहरोड़ निवासी महेश (35) नीमराना में ओप्पो कंपनी की तरफ से प्रमोटर का काम करता है। नीमराना से पांच किलोमीटर दूर नाघोड़ी गांव में है। वहीं पर चचेरी बड़ी बहन (ताऊ की बेटी) रविना का ससुराल है। रविवार को ऑफिस से निलने के बाद अपने महेश बहन से मिलने उसके घर चला गया और रात वही पर रूका।

# जमीनी विवाद में लहराई बंदूक: आमने सामने आए दो पक्ष, एक ने की फायरिंग

गोविंदगढ़, 29 मई (एजेंसियां)। गोविंदगढ़ थाना के हरसोली गांव में पुराने जमीन के विवाद को लेकर दो पक्ष आमने सामने हो गए। इस दौरान दोनों ने एक दूसरे को जमकर गालियां दी तो वहीं एक पक्ष ने हवा में हथियार लहराते हुए फायरिंग कर दी। जानकारी के अनुसार मामला शनिवार का है। जब सुभान खान और इलियास पक्ष के लोग जमीन को लेकर आमने सामने हो गए। जिसका वीडियो एक पक्ष ने रिकॉर्ड कर लिया। जिसके बाद रविवार को ये वीडियो सामने आया। इससे बाद हरकत में आई पुलिस ने मामले की छानबीन शुरू कर दी।

मामले को लेकर सुभान खां पक्ष की ओर से इलियास पक्ष पर मुकदमा दर्ज कराया है। परिवादी सुभान खान ने बताया कि खसरा नंबर 621 गांव हरसोली में मेरी जमीन है। जिस पर मेरा कब्जा है। जिसका मामला संभागीय आयुक्त कोर्ट में चल रहा है। संभागीय आयुक्त ने उपखंड अधिकारी को फिर सुनवाई करने के लिए रिमाइंड किया है। 27 मई को दिन में करीब 12:00 बजे मेरा पोता मुनफेद, बेटा श्यामू को खेतों पर इलियास,अली मोहम्मद, आमीन, आरिफ, सद्दाम, तालीम खेत बोने की धमकी देने लगे।

जब मेरे बेटे और पोते ने मना किया, तब भी इलियास,अली मोहम्मद, आमीन, आरिफ ,सद्दाम, तालीम,कयूम,शाकिर एवं आसिम, सकीना, के साथ अन्य सभी लोग हमें जान से मारने की नियत से पास में घर से लाठी डंडा बंदूक लेकर आए और इलियास ने मुनफेद पर जान से मारने की नियत से बंदूक से फायर किया।

# राजस्थानी सैनिक क्षत्रिय माली संघ के चुनाव सम्पन्न

## रामवल्लभ भाटी बने अध्यक्ष

हैदराबाद, 29 मई (स्वतंत्र वार्ता)। राजस्थानी सैनिक क्षत्रिय माली संघ, कोलसावाडी, बेगम बाजार की आगामी सत्र हेतु चुनाव सर्वसम्मति से कराने के उद्देश्य से संयुक्त चुनाव समिति के तत्वावधान में आम सभा राजस्थानी सैनिक माली भवन, कोलसावाडी, बेगम बाजार में अत्यन्त सौहार्दपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुई। उक्त जानकारी यहाँ जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में संयुक्त चुनाव समिति के मुख्य चुनाव अधिकारी राजाराम गेहलोत द्वारा दी गई। विज्ञप्ति अनुसार आम सभा के प्रारम्भ में संयुक्त चुनाव समिति के राजाराम गेहलोत ने सभी उपस्थित समाज बन्धुओं से समाज के हित में सर्वसम्मति से आगामी सत्र हेतु अध्यक्ष एवं पदाधिकारियों के चयन का प्रस्ताव रखा।

उपस्थित समाज बन्धुओं ने सर्वसम्मति से रामवल्लभ भाटी को अध्यक्ष, त्रिलोकचन्द भाटी व जयनारायण पंवार को उपाध्यक्ष, राधाकिशन परिहार को मंत्री, रामकिशोर कच्छवाहा व देवेन्द्र साँखला को सह-मंत्री, पुरुषोत्तम टाक को कोषाध्यक्ष तथा रामकिशोर गेहलोत को सहकोषाध्यक्ष के रूप में चयन किया गया, जिसे उपस्थित सभी समाज बन्धुओं ने अपनी स्वीकृति प्रदान की। नवनियुक्त अध्यक्ष रामवल्लभ भाटी ने सर्वसम्मति से अध्यक्ष चुनने पर उपस्थित सभी समाज बन्धुओं को आभार प्रकट करते हुए, सभी को समाज विकास के लिए नवनियुक्त पदाधिकारियों का साथ देने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि वह और उनके साथी सभी समाज बन्धुओं को साथ लेकर समाज विकास के लिए भरसक प्रयास करेंगे। बैठक में भारी संख्या में समाज बन्धुओं के साथ संयुक्त चुनाव समिति के राजाराम गेहलोत, बजरंग गेहलोत, सत्यनारायण टाक, हँसराज भाटी, पूरणमल टाक एवं महेश भाटी के अतिरिक्त चुनाव समिति के सलाहकार रमेश सोलंकी, राहुल भाटी भी उपस्थित थे ।

# तेलंगाना से इस बार हज यात्रा पर जाएंगे करीब 7000 लोग : मंत्री

हैदराबाद, 29 मई (स्वतंत्र वार्ता)। अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री कोप्पुला ईश्वर ने बताया कि तेलंगाना से लगभग 7,000 लोग इस बार हज यात्रा पर जाएंगे और विशेष चार्टर्ड उड़ानें 5 जून से संचालित की जाएंगी।

मंत्री ने सोमवार को यहां हज समिति भवन में विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक की और आगामी हज यात्रा की व्यवस्थाओं की समीक्षा की। बैठक के दौरान, मंत्री ने कहा कि तेलंगाना सरकार ने हज यात्रा के लिए विशेष व्यवस्था की है और हज हाउस में तीर्थयात्रियों के लिए डायस, बैठने की व्यवस्था, बस में उतरने की जगह, सामान की जांच और चेक-इन काउंटर सहित सभी सुविधाओं की व्यवस्था की गई है। उन्होंने कहा कि विस्तारा एयरलाइंस राज्य सरकार के साथ मिलकर हज के लिए विशेष उड़ानें संचालित कर रही है और तीर्थयात्रियों के लिए ऑनलाइन और मैनुअल बुकिंग की सुविधा प्रदान की गई है। मंत्री ने तीर्थयात्रियों से हज यात्रा के लिए राज्य सरकार द्वारा दी जा रही सुविधाओं का लाभ उठाने की अपील की।

विधायक जाफर हुसैन, हज कमेटी के अध्यक्ष मोहम्मद सलीम, अल्पसंख्यक विभाग के सरकारी सलाहकार एके खान, राज्य वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष मोहम्मद मसीउल्लाह खान और अन्य उपस्थित थे।

# दमरे जीएम ने की साप्ताहिक समीक्षा बैठक

## कार्यस्थल पर सुरक्षा आवश्यकताओं के अनुपालन पर दिया जोर

हैदराबाद, 29 मई (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन ने रेल निलयम, सिकंदराबाद में प्रमुख विभागों के प्रमुखों के साथ जोन पर ट्रेन संचालन की सुरक्षा पर समीक्षा बैठक की। सभी छह मंडलों अर्थात विजयवाड़ा, गुंटकल, गुंटूर, सिकंदराबाद, हैदराबाद और नांदेड़ मंडलों के मंडल रेल प्रबंधकों (डीआरएम) ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से भाग लिया।

समीक्षा बैठक के दौरान अरुण कुमार जैन ने मालगाड़ियों के पर्यवेक्षण को बढ़ाने और कार्यस्थल पर सुरक्षा आवश्यकताओं के अनुपालन को सुनिश्चित करने के लिए लगातार फील्ड निरीक्षण करने पर प्राथमिक ध्यान दिया। उन्होंने दोहराया कि माल शेड और साइडिंग में फील्ड स्तर के कर्मचारियों को सुरक्षा के सभी पहलुओं पर अक्सर संवेदनशील बनाया जाना चाहिए। उन्होंने लोको पायलट और सहायक लोको पायलट सहित सुरक्षा श्रेणी के कर्मचारियों को दिए जा रहे रिफ्रेशर कोर्स, नियमित प्रशिक्षण और परामर्श सत्र की स्थिति की भी समीक्षा की। अरुण कुमार जैन ने पूरे जोन में लाइन दोहरीकरण, तिहरी लाइन, विद्युतीकरण और स्टेशन पुनर्विकास कार्यों सहित इस वर्ष पूरा होने के लिए लक्षित विभिन्न विकासात्मक परियोजनाओं की स्थिति की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को सलाह दी कि वे उचित योजना और कार्यों के निष्पादन को सुनिश्चित करके सभी बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की कड़ाई से निगरानी करें ताकि परियोजनाओं को बिना किसी चूक के लक्षित तिथि तक पूरा किया जा सके।

# आनंद गौड़ ने किया स्थानीय झुग्गी बस्तियों का दौरा

## सीवरेज लाइन और पेयजल समस्या को जल्द सुलझाने का आश्वासन

हैदराबाद, 29 मई (स्वतंत्र वार्ता)। गोशामहल के बीआरएस नेता एम. आनंद कुमार गौड़ ने स्थानीय झुग्गी बस्तियों का दौरा किया तथा उनकी समस्याएं सुनी। इस अवसर पर निवासियों उन्हें जामबाग डिवीजन के ओम नगर में कच्ची सीवरेज लाइन और प्रदूषित पानी की समस्याओं के बारे में बताया। आनंद कुमार गौड़ ने सोमवार को इस संबंध में जीएचएमसी एई वेणुगोपाल, वाटर वर्क्स मैनेजर शेखर के साथ क्षेत्रों का दौरा किया और उन्हें समस्या बताई। जल कार्य प्रबंधक ने आश्वासन दिया कि सीवरेज लाइन का आंकलन कर लिया गया है और कार्य शीघ्र पूरा कर लिया जाएगा। इसी तरह, जीएचएमसी एई ने कहा कि डीसाल्टिंग और सीसी सड़कों का अनुमान लगाया जाएगा। उन्होंने गोसामहल विधानसभा क्षेत्र की किसी भी समस्या को उनके संज्ञान में लाने का अनुरोध किया। उन्होंने बताया कि गोशामहल विधानसभा क्षेत्र मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव के सहयोग से विकास के पथ पर अग्रसर होगा। इस अवसर पर जामबाग संभाग के सचिव जी. नंदुमर, ओम नगर बस्ती निवासी पी. शिव दास, मुकेश, जी. शेखर, के. वेंकटेश, वी. राजेश, पी. प्रेम, नंदकिशोर, राज कुमार, डी. मधु, के. महेश, अरविंद, अभिषेक, नरेश मौजूद रहे।

# मधुमक्खियों के झुंड से भागा किसान कुएं में डूबा, मौत

निर्मल, 29 मई (स्वतंत्र वार्ता)। सोन मंडल के सकेरा गांव में सोमवार को मधुमक्खियों के झुंड से बचने की कोशिश में एक 27 वर्षीय युवक की डूबने से मौत हो गई। सोन सब-इंस्पेक्टर रविंदर ने कहा कि मधुमक्खियों के झुंड के हमले से बचने की कोशिश करते हुए कलिदा नरसैय्या ने एक खेत के कुएं में गोता लगाने के दौरान पानी से भरी कब्र का सामना किया। हालाँकि वह तैरना नहीं जानता था, फिर भी उसने खुद को बचाने की कोशिश में कुएँ में छलांग लगा दी। घटना के समय वह कुछ स्थानीय लोगों के साथ गांव के बाहरी इलाके में एक मंदिर में धार्मिक कार्यक्रम में शामिल हो रहा था। ढोल बजने से उत्पन्न शोर ने मधुमक्खियों को परेशान कर दिया, जिसने कार्यक्रम में भाग लेने वालों पर हमला कर दिया। अन्य लोग अलग-अलग दिशाओं में भागे और मधुमक्खी के हमले से खुद को बचाने में सफल रहे।

# अग्रवाल समाज बालनगर शाखा के चुनाव संपन्न

हैदराबाद, 29 मई (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल बालानगर शाखा की वार्षिक साधारण सभा एवं आगामी सत्र हेतु पदाधिकारियों के चुनाव संपन्न हुए। सभा के प्रारम्भ में शाखा अध्यक्ष पंकज केडिया ने सभी सदस्यों का स्वागत किया, उन्होंने सभी सदस्यों का सहयोग के लिए आभार जताया। शाखा के कोषाध्यक्ष अंकित गुप्ता ने लेखा-जोखा सभा के समक्ष प्रस्तुत किया, जिसे सर्व समिति से पारित किया गया। आम सभा में शाखा के संस्थापक प्रमोद मोदी सहित 35 सदस्यों ने भाग लिया। चुनाव अधिकारी पवन सिंघानिया, सलाहकार ओमप्रकाश अग्रवाल ने चुनाव प्रतिक्रिया सम्पन करवाई। पदाधिकारी, कार्यकारिणी एवं केन्द्रीय समिति निर्विरोध चुने गए। सुरेश गर्ग को अध्यक्ष, अंकित गुप्ता को उपाध्यक्ष, सुनील मित्तल को मानद मंत्री, पंकज केडिया को सहमंत्री, अशोक अग्रवाल को कोषाध्यक्ष, प्रमोद मोदी को केन्द्रीय समिति सदस्य तथा कार्यकारिणी सदस्य के रूप में पवन चौधरी, शिवकुमार अग्रवाल, सुशील पसारी, परामर्शदाता ओमप्रकाश अग्रवाल, नारायण सराफ, श्यामसुंदर सिंगनोडिया, कांतिप्रसाद कामदार को चुना गया। अवसर पर शाखा द्वारा युवा टीम का गठन किया गया, विनय सिंघानिया को युवा टीम का अध्यक्ष, विष्णु कामदार को उपाध्यक्ष, संजीत मित्तल को मानद मंत्री, अंकुर सिंघानिया को सहमंत्री तथा विनीत खेतान को कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया।

इस अवसर पर शाखा संस्थापक प्रमोद मोदी ने शाखा के सभी सदस्यों एवं नवगठित पदाधिकारियों को बहुत बहुत बधाई दी एवं शाखा के दिवंगत सदस्य सुभाष सिंघानिया व शाखा के प्रथम अध्यक्ष दिवंगत अशोक सिंघानियां की सेवाएं व शाखा को जोड़े रखने और उनकी तत्पर सेवाओं तथा कार्यो को याद करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि दी गयी। इस अवसर पर प्रमोद मोदी, पवन सिंघानिया, पंकज केडिया, अंकित गुप्ता, ओमप्रकाश अग्रवाल (भडुन्दा वाले), घनश्याम अग्रवाल, सुरेश अग्रवाल (भडुन्दा वाले), विनोद अग्रवाल (भडुन्दा वाले), श्यामसुंदर सिग्नोडिया, नारायण कुमार सराफ, महेंद्र सिंगनोडिया, सुनील मित्तल, सुरेश गर्ग, पवन चौधरी, शिवकुमार अग्रवाल, कांतिप्रसाद कामदार, नरेश अग्रवाल, अंकुर गुप्ता, सुरेश सिंघानिया, सुनील मोदी, शुशील पसारी, अशोक अग्रवाल, विनय सिंघानिया, संजीत मित्तल, अंकुर सिंघानिया, विष्णु कामदार, विनीत खेतान, अमित चौधरी, आशीष अग्रवाल, निखिल सराफ, अनूप सिंघानिया, महेश सिंघानिया एवं अन्य उपस्थित रहे।

# अनंत काबरा की तीन काव्य कृतियां विमोचित

हैदराबाद, 29 मई (स्वतंत्र वार्ता)। महेश नवमी पर प्रदर्शनी मैदान में आयोजित विशेष कार्यक्रम में डॉ. अनंत काबरा की सद्य प्रकाशित तीन काव्य कृतियों हैसियत, औकात और दबदबा का विमोचन किया गया।

इस अवसर पर माहेश्वरी महासभा के पूर्व सभापति रामपाल सोनी, प्रसिद्ध समाजसेवी श्रीमती भगवती देवी बल्देवा और मुख्य अतिथि तेलंगाना मत्स्य पालन मंत्री श्रीनिवास यादव, शिखा गोयल, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक दक्षिणांचल उप सभापति अरुण भांगड़िया एवं विभिन्न क्षेत्रों से पधारे माहेश्वरी समाज के पदाधिकारी गण विशाल पंडाल में हजारों की संख्या में लोग उपस्थित थे। प्रति का विमोचन श्रीमती भगवती देवी बल्देवा व रामपाल सोनी ने किया।

# गज्जला ने ली बापूनगर कालोनियों की समस्याओं की जानकारी

हैदराबाद, 29 मई (स्वतंत्र वार्ता)। सार्वजनिक मुद्दों पर पदयात्रा के 59वें दिन शेरीलिंगमपल्ली के भाजपा प्रभारी गज्जला योगानंद ने लिंगमपल्ली डिवीजन गोपीनगर और बापूनगर में मंडल अध्यक्ष राजू शेट्टी कुरुमा और गोपीनगर बूथ अध्यक्ष ए. महेश गौड़ के नेतृत्व में सार्वजनिक मुद्दों पर पदयात्रा की। कार्यक्रम के तहत योगानंद ने लोगों से बातचीत करते हुए गोपीनगर और बापूनगर कालोनियों की समस्याओं के बारे में पूछा और लोगों की उपलब्धियों और कष्टों को जाना। योगानंद ने कहा कि स्थानीय गोपी नगर कलानी प्रखंड में लोगों को परेशानी हो रही है और प्रदेश को स्वर्णिम तेलंगाना बनाने का दावा करने वाली बीआरएस सरकार कम से कम लोगों को बुनियादी सुविधाएं नहीं दे पाएगी। डबल बेडरूम घरों की कमी और पेंशन के अभाव में एक वक्त के भोजन पर रहने वाले बुजुर्गों की दुर्दशा, स्थानीय गोपी नगर तालाब बहुत खतरनाक हो गया है। तालाब से बदबू और मच्छर लोगों को गंभीर बीमारी का कारण बन रहे हैं। वहाँ गलियों में कम से कम बिजली की रोशनी नहीं है।

इससे कई प्रकार की चोरियां हो रही हैं। योगानंद ने सवाल किया कि पानी निकासी की व्यवस्था ठीक नहीं होने से मच्छर और पेयजल की निकासी एक साथ हो रही है, पीने के पानी से लोग गंभीर बीमारियों का शिकार हो रहे हैं। योगानंद ने मांग की कि सभी समस्याओं का समाधान किया जाए।

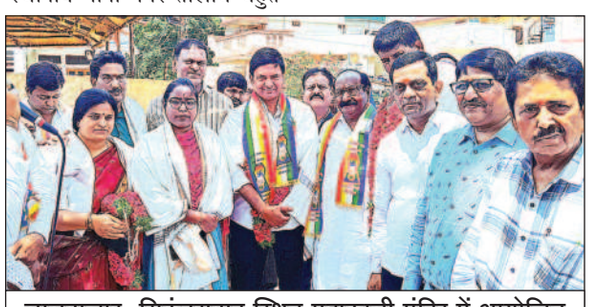

लालबाजार, सिकंदराबाद स्थित महाकाली मंदिर में आयोजित ध्वज स्थापना कार्यक्रम में बतौर अतिथि उपस्थित राजेश्वर रेड्डी, नलिनी किरन वेंकटराव, मधुकर, गौरीशंकर व अन्य।

# अस्थायी झोपडियों को तोड़ा, तनाव

जगतियाल, 29 मई (स्वतंत्र वार्ता)। कोरुतला कस्बे में सोमवार को उस समय हल्का तनाव व्याप्त हो गया जब राजस्व अधिकारियों ने स्थानीय लोगों, विशेषकर महिलाओं द्वारा सरकारी जमीन पर बनाये गये अस्थायी झोपडियों को तोड़ दिया। सीपीएमके तत्वावधान में स्थानीय महिलाओं ने कोरुतला शहर के बाहरी इलाके में जम्मीगड्डा क्षेत्र में स्थित सरकारी भूमि में अस्थायी झोपड़ियाँ बना ली हैं और पिछले एक महीने से आंदोलन जारी रखे हुए हैं और अधिकारियों से उन्हें ज़मीन आवंटित करने की मांग कर रही हैं। हालांकि, राजस्व अधिकारियों ने भारी पुलिस बल तैनात किया और सोमवार सुबह तड़के झोपड़ियों को तोड़ दिया। अधिकारियों के इस कदम से गुस्साई स्थानीय महिलाएंआरडीओ कार्यालयपर इकट्ठा हुईं और कार्यालय में घुसने की कोशिश की। हालांकि, पुलिस ने उनकी कोशिश को नाकाम कर दिया। पुलिस ने आक्रोशित महिलाओं को थाने पहुंचाया। इससे पहले सीपीएम के करीब 25 नेताओं और कार्यकर्ताओं को भी हिरासत में लिया गया था।

# तेयुप हैदराबाद द्वारा गुरु दर्शन यात्रा आयोजित

हैदराबाद, 29 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेरापंथ युवक परिषद हैदराबाद द्वारा आचार्य श्री महाश्रमण जी की अणुव्रत यात्रा में अभातेयुप की युवा वाहिनी के अंतर्गत तीन दिवसीय रास्ते की सेवा की गई। जिसमें गुजरात के संजान, उमरगांव और महाराष्ट्र का घोलवड गांव शामिल रहा। तेयुप हैदराबाद को 2 राज्य गुजरात और महाराष्ट्र में रास्ते की सेवा का अवसर मिला, जिसमें 28 मई को परम पूज्य गुरुदेव आचार्य श्री महाश्रमण जी का महाराष्ट्र सीमा में प्रवेश के अवसर पर स्वागत में तेरापंथ युवक परिषद हैदराबाद में अपनी सहभागिता दर्ज कराई।

परम पूज्य गुरुदेव ने तीन दिवसीय सेवा (लगभग 30 किलोमीटर) के दौरान तेरापंथ युवक परिषद हैदराबाद पर विशेष अनुकंपा बरसायी। साथ ही इस यात्रा के दौरान युवक परिषद को साध्वी प्रमुखा विश्रुत विभाजी, मुख्य मुनि महावीर मुनि, साध्वी वर्या जी, अभातेयुप के आध्यात्मिक पर्यवेक्षक मुनि योगेश कुमार जी, बहुश्रुत परिषद से विशिष्ट मुनि श्री दिनेश कुमार जी आदि सतों की सेवा करने का अवसर मिला। तेरापंथ युवक परिषद हैदराबाद से इस यात्रा में तेयुप अध्यक्ष विरेंद्र घोषल, मंत्री नीरज सुराणा, अभातेयुप सदस्य आशीष दक, गुरु दर्शन यात्रा संयोजक आलोक नाहटा, कर्मठ साथी विनय नाहटा जिनेंद्र बैद, पराग संचेती आदि इस यात्रा में सहभागी बने।

रवींद्र भारती में 100 बच्चों के साथ आयोजित वार्षिक नृत्य कार्यक्रम में बतौर अतिथि भाग लेते हुए जामबाग के पार्षद राकेश जायसवाल। साथ में हैं वैभव, प्रतीक शर्मा, अशोक शर्मा, कल्पना शर्मा व अन्य।

महेश नवमी उत्सव पर सीतारामबाग स्थित माधवदास झीरा में तेलंगाना-आंध्र प्रादेशिक माहेश्वरी युवा संगठन द्वारा आयोजित रुद्राभिषेक में भाग लेते हुए अध्यक्ष अनिरुद्ध कांकाणी, नवनिर्वाचित अध्यक्ष नवल किशोर बंग, सुमेश कुमार बंग, गोविंद कांकाणी, प्रीतम जाजू, द्वारकादास नावंदर, गोपालदास असावा, भरत सारडा, संचित बंग एवं अभिषेक भूतडा।

# मेरा जीवन अभियान पर जागरूकता व्याख्यान का आयोजन

हैदराबाद, 29 मई (स्वतंत्र वार्ता)। राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा संपदा संस्थान, गड्डिअन्नारम द्वारा सीएसआईआर एनजीआरआई ओपीडी में मानसिक स्वास्थ्य और आयुर्वेद तथा 'मेरा जीवन' अभियान पर जागरूकता व्याख्यान का आयोजन किया गया।

आज़ादी का अमृत महोत्सव 2.0 गतिविधियों के हिस्से के रूप में और मेरिलाइफ अभियान जागरूकता व्याख्यान सीएसआईआर एनजीआरआई डिस्पेंसरी में राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा संपदा संस्थान, गड्डिअन्नारम, हैदराबाद के डॉ. क्रिस आन्टनी, अनुसंधान अधिकारी (आयुर्वेद), और डॉ. विजयलक्ष्मी एसआरएफ (आयु.) द्वारा दिया गया। डॉ. क्रिस आन्टनी ने रोगियों को स्वस्थ और स्वस्थ दिमाग के लिए आयुर्वेदिक निवारक दवा दिशानिर्देश पेश किए। उन्होंने स्वस्थ जीवन के लिए पर्यावरण के अनुकूल जीवन शैली अपनाने के लिए मेरिलाइफ अभियान का भी उल्लेख किया। डॉ. विजयलक्ष्मी ने स्वस्थ दिमाग के लिए क्या करें और क्या न करें के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने आयुर्वेद द्वारा समर्थित मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दों और तनाव प्रबंधन रणनीतियों को रोकने के लिए आयुर्वेद के दायरे को पेश किया।

# पंकज अग्रवाल को एनटीआर लेगएंट्री नेशनल अवार्ड से सम्मानित

हैदराबाद, 29 मई (स्वतंत्र वार्ता)। बंजारा हिल्स स्थित एलवी प्रसाद ऑडिटोरियम में आयोजित फिल्म एंड टेलीविजन प्रमोशन ऑफ इंडिया एवं तेलुगू सिनेमा वेदिका के संयुक्त तत्वावधान में नंदमूरि तारक रामा राव की शत जयंती के उपलक्ष्य में एनटीआर लेगएंट्री नेशनल अवार्ड 2023 का विशाल आयोजन किया गया। अवसर पर नगर के सामाजिक कार्यकर्ता व अशोक फाउंडेशन के संस्थापक पंकज कुमार अग्रवाल को "एनटीआर लेगएंट्री नेशनल अवार्ड 2023" से सम्मानित किया गया। अवसर पर तेलुगु सिनेमा जगत के मुरली मोहन, कोटा श्रीनिवास राव कॉमेडियन गौतम राजू व अन्य गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में फिल्म एंड टेलिविजन प्रमोशन काउंसिल ऑफ इंडिया के अध्यक्ष चैतन्य जांग, टी. प्रसन्ना कुमार व वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड के ओम आकांक्षा ने पंकज कुमार अग्रवाल को सम्मानित कर स्मृति चिन्ह भेंट की। अवसर पर श्रीमती प्रियंका अग्रवाल का भी स्वागत किया गया।

# अनुभवी प्लेयर्स और धोनी ने बनाया सीएसके को सक्सेसफुल

## 14 सीजन में 12 प्लेऑफ, 10 फाइनल; परिवार बनकर रहते हैं खिलाड़ी

खेल डेस्क, 29 मई (एजेंसियां)। आईपीएल 2022 में 10 टीमों के पॉइंट्स टेबल में 9वें नंबर पर फिनिश करने वाली चेन्नई सुपर किंग्स इस सीजन सबसे पहले फाइनल में पहुंची। महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी वाली टीम ने क्वालिफायर-1 में डिफेंडिंग चैंपियन और सीजन के टेबल टॉपर गुजरात टाइटंस को हराकर साबित भी कर दिया कि वे क्यों टूर्नामेंट की सबसे कंसिस्टेंट टीम है।

4 बार की आईपीएल चैंपियन सीएसके 10वीं बार फाइनल में पहुंची है। 16 में से 14 सीजन खेलने वाली टीम 12 बार प्लेऑफ में भी पहुंची है। 6 फाइनल और 10 प्लेऑफ अपियरेंस के साथ मुंबई इंडियंस दूसरे नंबर पर है।

लीडरशिप, अनुभवी प्लेयर्स की टीम, मैनेजमेंट, कोचिंग और स्ट्रैटजी जैसे कुछ फेक्टर्स ने सीएसके को इतनी सक्सेसफुल फ्रेंचाइजी बनाया है। आगे स्टोरी में हम चेन्नई के इन्हीं फेक्टर्स के बारे में जानेंगे।

**शुरुआत लीडरशिप से करते हैं, धोनी शुरुआत से आज तक हैं टीम के कप्तान**

धोनी की पहली खूबीः आईपीएल इतिहास में सबसे ज्यादा मैच जीतने वाले कप्तान

चेन्नई सुपर किंग्स के कप्तान महेंद्र सिंह धोनी टीम के मेंटर, डिसीजन मेकर, विकेटकीपर और बैटिंग में फिनिशर की भूमिका निभाते हैं। कुल मिलाकर कहें तो सीएसके के मास्टरमाइंड धोनी ही हैं। मैदान के अंदर से लेकर बाहर तक टीम की पूरी स्ट्रैटजी और मैनेजमेंट धोनी के ही इर्द-गिर्द घूमता है। धोनी ही ऑक्शन से पहले खिलाड़ियों की खरीदी की प्लानिंग भी करते हैं।

2008 से सीएसके की कप्तानी कर रहे धोनी ने 224 में से 211 मैचों में टीम की कमान संभाली है। उन्हें 127 में जीत और महज 82 मैचों में हार मिली, 2 मैच बेनतीजा रहे। 13 मैचों में सुरेश रैना और रवींद्र जडेजा ने भी कप्तानी की, लेकिन दोनों मिलकर भी टीम को 4 ही मैच जिता सके। आईपीएल इतिहास में धोनी के अलावा कोई भी अन्य कप्तान 100 जीत हासिल नहीं कर पाया है। नंबर-2 पर मौजूद रोहित शर्मा को 158 मुकाबलों में से 87 में जीत मिली है।

**दूसरी खूबीः एवरेज टीम को खास बनाते हैं एमएसडी**

आईपीएल की बाकी टीमें जहां

मैच विनर्स खरीदने पर फोकस करती हैं। वहीं, सीएसके अनुभवी, गुमनाम और घरेलू खिलाड़ियों पर भरोसा कर टूर्नामेंट में बेहतर प्रदर्शन करती है।

सीएसके में इस वक्त धोनी के अलावा जडेजा और मोईन ही ऐसे खिलाड़ी हैं, जिनके पास 70 से ज्यादा टी-20 इंटरनेशनल मैचों का अनुभव है। मोईन को इस सीजन ज्यादा मौके नहीं मिले, खुद धोनी ने भी इस बार 56 ही गेंदें खेलीं। जडेजा ने जरूर अच्छा परफॉर्म किया।

इस सीजन टीम के टॉप परफॉर्मर तुषार देशपांडे, मथीश पथिराना, महीश तीक्षणा, अजिंक्य रहाणे, शिवम दुबे, दीपक चाहर, ऋतुराज गायकवाड और डेवोन कॉन्वे रहे। इनमें से कम ही खिलाड़ियों को टी-20 इंटरनेशनल में स्पेशलिस्ट के रूप में गिना जाता है, बावजूद इसके टीम ने सबसे पहले फाइनल में जगह बनाई।

**तीसरी खूबीः सीएसके को 4 आईपीएल, 2 सीएलटी-20 ट्रॉफी जिताई**

धोनी बेहद शांत और कूल कैप्टन कहलाते हैं, क्योंकि मैच में किसी भी तरह की सिचुएशन में वह अपने इमोशंस पर कंट्रोल बहुत जल्दी नहीं खोते। टीम के सभी खिलाड़ी उनके फैसलों का सम्मान भी करते हैं और यही वजह है कि मैच के दौरान धोनी के अलावा टीम के किसी भी खिलाड़ी का एग्रेसिव अप्रोच फील्ड पर नजर नहीं आता। इसीलिए टीम ने आईपीएल में सबसे ज्यादा 6 बार फेयर प्ले अवॉर्ड भी जीता है। ये अवॉर्ड खेल भावना बनाए रखने के लिए दिया जाता है।

खेल भावना और टीम स्पिरिट से ही धोनी की कप्तानी में चेन्नई ने 14 सीजन में 12वीं बार प्लेऑफ में जगह बनाई। इनमें भी टीम आज 10वां फाइनल खेलने जा रही है। सीएसके ने धोनी की ही कप्तानी में 2010, 2011, 2018 और 2021 में आईपीएल खिताब भी जीते हैं।

धोनी ने 2009 से 2015 के दौरान दुनियाभर की फ्रेंचाइजी टीमों के बीच होने वाली चैंपियंस लीग में भी सीएसके को 2 बार चैंपियन बनाया है। उन्होंने 2010 और 2014 में ये कारनामा किया था। यानी धोनी ने सीएसके को कुल 6 ट्रॉफी जिताई हैं।

**चौथी खूबीः बैन के बाद टाइटल विनिंग कमबैक कराया**

2016 और 2017 में चेन्नई सुपर किंग्स 2 साल के लिए बैन कर दी गई। टीम मालिक के बेटे मैच फिक्सिंग और बेटिंग से जुड़े मामलों में दोषी पाए गए थे, लेकिन 2018 के कमबैक सीजन में ही सीएसके ने फाइनल में एसआरएच को हराकर तीसरी बार आईपीएल ट्रॉफी उठा कर फिर से खुद को साबित कर दिखाया।

**2019 में भी टीम फाइनल में पहुंची, लेकिन मुंबई के खिलाफ महज एक रन से हार कर ट्रॉफी से दूर रह गई।**

2020 में टीम पहली बार प्लेऑफ में क्वालिफाई नहीं कर सकी। सीएसके 8 टीमों के पॉइंट्स टेबल में 7वें नंबर पर रही। इस खराब सीजन से उबरकर टीम ने कमबैक किया और 2021 के फाइनल में केकेआर को हराकर अपना चौथा खिताब जीत लिया।

2022 में भी टीम 10 टीमों के पॉइंट्स टेबल में 9वें नंबर पर रही थी और इस बार टीम फाइनल में पहुंचने वाली पहली टीम बनी।

**पांचवीं खूबीः खुद से आगे टीम को रखते हैं**

2022 में मेगा ऑक्शन होने थे। एक टीम ज्यादा से ज्यादा 4 ही प्लेयर्स को रिटेन कर अपने साथ रख सकती थी। ऐसे में धोनी ने कहा कि सीएसके उन्हें रिलीज कर 4 इम्पॉर्टेंट प्लेयर्स को रिटेन करे। टीम उन्हें ऑक्शन में कम कीमत में भी खरीद कर अपने साथ रख सकती है। सीएसके मैनेजमेंट ने धोनी की बात नहीं मानी और उन्हें ऑक्शन से पहले 12 करोड़ रुपए देकर रिटेन किया, क्योंकि मैनेजमेंट धोनी को दूसरी बार ऑक्शन में नहीं देखना चाहती। हालांकि धोनी के ही कहने पर मैनेजमेंट ने रवींद्र जडेजा को टीम के सबसे महंगे खिलाड़ी के रूप में रिटेन किया। जडेजा को टीम 16 करोड़ रुपए की रकम देती है।

**छठी खूबीः टीम में ज्यादा बदलाव नहीं करते**

धोनी अपनी प्लेइंग-11 और स्क्वॉड में ज्यादा बदलाव पर जोर नहीं देते। यही कारण है कि उन्होंने इस सीजन 15 में से 10 मैचों में अपनी प्लेइंग-11 और इम्पैक्ट प्लेयर नहीं बदले। एक जैसी प्लेइंग-11 से टीम टूर्नामेंट में 9 मैच जीत चुकी है उम्मीद है कि सीएसके क्वालिफायर-1 में खेलने वाली टीम के साथ ही फाइनल में भी उतरेगी।

# फ्रेंच ओपन 2023: एरिया सबालेंका, स्टेफानोस सितसिपास और एंड्रे रुबलेव ने जीत के साथ अभियान की शुरुआत की

पेरिस, 29 मई (एजेंसियां)। फ्रेंच ओपन 2023 पेरिस में रविवार से शुरू हो चुका है। 11 जून को इसका समापन होगा। बेलारुसी टेनिस खिलाड़ी एरिया सबालेंका, स्टेफानोस सितसिपास और एंड्रे रुबलेव ने अपने अभियान की शुरुआत जीत से की है। वे दूसरे राउंड में पहुंच गए हैं।

दूसरी सीड प्राप्त सबालेंका ने पहले दौर में यूक्रेन की मार्ता कोस्त्युक को सीधे सेंटों में हराया। कोस्त्युक वर्ल्ड सिंग्लस टेनिस में 36वें स्थान पर हैं। सबालेंका ने करीब 1.15 मिनट तक चले मुकाबले में कोस्त्युक को 6-3 और 6-2 से हराया।

**स्टेफानोस सितसिपास ने भी अपना मुकाबला जीता**

वहीं पुरुषों के खेले गए सिल्वा में ग्रीक खिलाड़ी स्टेफानोस सितसिपास ने भी अपना मुकाबला जीत लिया है। उन्होंने चेक गणराज्य के जिरी वेस्ली। 7-5, 6-3, 4-6 और 7-6 से हराया। सितसिपास ने पहला और दूसरा सेट आसानी से जीत लिया। उसके बाद वेस्ली ने वापसी की और तीसरा सेट अपने नाम किया।

**एंड्रे रुबलेव भी दूसरे दौर में पहुंचे**

वहीं रूसी खिलाड़ी एंड्रे रुबलेव ने लास्लो जेने को 6-1, 3-6, 6-3 और 6-4 से हरा कर दूसरे राउंड में पहुंच गए हैं।

**राफेल नडाल चोट की वजह से नहीं खेल रहे हैं**

14 बार के चैंपियन राफेल नडाल ने चोट के कारण फ्रेंच ओपन में नहीं खेल रहे हैं। वे साल की शुरुआत में ऑस्ट्रेलियन ओपन के दौरान चोटिल हो गए थे।

नडाल अब तक पिछले चार महीनों में स्वस्थ नहीं हो पाए हैं। इस वजह से वह 2004 के बाद पहली बार इस टूर्नामेंट का हिस्सा नहीं होंगे। नडाल की गैर मौजूदगी में मेंस वर्ल्ड नंबर एक कार्लोस अल्कराज और दो बार के चैंपियन नोवाक जोकोविच के पास क्ले कोर्ट पर खिताब जीतने का बढ़िया अवसर होगा।

# उथप्पा ने अंबाती रायुडू को बताया भारत का सबसे अंडररेटेड खिलाड़ी

## रिटायरमेंट पर कही दिल छू लेने वाली बात

मुंबई, 29 मई (एजेंसियां)। चेन्नई सुपर किंग्स के स्टार खिलाड़ी अंबाती रायुडू गुजरात टाइटंस के खिलाफ खेले जाने वाले मैच के बाद संन्यास लेने वाले हैं। इसका ऐलान उन्होंने रविवार को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट के माध्यम से किया। रायडू के रिटायरमेंट के ऐलान के बाद पूर्व क्रिकेटर और उनके साथी रॉबिन उथप्पा ने रायुडू की जमकर तारीफ की है। उथप्पा ने उन्हें भारत का मोस्ट अंडररेटेड खिलाड़ी भी बताया है।

**हर टीम रायुडू को अपने साथ रखना चाहती थी- उथप्पा**

जियो सिनेमा से बात करते हुए, उथप्पा ने सुझाव दिया कि अंबाती रायुडू को भारत की टेस्ट टीम का भी हिस्सा होना चाहिए था। उन्होंने जोर देकर कहा कि अनुभवी

बल्लेबाज एक बहुत ही जानकार क्रिकेटर है, और कोई भी टीम उसके जैसे व्यक्ति को अपने लाइनअप में रखना चाहेगी।

**रॉबिन उथप्पा ने कही ये बात**

रॉबिन उथप्पा ने रायडू को लेकर कहा कि "वह जहां भी गया है, उसने जो किया है ये सबने देखा है। वह भारत के अब तक के सबसे अंडररेटेड क्रिकेटरों में से एक है। उसे टेस्ट क्रिकेट खेलना चाहिए था, मुझे विश्वास नहीं हो रहा है कि उसने खेल नहीं खेला। वह खेल का चतुर छात्र है जो इसे अंदर से जानता है। हर टीम उसे रखना पसंद करती। मैं अपने जूनियर दिनों की उम्र से ही उन्हें पसंद करता हूं।"

**रायुडू ने ऐसे किया संन्यास का ऐलान**

अंबाती रायुडू ने रविवार को संन्यास का ऐलान करते हुए ट्वीट में लिखा कि 'सीएसके के बीच 2 बेहतरीन टीमें, 204 मैच, 14 सीजन, 11 प्लेऑफ, 8 फाइनल, 5 ट्रॉफी उम्मीद है कि आज रात छठवां। यह काफी लंबा सफर रहा है। मैंने फैसला किया है कि आज रात का फाइनल आईपीएल में मेरा आखिरी मैच होगा। मुझे वास्तव में इस महान टूर्नामेंट को खेलने में बहुत मजा आया। आप सभी का धन्यवाद। कोई यू -टर्न नहीं है।'

# 65 रन पर 5 विकेट गिरने के बाद ठोके 400 रन

## आयरलैंड ने इंग्लैंड की 'टीम' को 10 विकेट से हराया

लंदन, 29 मई (एजेंसियां)। आयरलैंड क्रिकेट टीम इस वक्त इंग्लैंड के दौरे पर है. वजह है एक टेस्ट और 3 वनडे की सीरीज. 1 जून से ये सीरीज खेली जाएगी लेकिन आयरलैंड ने धमाका अभी से ही कर दिया है और उस धमाके के साथ इंग्लैंड को ये साफ संदेश दे दिया है कि कमजोर समझने की भूल मत करना. इंग्लैंड की बेन स्टोक्स वाली सेना से भिड़ने से पहले आयरलैंड ने वहां की काउंटी टीम एसेक्स से लोहा लिया और उसे 10 विकेट से रौंद डाला.

रेड बॉल से खेला 3 दिनी मैच आयरलैंड ने तीसरे दिन जीत लिया. कमाल की बात ये है कि ऐसा उसने बल्लेबाजी में लड़खड़ाने के बाद किया है. किसी भी टीम की असली ताकत का पता भी तभी चलता है, जब वो लड़खड़ाकर संभलती है और मैच

में वापसी करती है.

**65/5 से 400 रन तक का सफर पहली पारी में**

बेन स्टोक्स एंड कंपनी का सामना करने से पहले आयरलैंड ने इंग्लैंड की जिस एसेक्स टीम का सामना किया, उसने मैच में पहले बल्लेबाजी की और पहली पारी में 343 रन ठोक दिए. जवाब में आयरलैंड जब जवाब देने उतरी तो हालत इतनी पतली हो गई कि पहली पारी में अपने 5 विकेट सिर्फ 65 रन पर खो दिए.

इस मुसीबत से निपटने में टीम को अनुभव का साथ मिला. और, उसके 3 धुरंधरों- पॉल स्टर्लिंग, लोरकान टकर और एंड्रयू मैक्ब्रायन- ने मैदान पर मोर्चा संभाल लिया. स्टर्लिंग ने शतक जड़ते हुए 107 रन बनाए. टकर ने 97 रन की पारी खेली जबकि एंड्रयू मैक्ब्रायन ने 67 रन बनाए. नतीजा ये हुआ कि आयरलैंड ने ना सिर्फ 400 रन स्कोर बोर्ड पर टांगे बल्कि पहली पारी में 57 रन की बढ़त भी ले ली.

**एसेक्स को 10 विकेट से हरा, इंग्लैंड को दिखाया ट्रेलर**

एसेक्स ने दूसरी पारी 8 विकेट पर 307 रन बनाकर घोषित की और आयरलैंड के सामने 232 रन का लक्ष्य रखा. दूसरी पारी में आयरलैंड ने कोई गलती नहीं की. उसके दोनों ओपनर पीटर मूर (118* रन) और जेम्स मैक्कोलम (100* रन) ने शतक जड़ा और टीम को 10 विकेट से जीत दिला दी.

आयरलैंड के लिए ये जीत हौसले देने वाली है. इस जीत के बाद उसके खिलाड़ियों का कॉन्फिडेंस यकीनन बढ़ा होगा, जिसका असर अब इंग्लैंड की मेन टीम के खिलाफ 1 जून से शुरू हो रहे टेस्ट मैच में दिखेगा.

# शुभमन गिल की इस अदा के मुरीद हुए 'क्रिकेट के भगवान', तारीफ में पढ़े कसीदे

मुंबई, 29 मई (एजेंसियां)। इंडियन प्रीमियर लीग 2023 में चेन्नई सुपर किंग्स और गुजरात टाइटंस के बीच अब सोमवार को रिजर्व डे पर फाइनल मैच खेला जाएगा। इस मैच में सभी की निगाहें एक बार फिर से गुजरात टाइटंस के युवा खिलाड़ी शुभमन गिल पर होगी जो कि बेहतरीन फॉर्म में नजर आ रहे हैं। उनकी बल्लेबाजी की कला ने हर किसी को मुरीद बना लिया है। ऐसे में मैच से पहले सचिन तेंदुलकर ने उनकी जमकर तारीफ की है।

**गिल की इस अदा के मुरीद हुए सचिन तेंदुलकर**

सचिन ने फाइनल से पहले सोशल मीडिया पर लंबी-चौड़ी पोस्ट शेयर की, जिसमें उन्होंने गिल की जमकर तारीफ की। सचिन ने लिखा कि 'मौजूदा सीजन में शुभमन गिल का प्रदर्शन अविस्मरणीय रहा। उनके दो शतकों ने अमिट प्रभाव छोड़ा। एक शतक से एमआई की उम्मीदें जगीं तो दूसरे ने पानी फिर दिया। क्रिकेट का ऐसा ही अप्रत्याशित नेचर है। शुभमन की बल्लेबाजी के बारे में जिस चीज ने मुझे वाकई प्रभावित किया, वह उनका जबरदस्त टेंपरामेंट और कॉमनेस है। उनकी रनों की भूख और विकेटों के बीच दौड़ने की काबिलियत ने भी प्रभावित किया है।"

**गुजरात और चेन्नई दोनों ही मजबूत टीम – सचिन**

सचिन ने इसके अलावा फाइनल मैच को लेकर अपनी राय रखी। उन्होंने कहा कि 'गुजरात एक मजबूत टीम है। शुभमन, हार्दिक पांड्या और डेविड मिलर के विकेट चेन्नई के लिए अहम होंगे। चेन्नई की बल्लेबाजी में भी गहराई है। एमएस धोनी नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आ रहे हैं। ऐसे में यह फाइनल दिलचस्प होने वाला है।'

**शुभमन गिल का धाकड़ प्रदर्शन**

बता दें कि गिल इस सीजन में बेहतरीन लय में नजर आ रहे हैं। उन्होंने अब तक खेले गए 16 मुकाबलों में 60.79 के शानदार औसत से 851 रन बनाए हैं।

उन्होंने इस दौरान 3 शतक और चार अर्धशतक भी जड़े हैं। वे अगर इस मैच में 122 रन बना लेते हैं तो कोहली के एक सीजन में सबसे ज्यादा रन बनाने के रिकॉर्ड को तोड़ देंगे।

# माइकल वॉन ने हार्दिक पांड्या को बताया टीम इंडिया फ्यूचर कप्तान, बोले- उसके पास सब कुछ है

मुंबई, 29 मई (एजेंसियां)। आईपीएल 2023 में हार्दिक पांड्या ने कमाल करते हुए अपनी टीम गुजरात टाइटन्स को लगातार दूसरी बार फाइनल में पहुंचाया है। पिछले सीजन की तरफ इस सीजन भी हार्दिक की कप्तानी के चर्चे चारों तरफ हैं। अब इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने उन्हें टीम इंडिया का व्हाइट बॉल का फ्यूचर कप्तान बताया है। इसके पीछे की वजह का खुलासा भी वॉन ने किया है।

माइकल वॉन ने कहा कि 'हार्दिक शांत व्यक्तित्व वाले इंसान हैं। यह ऑलराउंडर अपने गेंदबाजी के बदलाव करने के तरीके में उम्दा

है उनमें वह मिडस टच है, जो एक उत्कृष्ट व्हाइट-बॉल कप्तान बनने के लिए आवश्यक है।"

**हार्दिक पांड्या को बताया टीम इंडिया का फ्यूचर कप्तान**

इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने हार्दिक पांड्या की जमकर तारीफ की। उन्होंने क्रिकबज पर बात करते हुए कहा कि 'हार्दिक पांड्या भारत की कप्तानी करेंगे। मैं इसके बारे में सुन रहे सभी लोगों को यह मनाने में सक्षम हूं कि वह भारत की कप्तानी करेंगे। मुझे नहीं पता कि यह कब होगा। वह व्हाइट-बॉल क्रिकेट में भारत की कप्तानी करेंगे।'

**माइकल वॉन ने बताई हार्दिक की क्वालिटी**

माइकल वॉन ने हार्दिक पांड्या की क्वालिटी के बारे में बताते हुए कहा कि 'हार्दिक के पास शांति है, उनके पास खेल है। मुझे उनकी पीठ के चोट की चिंता है, लेकिन उनकी व्यक्तित्व मैदान में सही है। आप उनकी शरीरिक भाषा को देख सकते हैं। जिस तरह से वह शांतिपूर्वक अपनी फील्ड में दांव-पेंच करते हैं। जिस तरह से वें गेंदबाज़ी में बदलाव करते हैं।'

# तिलक वर्मा को इन 2 चीजों पर काम करना चाहिए

## वीरेंद्र सहवाग ने दी खास सलाह

मुंबई, 29 मई (एजेंसियां)। आईपीएल 2023 में मुंबई इंडियंस के युवा खिलाड़ी तिलक वर्मा ने इस सीजन भी कमाल का प्रदर्शन किया। उन्होंने इस सीजन कई विस्फोटक पारियां खेली हैं। दूसरे क्वालिफायर में तिलक द्वारा गुजरात के खिलाफ खेली गई 43 रनों की पारी को देखर टीम इंडिया के पूर्व सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग ने काफी प्रभावित हुए हैं। उन्होंने तिलक वर्मा को खास सलाह दी है।

दरअसल, आईपीएल 2023 के दूसरे क्वालिफायर में गुजरात के खिलाफ तिलक वर्मा की बल्लेबाजी देख हर कोई हैरान था। उन्होंने मोहम्मद शमी के एक ही ओवर में लगातार 4 चौके और एक छक्का लगा दिया था। इस मैच में तिलक

वर्मा ने सिर्फ 14 गेंद पर 5 चौके और 3 छक्के की मदद से 43 रन बनाए थे। इसके बाद वह आउट हो गए थे। वीरेंद्र सहवाग ने क्रिकबज्ज पर बातचीत के दौरान तिलक वर्मा को खास सलाह दी है। सहवाग ने कहा कि उन्हें दो चीजों पर फोकस करना चाहिए। पहली चीज तो अपनी फिटनेस और दूसरी चीज अपने स्किल की पहचान कर उस पर काम करना चाहिए। इसके अलावा माइंडसेट पर भी ध्यान देने की जरूरत है।

सहवाग ने बताया कि 'कई बार होता है जब आप रेगुलर क्रिकेट खेलते हैं तो फिर समय के साथ अपने आपको चेंज कर लेते हैं। हालांकि जब आप लगातार नहीं खेलते हैं तो फिर अपने फिटनेस और स्किल को बनाए रखना होता है। जैसे सूर्यकुमार यादव अपने इस शॉट की काफी ज्यादा प्रैक्टिस करते हैं।' तिलक को अपनी कमजोरियों पर काम करना चाहिए। उन्हें देखकर मुझे खुद की याद आ जाती है।

वीरेंद्र सहवाग ने खुद का उदाहरण देते हुए बताया कि 'जब मैंने पहली बार 1999 में टीम इंडिया के लिए खेला था तो शोएब अख्तर ने मुझे आउट कर दिया था।

# अवैध लिंग निर्धारण व गर्भपात में शामिल गिरोह का पर्दाफाश, 18 गिरफ्तार

वरंगल, 29 मई (स्वतंत्र वार्ता)। प्रसव पूर्व लिंग निर्धारण परीक्षण और अनधिकृत गर्भपात में लगे एक आपराधिक गिरोह को खत्म करने में पुलिस को एक महत्वपूर्ण सफलता मिली है। एंटी-ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट (एएचटीयू), टास्कफोर्स पुलिस, काकतीय यूनिवर्सिटी कैंपस (केयूसी) और चिकित्सा और स्वास्थ्य विभाग ने इन अवैध गतिविधियों में शामिल 18 व्यक्तियों को पकड़ने के लिए सहयोग किया। दो संदिग्ध अभी फरार हैं। छापेमारी के दौरान, पुलिस ने आरोपियों के पास से लिंग निर्धारण स्कैनिंग मशीन, 73,000 रुपये नकद और 18 सेल फोन जब्त किए।

गिरफ्तार किए गए लोगों की पहचान वेमुला प्रवीण, वेमुला संध्यारानी, डॉ. बालने परधु, डॉ. मोरम अरविंदा, डॉ. मोरम श्रीनिवास मूर्ति, डॉ. बालने पूर्णिमा, बालने प्रदीप रेड्डी, कैता राजू, तल्ला अर्जुन, प्रणय बाबू, कीर्ति मोहन, बालने असलथा, कोंगारा, रेणुका, भुक्य अनिल, चेंगेली जगन, गन्नारापु श्रीलता, बंदी नागराजू, और कसीराजू दिलीप के रूप में हुई है। उन्हें 1994 के प्री-कॉन्सेप्शन एंड प्री-नेटल डायग्नोस्टिक टेक्निक्स एक्ट के साथ-साथ अन्य प्रासंगिक अधिनियमों और आईपीसी की धाराओं के तहत बुक किया गया है।

सोमवार को हनमकोंडा में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में, आयुक्त एवी रंगनाथ ने मानव-तस्करी रोधी इकाई, टास्कफोर्स और जिला चिकित्सा और स्वास्थ्य विभाग द्वारा किए गए संयुक्त अभियान के विवरण का खुलासा किया। ऑपरेशन अवैध गर्भपात से संबंधित कई शिकायतों के आधार पर शुरू किया गया था। गौरतलब है कि मुख्य आरोपी वेमुला प्रवीण को हनमकोंडा पुलिस ने इसी तरह के आरोपों में पहले भी पकड़ा था। अपनी पिछली गिरफ्तारी के बावजूद, आसानी से पैसा कमाने के लालच में प्रवीण ने अवैध गतिविधियों में लिप्त रहना जारी रखा।

आयुक्त के अनुसार, अपनी पत्नी संध्यारानी के साथ, उन्होंने केयूसी पुलिस स्टेशन के अधिकार क्षेत्र में वेंकटेश्वर कॉलोनी में स्थित गोपालपुर क्षेत्र में एक गुप्त स्कैनिंग केंद्र संचालित किया। आयुक्त रंगनाथ ने आगे खुलासा किया कि प्रवीण ने निजी संपर्क अधिकारियों, जनसंपर्क अधिकारियों, अस्पताल प्रबंधन के साथ-साथ पंजीकृत चिकित्सकों (आरएमपी) और निजी चिकित्सा चिकित्सकों (पीएमपी) सहित विभिन्न चिकित्साकर्मियों के साथ संबंध स्थापित किए थे।

इस नेटवर्क का लाभ उठाते हुए, प्रवीण और उनके सहयोगियों ने उनके स्कैनिंग सेंटर पर जाने वाली महिलाओं का लिंग निर्धारण परीक्षण किया। यदि भ्रूण की पहचान मादा के रूप में हुई, तो प्रवीण महिलाओं को गर्भपात के लिए "संबद्ध" अस्पतालों में भेजेगा। हनमकोंडा के लोटस अस्पताल, गायत्री अस्पताल, नेकोंडा के उपेंद्र (पार्थ) अस्पताल और नरसमपेट के बालाजी मल्टी-स्पेशियलिटी अस्पताल में अवैध कार्य में शामिल रहे।

जांच से पता चला है कि गिरोह के सदस्यों ने पीड़ितों से कमीशन के रूप में वसूल की गई फीस को साझा किया, जिसमें प्रत्येक गर्भपात के लिए उन्हें 20,000 रुपये से लेकर 30,000 रुपये तक की राशि मिलती थी। चौंकाने वाली बात यह है कि अधिकारियों ने पता लगाया है कि यह आपराधिक संगठन 100 से अधिक अवैध गर्भपात के लिए जिम्मेदार है। कमिश्नर रंगनाथ ने कहा कि पुलिस बाकी दो आरोपियों का सक्रिय रूप से पीछा कर रही है।

## नीति आयोग निष्क्रिय हो गया : हरीश राव

हैदराबाद, 29 मई (स्वतंत्र वार्ता)। वित्त मंत्री टी. हरीश राव ने कहा कि केंद्र सरकार ने नीति आयोग को निष्फल कर दिया है क्योंकि वह कई मौकों पर इसकी सिफारिशों की अनदेखी कर रही है।

रविवार को मीडिया से बात करते हुए, मंत्री ने कहा कि नीति आयोग की सिफारिशों पर केंद्र सरकार की निष्क्रियता मुख्यमंत्रियों को बैठकों से दूर रहने के लिए मजबूर कर रही है। भाजपा द्वारा नीति आयोग की बैठक में शामिल नहीं होने के लिए मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव की आलोचना करने पर उन्होंने कहा कि भाजपा नेताओं को विचार करना चाहिए कि 10 राज्यों के मुख्यमंत्री भी बैठक से दूर क्यों रहे। मिशन भागीरथ के लिए नीति आयोग ने 24 हजार करोड़ रुपये देने की सिफारिश की थी, लेकिन केंद्र ने एक पैसा भी नहीं दिया। गैर भाजपा राज्यों की अनदेखी के लिए केंद्र पर बरसते हुए राव ने कहा कि भाजपा के नेतृत्व वाले केंद्र ने पिछले नौ में तेलंगाना के लिए कुछ नहीं किया।

केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी की घोषणा पर कि भाजपा तेलंगाना स्थापना दिवस समारोह अलग से मनाएगी, उन्होंने कहा कि भाजपा को अपने दम पर उत्सव मनाने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है क्योंकि पार्टी ने राज्य के लिए कुछ नहीं किया।

# स्थापना दिवस समारोह में प्रतिबद्धता के साथ भाग लें अधिकारी : निरंजन

## कृषि मंत्री ने राज्य स्थापना दिवस समारोह की तैयारियों की समीक्षा की

हैदराबाद, 29 मई (स्वतंत्र वार्ता)। यह कहते हुए कि राज्य सरकार कृषि क्षेत्र को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है, कृषि मंत्री सिंगरेड्डी निरंजन रेड्डी ने कहा कि यह एक बड़ा सम्मान है कि तेलंगाना राज्य का 21 दिवसीय स्थापना दिवस समारोह कृषि विभाग के साथ शुरू हुआ। मंत्री निरंजन रेड्डी ने सोमवार को यहां सचिवालय के जिला अधिकारियों के साथ एक वीडियो कॉन्फ्रेंस की और स्थापना दिवस समारोह के लिए कृषि विभाग की व्यवस्थाओं की समीक्षा की। बैठक के दौरान, अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने के लिए विस्तृत कदम उठाने का निर्देश दिया गया कि समारोह तेलंगाना राज्य के इतिहास में बना रहे। उन्होंने अधिकारियों को स्थापना दिवस समारोह में समर्पण और प्रतिबद्धता के साथ भाग लेने के लिए कहा और कहा कि समारोह को भव्य रूप से सफल बनाया जाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि गांवों में स्थित सभी रैतू वेदिकाओं को 3 जून को रंगीन रोशनी से सजाया जाना चाहिए और बीआरएस सरकार के कार्यकाल के दौरान कृषि विभाग की उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए रैतू वेदिकाओं के परिसर में पोस्टर और फ्लैक्सी बोर्ड लगाए जाने चाहिए। मंत्री ने अधिकारियों को कृषि विभाग की उपलब्धियों के बारे में पंपलेट वितरित करने और किसानों को कृषि क्षेत्र के लिए राज्य सरकार की पहल के बारे में शिक्षित करने का भी निर्देश दिया। मंत्री ने कहा कि सभी कृषि बाजारों और प्राथमिक कृषि सहकारी समितियों को रोशनी से सजाया जाना चाहिए और समारोह को किसानों और अन्य वर्गों के लोगों को शामिल करके भव्य तरीके से आयोजित किया जाना चाहिए।

### अलग-अलग घटनाओं में दो ने आत्महत्या कर ली

मेदक, 29 मई (स्वतंत्र वार्ता)। मेदक जिले में सोमवार को अलग-अलग घटनाओं में दो लोगों ने आत्महत्या कर ली। पहली घटना में मनोहराबाद मंडल के पोलाटा गांव में एक युवक तेज रफ्तार ट्रेन की चपेट में आ गया। वह रामायमपल्ली सरपंच पार्वती के पुत्र रवेली भास्कर (24) थे। बताया जाता है कि वह रविवार देर रात 10.30 बजे घर से निकला था। स्थानीय लोगों को सोमवार सुबह भास्कर के क्षत-विक्षत शरीर के अंग रेलवे ट्रैक पर मिले। एक अन्य घटना में, एक व्यक्ति ने चेगुन्टा मंडल में रेड्डीपल्ली टैंक में कूदकर आत्महत्या कर ली। पीड़िता उप्पला शरथ (31) थी, जो शनिवार की रात अपने घर से निकली थी। सोमवार की सुबह उसका शव पानी में तैरता हुआ मिला। अपने जीवन को समाप्त करने के निर्णय के पीछे के कारणों का अभी तक पता नहीं चल पाया है।

# केटीआर ने पहलवानों का अपमान करने के लिए केंद्र की आलोचना की

हैदराबाद, 29 मई (स्वतंत्र वार्ता)। राष्ट्रीय राजधानी में दिल्ली पुलिस द्वारा शीर्ष पहलवानों के साथ मारपीट और जबरन हिरासत में लेने की निंदा करते हुए, भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के कार्यकारी अध्यक्ष और आईटी मंत्री केटी रामाराव ने केंद्र सरकार पर पहलवानों का अपमान करने का आरोप लगाया।

पहलवान साक्षी मलिक के एक ट्वीट पर प्रतिक्रिया देते हुए, जिसने एक वीडियो क्लिप पोस्ट की, जिसमें पुलिसकर्मी पहलवानों को घसीटते हुए दिखाई दे रहे हैं, मंत्री केटी रामा राव ने सोमवार को ट्विटर पर केंद्र सरकार से सवाल किया और पूछा कि क्या भारत सरकार का कोई जिम्मेदार नेता हमें बता सकता है इसे इस तरह क्यों होना चाहिए? मंत्री ने आगे कहा कि ये वे चैंपियन हैं जिन्होंने हमें विश्व मंच पर गौरव दिलाया! वे हमारे समर्थन और सम्मान के पात्र हैं। 28 मई को, पहलवानों को तब हिरासत में लिया गया जब उन्होंने प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा उद्घाटन किए जाने पर नई संसद की ओर मार्च करने की कोशिश की।

पहलवान पिछले 35 दिनों से जंतर-मंतर पर भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के प्रमुख बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ धरना दे रहे हैं, जिन पर एक नाबालिग सहित कई महिला पहलवानों ने यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया है। विनेश फोगट, साक्षी मलिक और बजरंग पुनिया सहित भारत के शीर्ष पहलवान विरोध प्रदर्शन में हिस्सा ले रहे हैं।

## आंध्र प्रदेश : सभी क्षेत्रों के लिए आंधी और बारिश की चेतावनी

अमरावती, 29 मई (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने बताया है कि राज्य के लोग अगले पांच दिनों तक आंध्र प्रदेश के सभी क्षेत्रों में गरज के साथ बारिश देखेंगे। पूर्वानुमान में कहा गया है कि राज्य के कुछ हिस्सों में पारा उच्च स्तर पर रहेगा। आईएमडी की रिपोर्ट में कहा गया है कि उत्तरी तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, दक्षिण तटीय आंध्र प्रदेश और रायलसीमा में अलग-अलग स्थानों पर गर्म और असहज मौसम की संभावना है। 30 मई से 1 जून तक आईएमडी की रिपोर्ट में कहा गया है कि उत्तरी तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, दक्षिण तटीय आंध्र प्रदेश और रायलसीमा में अलग-अलग स्थानों पर 30-40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की संभावना है। तटीय आंध्र प्रदेश में प्रभावित जिले एएसआर, अनाकापल्ली, काकीनाडा, उभया गोदावरी, काकीनाडा कोनासीमा, एलुरु, एनटीआर, गुंटूर, बापतला, हैं। पलनाडु, पार्वतीपुरम, श्रीकाकुलम और विजयनगरम। रायलसीमा के प्रभावित जिले प्रकाशम, चित्तूर, कडप्पा, कुरनूल, अनंतपुर और वाईएसआर कडप्पा हैं। तूफान के प्रकाशम जिले में नल्लामाला जंगलों के साथ बनने और रायलसीमा जिलों में फैलने की उम्मीद है। विशाखापत्तनम शहर में बारिश कम होने की उम्मीद है, क्योंकि स्टीयरिंग समुद्र के किनारे से होगा।

जनता को सलाह दी जाती है कि वे आंधी और बारिश के दौरान सावधानी बरतें और सुरक्षित रहें। उन्हें शाम और रात के समय बाहर जाने से बचना चाहिए और यदि संभव हो तो घर के अंदर ही रहना चाहिए। उन्हें तूफान के दौरान गाड़ी चलाने से भी बचना चाहिए और बारिश में फंसने पर आश्रय लेना चाहिए।

## बीसी जाति के चिकित्सकों को 1 लाख रुपये की सहायता प्रदान करेगी सरकार : येर्राबेल्ली

जनगांव, 29 मई (स्वतंत्र वार्ता)। पंचायत राज मंत्री येर्राबेल्ली दयाकर राव ने कहा है कि राज्य सरकार पिछड़ी जाति के लोगों की मदद के लिए कदम उठा रही है। जाति-आधारित व्यवसायों में लगे पात्र व्यक्तियों को जल्द ही 1 लाख रुपये की वित्तीय सहायता प्राप्त होगी। उन्होंने सोमवार को पलकुर्थी निर्वाचन क्षेत्र में आयोजित अथमी सम्मेलनम की बैठक के दौरान यह घोषणा की। अपने संबोधन के दौरान, मंत्री राव ने खुलासा किया कि निर्वाचन क्षेत्र के भीतर विभिन्न परियोजनाओं के लिए 100 करोड़ रुपये आवंटित किए गए थे। इन परियोजनाओं में एक डिग्री कॉलेज का निर्माण, प्रत्येक समूह के लिए सामुदायिक हॉल और ऐतिहासिक और आध्यात्मिक स्थलों का विकास शामिल है। पालकुर्ती में 50 करोड़ रुपये की लागत से डिग्री कॉलेज की स्थापना की जाएगी। इसके अतिरिक्त, 5 लाख रुपये की लागत से सामुदायिक हॉल का निर्माण किया जाएगा, जबकि पालकुर्थी में ऐतिहासिक और आध्यात्मिक स्थलों का 50 करोड़ रुपये के व्यापक विकास से गुजरना होगा। पालकुर्ती पहले ही 150 करोड़ रुपये के विकास का गवाह बन चुका है। हमारे चल रहे प्रयासों के तहत, एक डिग्री कॉलेज आगामी शैक्षणिक वर्ष से अपना संचालन शुरू करेगा।

कार्यक्रम में उपस्थित डीसीसीबी के अध्यक्ष मर्नेनी रविंदर राव ने लोगों से किए गए सभी वादों को पूरा करने के लिए मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर रावकी सराहना की। उन्होंने पलाकुर्थी निर्वाचन क्षेत्र में मंत्री एर्राबेली के कार्यकाल के दौरान तेजी से विकास के लिए सराहना की। इस बीच, एर्राबेल्ली ट्रस्ट की अध्यक्ष उषा दयाकर राव ने विपक्षी दल के कुछ नेताओं द्वारा उनके पति दयाकर राव की शैक्षिक योग्यता के बारे में लगाए गए आरोपों को खारिज कर दिया। अपने दौरे के एक हिस्से के रूप में, मंत्री राव ने पोचम्मा मंदिर के विकास कार्यों की नींव भी रखी और पलाकुर्ती में 'वैकुंठधाम' का उद्घाटन किया।

# निम्स से 34 पूर्ण विकसित वृक्षों का स्थानान्तरण किया गया

हैदराबाद, 29 मई (स्वतंत्र वार्ता)। कुल 34 पूरी तरह से विकसित पेड़ों को एर्रामनज़िल क्षेत्र से स्थानांतरित किया गया, जहां निजाम इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (एनआईएमएस) के नए ब्लॉक का निर्माण किया जाएगा। वे एर्रामनज़िल कॉलोनी में स्थित हैं, जहाँ जीएचएमसी और बिजली विभाग की कई पुरानी और जर्जर इमारतों को गिराया जा रहा है। अधिकारियों ने पेड़ों को काटने के बजाय उन्हें उखाड़ने और बाद में उन्हें सुरक्षित स्थान पर स्थानांतरित करने का फैसला किया, ताकि वे आगे बढ़ सकें। निम्स अधिकारियों के अनुसार, कुल 34 पूरी तरह से विकसित पेड़ों को सुरक्षित रूप से एक अलग स्थान पर स्थानांतरित कर दिया गया।

राज्य के स्वास्थ्य मंत्री, टी. हरीश राव ने निम्स अधिकारियों को इस अधिनियम के लिए बधाई दी। यह सतत विकास की दिशा में एक कदम है। निम्स के अधिकारियों ने पेड़ों को काटने के बजाय स्थानांतरित करने का निर्णय लेकर पर्यावरण-चेतना का प्रदर्शन किया है। मैं पर्यावरण की रक्षा के लिए निम्स के अधिकारियों को बधाई देता हूं।

मुख्यमंत्री, के. चंद्रशेखर राव 21 दिवसीय राज्य स्थापना दिवस समारोह के दौरान 13 जून को एर्रामंजिल में 2000 बिस्तर वाले नए निम्स ब्लॉक के लिए आधारशिला रखेंगे। राज्य सरकार ने नए सुपर स्पेशियलिटी निम्स ब्लॉक के निर्माण के लिए पहले ही 1,500 करोड़ रुपये से अधिक आवंटित कर दिए हैं।

## वाईएस शर्मिला ने कर्नाटक के डिप्टी सीएम से मुलाकात की

हैदराबाद, 29 मई (स्वतंत्र वार्ता)। वाईएसआरटीपी की अध्यक्षा वाईएस. शर्मिला ने कर्नाटक कांग्रेस अध्यक्ष और उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार सोमवार को बेंगलुरु में मुलाकात की। शिवकुमार के कार्यालय के अनुसार, यह दोनों नेताओं के बीच सिर्फ एक सौहार्दपूर्ण मुलाकात है और इसमें कोई ब्योरा नहीं दिया गया। शिवकुमार आंध्र प्रदेश के दिवंगत मुख्यमंत्री वाईएस राजशेखर रेड्डी के दिनों से शर्मिला रेड्डी के करीबी पारिवारिक मित्र हैं। सूत्रों ने कहा कि शर्मिला रेड्डी तेलंगाना राज्य में कांग्रेस पार्टी के साथ गठबंधन करने की इच्छुक हैं और उन्होंने इस संबंध में शिवकुमार से बात की है। कांग्रेस इस साल के अंत में होने वाले विधानसभा चुनावोंसे पहले भारत-विरोधी भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के वोटों को एकजुट करने की भी उम्मीद कर रही है।

## तिरुमला उत्सव जून में होगा

हैदराबाद, 29 मई (स्वतंत्र वार्ता)। गर्मी की छुट्टियों को देखते हुए तिरुमाला जाने वाले श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ती जा रही है। नवीनतम रिपोर्टों के अनुसार, सर्व दर्शन के लिए टोकन के बिना भक्तों को श्रीवारी दर्शन के लिए 24 घंटे तक लग सकते हैं। जो भक्त जून में तिरुमाला मंदिर जाने की योजना बना रहे हैं, उन्हें अपना टिकट अग्रिम रूप से बुक कर लेना चाहिए, क्योंकि तिरुमला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) जून में एक विशेष उत्सव की योजना बना रहा है। नम्मालवार सत्तूमोरा उत्सवम 2 जून को और ज्वेष्टाभिषेकम 2 से 4 जून को होगा।

4 जून को इरुवाका पूर्णिमा उत्सवम, 14 जून को मातृया एकादशी, 28 जून को पेरियालवर उत्सवम, 29 जून को चातुर्मास्य व्रत आरंभ उत्सवम होंगे।

# वीएच ने कर्नाटक मुख्यमंत्री सिद्धारमैया से की मुलाकात

## बीसी गर्जना सभा में बतौर मुख्य अतिथि भाग लेने के संबंध में की बात

हैदराबाद, 29 मई (स्वतंत्र वार्ता)। पीसीसी के पूर्व अध्यक्ष और पूर्व राज्यसभा सदस्य वी. हनुमंत राव ने आज कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया से बेंगलुरु में उनके आवास पर मुलाकात की और उन्हें कर्नाटक के मुख्यमंत्री के रूप में दूसरे कार्यकाल के लिए बधाई दी। बैठक के दौरान, वीएच ने सिद्धारमैया को अगले महीने जून के महीने में तेलंगाना में होने वाली बीसी गर्जना सभा के लिए मुख्य अतिथि बनने के लिए कहा। वीएच ने सिद्धारमैया को सूचित किया कि तेलंगाना पीसीसी अध्यक्ष और सीएलपी नेता भी इस संबंध में उन्हें निमंत्रण देंगे। इस अवसर पर पूर्व मंत्री नसीर अहमद, तमिलनाडु पीसीसी अध्यक्ष केएस अझगरी और अन्य उपस्थित थे।

# महिला ने घर में ही कर दिया पति के शव का अंतिम संस्कार

कुरनूल, 29 मई (स्वतंत्र वार्ता)। एक महिला ने अपने पति के शव का अंतिम संस्कार अपने घर पर कर दिया, क्योंकि उसे डर था कि अगर उनके दो बेटों को पिता की मौत के बारे में पता चला तो वे उसकी संपत्ति के लिए लड़ेंगे। चौंकाने वाली घटना सोमवार को आंध्र प्रदेश के कुरनूल जिले के पट्टीकोंडा शहर में हुई।

महिला ने पुलिस को बताया कि उनके दोनों बेटे उनकी देखभाल नहीं कर रहे थे और उन्हें शक था कि अगर उन्हें अपने पिता की मौत के बारे में पता चलेगा तो वे आएंगे और संपत्ति के लिए लड़ेंगे। ललिता ने पुलिस को बताया कि उनके पति हरिकृष्ण प्रसाद (60) की तबियत ठीक नहीं थी और सुबह तड़के उनका निधन हो गया। उसने अपनी मृत्यु के बारे में किसी भी रिश्तेदार को सूचित नहीं किया और घर पर उसका अंतिम संस्कार करने का फैसला किया। हालांकि, घर से धुआं निकलते देख पड़ोसियों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस वहां पहुंची तो महिला ने खुलासा किया कि उसने अपने पति का अंतिम संस्कार घर पर ही किया।

कस्बे में दवा की दुकान चलाने वाले हरिकृष्ण प्रसाद और ललिता के दो बेटे हैं। जहां बड़ा बेटा कुरनूल के एक निजी अस्पताल में काम करता है, वहीं छोटा बेटा कनाडा में रहता है। ललिता ने कहा कि उनके बेटे उनकी देखभाल नहीं कर रहे हैं और केवल संपत्ति में हिस्सा मांगने के लिए घर आ रहे हैं। उसे डर था कि अगर उसने उन्हें अपने पिता की मृत्यु के बारे में बताया तो वे घर आएंगे और संपत्ति के लिए लड़ेंगे। पुलिस महिला से पूछताछ कर रही है। उन्हें शक है कि वह मानसिक रूप से स्थिर नहीं है। पुलिस ने मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.